रजिस्ट्री सं. डीएल(एन)-04/0007/2003--05 REGISTERED No. DL(N)-04/0007/2003—05

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 22] नई दिल्ली, शनिवार, मई 28—जून 3, 2016 (ज्येष्ठ 7, 1938)

No. 22] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 28—JUNE 3, 2016 (JYAISTHA 7, 1938)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	423
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	449
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	7
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1343
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	583
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	85
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	549
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	423
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	449
PART I—SECTION 3—Notifications relating to resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	7
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1343
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministriess of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	583
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	85
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	549
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I — खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2016

सं. 32-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2016 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

1. श्री के आर एम किशोर कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (रेलवे), हैदराबाद, आंध्र प्रदेश।
2. श्री जी. राजा किशोर बाबू, पुलिस अधीक्षक (एनसी), आसूचना, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश।
3. डॉ यतेन्द्र कुमार गौतम, पुलिस महानिरीक्षक (सीआईडी), उलूबारी, गुवाहाटी, असम।
4. श्री आलोक राज, अपर महानिदेशक (विधि एवं व्यवस्था), पटना, बिहार।
5. श्री जितेन्द्र कुमार, विशेष सचिव, गृह विभाग, पटना, बिहार।
6. श्री मो. सादिक अंसारी, सहायक अवर निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, पटना, बिहार।
7. श्री राजेश कुमार मिश्रा, अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशासन), पुलिस मुख्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़।
8. श्री सत्येन्द्र गर्ग, विशेष पुलिस आयुक्त (विधि प्रकोष्ठ एवं अनुसंधान), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।
9. श्री रवि शंकर, उप पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण मुख्यालय), पीटीसी, झड़ौंदा कलां, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।
10. श्री रमेश कुमार, निरीक्षक, दक्षिण पूर्व जिला, सरिता विहार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।
11. श्री रणवीर सिंह, अपर पुलिस आयुक्त (ऑप्स), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।
12. श्री रमनलाल मकवाना, आसूचना अधिकारी, पुलिस महानिदेशक का कार्यालय (आसूचना), गांधीनगर, गुजरात।
13. श्री मनोज अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था), गांधीनगर, गुजरात।
14. श्री सुधीर चौधरी, अपर पुलिस महानिदेशक (कारागार), पंचकुला, हरियाणा।
15. श्री शत्रुजीत सिंह कपूर, अपर पुलिस महानिदेशक (सीआईडी), पंचकुला, हरियाणा।
16. श्री पदम दास, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यमंत्री सुरक्षा, शिमला, हिमाचल प्रदेश।
17. श्री हिमन्त कुमार लोहिया, पुलिस महानिरीक्षक (तकनीकी सेवा), जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।
18. श्री गुलाम हसन वट, पुलिस उप महानिरीक्षक, सीकेआर श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर।
19. श्री राज कुमार मल्लिक, महानिरीक्षक (प्रोविजन), रांची, झारखंड।
20. श्री सुनील अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक, निर कलाबुर्गी, कर्नाटक।
21. श्री पांडुरंग हदू राणे, पुलिस उपायुक्त, हुबली, धारवाड़ सिटी, कर्नाटक।

22. श्री के एच जगदीश, पुलिस अधीक्षक, कनार्टक लोकायुक्त, टुमकुर जिला, कर्नाटक।

23. श्री राजेश दीवान, अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण), तिरूवनन्तपुरम, केरल।

24. श्री बी एस मोहम्मद यासिन, अपर पुलिस महानिदेशक, तटीय पुलिस कोच्चि, केरल।

25. श्री गोविन्द प्रताप सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सीआईडी पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

26. श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक, आरएपीटीसी इंदौर, मध्य प्रदेश।

27. श्री प्रदीप सिंह चौहान, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात), इंदौर, मध्य प्रदेश।

28. श्री शेख रजाउल्लाह, निरीक्षक (बैंड), 7वीं बटालियन एसएएफ, भोपाल, मध्य प्रदेश।

29. श्री अतुलचन्द्र मधुकर कुलकर्णी, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध), पुलिस आयुक्त का कार्यालय, मुम्बई शहर, महाराष्ट्र।

30. श्री रविन्द्र गणेश कदम, विशेष पुलिस महानिरीक्षक, नागपुर रेंज, महाराष्ट्र।

31. श्री शशिकांत दत्तात्रय सुर्वे, सहायक पुलिस आयुक्त, कोलाबा प्रभाग, मुम्बई शहर, महाराष्ट्र।

32. श्री नागेश शिवदास लोहार, सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस आयुक्त का कार्यालय, थाणे शहर, महाराष्ट्र।

33. श्री बिषम देव ठाकुर, जमादार, एमपीटीसी, पंगेइ, मणिपुर।

34. श्री देवाशिष पाणिग्राही, पुलिस महानिरीक्षक (कार्मिक), कटक, ओडिशा।

35. श्री ललित दास, विशेष सचिव (गृह विभाग), भुवनेश्वर, ओडिशा।

36. श्री मोहन लाल लाठर, अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस आवास, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, राजस्थान।

37. श्री उत्कल रंजन साहू, अपर पुलिस महानिदेशक, आसूचना, जयपुर, राजस्थान।

38. डॉ. एम रवि, महानिरीक्षक पुलिस/मुख्य आसूचना अधिकारी, टीएनसीएमपीएफ लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु।

39. श्री जी सम्बंदम, उप पुलिस अधीक्षक, एसआईसी सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी, चेन्नई, तमिलनाडु।

40. श्री अंजनी कुमार, अपर पुलिस आयुक्त (एलओ), हैदराबाद शहर, तेलंगाना।

41. श्री एन सूर्यनारायण, निदेशक (विजिलैंस एंड इन्फोर्समेंट डिपार्टमेंट), हैदराबाद, तेलंगाना।

42. श्री एम शिव प्रसाद, संयुक्त पुलिस आयुक्त, सीएआर मुख्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना।

43. श्री अनुराग, पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था), पुलिस मुख्यालय अगरतला, त्रिपुरा।

44. श्री भागीरथ पंडितराव जोगदंद, महानिरीक्षक (कार्मिक), महानिदेशक पुलिस मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

45. श्री ब्रज भूषण, महानिरीक्षक, इलाहाबाद जोन, उत्तर प्रदेश।

46. श्री प्रेम चंद मीणा, महानिरीक्षक (तकनीकी सेवाएं), उत्तर प्रदेश जवाहर भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

47. श्री दुर्गा चरण मिश्रा, महानिरीक्षक, आगरा जोन, उत्तर प्रदेश।

48. श्री राजेश के एस राठौड़, उप महानिरीक्षक, रेंज बरेली, उत्तर प्रदेश।

49. श्री संजय चौधरी, उप पुलिस अधीक्षक, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश।

50. श्री गोरखनाथ यादव, निरीक्षक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।

51. श्री गोपाल नाथ गोस्वामी, महानिरीक्षक (पीएम), पुलिस मुख्यालय, 12 सुभाष रोड, देहरादून उत्तराखंड।

52. श्री अंनुज शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) नबाना हावड़ा, पश्चिम बंगाल।

53. श्री सिद्ध नाथ गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक (पश्चिमी जोन), दुर्गापुर, बर्द्धवान, पश्चिम बंगाल।

54. श्री प्रवीर रंजन, पुलिस महानिरीक्षक, पुडुचेरी।

55. श्री नरेन्द्र सिंह जम्वाल, उप महानरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय, मेघालय, सीमा सुरक्षा बल।

56. श्री सुरजीत सिंह डोगरा, उप महानिरीक्षक, सीएसडब्ल्यूटी, इंदौर, सीमा सुरक्षा बल।

57. श्री हरमेन्द्र पाल, उप महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय एम एंड सी, मासिमपुर, सीमा सुरक्षा बल।

58. श्री नारायण दत्त बहुगुणा, उप महानिरीक्षक, सेक्टर हेडक्वार्टर, जोवाई, मेघालय, सीमा सुरक्षा बल।

59. श्री विमल सत्यार्थी, उप महानिरीक्षक, एसटीएस बीएसएफ, येलहंका, बंगलौर, सीमा सुरक्षा बल।

60. श्री अनुराग गर्ग, संयुक्त निदेशक, दिल्ली जोन, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

61. श्री राजीव सिंह, संयुक्त निदेशक, एनई जोन, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

62. श्री एन एम सिंह, उप महानिरीक्षक, एसटीएफ, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

63. श्री एस एस किशोर, अपर पुलिस अधीक्षक, एससी ।। नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

64. श्री संजय केवलकृषन सरीन, अपर पुलिस अधीक्षक, एसीबी गांधीनगर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

65. श्री संदीप घोष, उप पुलिस अधीक्षक, आईपीसीसी, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

66. श्री प्रयट्टूकून्नेल जॉनसन वर्की, कमांडेंट, यूनिट वीएसएससी थुम्बा, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

67. श्री उमेश दुबे, उप कमांडेंट, यूनिट आईजीआई एयरपोर्ट दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

68. श्री पीयूष आनंद, महानिरीक्षक, ओडिशा सचिवालय, नयापल्ली, मुख्यालय भुवनेश्वर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

69. श्री राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, महानिरीक्षक, महानिदेशालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

70. श्री भूपत सिंह चौहान, महानिरीक्षक, आईएसए माउंट आबू, राजस्थान, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

71. डॉ. हीरा लाल रसकरन, महानिरीक्षक (चिकित्सा), सीएच, बनतलाब, जम्मू, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

72. डॉ. अरूण कुमार सिन्हा, महानिरीक्षक (चिकित्सा), सीएच, हैदराबाद, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

73. श्री वर्गिस पी.जी., सेकंड-इन-कमाण्ड, 236 बी, जीसी पुणे के साथ संलग्न, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

74. श्री ऋत्विक रूद्रा, संयुक्त निदेशक, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

75. डॉ. महेश दीक्षित, संयुक्त निदेशक, पटना, गृह मंत्रालय।

76. डॉ. प्रवीण कुमार, संयुक्त निदेशक, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

77. श्री सोहन सिंह, सहायक निदेशक, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

78. श्री दिवाकर सिंह, सहायक निदेशक, वाराणसी, गृह मंत्रालय।

79. श्री पुनीत देव मिश्रा, सहायक निदेशक, जयपुर, गृह मंत्रालय।

80. श्रीमती नीता मिश्रा, डीसीआईओ, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

81. श्री कालीदास नटराजन, एसीआईओ-।।/जी, चेन्नई, गृह मंत्रालय।

82. श्री सुनील रंजन राय, उप महानिरीक्षक, ईस्टर्न फ्रंटियर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

83. श्री भंवर सिंह सहाय, उप महानिरीक्षक, महानिदेशालय, सीजीओ काम्पलेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

84. श्री कुमार पाल सिंह, उप महानिरीक्षक, सेक्टर हेडक्वार्टर, पीलीभीत, सशस्त्र सीमा बल।

85. श्री उमेद सिंह बिष्ट, वरिष्ठ क्षेत्र अधिकारी (एमटीजी), सीआई एंड जे डब्ल्यू स्कूल, ग्वालदाम, सशस्त्र सीमा बल।

86. श्री सुधांशु शेखर श्रीवास्तव, महानिरीक्षक, एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा समूह।

87. श्री वी. पांडियन, निरीक्षक (राइडिंग), एसवीपी एनपीए, हैदराबाद।

88. श्री बिनोद कुमार सिंह, गृह मंत्री के विशेष कार्य अधिकारी, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

89. श्री डॉ. सुभाष चंद्र साहू, मुख्य सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण पश्चिम रेलवे, हुबली, रेल मंत्रालय।

2. ये पुरस्कार विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान करने को शासित करने वाले नियम के नियम 4(ii) के अंतर्गत दिए जा रहे हैं।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 33-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2016 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

1. श्री पोचिनेनी रामेशै:, पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय सतर्कता एवं प्रवर्तन, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश।

2. श्री बी श्रीनिवास, अपर पुलिस अधीक्षक, आसूचना सुरक्षा विंग, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश।

3. श्री एस राजासेखार राव, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय सतर्कता एवं प्रवर्तन कार्यालय, तिरूपति, आंध्र प्रदेश।

4. श्री वी. विजय भाष्कर, उप पुलिस अधीक्षक, आसूचना, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश।

5. श्री नुन्नाबोदि सत्यानन्दम, उप पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय कार्यालय, सीआईडी, विजयवाड़ा सिटी, आंध्र प्रदेश।

6. श्री चिन्ताड़ा लक्ष्मीपति, उप पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार-रोधी ब्यूरो, विजियानगरम, आंध्र प्रदेश।

7. श्री न. सुब्बा राव, उप पुलिस अधीक्षक, अनंतपुरमू जिला, आंध्र प्रदेश।

8. श्री किंजारपु प्रभाकर, सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश।

9. श्री राजापु रमन, सहायक पुलिस आयुक्त, पूर्वी उप-प्रभाग, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश।

10. श्री सुडबतुल रमेश बाबू, उप निरीक्षक, पश्चिम गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश।

11. श्री शेक शैफी अहमद, पुलिस उप निरीक्षक, डीएसबी, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश।

12. श्री बी. लक्षमैय्या, आर्म्ड रिजर्व उप निरीक्षक, पीटीसी, तिरूपति, आंध्र प्रदेश।

13. श्री सब्बासनी रंगा रेड्डी, हेड कांस्टेबल, 6ठी बटालियन एपीएसपी, मंगलागिरि गुन्टूर, आंध्र प्रदेश।

14. श्री अग्राहरम श्रीनिवास शर्मा, हेड कांस्टेबल, कडप्पा-।। टाउन पी.एस., आंध्र प्रदेश।

15. श्री जे. नागेश्वर राव, आर्म्ड रिजर्व हेड कांस्टेबल, सीएआर, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश।

16. श्रीमती इंद्राणी बरूआ, पुलिस अधीक्षक, कामरूप, असम।

17. श्री धरनी धर महंता, पुलिस निरीक्षक, एस.बी. आर्गेनाइजेशन, काहिलीपाड़ा, गुवाहाटी, असम।

18. श्री तपन कुमार महंता, पुलिस उप निरीक्षक (एबी), पुलिस आयुक्तालय, गुवाहाटी, असम।

19. श्री पन्ने लाल गुप्ता, पुलिस सहायक उप निरीक्षक (सीमा मुख्यालय), श्रीमंतपुर, गुवाहाटी, असम।

20. श्री संदीप देब, पुलिस सहायक उप निरीक्षक (एसबी), एपी मुख्यालय उलूबाड़ी, गुवाहाटी, असम।
21. श्री अजित कलिता, हवलदार, बीटीसी देरगांव, असम।
22. श्री बिनोद सिंह, हवलदार, एपीटीसी देरगांव, असम।
23. श्री अर्जुन कुमार ठाकुर, कांस्टेबल, दारांग डीईएफ, असम।
24. श्री राकेश कुमार दूबे, राज्यपाल के एडीसी, पटना, बिहार।
25. श्री शरद कुमार उपाध्याय, सहायक अवर निरीक्षक, जोनल महानिरीक्षक का कार्यालय, पटना, बिहार।
26. श्री विनोद कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक, महानिदेशक (पुलिस) का कार्यालय, पटना, बिहार।
27. श्री भोला प्रसाद सिंह, सहायक अवर निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, पटना, बिहार।
28. श्री ला कुमार द्विवेदी, सहायक अवर निरीक्षक, महानिदेशक (पुलिस) का कार्यालय, पटना, बिहार।
29. श्री नवरत्न कुमार, पीटीसी कांस्टेबल, महानिरीक्षक का कार्यालय जोनल, पटना, बिहार।
30. श्री रंजीत कुमार, कांस्टेबल, एटीएस पटना, बिहार।
31. श्री श्रीकांत सिंह, कांस्टेबल, महानिदेशक (पुलिस) का कार्यालय, पटना, बिहार।
32. श्री राजेश कुमार पाण्डेय, कांस्टेबल, महानिदेशक (पुलिस) का कार्यालय, पटना, बिहार।
33. श्री मनोज कुमार, कांस्टेबल, महानिदेशक (पुलिस) का कार्यालय, पटना, बिहार।
34. श्री बीरेन्द्र कुमार पासवान, कांस्टेबल, महानिदेशक (पुलिस) का कार्यालय, पटना, बिहार।
35. श्री कैलाश प्रसाद, डीईओ, एससीआरबी, पटना, बिहार।
36. श्री बी पी पौषार्य, उप महानिरीक्षक (एजेके), पुलिस मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़।
37. सुश्री सोनल वी मिश्रा, उप महानिरीक्षक (प्रशासन), पुलिस मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़।
38. श्री आर पी साय, सहायक महानिरीक्षक (एसबी), पुलिस मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़।
39. श्री बोधन राम साहू, निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़।
40. श्री छोटे सिंह यादव, निरीक्षक, एस बी बस्तर, एसबी कांकेर से संलग्न, छत्तीसगढ़।
41. श्री महेश राम साहू, निरीक्षक, एसबी महासमुंद, छत्तीसगढ़।
42. श्री अशोक कुमार धुर्वे, कंपनी कमांडर, 18वीं बटालियन सीएएफ मनेन्द्रगढ, छत्तीसगढ़।
43. श्री करोड़ सिंह, प्लाटून कमांडर, एसटीएफ बघेरा दुर्ग, छत्तीसगढ़।
44. श्री जगन लाल साहू, सहायक प्लाटून कमांडर, 9वीं बटालियन सीएएफ दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़।
45. श्री रमेश कुमार भारद्वाज, आशुलिपिक, पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज का कार्यालय, छत्तीसगढ़।
46. श्री लक्ष्मी नारायण, सहायक पुलिस आयुक्त, पीटीसी, झड़ौंदा कलां, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।
47. श्री प्रेम बल्लभ, निरीक्षक, विशेष पुलिस आयुक्त नियुक्ति एवं भर्ती के निजी सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।
48. श्री शिवाजी चौहान, निरीक्षक (कंप्यूटर), अपराध शाखा, कमला मार्केट, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।
49. श्री भारत भूषण, निरीक्षक, पुलिस आयुक्त दिल्ली के निजी सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।
50. श्री मोहन लाल, उप निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।
51. श्री रमेश कुमार, उप निरीक्षक, सीएसएस स्पेशल सेल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

52. श्री विजेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक, जीएनसीटी सचिवालय, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

53. श्रीमती उषा रानी, उप निरीक्षक, पुलिस थाना भारत नगर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

54. श्री सत्यवीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, अपराध शाखा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

55. श्रीमती रिसाली यादव, सहायक उप निरीक्षक, नानक पुरा, एसपीयूडब्ल्यूएसी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

56. श्री पंकज नंदा, हेड कांस्टेबल, पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

57. श्री जगबीर सिंह सजवाल, हेड कांस्टेबल (चालक), सुरक्षा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

58. श्री हर्ष सिंह, कांस्टेबल, माइक्रोफिल्क एसबी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

59. श्री योगेश प्रकाश गौड़, कांस्टेबल, पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

60. श्री जगत सिंह, कांस्टेबल, स्पेशल सेल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

61. श्री मनोज वशिष्ठ, कांस्टेबल, आरपी भवन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

62. श्री ईश्वर सिंह, कांस्टेबल, स्पेशल सेल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

63. श्री कनुभाई किशोरभाई पटेल, उप पुलिस अधीक्षक (आतंकवाद रोधी दस्ता) अहमदाबाद, गुजरात।

64. श्री धनंजय सिंह वाघेला, सहायक आसूचना आयुक्त, गांधीनगर, गुजरात।

65. श्री जहीरुद्दीन, उप पुलिस अधीक्षक (सीआईडी), सीआईडी अपराध मुख्यालय गुजरात, गांधीनगर, गुजरात।

66. श्री प्रदीपसिंह घनश्यामसिंह जडेजा, सहायक पुलिस आयुक्त (कंट्रोल रूम), वड़ोदरा गुजरात।

67. श्री हसमुखभाई गोमनभाई वाघेला, पुलिस निरीक्षक, गीरसोमनाथ, गुजरात।

68. श्री भरतसिंह तपूभा परमार, पुलिस उप निरीक्षक, जीपीए, करई, गुजरात।

69. श्री विरडा धीरजलाल चंदूलाल, सहायक उप निरीक्षक, राजकोट रेलवे पुलिस थाना, राजकोट, गुजरात।

70. श्री जीभाई रबारी, यूएन सहायक उप निरीक्षक, मेहदामा सिटी ए डिवी., मेहसाणा, गुजरात।

71. श्री माजिदखान अनारखान पठाण, सहायक उप निरीक्षक, पैरोल-फरलोह दस्ता नाडियाद, खेड़ा, गुजरात।

72. श्री अरविंदकुमार गणपतभाइ अबासना, यूएन सहायक उप निरीक्षक, सिटी ए डिवी पुलिस थाना, सुरेन्द्रनगर, गुजरात।

73. श्री दानुभा नाथूभा जाडेजा, सहायक उप निरीक्षक (एसओजी), राजकोट ग्रामीण, जिला-राजकोट, गुजरात।

74. श्री जावीद सुलमानभाई डेला, हेड कांस्टेबल, आरटीआई सेल, पुलिस अधीक्षक का कार्यालय राजकोट ग्रामीण, गुजरात।

75. श्री प्रवीणसिंह मकवाणा, आर्म्ड हेड कांस्टेबल, एसआरपी जीआर-वीआई, मुदेती (एसके), गुजरात।

76. श्री मुकेशदान गढ़वी, एसआरपी कांस्टेबल (सहायक ड्रिल निरीक्षक), जीपीए, गांधीनगर, गुजरात।

77. श्री कांतिभाई, आसूचना अधिकारी, अपर पुलिस महानिदेशक (आसूचना) का कार्यालय, गांधीनगर, गुजरात।

78. श्री शैलेशभाई मंगलाभाई कटारा, कार्यकारी निदेशक जीएसआरटीसी, अहमदाबाद, गुजरात।

79. श्रीमती निपुणा मिलिंद तोरवणे, अपर पुलिस आयुक्त, सूरत शहर, गुजरात।

80. श्री रमेश पाल, डीएसपी, एसीपी/डीएलएफ, गुड़गांव, हरियाणा।

81. श्री उदेय राज सिंह तंवर, उप पुलिस अधीक्षक (सीआईडी), चंड़ीगढ़, हरियाणा।

82. श्री बलवान सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (द्वितीय आईआरबी), भोंडसी, गुड़गांव, हरियाणा।

83. श्री अनूप सिंह, निरीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय, रोहतक, हरियाणा।

84. श्री बलदेव कृष्ण, उप निरीक्षक, सीआईडी, हरियाणा।

85. श्री सत्यबीर सिंह, उप निरीक्षक, सीआईडी यूनिट हिसार, हरियाणा।

86. श्री पुष्पिन्दर पाल, छूट प्राप्त उप निरीक्षक, पंचकुला, हरियाणा।

87. श्री जसबीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, चंडीगढ़, हरियाणा।

88. श्री भागीरथ, ईएएसआई, पंचकुला, हरियाणा।

89. श्री रविन्द्र कुमार, ईएएसआई, पंचकुला, हरियाणा।

90. श्री भगवान दास, ईएएसआई, पंचकुला, हरियाणा।

91. श्री इंद्रदीप सिंह, ईएचसी, यमुनानगर, हरियाणा।

92. श्री ज्ञानेश्वर सिंह, उप महानिरीक्षक (सुरक्षा), राज्य सीआईडी मुख्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश।

93. श्री दाता राम, उप निरीक्षक, राज्य सीआईडी, शिमला, हिमाचल प्रदेश।

94. श्री कुलवंत सिंह, सहायक उप निरीक्षक, शिमला, हिमाचल प्रदेश।

95. श्री दीपक कुमार स्लाथिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कमांडेंट, प्रथम आरपी 7वीं बटालियन, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

96. श्री निसार हुसैन द्रबू, उप निदेशक, प्रोस. आर्म्ड पुलिस मुख्यालय, जम्मू एवं कश्मीर, जम्मू एवं कश्मीर।

97. श्री गुलाम नबी खान, पुलिस अधीक्षक, सीआईडी मुख्यालय, महानिरीक्षक सीआईडी जम्मू एवं कश्मीर के निजी सचिव, जम्मू एवं कश्मीर।

98. श्री कुलवंत सिंह जसरोटिया, अपर पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा), जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

99. श्री तारिक खुर्शीद, उप पुलिस अधीक्षक, एडी (ऑप्स) एसएसजी, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर।

100. श्री कुलबीर चांद हन्डा, उप पुलिस अधीक्षक, एसडीपीओ, बरी-ब्रहमना, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

101. श्री मोहन लाल ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक, उप महानिरीक्षक आईआरपी के स्टाफ अधिकारी, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

102. श्री रियाज़ अहमद बट, उप पुलिस अधीक्षक, जम्मू कश्मीर आर्म्ड पुलिस 8वीं बटालियन, मणिगाम कश्मीर, जम्मू एवं कश्मीर।

103. श्री जनार्दन सिंह स्लाथिया, निरीक्षक (एस), जोनल पुलिस मुख्यालय जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

104. श्री रोमेश कुमार, उप निरीक्षक, आर्म्ड पुलिस मुख्यालय, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

105. श्री ईर्शाद अहमद जान, उप निरीक्षक (एम), आर पुलिस मुख्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर।

106. श्री प्राण नाथ कौल, उप निरीक्षक (एम), पुलिस मुख्यालय, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

107. श्री बशीर अहमद लोन, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

108. श्री पूरन चंद वर्मा, सहायक उप निरीक्षक, सीआईडी जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

109. श्री दयाल सिंह, हेड कांस्टेबल, एसडीआरएफ, द्वितीय बटालियन जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।

110. श्री मोहम्मद सफी मिर, हेड कांस्टेबल, सीआईडी सेल, (नई दिल्ली), जम्मू एवं कश्मीर।

111. श्री बलवंत सिंह, हेड कांस्टेबल, एसकेपीए ऊधमपुर, जम्मू एवं कश्मीर।

112. श्री कमल नयन चौबे, महानिरीक्षक, (फ्रंटियर मुख्यालय नॉर्थ बंगाल, सीमा सुरक्षा बल, सिलीगुडी), झारखंड।

113. श्री रामानंद रजक, हवलदार, आईआरबी-2, चायबासा, झारखंड।

114. श्री नवीन कुमार पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस लाइन, हजारीबाग, झारखंड।

115. श्री एम चंद्र शेखर, पुलिस उप महानिरीक्षक एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध), बेंगलुरू सिटी, कर्नाटक।

116. श्रीमती डी. रूपा, संयुक्त पुलिस आयुक्त (आसूचना), बेंगलुरू सिटी, कर्नाटक।

117. श्री नारायण बिर्जे, उपायुक्त, अपराध एवं यातायात, मैसूरू सिटी, कर्नाटक।

118. श्री नगरके चिक्कापंचैय्या शंकरैय्या, सहायक पुलिस आयुक्त, सीसीबी बेंगलुरू, कनार्टक।

119. श्री एस एच दुग्गप्पा, सहायक पुलिस आयुक्त, एयरपोर्ट सब डिवी., बेंगलुरू सिटी, कनार्टक।

120. श्री राममलिंगप्पा गिरिजेश, सहायक पुलिस आयुक्त, देवराज सब डिवी., मैसूरू सिटी, कनार्टक।

121. श्री मदन ए गांवकर, सहायक पुलिस आयुक्त, मंगलुरू नॉर्थ सब डिवी., मंगलुरू सिटी, कनार्टक।

122. श्री सोनतेनहल्ली दासेगौड़ा वेंकटस्वामी, उप पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक, लोकायुक्त, बेंगलुरू, कर्नाटक।

123. श्री एम एस बुल्लकंवर, उप पुलिस अधीक्षक एवं सहायक निदेशक, कनार्टक पुलिस अकादमी, मैसूरू, कर्नाटक।

124. श्री संबूलिंगप्पा आई बय्यर बय्यर, उप पुलिस अधीक्षक, पीटीएस गिरि नगर हुबली धारवाड़, कर्नाटक।

125. श्री दयानंद, उप पुलिस अधीक्षक, दनदेली सब डिवी. कारवार, कनार्टक।

126. श्री राजीव सिदराम, सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात), बेलगावी सिटी, कर्नाटक।

127. श्री एम रामासुब्बू, पीआई (वायरलेस), चित्रदुर्ग कंट्रोल रूम, कनार्टक।

128. श्री बी पुतैया, पीएसआई (आसूचना), बेंगलुरू, कनार्टक।

129. श्री एच बी ज्ञानेन्द्र, सहायक उप निरीक्षक, मलुरू पुलिस थाना, कनार्टक।

130. श्री एस आई चिनप्पा, स्पे. आरएसआई, तीसरी बटालियन केएसआरपी बेंगलुरू, कनार्टक।

131. श्री एस जी रामाकृष्णैया, स्पे. एआरएसआई, चौथी बटालियन, केएसआरपी बंगलुरू, कनार्टक।

132. श्री एल एम हुलियप्पा, स्पे. एआरएसआई, 5वीं बटालियन, केएसआरपी मैसूरू, कनार्टक।

133. श्री के. तिमप्पा गौडा, स्पे. एआरएसआई, 8वीं बटालियन, केएसआरपी शिवमोगा, कनार्टक।

134. श्री श्रीनिवास एमवी, हेड कांस्टेबल, अपराध शाखा बंगलुरू सिटी, कर्नाटक।

135. श्री एम मोहम्मद शाबीर, पुलिस अधीक्षक, एसबीसीआईडी मुख्यालय तिरुवनंतपुरम, केरल।

136. श्री के एस सुरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक, एसबीसीआईडी मुख्यालय तिरुवनंतपुरम, केरल।

137. श्री के एम जॉर्ज, उप कमांडेट, राज भवन, तिरुवनंतपुरम, केरल।

138. श्री पी वाहिद, उप पुलिस अधीक्षक, एसबीसीआईडी, त्रिशूर रेंज, केरल।

139. श्री एम.पी. मोहनचन्दरन, उप पुलिस अधीक्षक, एसबीसीआईडी, मलप्पुरम, केरल।

140. श्री सी.एस. शाहुल हमिद, सहायक पुलिस आयुक्त (प्रशासन), त्रिशूर सिटी, केरल।

141. श्री के वी सन्तोश, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीसीआईडी, एचएचडब्ल्यू ।।।, कोजीकोड, कन्नूर, केरल।

142. श्री एम. हाजा नसरुधिन, उप निरीक्षक, एसबी/सीआईडी, सुरक्षा विंग, तिरुवनंतपुरम, केरल।

143. श्री बिजी जॉर्ज, उप पुलिस अधीक्षक, वीएसीबी, विशेष सेल, एर्नाकुलम, केरल।

144. श्री जी. तुलसीधरन नायर, पुलिस उप निरीक्षक, वीएसीबी, दक्षिणी रेंज, तिरुवनंतपुरम, केरल।

145. श्री संतोष कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक, शहरी इन्दौर, मध्य प्रदेश।

146. श्री दिलीप सिंह कुशवाह, उप पुलिस अधीक्षक, एसबी उज्जैन, मध्य प्रदेश।

147. श्री भारत भूषण राय, सहायक कमांडेंट, 23वीं बटालियन एसएएफ भोपाल, मध्य प्रदेश।

148. श्री नवीन कुमार अवस्थी, उप पुलिस अधीक्षक, विशेष लोकायुक्त भोपाल, मध्य प्रदेश।

149. श्री ओम प्रकाश भटनागर, निरीक्षक, एसबी सागर, मध्य प्रदेश।

150. श्री अशोक सिंह तोमर, प्लाटून कमांडर, 14वीं बटालियन एसएएफ, ग्वालियर, मध्य प्रदेश।

151. श्री शिव नारायण मेहरा, उप निरीक्षक (रेडियो), इन्दौर, मध्य प्रदेश।

152. श्री भारत सिंह सिकरवार, सेक्शन कमांडर, 13वीं बटालियन, एसएएफ, ग्वालियर, मध्य प्रदेश।

153. श्री सत्यवीर सिंह, सहायक प्लाटून कमांडर, 15वीं बटालियन, एसएएफ, इन्दौर, मध्य प्रदेश।

154. श्री अब्दुल वारिस, हेड कांस्टेबल, डीआरपी लाइन, छतरपुर, मध्य प्रदेश।

155. श्री शिव पूजन सिंह, हेड कांस्टेबल, 186, 24वीं बटालियन एसएएफ जावरा रतलाम, मध्य प्रदेश।

156. श्री हर भजन सिंह, कांस्टेबल (रेडियो), भोपाल, मध्य प्रदेश।

157. श्री अशोक कुमार मिश्रा, हेड कांस्टेबल, एसडीओपी चंदेरी अशोकनगर का कार्यालय, मध्य प्रदेश।

158. श्री ओंकार सिंह, कांस्टेबल (एम), ईओडब्ल्यू ग्वालियर, मध्य प्रदेश।

159. सुश्री संध्या व्यवहारे, निरीक्षक (एम), एसबी पुलिस मुख्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश।

160. सुश्री रवि उन्निसा खान, सूबेदार (एम), जेएनपीए सागर, मध्य प्रदेश।

161. श्री विनय महादेवराव करगांवकर, विशेष पुलिस महानिरीक्षक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, महाराष्ट्र बिक्रीकर विभाग, मुम्बई, महाराष्ट्र।

162. डा. छीरिंग दोरजे, अपर पुलिस आयुक्त, पश्चिम क्षेत्र, मुम्बई, महाराष्ट्र।

163. श्री संजय वासुदेव जामभुल्लर, उप पुलिसआयुक्त, आर्म्ड पुलिस मरोल मुम्बई, महाराष्ट्र।

164. श्री जानकीराम बंडूजी डाखोरे, कमांडेंट, एसआरपीएफ ग्रेड-Ix अमरावती, महाराष्ट्र।

165. श्री प्रकाश प्रभाकरराव कुलकर्णी, पुलिस निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो औरंगाबाद, महाराष्ट्र।

166. श्री राशिद तुराब तडवि, आर्म्ड पुलिस निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रेड-V।, धुले, महाराष्ट्र।

167. श्री सुभाष भाष्कर दगडखैर, पुलिस निरीक्षक, आर्म्ड पुलिस नैगांव मुम्बई, महाराष्ट्र।

168. श्री सतीश पांडुरंग क्षिरसागर, आर्म्ड पुलिस निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रेड-I मुम्बई, महाराष्ट्र।

169. श्रीमती सुरेखा प्रताप दुग्गे, पुलिस निरीक्षक, राज्य आसूचना विभाग मुम्बई, महाराष्ट्र।

170. श्री शामकांत रामराव पाटील, सहायक पुलिस निरीक्षक, रीडर शाखा आयुक्त कार्यालय औरंगाबाद सिटी, महाराष्ट्र।

171. श्री विष्णु त्रिम्बकराव बडे, पुलिस उप निरीक्षक, विशेष शाखा-। सीआईडी, मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र।

172. श्री हनुमंत भानुदास सुगांवकर, पुलिस उप निरीक्षक, बुंद गार्डन पुलिस स्टेशन, पुणे सिटी, महाराष्ट्र।

173. श्री सखाराम दत्तू रेडेकर, पुलिस उप निरीक्षक, अपराध शाखा सीआईडी, मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र।

174. श्री राजन दत्तात्रय मांजरेकर, पुलिस उप निरीक्षक, यातायात नियंत्रण शाखा, मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र।

175. श्री एकनाथ विष्णु केसरकर, पुलिस उप निरीक्षक, तिलक नगर पुलिस थाना, मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र।

176. श्री बालासाहेब श्रीपति देसाई, पुलिस उप निरीक्षक, कुर्ला पुलिस थाना, मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र।

177. श्री चंद्रकांत पर्बथी पवार, पुलिस उप निरीक्षक, बोरिवली पुलिस थाना, मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र।

178. श्री राजेन्द्र सुधाकर (झंडे), वरिष्ठ आसूचना अधिकारी, राज्य आसूचना विभाग, जलगांव, महाराष्ट्र।

179. श्री राजेन्द्र पुंडलीकराव होटे, पुलिस उप निरीक्षक, मंगलूर पुलिस थाना, अमरावती ग्रामीण, महाराष्ट्र।

180. श्री भाष्कर रामराव वानखेडे, सहायक उप निरीक्षक, विशेष शाखा, नागपुर सिटी, महाराष्ट्र।

181. श्री भागवत किसनराव तपसे, सहायक उप निरीक्षक, एमटी सेक्शन, बीड, महाराष्ट्र।

182. श्री वसंत राजाराम सारंग, सहायक उप निरीक्षक, नागपाड़ा पुलिस थाना, मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र।

183. श्री लियाकतअली मोहम्मदअली खान, सहायक उप निरीक्षक, जिला विशेष शाखा, बांद्रा, महाराष्ट्र।

184. श्री सुभाष पिलोवा रणवरे, आर्म्ड सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रेड।।, पुणे, महाराष्ट्र।

185. श्री दिलीप शिवराम भगत, सहायक उप निरीक्षक, अपराध निरोधक ब्यूरो, उस्मानाबाद, महाराष्ट्र।

186. श्री शामवेल सदानंद उजागरे, आर्म्ड सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रेड V, दौंड, महाराष्ट्र।

187. श्री अरूण यशवंत बुधकर, सहायक उप निरीक्षक, पिम्पारी पुलिस थाना, पुणे सिटी, महाराष्ट्र।

188. श्री अरुण वामनराव पाटील, सहायक उप निरीक्षक, बीडीडीएस, जलगांव, महाराष्ट्र।

189. श्री मोतीलाल दगडू पाटील, सहायक उप निरीक्षक, अपराध शाखा, थाणे सिटी, महाराष्ट्र।

190. श्री भर्तरीनाथ दामु सोनावणे, आर्म्ड सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रेड ।, पुणे, महाराष्ट्र।

191. श्री मधुकर अर्जुन भागवत, आर्म्ड सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रेड V, दौंड, महाराष्ट्र।

192. श्री सतीश रंगनाथ जामदार, सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रेड V, दौंड, महाराष्ट्र।

193. श्री हिम्मत लक्ष्मण जाधव, आर्म्ड सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रेड V।।, दौंड, महाराष्ट्र।

194. श्री राजेन्द्र शरद पोहरे, सहायक उप निरीक्षक, विशेष शाखा, पुणे सिटी, महाराष्ट्र।

195. श्री प्रकाश लक्ष्मण ब्रह्म, वायरलेस हेड कांस्टेबल, अपर महानिदेशक वायरलेस का कार्यालय, पुणे, महाराष्ट्र।

196. श्री संभाजी खंडू पाटील, आर्म्ड हेड कांस्टेबल, एसआरपीएफ ग्रेड।।, पुणे, महाराष्ट्र।

197. श्री प्रदीप गजानन कडवाडकर, हेड कांस्टेबल, आर्म्ड पुलिस वर्ली, मुम्बई सिटी, महाराष्ट्र।

198. श्री बबन विट्ठल अढ़ारी, हेड कांस्टेबल (वायरलेस), अपर महानिदेशक वायरलेस का कार्यालय, पुणे, महाराष्ट्र।

199. श्री विट्ठल यशवंत पाटील, हेड कांस्टेबल, पुलिस मुख्यालय, सांगली महाराष्ट्र।

200. श्री अशोक मधुकर रोकड़े, हेड कांस्टेबल, एटीएस मुम्बई, महाराष्ट्र।

201. श्री तुकाराम दत्तू बांगर, हेड कांस्टेबल, कपूरबावड़ी पुलिस थाना, थाणे सिटी, महाराष्ट्र।

202. श्री खुराईजम शशि कुमार, निरीक्षक, सीआईडी (एसबी), इम्फाल, मणिपुर।

203. श्री आर. के. सरत सिंह, हवलदार, द्वितीय बटालियन, एमआर, इम्फाल, मणिपुर।

204. श्री मो. रहीमुद्दीन, हवलदार, द्वितीय बटालियन, एमआर, मणिपुर।

205. श्री ओ जीवनचन्द्रा सिंह, निरीक्षक, सीआईडी (सुरक्षा), पुलिस मुख्यालय, इम्फाल, मणिपुर।

206. श्री पलमेई शांतिकुमार कबुई, पुलिस निरीक्षक (सीआईडी) (सुरक्षा), लीगल सेल, पुलिस मुख्यालय, मणिपुर।

207. श्री खोवरापूम्म बाबूधोन सिंह, राइफलमैन, एमपीटीसी, पंगेई, मणिपुर।

208. श्रीमती ओइनाम अचौवी देवी, सहायक उप निरीक्षक, सीआईडी (एसबी), मणिपुर।

209. श्री औटंगडी एओ, एबीआई 10वीं एनएपी (आईआर), झडीमा, नागालैंड।

210. श्री विकीक्यु सुमि, एबीआई, नलतोक्युआ, नागालैंड।

211. श्री केफेलहोऊ चकसांग, हवलदार डीईएफ, कोहिमा, नागालैंड।

212. श्री अमिताभ ठाकुर, पुलिस उप महानिरीक्षक, दक्षिण रेंज, बेरहामपुर, ओडिशा।

213. श्री प्रतीक महान्ति, पुलिस उप महानिरीक्षक, उत्तरी रेंज, संबलपुर, ओडिशा।

214. श्री यतिन्द्र कोयल, पुलिस उप महानिरीक्षक, एनसीआर तलचर, तलचर (अंगुल), ओडिशा।

215. श्री मनोरंजन महान्ति, पुलिस अधीक्षक, नयागढ़, ओडिशा।

216. श्री यशोवन्त सेनापति, उप पुलिस अधीक्षक, बारागढ़, ओडिशा।

217. श्री उधब चरण नायक, एसडीपीओ, बोरिगुमा, कोरापुट, ओडिशा।

218. श्री राज किशोर दोरा, एसडीपीओ (एस), धेनकनाल, ओडिशा।

219. श्री शिशिर कुमार साहू, पुलिस निरीक्षक (सतर्कता), निदेशालय, कटक, ओडिशा।

220. श्री भ्रमर वर सामल, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस मोटर परिवहन ओडिशा, कटक, ओडिशा।

221. श्री बाउरी बंधु साहू, हवलदार चालक, पुलिस मोटर परिवहन ओडिशा, कटक, ओडिशा।

222. श्री कार्तिक चंद्र सामल, सिपाही, ओएसएपी छठी बटालियन, कटक, ओडिशा।

223. श्री मनमोहन कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक, तरन तारन, पंजाब।

224. श्री दारा सिंह, निरीक्षक (तदर्थ), पीएपी, जालंधर, पंजाब।

225. श्री तारा सिंह, उप निरीक्षक, पीपीए, फिल्लौर पंजाब।

226. श्री बलकार सिंह, उप निरीक्षक, पीएपी, जालंधर, पंजाब।

227. श्री ज्ञान सिंह, उप निरीक्षक, जालंधर, पंजाब।

228. श्री मंगल सिंह, उप निरीक्षक, लुधियाना, पंजाब।

229. श्री जगदीश कुमार, उप निरीक्षक, भटिंडा, पंजाब।

230. श्री प्रेम दास, उप निरीक्षक, जालंधर, पंजाब।

231. श्री भूपिन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक, अपर पुलिस महानिदेशक पंजाब का कार्यालय, पंजाब।

232. श्री राजिन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीआईडी ट्रेनिंग स्कूल पंजाब, पंजाब।

233. श्री सोहन सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीआईडी यूनिट पंजाब, चंडीगढ़, पंजाब।

234. श्री सुरेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक, लुधियाना, पंजाब।

235. श्री गुरमेल सिंह, सहायक उप निरीक्षक, बर्धमान, पंजाब।

236. श्री राजेश कुमार आर्य, पुलिस महानिरीक्षक (आसूचना), जयपुर, राजस्थान।

237. श्री भगवान सिंह राठौड़, उप पुलिस अधीक्षक, सीओ जिला अजमेर ग्रामीण, अब एएसपी (प्रोत्साहन योजना), एसीबी, जयपुर, राजस्थान।

238. श्रीमती विजय लक्ष्मी, उप पुलिस अधीक्षक (सीआईडी आसूचना), जोधपुर, राजस्थान।

239. श्री परमेश्वर दयाल स्वामी, प्लाटून कमांडर, 13 बटालियन आरएसी, चैनपुरा, जयपुर, राजस्थान।

240. श्री रोहिताश सिंह जाट, प्लाटून कमांडर, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर, राजस्थान।

241. श्री महिपाल पाठक, उप निरीक्षक, महिला थाना पश्चिम आयुक्तालय, जोधपुर, राजस्थान।

242. श्री रणवीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस अधीक्षक अपराध शाखा का कार्यालय, चुरू, राजस्थान।

243. श्री गोपाल कृष्ण ब्राह्मण, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस थाना गंगरार, जिला चित्तौड़गढ़, रेंज उदयपुर, राजस्थान।

244. श्री नाथू लाल बैरवा, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस दूरसंचार, जयपुर, राजस्थान।

245. श्री रूघा राम नाई, सहायक उप निरीक्षक, एसीबी एसयू, बीकानेर, राजस्थान।

246. श्री मनी राम जाट, हेड कांस्टेबल, पुलिस थाना घमूरवाली, जिला श्रीगंगानगर, रेंज बीकानेर, राजस्थान।

247. श्री शैतान सिंह चारण, हेड कांस्टेबल, अपराध शाखा, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जीआरपी, अजमेर, राजस्थान।

248. श्री गिरधारी लाल, कांस्टेबल, सीआईडी सीबी, जयपुर, राजस्थान।

249. श्री विरेन्द्र सिंह राजपूत, कांस्टेबल, 5वीं बटालियन आरएसी, जयपुर, राजस्थान।

250. श्री सज्जाद हुसैन, कांस्टेबल, राजलदेसर, जिला चुरू, राजस्थान।

251. श्री रघुवीर सिंह, कांस्टेबल, राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, जयपुर, राजस्थान।

252. श्री सोनाम, दीछू भोटिया, उप पुलिस अधीक्षक, सीआईडी, पुलिस मुख्यालय, गंगटोक, सिक्किम।

253. श्री संजय कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, राज्य अपराध रिकार्ड ब्यूरो, चेन्नई, तमिलनाडु।

254. डॉ. एम सी सारंगन, पुलिस महानिरीक्षक, तकनीकी सेवा, चेन्नई, तमिलनाडु।

255. श्री आर रसेल समराज, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस कंप्यूटर विंग एससीआरबी, चेन्नई, तमिलनाडु।

256. श्री आर वीराराघवन, अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय कृष्णागिरि जिला, तमिलनाडु।

257. श्री पोन्नेया थेवर मलईचमी, उप पुलिस अधीक्षक, अपराध शाखा सीआईडी, त्रिची, तमिलनाडु।

258. श्री पी रवि, उप पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु यूनिफार्म्ड भर्ती बोर्ड, चेन्नई, तमिलनाडु।

259. श्री टी रामामूर्ति, सहायक पुलिस आयुक्त, श्रीरंगम क्राइम रेंज, त्रिची सिटी, तमिलनाडु।

260. श्री सी मुगिलन, उप पुलिस अधीक्षक, बंदलुर उप प्रभाग, कांचीपुरम जिला, तमिलनाडु।

261. श्री बी नंदकुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, गाइंडी रेंज, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, तमिलनाडु।

262. श्री एम सिराजुद्दीन, उप पुलिस अधीक्षक, ओसीआईयू, मुख्यालय चेन्नई, तमिलनाडु।

263. श्री एस.वी. बारगुणम, उप पुलिस अधीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, तिरूनेलवेली, तमिलनाडु।

264. श्री वी कन्नन, सहायक पुलिस आयुक्त, होम गार्ड ओडी यातायात योजना, तमिलनाडु।

265. श्रीमती आर मनोनमणि, उप पुलिस अधीक्षक (तकनीकी), त्रिची सिटी, तमिलनाडु।

266. श्री एम मूर्ति, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु कमांडो स्कूल, चेन्नई, तमिलनाडु।

267. श्री ए सुब्रमणियन, पुलिस निरीक्षक, सुरक्षा शाखा, सीआईडी, चंन्नई, तमिलनाडु।

268. श्री के रघु, पुलिस निरीक्षक (तकनीकी), परचेज यूनिट पीटीबी, चेन्नई, तमिलनाडु।

269. श्री एस. बाला सुब्रमणियन, विशेष पुलिस उप निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, विरधुनगर, तमिलनाडु।

270. श्री एस. अरूल अझगन, विशेष पुलिस उप निरीक्षक, सीसी IV, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, चेन्नई, तमिलनाडु।

271. श्री एन. वेणुगोपाल, विशेष पुलिस उप निरीक्षक, सीसी ।।, सतर्कता एवं अपराध निरोधक, चेन्नई, तमिलनाडु।

272. श्री आर शेखर, विशेष पुलिस उप निरीक्षक, जिला अपराध शाखा, थंजाबुर जिला, तमिलनाडु।

273. श्री एम स्टीफन रवीन्द्र, उप महानिरीक्षक (ग्रेहाउन्ड्स), अपर पुलिस महानिदेशक का कार्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना।

274. श्री पल्ला रविन्द्र रेड्डी, अपर पुलिस अधीक्षक (प्रशासन), मेडक, संगारेड्डी टी.एस., तेलंगाना।

275. श्री एम. भीम राव, उप पुलिस अधीक्षक, पीटीसी, करीमनगर, तेलंगाना।

276. श्री कोट्टम श्याम सुन्दर, उप पुलिस अधीक्षक, एसआईबी, आसूचना पुलिस, हैदराबाद टी-5, तेलंगाना।

277. श्री कटकम मुरलीधर, उप पुलिस अधीक्षक, सीआई सेल, हैदराबाद, तेलंगाना।

278. श्री कोम्मेरा श्रीनिवास राव, पुलिस निरीक्षक, एसआईबी आसूचना, हैदराबाद, टी.एस., तेलंगाना।

279. श्री पोलू रविन्द्र, उप निरीक्षक, डीएसबी, निजामाबाद, तेलंगाना।

280. श्री यन्दमूरी बली बाबा, उप निरीक्षक, जीडी के-।। (टी), करीमनगर, तेलंगाना।

281. श्री नेटिकर मारुति राव, उप निरीक्षक, एसई सेल, हैदराबाद, तेलंगाना।

282. श्री मोहम्मद जाफर, आरएसआई, सीआई सेल, हैदराबाद, तेलंगाना।

283. श्री दब्बीकर किशनजी, एआरएसआई, सीआई सेल आसूचना, हैदराबाद, तेलंगाना।

284. श्री ए वेंकटेश्वर रेड्डी, एआरएसआई, डीएआर मुख्यालय, महबूबनगर, तेलंगाना।

285. श्री अमल चक्रवर्ती, पुलिस निरीक्षक, कलमचौरा, सेपहिजला, त्रिपुरा।

286. श्री शेखर दत्ता, उप निरीक्षक (यूबी), पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, विशेष शाखा, अगरतला, त्रिपुरा।

287. श्री जयंत नाथ, उप निरीक्षक (एबी) पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) का कार्यालय, एडी नगर अगरतला, त्रिपुरा।

288. श्री सुदीप कर, सहायक उप निरीक्षक यूबी, जीआरपी, त्रिपुरा, अगरतला, त्रिपुरा।

289. श्री सजल कुमार पॉल, हवलदार (जीडी), टी हेडक्वार्टर, 12 बटालियन टीएसआर, खोवई, त्रिपुरा।

290. श्री समरेन्द्र जमातिया, हवलदार (जीडी), द्वितीय बटालियन टीएसआर, आर के नगर, त्रिपुरा।

291. श्री प्रशांत कुमार, पुलिस अधीक्षक, (एनआईए, नई दिल्ली), उत्तर प्रदेश।

292. श्री लक्ष्मी सिंह, उप महानिरीक्षक, आगरा रेंज, उत्तर प्रदेश।

293. श्री दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक (सीबी), सीआईडी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

294. श्री जगनायक सिंह गौतम, अपर पुलिस अधीक्षक, एसीओ मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

295. श्री अरूण कुमार पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक/उप कमांडेंट, 82 बटालियन पीएसी, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

296. श्री अशोक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, विशेष रेंज सुरक्षा बटालियन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

297. श्री संतोष कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, आतंकवाद रोधी दस्ता, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

298. श्री अजय कुमार सहदेव, अपर पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश।

299. श्री सुदर्शन राम, उप पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश।

300. श्री राम कृपाल भारती, उप पुलिस अधीक्षक, इटावा, उत्तर प्रदेश।

301. श्री हैदर रजा जैदी, उप पुलिस अधीक्षक, पीसीएल, मेरठ, उत्तर प्रदेश।

302. श्री उदय प्रताप सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (जेडओ), आगरा, उत्तर प्रदेश।

303. श्री ऋषि पाल सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश।

304. श्री राजबीर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, बदायूँ, उत्तर प्रदेश।

305. श्री राजेश कुमार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, उन्नाव, उत्तर प्रदेश।

306. श्री ओम प्रकाश सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (एलआईयू), गोरखपुर, उत्तर प्रदेश।

307. श्री लक्ष्मण राय, उप पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश।

308. श्री मोहम्मद हनीफ उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

309. श्री राजवीर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, बागपत, उत्तर प्रदेश।

310. श्री प्रमोद कुमार चावला, उप पुलिस अधीक्षक (जेडओ), झांसी, उत्तर प्रदेश।

311. श्री गोरखनाथ राम, उप पुलिस अधीक्षक, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश।

312. श्री नवल किशोर चौधरी, उप पुलिस अधीक्षक, आगरा, उत्तर प्रदेश।

313. श्री कृष्ण कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश।

314. श्री अशोक कुमार राय, निरीक्षक, सुरक्षा मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

315. श्री वीरेन्द्र सिंह, निरीक्षक, आसूचना, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

316. श्री श्यामा कुमार, रेडियो निरीक्षक, रेडियो मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

317. श्री विष्णु कुमार मिश्रा, निरीक्षक, हमीरपुर, उत्तर प्रदेश।

318. श्री तेजेन्द्र सिंह, निरीक्षक, यूपीपीसीएल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

319. श्री रामबहादुर, निरीक्षक, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश।

320. श्री रामायण राय, उप निरीक्षक एपी, 26 बटालियन पीएसी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश।

321. श्री उमा सिंह यादव, उप निरीक्षक, सुरक्षा मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

322. श्री कुंज बिहारी, उप निरीक्षक, संभल, उत्तर प्रदेश।

323. श्री मोहम्मद इसराइल खान, हेड कांस्टेबल, चित्रकूट, उत्तर प्रदेश।

324. श्री संतोष कुमार, हेड कांस्टेबल, ईओडब्ल्यू, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

325. श्री मुकुंद सिंह, उप निरीक्षक (वीएस), कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश।

326. मैकुलाल, हेड ऑपरेटर, रेडियो मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

327. श्री मोइनुद्दीन अहमद सिद्दिकी, हेड ऑपरेटर, रेडियो मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

328. श्री सत्यनारायण, हेड कांस्टेबल (पी), इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

329. श्री मैयाददीन यादव, उप निरीक्षक (वीएस) आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

330. श्री राजमणि सिंह, हेड कांस्टेबल, अमेठी, उत्तर प्रदेश।

331. श्री कमलेश सिंह, हेड कांस्टेबल, एटीएस उत्तर प्रदेश, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

332. श्री उमा शंकर वाजपेयी, हेड कांस्टेबल (पी), इटावा, उत्तर प्रदेश।

333. श्री सुरेन्द्र प्रसाद, हेड कांस्टेबल, बटालियन पीएसी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश।

334. श्री निर्मल प्रसाद, हेड कांस्टेबल (मोटर परिवहन), 11 बटालियन, पीएसी, सीतापुर, उत्तर प्रदेश।

335. श्री प्रहलाद कुशवाहा, हेड कांस्टेबल, 42 बटालियन, पीएसी, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

336. श्री रविन्द्र नायर जी, हेड ऑपरेटर, रेडियो मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

337. श्री दिनेश सिंह यादव, हेड कांस्टेबल (पी), 8 बटालियन, पीएसी, बरेली, उत्तर प्रदेश।

338. श्री मुनीब अली अंसारी, हेड कांस्टेबल, 20 बटालियन, पीएसी, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश।

339. श्री राज बहादुर, हेड कांस्टेबल (पी), 8 बटालियन, पीएसी, बरेली, उत्तर प्रदेश।

340. श्री सुरेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल, 9 बटालियन, पीएसी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश।

341. श्री राम जी राम, हेड कांस्टेबल, 35 बटालियन, पीएसी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

342. श्री श्याम सिंह, हेड कांस्टेबल, जिला बदायूँ, उत्तर प्रदेश।

343. श्री राज कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, जिला वाराणसी, उत्तर प्रदेश।

344. श्री राजेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल, 47 बटालियन, पीएसी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।

345. श्री रणजीत सिंह, हेड कांस्टेबल, द्वितीय बटालियन, पीएसी, सीतापुर, उत्तर प्रदेश।

346. श्री जसवंत सिंह, हेड कांस्टेबल, जिला फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश।

347. श्री धीरेन्द्र कुमार ओझा, हेड कांस्टेबल (एपी), जिला भदोही, उत्तर प्रदेश।

348. श्री गिरीश कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश।

349. श्री कमल सिंह, हेड कांस्टेबल, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश।

350. श्री दशरथ प्रसाद, हेड कांस्टेबल, 28 बटालियन, पीएसी, इटावा, उत्तर प्रदेश।

351. श्री वेद प्रकाश त्यागी, हेड कांस्टेबल, हापुड़, उत्तर प्रदेश।

352. श्री गया लाल, हेड कांस्टेबल, एसटीएफ उत्तर प्रदेश, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

353. श्री मोहन लाल दीक्षित, हेड कांस्टेबल (पी), कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश।

354. श्री राम प्रवेश सिंह, प्लाटून कमांडर (वीआईएस), 9 बटालियन, पीएसी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश।

355. श्री रामशिरोमणि त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल, 25 बटालियन पीएसी राय बरेली, उत्तर प्रदेश।

356. श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल, 4 बटालियन पीएसी इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

357. श्री जगदीश प्रसाद, कांस्टेबल (चालक), सीबी सीआईडी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

358. श्री राम प्रकाश, कांस्टेबल, 10 बटालियन, पीएसी, बीबीके, उत्तर प्रदेश।

359. श्री बंशधारी, कांस्टेबल, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश।

360. श्री हरीशचन्द्र, कांस्टेबल, चंदौली, उत्तर प्रदेश।

361. श्री जमाल अहमद, उप निरीक्षक (एम), आशुलिपिक, आसूचना मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

362. श्री राजनाथ सिंह, उप निरीक्षक (एम) आशुलिपिक, विशेष पूछताछ, उत्तर प्रदेश।

363. श्री गिरजा शंकर पाण्डेय, अपर एसआरओ, नैनीताल, उत्तराखंड।

364. श्री हीरामणि ध्यानी, निरीक्षक आसूचना, आसूचना मुख्यालय, 8 चन्द्र रोड, दलनवाला, देहरादून, उत्तराखंड।

365. श्री उपेन्द्र दत्त, निरीक्षक आरमोरर, 31 बटालियन पीएसी, रूद्रपुर, उत्तराखंड।

366. श्री चन्द्र दत्त जोशी, उप निरीक्षक मोटर परिवहन, जिला नैनीताल, उत्तराखंड।

367. श्री हर राज सिंह उप निरीक्षक (वी), आईआरबी-। रामनगर, नैनीताल, उत्तराखंड।

368. श्री बास्तब बैद्य, पुलिस उपायुक्त, मध्य प्रभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

369. श्री सुजय कुमार चन्द, पुलिस उपायुक्त (वायरलेस ब्रांच), कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

370. श्री मानस कुमार बनिक, सहायक पुलिस आयुक्त, कम्बैट बटालियन पीटीएस, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

371. श्रीमती अपर्ण सरकार, पुलिस निरीक्षक, सीआईडी पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल।

372. श्री अशोक नाथ चट्टोपाध्याय, निरीक्षक, हावड़ा यातायात गार्ड, हावड़ा पीसी, पश्चिम बंगाल।

373. श्री राजीब गोन, निरीक्षक (एबी), रिजर्व निरीक्षक, हुगली, पश्चिम बंगाल।

374. श्री देवब्रत दास, निरीक्षक, विशेष शाखा कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

375. श्री मो. नूरूल अबसार, पुलिस निरीक्षक, स्पेशल टास्क फोर्स, लालबाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

376. श्री सुमन मुखोपाध्याय, पुलिस निरीक्षक, यातायात विभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

377. श्री पबित्र कुमार मुखर्जी, पुलिस निरीक्षक, दक्षिण पूर्व प्रभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

378. श्री देबजीत भट्टाचार्य, पुलिस निरीक्षक, दक्षिण पूर्व प्रभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

379. श्री चित्रदीप पाण्डे, पुलिस निरीक्षक, खुफिया विभाग, लालबाजार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

380. श्री सुबीर चन्द्र सेन, पुलिस उप निरीक्षक, (आरओ-I), आसनसोल, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल।

381. श्री विश्वरंजन बंधोपाध्याय, पुलिस उप निरीक्षक, ओसी घैतल पुलिस थाना, पश्चिम बंगाल।

382. श्री अभिजीत शंकर साब, पुलिस उप निरीक्षक, रिजर्व आफिस झारग्राम पुलिस जिला, पश्चिम बंगाल।

383. श्री आलोक कुमार घोष, उप निरीक्षक (एबी), डीएएपी पुरुलिया, पश्चिम बंगाल।

384. श्री सेख सिराजुद्दीन अहमद, सहायक उप निरीक्षक, एसवीएसपीए पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल।

385. श्री चंद्र बहादुर थापा, हवलदार, ईएफआर प्रथम बटालियन सलुआ, पश्चिम बंगाल।

386. श्री देबब्रत भट्टाचार्य, कांस्टेबल, एसवीएसपीए पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल।

387. श्री आशिष चटर्जी, कांस्टेबल, प्रतिनियुक्ति पर, उप महानिरीक्षक एम आर कार्यालय, पश्चिम बंगाल।

388. श्री थॉमस कुट्टी, उप निरीक्षक, पुलिस थाना-पहर गांव, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह।

389. श्री सोलंकी भाईदास जाधव, सहायक उप निरीक्षक, दमण, दमण एवं दीव।

390. श्री राजासंकर वेल्लत, निरीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय, पुडुचेरी।

391. श्री बिद्यूत कुमार सरकार, वरिष्ठ निजी सचिव, शिलांग, असम राइफल्स।

392. श्री बाबू पी के, नायब सूबेदार क्लर्क, शिलांग, असम राइफल्स।

393. श्री नित्यानंद मिश्रा, नायब सूबेदार क्लर्क, शिलांग, असम राइफल्स।

394. श्री तुल बहादुर गुरुंग, सूबेदार, जुन्हेबूतो, असम राइफल्स।

395. श्री उनीकृष्णन सुकुमारन नायर, सूबेदार क्लर्क, नागालैंड, असम राइफल्स।

396. श्री प्रकाश प्रभाकर, उप कमांडेंट, नागालैंड, असम राइफल्स।

397. श्री राम बहादुर कर्की छेत्री, सूबेदार जनरल ड्यूटी, नागालैंड, असम राइफल्स।

398. श्री दुलाल चंद्र मजुमदार, नायब सूबेदार जनरल ड्यूटी, नागालैंड, असम राइफल्स।

399. श्री अशोक कुमार ठाकुर, सूबेदार क्लर्क, नागालैंड, असम राइफल्स।

400. श्री बद्री नारायण भारती, सूबेदार क्लर्क, नागालैंड, असम राइफल्स।

401. श्री इंद्र बहादुर गुरुंग, सूबेदार, मणिपुर, असम राइफल्स।

402. श्री लक्ष्मण सिंह, नायब सूबेदार जनरल ड्यूटी, अरूणाचल प्रदेश, असम राइफल्स।

403. श्री हरी बहादुर प्रधान, उप कमांडेंट, शिलांग, असम राइफल्स।

404. श्री राकेश चौहान, कमांडेंट, 46 बटालियन, भुज, गुजरात, सीमा सुरक्षा बल।

405. श्री अवतार सिंह शाही, कमांडेंट, 142 बटालियन, गांधीनगर, गुजरात, सीमा सुरक्षा बल।

406. श्री शिव आधार श्रीवास्तव, कमांडेंट, महानिदेशालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

407. श्री अमित कुमार त्यागी, कमांडेंट, 155 बटालियन, कोहिमा, नागालैंड, सीमा सुरक्षा बल।

408. श्री अमरेन्द्र कुमार विद्यार्थी, कमांडेंट, 10 बटालियन, महारानीचेरा, त्रिपुरा, सीमा सुरक्षा बल।

409. श्री अश्वनी कुमार शर्मा, कमांडेंट, द्वितीय बटालियन, बड़गांम (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल।

410. श्री शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, कमांडेंट, 99 बटालियन, लुंग्लेई (मिजोरम), सीमा सुरक्षा बल।

411. श्री वेद प्रकाश बडोला, कमांडेंट, 42 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल, कूचबिहार (प.बं.), सीमा सुरक्षा बल।

412. श्री देवेन्द्र सिंह बिष्ट, कमांडेंट, 108 बटालियन, उमप्लिंग, शिलांग, सीमा सुरक्षा बल।

413. श्री अरुण कुमार सिंह, कमांडेंट, महानिदेशालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

414. श्री अशोक कुमार, कमांडेंट, 97 बटालियन, सांबा, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल।

415. श्री मदन लाल, कमांडेंट, 80 बटालियन, सुदरबनी (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल।

416. श्री गेन्तीनलाल, कमांडेंट, स्टाफ प्रशिक्षण केन्द्र, चूड़ाचांद पुर, मणिपुर, सीमा सुरक्षा बल।

417. श्री च्यवन प्रकाश मीणा, कमांडेंट 70 बटालियन, अमृतसर (पंजाब), सीमा सुरक्षा बल।

418. श्री विजय सिंह डोगरा, कमांडेंट (डीएंडएल)/एलओ ग्रेड-।, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

419. डॉ. असीत बरन दास, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी), फ्रंटियर मुख्यालय, त्रिपुरा, सीमा सुरक्षा बल।

420. श्री एस. मोहनन, उप कमांडेंट, सेक्टर मुख्यालय, त्रिवेन्द्रम, केरल, सीमा सुरक्षा बल।

421. श्री जगदीश प्रसाद श्रीवाश, उप कमांडेंट, एसटीएस, टिगरी, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

422. श्री प्रभात कुमार भटनागर, उप कमांडेंट, महानिदेशालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

423. श्री विनोद कुमार लंगू, उप कमांडेंट, 18 बटालियन, मोहुरा (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल।

424. श्री नाथू बिनहा, उप कमांडेंट, टीसी एंड एस, हजारीबाग, झारखंड, सीमा सुरक्षा बल।

425. श्री के. सुब्रमणियन, उप कमांडेंट, 35 बटालियन, रानीनगर (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल।

426. श्री कैलाश चन्द्र देवली, उप कमांडेंट, 34 बटालियन, गोपालपुर (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल।

427. श्री कमला पति, उप कमांडेंट, 194 बटालियन, जैसलमेर (राजस्थान), सीमा सुरक्षा बल।

428. श्री राम पाल डागर, उप कमांडेंट, 172 बटालियन, खजुवाला (राजस्थान), सीमा सुरक्षा बल।

429. श्री रणधीर सिंह, उप कमांडेंट, 28 बटालियन, रायगंज, पश्चिम बंगाल, सीमा सुरक्षा बल।

430. श्री कुलदीप सिंह विरक, उप कमांडेंट, 191 बटालियन, खेमकरन (पंजाब), सीमा सुरक्षा बल।

431. श्री प्रमोद कुमार भंडारी, सहायक कमांडेंट, 70 बटालियन, अजनाला (पंजाब), सीमा सुरक्षा बल।

432. श्रीमती सुशीला खन्ना, प्रशासनिक अधिकारी, महानिदेशालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

433. श्री बी डी भगत, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), फ्रंटियर मुख्यालय, बंगलौर, सीमा सुरक्षा बल।

434. श्री विश्वनाथन पिल्लै आर, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), फ्रंटियर मुख्यालय एम एंड सी, मासिमपुर (असम), सीमा सुरक्षा बल।

435. श्री दिलजिन्दर सिंह पठानिया, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), महानिदेशालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

436. श्री लक्ष्मण यादव, निरीक्षक (जीडी), महानिदेशालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

437. श्री निर्मल सिंह, निरीक्षक (जीडी), दांतीवाड़ा, गुजरात, सीमा सुरक्षा बल।

438. श्री अजय वीर सिंह, निरीक्षक (जीडी), 1022 आर्टलरी रेजिमेंट, फरीदकोट (पंजाब), सीमा सुरक्षा बल।

439. श्री मोती राम, निरीक्षक (जीडी), 192 बटालियन, जम्मू, (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल।

440. श्री जीब नाथ झा, निरीक्षक (जीडी), सेक्टर मुख्यालय, सिल्चर (असम), सीमा सुरक्षा बल।

441. श्री राजेन्द्र यादव, निरीक्षक (जीडी), 31 बटालियन, मालदा (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल।

442. श्री बलबीर सिंह, निरीक्षक (जीडी), 33 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, अखनूर, सीमा सुरक्षा बल।

443. श्री राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी, निरीक्षक (जीडी), 82 बटालियन, नारायणपुर, मालदा (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल।

444. श्री सूरज सिंह यादव, निरीक्षक (जीडी), 16 बटालियन, हंदवाड़ा (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल।

445. श्री सुनील कुमार रावत, निरीक्षक (अनुसचिवीय), महानिदेशालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

446. श्री अनूप सिंह, निरीक्षक (तकनीकी), एसआरओ, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल।

447. श्री नरेन्द्र सिंह सेंगर, उप निरीक्षक (जीडी), सेंट्रल प्रिंटिंग प्रेस, टेकननुर (मध्य प्रदेश), सीमा सुरक्षा बल।

448. श्री जय प्रकाश पाण्डेय, उप निरीक्षक (जीडी), 100 बटालियन, कुपवाड़ा (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल।

449. श्री चन्द्रन परमेश्वरन पिल्लई, उप निरीक्षक (साइफर), 21 बटालियन, गोपालपुर, कूचबिहार (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल।

450. श्री मनीष कुमार सिन्हा, उप महानिरीक्षक, बीएस एंड एफसी, बंगलौर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

451. सुश्री लता मनोज कुमार, उप महानिरीक्षक, एससी । नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

452. उमेश चन्द्र दत्ता, उप महानिरीक्षक, एससी ।।। नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

453. श्री वी चन्द्रशेखर, उप महानिरीक्षक एसीबी, हैदराबाद, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

454. श्री शाह नवाज खान, अपर पुलिस अधीक्षक, ईओ ।।। नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

455. श्री एन आर ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी, शिमला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

456. श्री एम तमांग, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी, गुवाहाटी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

457. श्री आलोक कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, पॉलिसी प्रभाग, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

458. श्री राम प्रकाश शर्मा, निरीक्षक, एससी ।।।, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

459. श्री डी जे बाजपेयी, निरीक्षक, बीएस एंड एफसी, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

460. श्री अरूण कुमार शुक्ला, उप निरीक्षक, एसीबी, लखनऊ, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

461. श्री वासन सिंह, सहायक उप निरीक्षक, एसीबी, चंडीगढ़, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

462. श्री राजेश्वर सिंह राणा, सहायक उप निरीक्षक, आईपीसीसी, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

463. श्री पेरूमल रामकृष्णन, सहायक उप निरीक्षक, ईओडब्ल्यू, चेन्नई, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

464. श्री नरपत सिंह, हेड कांस्टेबल, सीबीआई मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

465. श्री सुभाष चंद्र, हेड कांस्टेबल, एमडीएमए, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

466. श्रीमती चंपा देवी, कांस्टेबल, एसीबी, दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

467. श्री राजेन्द्र सिंह, कार्यालय अधीक्षक, एसयू, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

468. श्री अर्जुन प्रसाद, अपराध सहायक, एसीबी, पटना, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

469. श्री राजकुमार, कांस्टेबल, सीबीआई मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

470. श्री सौगाता राय, उप महानिरीक्षक, यूनिट आईएसपी, बर्नपुर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

471. श्री मटेटी नंदन, उप महानिरीक्षक, सीसीएल मुख्यालय, रांची, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

472. श्री योगेश मेहता, वरिष्ठ कमांडेंट, यूनिट ओटीएचवीपी, ओबरा, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

473. श्रीमती हरप्रीत कौर, वरिष्ठ कमांडेंट, मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

474. डॉ. अनिल पाण्डेय, वरिष्ठ कमांडेंट, यूनिट बीआईओएम, बचेली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

475. श्री शिव कुमार मोहनका, वरिष्ठ कमांडेंट, यूनिट सीएसआईए, मुम्बई, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

476. श्री मनदीश सिंह साही, उप कमांडेंट, यूनिट पीएचसीएस, चंडीगढ़, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

477. श्री अशोक कुमार पात्रो, सहायक कमांडेंट, यूनिट सीएसआईए, मुम्बई, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

478. श्री गिरीश चन्द्र उनियाल, सहायक कमांडेंट (जेएओ), मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

479. श्री राज कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट (जेएओ), यूनिट सीजीबीएस, दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

480. श्री राम फल, निरीक्षक (अनुसचिवीय), यूनिट डीएमआरसी, दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

481. श्री एम सी जनार्दन, निरीक्षक (अनुसचिवीय), आरटीसी, अरक्कोनम, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

482. श्री एम अंगू, उप निरीक्षक (अनुसचिवीय), एसजेड मुख्यालय, चेन्नई, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

483. श्री भाष्कर नंद, सहायक उप निरीक्षक, यूनिट बीएचईएल, हरिद्वार, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

484. श्री लक्षमन गोगोई, सहायक उप निरीक्षक, यूनिट डीएसपी, दुर्गापुर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

485. श्री उत्तम कुमार गुप्ता, सहायक उप निरीक्षक, यूनिट डीएसपी दुर्गापुर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

486. श्री एम वेंकटरामा पिल्लै, सहायक उप निरीक्षक, एसजेड मुख्यालय, चेन्नई, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

487. श्री के के प्रभाकरन, सहायक उप निरीक्षक, यूनिट वीएसएससी, थुम्बा, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

488. श्री जे चन्द्रा कलाधर राव, सहायक उप निरीक्षक, यूनिट एसडीएससी, सहार, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

489. श्री प्रभात कुमार जाना, सहायक उप निरीक्षक, यूनिट आईएसपी, बर्नपुर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

490. श्री श्याम सुन्दर सोम, सहायक उप निरीक्षक, यूनिट ओएनजीसी, नाजिरा, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

491. श्री तपन कुमार माजी, सहायक उप निरीक्षक, यूनिट बीआरबीएनएमएल, सलबोनी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

492. श्री मोहन सिंह, हेड कांस्टेबल, मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

493. श्री सत्यापाल, कांस्टेबल (स्वीपर), मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

494. श्री प्रेमवीर सिंह राजोरा, उप महानिरीक्षक, महानिदेशालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

495. श्री संजय यादव, उप महानिरीक्षक, महानिदेशालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

496. श्री राजेश कुमार यादव, उप महानिरीक्षक, महानिदेशालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

497. श्री कोमल सिंह, उप महानिरीक्षक, महानिदेशालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

498. डॉ. (श्रीमती) रंजीता कार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी), 232 बटालियन, जीसी-।।, अजमेर, राजस्थान, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

499. श्री संजीव कुमार, कमांडेंट, जीसी, बेंगलुरू, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

500. श्री राकेश सेठी, कमांडेंट, 120 बटालियन, तुरा, मेघालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

501. श्री जगदीश नारायण मीणा, कमांडेंट, बारामूला, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

502. श्री मदन कुमार, कमांडेंट, 128 बटालियन, नूनमती, कामरूप, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

503. श्री अनिल कुमार चतुर्वेदी, कमांडेंट, सीआईएटी, सिल्चर, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

504. श्री अजय कुमार सिंह, कमांडेंट, 65 बटालियन, बड़ोदरा कैम्पस, रायपुर, छत्तीसगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

505. श्री अरविंद राय, कमांडेंट, हुमहामा, बड़गांम, जम्मू एवं कश्मीर, छत्तीसगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

506. श्री गुलाब सिंह, सेकन्ड इन कमांड, शोपियाँ, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

507. श्री ललित कुमार वर्मा, सेकन्ड इन कमांड, बड़गाम, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

508. श्री देव शंकर मिश्रा, सेकन्ड इन कमांड, बवाना, दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

509. श्री हरिन्द्र कुमार, सेकन्ड इन कमांड, बवाना, दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

510. श्री ओम प्रकाश टोकस, सेकन्ड इन कमांड, नलबाड़ी, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

511. श्री बजरंग लाल, सेकन्ड इन कमांड, पुलवांमा, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

512. श्री जितेन्द्र सिंह राठौड़, सेकन्ड इन कमांड, अजमेर, राजस्थान, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

513. श्री विद्याधर, सेकन्ड इन कमांड, खम्माम, तेलंगाना, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

514. श्री रमाकांत पाण्डा, सेकन्ड इन कमांड, इम्फाल, मणिपुर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

515. श्री लक्ष्मण राम शर्मा, उप कमांडेंट, अजमेर, राजस्थान, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

516. श्री कैलाश चंद, उप कमांडेंट, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

517. श्री बृजपाल सिंह चौहान, उप कमांडेंट, बारपेटा, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

518. श्री महेन्द्र सिंह यादव, सहायक कमांडेंट, हैदराबाद, तेलंगाना, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

519. श्री दयाराम, निरीक्षक/जीडी, गढ़चिरौली, महाराष्ट्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

520. श्री मोहन सिंह संबयाल, निरीक्षक/जीडी, जमुई, बिहार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

521. श्री कृष्ण चन्द्र शर्मा, निरीक्षक/जीडी, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

522. श्री रमेश चन्द, निरीक्षक/जीडी, अनंतनाग, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

523. श्री गुणवंत रामचन्द्र कापसे, निरीक्षक/जीडी, अगरतला, त्रिपुरा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

524. श्री अक्षय कुमार मलिक, निरीक्षक/जीडी, भुवनेश्वर, ओडिशा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

525. श्री वीरेन्द्र सिंह, निरीक्षक/जीडी, पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

526. श्री मकसूद हुसैन साहू, निरीक्षक/जीडी, गढ़चिरोली, महाराष्ट्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

527. श्री दिग्विजय सिंह, निरीक्षक/जीडी, कोंडागांव, छत्तीसगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

528. श्री सौकार सिंह रावत, निरीक्षक/जीडी, आईएसए माउंट आबू, राजस्थान, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

529. श्री सतबीर सिंह, निरीक्षक/जीडी, नागांव, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

530. श्री वीरेन्द्र सिंह, निरीक्षक/जीडी, जिरानिया, त्रिपुरा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

531. श्री अनवर अहमद, निरीक्षक/जीडी, बीजापुर, छत्तीसगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

532. श्री लीला राम, निरीक्षक/जीडी, पहलगाम, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

533. श्री तारा चंद, उप निरीक्षक/जीडी, अगरतला, त्रिपुरा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

534. श्री जय सिंह, सहायक उप निरीक्षक/जीडी, मथुरा, उत्तर प्रदेश, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

535. श्री शिवाजी पासवान, सहायक उप निरीक्षक/जीडी, पलामू, झारखंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

536. श्री निर्मल सिंह, सहायक उप निरीक्षक/जीडी, लातेहर, झारखंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

537. श्री महेश कुमार, हेड कांस्टेबल/जीडी, लातेहर, झारखंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

538. श्री गोविंद सिंह रावत, कांस्टेबल/जीडी, सोनीपत, हरियाणा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

539. श्री गुलाम मोहम्मद खान, कांस्टेबल/जीडी, बारामूला, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

540. श्री राम नरेश, निरीक्षक/आरमरर, खटखटी, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

541. श्री सत्यबीर, निरीक्षक/आरओ, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

542. श्री कृष्ण कुमार आहूजा, निरीक्षक (तकनीकी), चंडीगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

543. श्री कश्मीर चंद, निरीक्षक (बैंड), जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

544. श्री एस समद्दार, हेड कांस्टेबल (कारपेंटर) बारपेटा, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

545. श्री मोहम्मद नजीर अहमद, उप निरीक्षक (मोटर परिवहन), महानिदेशालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

546. श्री कुलदीप सिंह, हेड कांस्टेबल (चालक), जालंधर पंजाब, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

547. श्री राम ब्यास राय, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), महानिदेशालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

548. श्री चरणजीत सिंह, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), जीसी, जालंधर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

549. श्री मोहन लाल शर्मा, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), महानिदेशालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

550. श्री संतोष कुमार मरार, सहायक कमांडेंट (पीएस), महानिदेशालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

551. श्रीमती आई बी रानी, उप निदेशक, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

552. श्री गणेश कुमार, उप निदेशक, एफएफआरओ, बंगलौर, गृह मंत्रालय।

553. श्री स्वयं प्रकाश पाणि, उप निदेशक, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

554. श्री तरूण कुमार, उप निदेशक, देहरादून, गृह मंत्रालय।

555. श्रीमती असवटी जी दोरजे, उप निदेशक, एफआरआरओ, मुम्बई, गृह मंत्रालय।

556. श्री राजीव कुमार झा, जेडीडी, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

557. श्री बीरेन्द्र कुमार मैथिल, सहायक निदेशक, डीआरटीसी, शिवपुरी, गृह मंत्रालय।

558. श्री पी. के. इस्सर, सहायक निदेशक, अहमदाबाद, गृह मंत्रालय।

559. श्री महिपाल सिंह राणावत, डीसीआईओ, जयपुर, गृह मंत्रालय।

560. श्री मनोज कुमार झा, डीसीआईओ, पटना, गृह मंत्रालय।

561. श्री केनीडोलहोलि, डीसीआईओ, कोहिमा, गृह मंत्रालय।

562. श्री श्रीधर पोखरियाल, डीसीआईओ, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

563. श्री ऋषि राज त्यागी, डीसीआईओ, मेरठ, गृह मंत्रालय।

564. श्री रवीन्द्र सिंह राणा, अनुभाग अधिकारी, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

565. श्री कौशिक चक्रवर्ती, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय।

566. श्री कमल कांत, पीएस, रांची, गृह मंत्रालय।

567. श्री अजय कुमार खरे, एसीआईओ-।/डब्ल्यूटी, भोपाल, गृह मंत्रालय।

568. श्री रघुबंश मणि, एसीआईओ-।।/जी, दिल्ली, गृह मंत्रालय।

569. श्री अशोक कुमार लिधु, एसीआईओ-।।/जी, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

570. श्री राजन रामाकांत मुरंजन, एसीआईओ-।।/जी, मुम्बई, गृह मंत्रालय।

571. श्री सौमित्र सरकार, जेआईओ-।/जी, कोलकाता, गृह मंत्रालय।

572. श्री राकेश कुमार सिंह, जेआईओ-।/जी, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

573. श्री प्रयाथ शंकरन राजन, जेआईओ-।/जी, त्रिवेन्द्रम, गृह मंत्रालय।

574. श्री चिंताकुंता, सम्पत, जेआईओ-।/जी, हैदराबाद, गृह मंत्रालय।

575. श्री रणबीर सिंह कमांडेंट (जीडी), 14 बटालियन, जजर्देवाल, जिला पिथौरागढ़, उत्तराखंड, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

576. श्री राजेन्द्र सिंह चंदेल, कमांडेंट (जीडी), 12 बटालियन, मतली, जिला उत्तरकाशी, उत्तराखंड, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

577. श्री प्रभु नाथ प्रसाद, कमांडेंट (जीडी), 31 बटालियन, यूपिया, जिला पपुम्पारे, अरुणाचल प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

578. श्री राजेश साहनी, सेकन्ड इन कमांड (जीडी), 10 बटालियन, किमिन, अरुणाचल प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

579. श्री बिक्रम सिंह राणा, उप कमांडेंट (जीडी), प्रथम बटालियन, पोस्ट सुनील जोशीमठ, जिला चमोली, उत्तराखंड, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

580. श्री निहाल सिंह भंडारी, उप कमांडेंट (जीडी), उत्तरी फ्रंटियर देहरादून, जिला देहरादून, उत्तराखंड, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

581. श्री हरदीप सिंह, सहायक कमांडेंट, सेक्टर मुख्यालय, इटानगर, अरूणाचल प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

582. श्री राजेन्द्रन नारायणन थनिक्का पिल्लिल, सहायक कमांडेंट (स्टाफ अधिकारी), महानिदेशालय, सीजीओ काम्पलेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

583. श्री राम प्रसाद, निरीक्षक (जी डी), 52 बटालियन, पोस्ट प्रतापनगर, जीटी रोड, नया अमृतसर, जिला अमृतसर, पंजाब, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

584. श्री सुन्दर लाल, निरीक्षक (जी डी), 32 बटालियन, महाराजपुर कैंप, पोस्ट सरसौल, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

585. श्री ओम प्रकाश, उप निरीक्षक (जी डी), 36 बटालियन, बाराकोट रोड, पोस्ट लोहाघाट, जिला चम्पावत, उत्तराखंड, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

586. श्री सब्बल सिंह, कांस्टेबल (वाटर कैरियर), सेक्टर मुख्यालय, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस।

587. श्री उम्माथिरेयन चन्द्रन, टीम कमांडर, बल मुख्यालय एनएसजी, मानेसर, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद।

588. श्री राजेश कुमार शर्मा, टीम कमांडर (एसओ/प्रशिक्षण), बल मुख्यालय एनएसजी, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद।

589. डॉ. संजय कुमार तिवारी, उप महानिरीक्षक (वेटेनरी), बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल।

590. श्री मानवेन्द्र, कमांडेंट, 55 बटालियन, पिथौरागढ़, सशस्त्र सीमा बल।

591. श्री सुनील कुमार ध्यानी, कमांडेंट, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल।

592. श्री चिरंजीब भट्टाचार्जी, उप कमांडेंट, 54 बटालियन, बिजनी, सशस्त्र सीमा बल।

593. श्री नवांग ताशी, सहायक कमांडेंट, 38 बटालियन, तवांग, सशस्त्र सीमा बल।

594. श्री हरि ओम, सहायक कमांडेंट, एटीसी, सराहन, सशस्त्र सीमा बल।

595. श्री कारम सुरजा कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट, 24 बटालियन, छत्तीसगढ़,सशस्त्र सीमा बल।

596. श्री अमिया कुमार नाथ, एरिया ऑर्गेनाइजर, बोगाइगांव, सशस्त्र सीमा बल।

597. श्रीमती सोनम युड्रोन, एरिया ऑर्गेनाइजर, सेक्टर मुख्यालय, गंगटोक, सशस्त्र सीमा बल।

598. श्री सर्वेश सिंह, निरीक्षक (जीडी), 54 बटालियन, बिजनी, असम, सशस्त्र सीमा बल।

599. श्री मुनीयाप्पन मुरुगन, उप निरीक्षक (मोटर परिवहन),बल मुख्यालय, नई दिल्ली,सशस्त्र सीमा बल।

600. श्रीमती शांति कुकरेती, एएफओ (डब्ल्यू आई), एसएसबी अकादमी, श्रीनगर,सशस्त्र सीमा बल।

601. श्री नरेश नौटियाल, एसओ-।, एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा समूह।

602. श्री पी सुरूलिअप्पन, एसएसए (मोटर परिवहन), एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा समूह।

603. श्री संतोष चन्द्रोठ, एसएसए (परिवहन), एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, विशेष संरक्षा समूह।

604. श्री कुमुद डेका, हेड कांस्टेबल (जीडी), पूर्वोत्तर पुलिस अकादमी, उमसा, उमिअम, मेघालय, पूर्वोत्तर पुलिस अकादमी।

605. श्री पूर्ण बहादुर छेत्री, सहायक निदेशक, नई दिल्ली, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो।

606. श्री राम बिहारी सिंह, सांख्यिकीय अधिकारी, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो।

607. श्री उन्नी पिल्लै, सहायक कमांडेंट, द्वितीय बटालियन, एनडीआरएफ, नदिया, पश्चिम बंगाल।

608. श्री प्रदीप कुमार पी के, निरीक्षक (अनुसचिवीय), एसवीपी एनपीए, हैदराबाद।

609. श्री पवन कुमार, हेड कांस्टेबल (जीडी), एसवीपी एनपीए, हैदराबाद।

610. श्री जसवंत सिंह, हेड कांस्टेबल (जीडी), एसवीपी एनपीए, हैदराबाद।

611. श्री शेख युसुफ, कांस्टेबल (जीडी), एसवीपी एनपीए, हैदराबाद।

612. श्री जी सी यादव, उप सचिव (पुलिस), नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय।

613. सुश्री रेनु पुष्कर छिब्बर, उप महानिरीक्षक सह अपर मुख्य सुरक्षा आयुक्त, जयपुर, रेल मंत्रालय।

614. श्री शेर सिंह दहिया, डिवीजनल सुरक्षा आयुक्त, संबलपुर ईसीओआर, भुवनेश्वर, रेल मंत्रालय।

615. श्री गोल्लमुडि मधुसूदन राव, एएससी, रेल हील फैक्ट्री, येलहंका, बंगलौर, रेल मंत्रालय।

616. श्री अनुपम चक्रवर्ती, एएससी सह प्रिंसिपल टीसी, दोमोहनी, रेल मंत्रालय।

617. श्री कैलाश चन्द सुयाल, निरीक्षक, झांसी वर्कशाप, रेल मंत्रालय।

618. श्री प्रमोद कुमार, सोनी, हेड कांस्टेबल, कानपुर सेंट्रल, रेल मंत्रालय।

619. श्री प्रदीप कुमार, सहायक उप निरीक्षक, अंधेरी, रेल मंत्रालय।

620. श्री अमित कुमार शर्मा, निरीक्षक, सीआईबी, जालंधर रेलवे स्टेशन, रेल मंत्रालय।

621. श्री नरिन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक, मुक्तसर, रेल मंत्रालय।

622. श्री अरविंद कुमार तिवारी, सहायक उप निरीक्षक, लखनऊ, रेल मंत्रालय।

623. श्री सुमन चौधरी, निरीक्षक, आरपीएफ, पोस्ट हावड़ा, सेंट्रल पोस्ट, रेल मंत्रालय।

624. श्री सुदेश कुमार, उप निरीक्षक, 06 बटालियन, आरपीएसएफ डीबीएसआई, दिल्ली, रेल मंत्रालय।

625. श्री करुसना परनया हुरनॉडे, उप निरीक्षक, 02 बटालियन, आरपीएसएफ, गोरखपुर, रेल मंत्रालय।

626. श्री धर्मबीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, 10 बटालियन, आरपीएसएफ, स्टेशन रोड धनबाद, रेल मंत्रालय।

627. श्री मोती बहादुर राणा, सहायक उप निरीक्षक (ग्रेड-I), 03 बटालियन, आरपीएसएफ, लखनऊ, रेल मंत्रालय।

628. श्री संतोष चन्द, टेलर ग्रेड-II, आरपीएफ सेंट्रल स्टोर डीबीएसआई, दिल्ली-35, रेल मंत्रालय।

2. ये पुरस्कार सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान करने को शासित करने वाले नियम के नियम 4 (ii) के अंतर्गत दिए जा रहे हैं।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

दिनांक 5 मई 2016

सं. 34-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, असम पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	नितुल गोगोई, पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार)
02.	श्रीमती रोजी कलिता, अपर पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक),
03.	ज्योति प्रसाद हांडिक, उप निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
04.	बिपुल कुमार थापा, कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
05.	राजीब कुमार राभा, कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.11.2013 को लगभग अपराह्न 3.30 बजे, मेघालय राज्य के रेसुबेलपाड़ा, नार्थ गारो हिल्स जिले के रेशम विकास अधिकारी श्री दिलीप दत्त मेधी का अपहरण राभा नेशनल लिबरेशन फ्रंट के संदिग्ध सशस्त्र काडरों द्वारा असम के ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई पुलिस थाने के अंतर्गत चोटो मटिया गांव में कर लिया गया। इस मामले का संबंध, कृष्णाई पुलिस थाने में आयुध अधिनियम की धारा 25 (1-ख) क/27 के साथ पठित भारतीय दण्ड संहिता की धारा 365/34 के तहत मामला सं. 245/2013 से है।

दिनांक 24.11.2013 की शाम को लगभग 6 बजे श्री नितुल गोगोई, आई पी एस, पुलिस अधीक्षक, ग्वालपाड़ा को अपहरणकर्ताओं द्वारा अपहृत व्यक्ति श्री दिलीप दत्त, रेशम विकास अधिकारी, रेसुलबेलपाड़ा, नार्थ गारो हिल्स जिला, मेघालय को दुधनोई पुलिस थाने के अंतर्गत बोगुलामारी (मेघालय से लगा एक सीमावर्ती गांव) के निकट उनकी वर्तमान अवस्थिति से अज्ञात जगह पर ले जाने के बारे में सूचना प्राप्त हुई। जानकारी प्राप्त होने पर श्री नितुल गोगोई, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, ग्वालपाड़ा ने अभियान की योजना बनाई क्योंकि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल और सेना को बुलाने का समय नहीं रह गया था। उनके पास उस समय जो पुलिस अधिकारी और जवान मौजूद थे, वे श्रीमती रोजी कलिता, एपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, एबीसी बिपुल कुमार थापा, एबीसी हियामोय राभा, एबीसी राजीब कुमार राभा, यूबीसी निरोद तालुकदार थे। अभियान दल को बाहरी घेरे तथा अंदरूनी घेरे के रूप में दो भागों में विभाजित किया गया क्योंकि आसूचना संबंधी जानकारी में यह एकदम स्पष्ट था कि अपराधियों द्वारा अपहृत व्यक्ति को ऑटो रिक्शा में ले जाया जा रहा है। बाहरी घेरे वाले दल को बोगुलामारी गांव से मेघालय राज्य के एक गांव की तरफ जाने वाले मार्गों पर निगरानी हेतु भेजा गया। अंदरूनी घेरे वाले दल में श्री नितुल गोगोई, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, ग्वालपाड़ा, श्रीमती रोजी कलिता, एपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) ग्वालपाड़ा, उप निरीक्षक (यूबी) ज्योति प्रसाद हांडिक, एबीसी बिपुल कुमार थापा, एबीसी राजीब कुमार राभा शामिल थे और उन्होंने गांव के रास्ते से वाहनों के आने का इंतजार किया। चूंकि वह स्थान बोगुलामारी एल.पी. स्कूल के पास एक एकांत स्थान था, इसलिए शाम 7 बजे तक वाहनों की कोई आवाजाही नहीं हुई। शाम 7 बजे के चंद मिनटों के बाद एक ऑटो रिक्शा गांव की सड़क से बोगुलामारी एल.पी. स्कूल की तरफ आते दिखा। अंदरूनी घेरे वाला दल ने ऑटो रिक्शा रोका जिसके अंदर 7 (सात) व्यक्ति मौजूद थे। जब श्री नितुल गोगोई, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, ग्वालपाड़ा ने ऑटो रिक्शा के अंदर मौजूद व्यक्तियों से पहचान बताने के लिए कहा, तब उनमें से एक ने अपना परिचय दिलीप के रूप में दिया, जो कृशकाय और वाहन में बैठे बाकी लोगों से अधिक उम्र का दिख रहा था। अचानक रोजी कलिता, एपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) ग्वालपाड़ा ने यह भांपते हुए कि कृशकाय और बूढ़ा दिखने वाला यह व्यक्ति अपहृत पीड़ित दिलीप दत्त मेधी है, अपनी जान की परवाह न करते हुए उसे ऑटो रिक्शा से बाहर खींचा। इस पर आर एन एल एफ काडरों ने एक ग्रेनेड फेंका और वाहन से नीचे उतर कर पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आर एन एल एफ के दो काडर, जो ऑटो रिक्शा के दोनों दरवाजों की ओर बैठे थे, अंधेरे और स्थलाकृति का लाभ उठाकर भाग खड़े हुए। श्री नितुल गोगोई, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, ग्वालपाड़ा ने तत्काल अपनी जान की परवाह किए बिना तथा अपहृत व्यक्ति और अपने अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों की जान बचाने के लिए सभी प्रकार का जोखिम उठाते हुए जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी तथा वहां उपस्थित अधिकारियों को उनका जवाब देने का आदेश दिया। अधिकारियों ने, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को बिल्कुल ताक पर रखकर, धैर्य और जबरदस्त साहस का प्रदर्शन करते हुए काडरों पर गोलियां चलाईं क्योंकि पोजिशन लेने तथा नियंत्रित तरीके से गोली चलाने के लिए समय नहीं बचा था।

जब ग्रेनेडों का फेंका जाना तथा गोलीबारी रूकी, तब पुलिस दल ने अभियान-स्थल की तलाशी ली। तलाशी के दौरान गोलियां लगने से घायल हुए 4 (चार) व्यक्ति गिरे हुए पाए गए और तत्काल एंबुलेंस बुलाई गई ताकि उन्हें वहां से निकालकर निकटतम अस्पताल में पहुंचाया जा सके। अभियान-स्थल के साथ-साथ ऑटो रिक्शा की भी अच्छी प्रकार से तलाशी की गई और वहां निम्नलिखित सामान बरामद हुए:-

1. (एक) कार्बाइन
2. (एक) .38 रिवाल्वर
3. (तीन) .38 कैलिबर के जिंदा कारतूस
4. (चार) 9 मिमी कैलिबर के जिंदा कारतूस

5. (दो) जिंदा हैंड ग्रेनेड

6. (एक) मैगजीन

7. कंबल

8. मोबाइल फोन

9. सिम कार्ड

अस्पताल में, उपचार कर रहे चिकित्सकों ने घायलों को मृत घोषित कर दिया। बाद में, मृतकों की पहचान उनके संबंधियों द्वारा जगदीश राभा, शिबचरण राभा, रंजन राभा, ज्योधना राभा के रूप में की गई। उनकी पहचान आर एन एल एफ के दुर्दांत काडरों के रूप में की गई जो पहले से जिला विशेष शाखा कार्यालय, ग्वालपाड़ा में आरएनएलएफ काडरों की सूची में शामिल थे।

यह उल्लेखनीय है कि पूरा अभियान साहस का दुर्लभ प्रदर्शन था, जिसमें स्वयं की जानों को जोखिम में डालकर, स्वयं को तथा अपने अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों को बिना किसी क्षति के एक सुनियोजित तरीके से अपहृत पीड़ित को बेदाग छुड़ाने तथा अपहरणकर्ताओं का अंत करने में असाधारण शौर्य का परिचय दिया गया।

पुलिस दल द्वारा शौर्यपूर्ण कार्रवाई के इस दुर्लभ प्रदर्शन से पीड़ित श्री दिलीप दत्त मेधी और सभी पुलिस कर्मियों के प्राणों की रक्षा हुई।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री नितुल गोगोई, पुलिस अधीक्षक, श्रीमती रोजी कलिता, अपर पुलिस अधीक्षक, ज्योति प्रसाद हांडिक, उप निरीक्षक, बिपुल कुमार थापा, कांस्टेबल और राजीब कुमार राभा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक/पुलिस पदक का द्वितीय बार नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.11.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 35-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	मनु महाराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
02.	जयंत कांत, पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
03.	अनुपम कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
04.	सुरेन्द्र कुमार सिंह, उप-निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
05.	संजय कुमार सिंह, उप-निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया:

दिनांक 30.03.2014 को मनु महाराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पटना को एक गुप्त सूचना मिली कि अपराधियों के एक पूरे सशस्त्र गैंग ने मनेर पुलिस थाना (पटना जिला) के अंतर्गत सुदूर दियारा क्षेत्र लोदीपुर वयापुर में आतंक का माहौल कायम किया हुआ है। यह गैंग बालू व्यापारियों और किसानों से रंगदारी की बलपूर्वक उगाही, हत्या, अपहरण, डकैती आदि जैसे अनेक जघन्य और सनसनीखेज़ अपराधों में संलिप्त था। उन्होंने एक दल-विशेष के पक्ष में आगामी लोक सभा निर्वाचन 2014 में दियारा क्षेत्र में बूथों पर कब्जा करने का षडयंत्र रचा हुआ था।

मनु महाराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पटना के नेतृत्व में जयंत कांत, नगर पुलिस अधीक्षक, पटना, अनुपम कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) पटना, पुलिस उप-निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह तथा पटना जिला पुलिस बल के कांस्टेबलों के एक पुलिस दल ने लंबी और कठिन क्षेत्र की दूरी पैदल तय करने में शामिल जोखिम से बिना भयभीत हुए, अंधेरी रात में गहरी गंगा नदी को पार किया तथा सुबह लगभग 03:30 बजे अपराधियों के अड्डे पर पहुंच गया। दियारा क्षेत्र की स्थलाकृति का आकलन करने के पश्चात्, मनु महाराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पटना ने पुलिस दल को तीन दलों में विभाजित किया और क्रमश: पहले दल का नेतृत्व उन्होंने स्वयं संभाला, दूसरे दल का नेतृत्व जयंत कांत, नगर पुलिस अधीक्षक, पटना को तथा तीसरे दल की कमान अनुपम कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) पटना को सौंपी तथा उन्हें अलग-अलग दिशाओं में जाने का आदेश दिया। अपराधियों के अड्डे को घेर लिया गया और इस काम को बखूबी अंजाम दिया गया। अपराधियों से लगातार कहा गया कि वे अपने हथियारों को छोड़ दें तथा आत्मसमर्पण कर दें। चेतावनियों को नज़रअंदाज करते हुए अपराधियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करनी आरंभ कर दी और गोलियां पुलिस दलों के चारों ओर दनादन बरसने लगीं। बालू के मोर्चों के पीछे मोर्चाबंदी कर चुके अपराधी इस गोलीबारी में लाभ की स्थिति में थे जबकि पुलिस दलों को समतल बालू पर इस गोलीबारी से स्वयं को बचाने के लिए विवश होना पड़ रहा था। भयभीत होने वाली स्थिति में पाकर मनु महाराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पटना ने पुलिस दलों को घुटने के बल आगे बढ़ते हुए गोलियां चलाने के लिए कहा। यह गोलीबारी ढाई घंटे तक जारी रही। अपराधियों ने सैकड़ों राउंड गोलियां चलाईं जबकि पुलिस ने अपराधियों को मारने का नहीं बल्कि पुलिस के समक्ष उनके द्वारा आत्मसमर्पण करने के लिए दबाव डालने हेतु केवल 48 राउंड गोलियां चलाई ताकि उनके गैंगों की जड़ का असली पता लगाने के लिए उनसे आगे पूछ-ताछ की जा सके। अपराधियों के इन अत्यधिक हिंसक, अन्धाधुन्ध और प्राणघातक हमलों की जवाबी कार्रवाई ने उन्हें कठिन स्थिति में ला खड़ा किया और वे वापस हटने तथा भाग निकलने के लिए मजबूर हो गए, अपनी जान को जबरदस्त जोखिम होने के बावजूद पुलिस दल के सदस्यों ने भाग रहे अपराधियों का तेजी से पीछा किया तथा उनमें से 9 अपराधियों को उनके हथियारों और गोलाबारुद एवं नकद धनराशि सहित पकड़ लिया। एक अपराधी को तब गिरफ्तार किया गया जब वह अपनी एके-47 गंगा नदी में फेंक पानी में तैरकर भागने का प्रयास कर रहा था।

गिरफ्तार व्यक्तियों से की गई पूछ-ताछ और उनकी स्वीकारोक्तियों से पता चला कि इस गैंग को कुख्यात अपराधी रीतलाल यादव से समर्थन मिल रहा था जो फिलहाल 20 मामलों में जेल में बंद है। गैंग का मुखिया शंकर दयाल शर्मा उर्फ फौजी, 10 मामलों में 10 पैरा कमांडो बटालियन का भगोड़ा सैनिक था। वह विगत में पुलिस बल के खिलाफ अनेक दु:साहसी अभियानों का षडयंत्रकारी था और उनके पीछे उसी का हाथ था। उसने कुख्यात अपराधियों का एक दुर्जेय गिरोह बना लिया था तथा उनके मन में पुलिस और प्रशासन के प्रति कोई सम्मान नहीं था।

मनु महाराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पटना के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम अपनी जानों को जोखिम में डालकर अत्याधुनिक हथियारों से लैस अपराधियों के इस अगम्य दुर्ग पर धावा बोल दिया तथा 9 दुर्दांत अपराधियों को गिरफ्तार तथा लूटी गई पुलिस राइफल सहित हथियारों और गोलाबारुद के बड़े जखीरे को बरामद भी किया। आगामी लोक सभा निर्वाचन 2014 में बूथ पर कब्जा करने की उनकी योजना, धरी की धरी रह गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने यह सिद्ध किया कि वे केवल आदेश देने वाले अधिकारी ही नहीं बल्कि मुठभेड़ में स्वयं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वालों में से एक हैं। निष्ठुर और प्रतिबद्ध इन दुर्दांत अपराधियों के खिलाफ चली इस जबरदस्त गोलीबारी में उनकी सक्रिय भागीदारी और आगे बढ़कर कुशल नेतृत्व प्रदान करने से पुलिस दलों में साहस की भावना जागृत हुई और उनका मनोबल बढ़ा। उनकी तत्परता, विवेकपूर्ण जन-प्रबंधन और अदम्य आत्म-विश्वास ने दल को उसके गंतव्य तक पहुंचा दिया।

इस मुठभेड़ से आतंक और हिंसा से जूझ रहे दियारा क्षेत्र में शांति का आभास हुआ। पुलिस की यह बहादुरी भरी कार्रवाई, बिना कोई जान गंवाए या क्षति पहुंचे या सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान के बिना की गई। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने पुलिस दल की दिलेरी और हुई बरामदगियों को खूब प्रमुखता दी। निस्संदेह हर दृष्टिकोण से यह एक सर्वोत्कृष्ट कार्य था।

बरामदगी:-

1.	.303 पुलिस राइफल	-	01
2.	सेमी-ऑटोमैटिक राइफल यूएसए	-	02
3.	डीबीबीएल बंदूक	-	02
4.	एसबीबीएल बंदूक	-	01
5.	.315 नियमित राइफल	-	02
6.	7.62 मिमी (एके-47) के जिंदा राउंड	-	18
7.	30.08 मिमी के जिंदा राउंड	-	94
8.	.303 मिमी के जिंदा राउंड	-	50
9.	.315 मिमी के जिंदा राउंड	-	22
10.	12 बोर के जिंदा राउंड	-	18
11.	7.62 मिमी के खाली खोखे	-	04
12.	12 बोर के खाली खोखे	-	03
13.	.303 मिमी के खाली खोखे	-	01
14.	.315 मिमी के खाली खोखे	-	05
15.	30.06 मिमी के खाली खोखे	-	02
16.	30.06 मिमी की चार्ज क्लिप	-	02
17.	मोबाइल फोन	-	05
18.	नकद	-	4,71,654/-रूपए

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री मनु महाराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जयंत कांत, पुलिस अधीक्षक, अनुपम कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, सुरेन्द्र कुमार सिंह, उप-निरीक्षक, और संजय कुमार सिंह, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक/पुलिस पदक का प्रथम बार नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30.03.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 36-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. जितेन्द्र राणा,
पुलिस अधीक्षक

02. अंगेश कुमार राय,
उप-निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया:

पुलिस अधीक्षक जमुई, श्री जितेन्द्र राणा को जमुई जिला, बिहार के गिद्धेश्वर पहाड़, पंचभूर नाला, धमनी, मुरली पहाड़, पाठकचक बांध, संदेला पहाड़ और इसके आस-पास के क्षेत्रों के पहाड़ी और वन क्षेत्रों में नक्सलियों की आवाजाही और उनके छिपने के ठिकानों के बारे में सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, बी-लेवल विशेष अभियान "एम एल आई आर एल आई" की योजना बनाई गई और यह दिनांक 03.01.2014 से 06.01.2014 के दौरान संचालित की गई। अभियान के भाग के रूप में, श्री उमेश कुमार, ए सी की कमान में 215 बटालियन की 'ई' कंपनी के 02 प्लाटून तथा जमुई पुलिस के पुलिस उप निरीक्षक अंगेश कुमार राय के साथ कोबरा 207 के दो दलों ने 04.01.2014 को 0400 बजे गुप्त रूप से तथा वेश बदलकर आधार शिविर को छोड़ा तथा 1730 बजे अपने अभियान क्षेत्र में पहुंच गए। दलों ने जी आर-24 50 53.3-उ, 86 09 07.6-पू. पर एल यू पी लिया तथा दिनांक 05.01.2014 को पहाड़ी क्षेत्र और घने जंगलों में से होकर पाठकचक बांध की ओर अपने लक्ष्य क्षेत्र की तलाशी आरंभ की। दल आड़ लेते हुए सम्भलकर आगे बढ़ने लगे। दिनांक 05.01.2014 को लगभग 1315 बजे जब सभी औचकता और गोपनीयता बनाए रखते हुए सुनियोजित ढंग से आगे बढ़ रहे थे, उसी समय दल सं. 12 डी/207 कोबरा के टीम कमांडर निरीक्षक/जीडी एस.एस. सोलंकी ने महिलाओं/पुरूषों को आदिवासी भाषा में बात-चीत करते सुना और हरी वर्दी में आग्यनेयास्त्रों से लैस अपरिचित लोगों की संदिग्ध गतिविधि देखी। इन सभी तीन दलों के कमांडरों ने हाथों के इशारे से अपने दलों को सतर्क कर दिया। शोर सुनाई देते ही दल कमांडर श्री उमेश कुमार, ए सी, श्री अजित कुमार, ए सी और निरीक्षक/जीडी एस.एस. सोलंकी तुरन्त हरकत में आए और योजनाबद्ध तरीके से जंगल के उन क्षेत्रों की घेराबंदी करने के लिए अपनी टुकड़ियां तैनात करने लगे जहां घने जंगलों के कारण कम दिखाई पड़ रहा था। अपने आस-पास सुरक्षा बलों की मौजूदगी को भांपते हुए सशस्त्र नक्सली काडरों ने चारों तरफ से जबरदस्त अंधाधुंध गोलीबारी आरंभ कर दी। सभी दलों ने पोजिशन ली तथा अपनी जान और सरकारी संपत्ति को बचाने के लिए उस दिशा में गोलियां चलानी शुरू कर दी जहां से गोलियां चल रही थीं। कमांडर ने तत्काल जमुई के पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र राणा को सूचित किया जो पाठकचक बांध क्षेत्र के निकट अन्य दलों की वापसी की देखरेख कर रहे थे और उनसे तत्काल सहायता भेजने का अनुरोध किया। जब दोनों ओर से जबरदस्त गोलीबारी चल रही थी, तब डी सी सूर्यकांत के नेतृत्व में अतिरिक्त टुकड़ियों के साथ पुलिस अधीक्षक, जमुई श्री जितेन्द्र राणा पाठकचक बांध की ओर से स्थल की ओर बढ़े और नक्सलियों को घेरने का प्रयास किया। स्थिति का आकलन करने के बाद कमांडरों ने अलग-अलग दिशाओं से क्षेत्र को घेरने तथा माओवादियों की गोलीबारी के जबाव में, माओवादियों द्वारा की जा रही गोलीबारी की दिशा में गोलियां चलाते हुए आगे बढ़ने की रणनीति अपनाने की योजना बनाई। सुरक्षा बलों द्वारा चलाई जा रही गोलियों की आड़ लेते हुए कोबरा दल के उप- निरीक्षक अंगेश कुमार राय, निरीक्षक/जीडी एस.एस. सोलंकी, कांस्टेबल/जीडी एम. मणि तथा कांस्टेबल/जीडी समर नायक के साथ श्री अजीत राम पूर्वी दिशा से, ई-215 के श्री उमेश कुमार ए सी, कांस्टेबल/जीडी अनुराज टी और कांस्टेबल/जीडी ओम प्रकाश तिवारी दक्षिण दिशा से तथा डी सी सूर्यकांत सिंह के साथ पुलिस अधीक्षक जमुई श्री जितेन्द्र राणा उत्तर दिशा से आगे बढ़े। नक्सली ठिकाने के बेहद समीप पहुंचने के लिए उन्होंने अपने निजी हथियारों से गोलियां चलाई तथा झाड़ियों से घिरे उस नक्सली ठिकाने की ओर योजनाबद्ध तरीके से गोलियां चलाने लगे जहां से कुछ नक्सली काडर सुरक्षा बलों पर जबरदस्त और अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। इस सुनियोजित चाल तथा उपर्युक्त सुरक्षा कार्मिकों द्वारा अनुकरणीय साहस और दिलेरी से की गई गोलीबारी से नक्सलियों के कातर स्वर सुनाई पड़े और कई नक्सली काडरों को अंधाधुंध गोलीबारी करते तथा अपने साथ अनेक घायल या मृत कामरेडों के शवों को उठाकर पश्चिम की तरफ घने जंगलों की ओर इधर-उधर भागते हुए देखा गया। माओवादी घने जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों का फायदा उठाते हुए भागने में सफल हो गए।

मुठभेड़ के पश्चात् वरिष्ठ अधिकारियों ने मुठभेड़-स्थल की संयुक्त तलाशी लेने का आदेश दिया। तलाशी के दौरान 81 जिंदा राउंडों के साथ .303 राइफल के साथ एक माओवादी का शव, शव के पास मैगजीन में 03 राउंड और दो खाली खोखे, 01 जोड़ी गाढ़े हरे रंग की वर्दी, पिट्ठू, कारतूस पाउच बरामद किए गए।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री जितेन्द्र राणा, पुलिस अधीक्षक और अंगेश कुमार राय, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05.01.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 37-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. सुधांशु कुमार,
पुलिस अधीक्षक

02. सिंधु शेखर सिंह,
उप निरीक्षक

03. राज कुमार तिवारी,
उप-निरीक्षक

04. अरबिन्द कुमार,
उप-निरीक्षक

05. गौतम कुमार,
उप-निरीक्षक

06. विवेक कुमार,
कांस्टेबल

07. अजय कुमार,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया:

दिनांक 15.08.05 को पूर्णियां के एक नामी व्यवसायी के ग्यारह वर्षीय बच्चे मुदित नाहर का अपहरण किया गया । इसके तत्काल बाद श्री सुधांशु कुमार के नेतृत्व में पूर्णियां पुलिस हरकत में आई। स्थानीय भूगोल, भागने के संभावित रास्तों की विस्तृत जानकारी, संकट की घड़ी में सही प्रकार की योजना बनाने तथा विवेकपूर्ण तरीके से आगे बढ़कर अगुवाई करने तथा अपने संसाधनों को जुटाने की क्षमता के कारण पुलिस, अपराधियों को आत्मसमर्पण करने के लिए पर्याप्त चेतावनी देने तथा उनकी अंधाधुंध गोलीबारी के बीच 04 दुर्दांत अपराधियों को रोकने, उनसे मुकाबला करने तथा उन्हें मार गिराने में सफल रही। यह मुठभेड़ काफी नजदीकी, भीषण और चुनौतीपूर्ण रही। यद्यपि यह एक लंबी, कभी-कभार हताशा से भारी लड़ाई थी परन्तु एक प्रतिबद्ध कार्रवाई के चलते इसकी परिणति यह हुई कि पुलिस, अपराधियों के ठिकानों तक पहुंचने में सफल रही जहां अपहृत व्यक्तियों को सुरक्षित छुड़ाने में शौर्यपूर्ण कार्रवाई हुई।

मोबाइल प्रिंट आउट्स, मोबाइल टॉवर की अवस्थिति और रेंज के सूक्ष्म विश्लेषण सहित सतत् इलेक्ट्रॉनिक और मानवीय चौकसी के माध्यम से वे सुशीला देवी उर्फ गुड़िया को गिरफ्तार करने में सफल रहे, जिसने पूछताछ के दौरान अपहरणकर्ताओं के पते-ठिकानों का खुलासा किया। इस मौके पर उन्होंने न केवल स्वाभाविक अनुमान लगाया बल्कि पूरी योजना बड़ी बारीकी से तैयार की। दिनांक 23/24.08.2005 की रात को कटिहार में अपराधियों के ठिकानों को चारों दिशाओं से घेरकर, श्री सुधांशु कुमार और उप-निरीक्षक सिंधु शेखर सिंह बिल्कुल मौत के सामने खड़े होने के लिए तनिक भी विचलित नहीं हुए। पुलिस दल ने अपराधियों के

ध्यान और गोलीबारी से बचने के लिए सामने के दरवाज़ों और दो कमरों की पिछली ओर की खिड़कियों से अपहरणकर्ताओं को चुनौती दी। उप- निरीक्षक सिंधु शेखर सिंह ने अदभुत शौर्य का प्रदर्शन करते हुए एक अपहरणकर्ता पर काबू पाने के लिए उसके ऊपर कूद पड़े। तथापि, अपराधी ने उन पर पुन: गोली चलाई परन्तु सौभाग्यवश उप निरीक्षक सिंधु शेखर सिंह इससे बच गए। इससे पहले कि अपराधी फिर से गोली चलाता, सुधांशु कुमार, जो श्री सिंह के ठीक पीछे थे, ने अपराधी पर गोली चलाकर उसे गिरा दिया। तथापि उस समय जीवित अपराधी ने सुधांशु कुमार को फिर से निशाना बनाने का प्रयास किया लेकिन उससे पहले ही उप-निरीक्षक सिंधु शेखर सिंह ने अपराधी पर गोली चला दी और अपहृत बच्चे को उसके चंगुल से छुड़ा लिया। अन्य कमरे में मौजूद उप-निरीक्षक राज कुमार तिवारी, उप-निरीक्षक गौतम कुमार और उप-निरीक्षक अरबिन्द कुमार ने एक अन्य अपराधी को मार गिराया जो अंधाधुंध गोलीबारी करके घेराबंदी तोड़ने का हर-संभव प्रयास कर रहा था। किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए कांस्टेबल विवेक और अजय, अधिकारियों के उपर्युक्त दल के पीछे मजबूती से खड़े थे। मौत के सौदागरों के चंगुल में फंसे अबोध बच्चे ने बड़े ही कातर स्वर में "पुलिस अंकल, मुझे बचा लीजिए" पुकारा और श्री सुधांशु और उनके दल के जवानों ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बना चुनौती का डटकर मुकाबला किया और उसका मुंहतोड़ जवाब दिया। मारे गए अपराधियों के पास से निम्नलिखित हथियार और गोला-बारुद बरामद किए गए:

(क)	9 मिमी पिस्तौल	-	01
(ख)	देशी पिस्तौल	-	03
(ग)	राउंड	-	20
(घ)	मोबाइल हैंड सेट	-	03

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री सुधांशु कुमार, पुलिस अधीक्षक, सिंधु शेखर सिंह, उप-निरीक्षक, राज कुमार तिवारी, उप-निरीक्षक, अरबिन्द कुमार, उप-निरीक्षक, गौतम कुमार उप-निरीक्षक, विवेक कुमार, कांस्टेबल और अजय कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.08.2005 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 38-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अब्दुल समीर,
उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गोरना-मनकेली क्षेत्र के निकट 20-25 वर्दीधारी सशस्त्र काडरों के साथ माओवादियों की गंगलूर एरिया कमेटी सदस्य गोपी की उपस्थिति की सूचना पर उप-निरीक्षक अब्दुल समीर की कमान में 29 राज्य पुलिस कार्मिकों के एक पुलिस दल और एसीजी मधु की कमान में केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 16 विशेष दल सदस्य (एस ए टी पुलिस उप महानिदेशक (अभियान) बीजेआर) दिनांक 14 जुलाई को लगभग 0430 बजे गोरना-मनकेली क्षेत्र में तलाशी अभियान के लिए चल पड़े। पहले दिन, दल ने पंगुड क्षेत्र की तलाशी ली लेकिन वहां कुछ नहीं मिला और वे जंगल में रूक गए। अगले दिन, दल गोरना के निकट पहुंचा, जहां उन्होंने कुछ दूरी पर संदिग्ध गतिविधि देखी। तीसरे दिन अर्थात् 16 जुलाई की सुबह, टुकड़ियों का अनुमान था कि उस क्षेत्र में उन पर घात लगाकर हमला किया जाएगा क्योंकि उनकी संख्या केवल 45 थी। उप-निरीक्षक अब्दुल समीर और एसी जी मधु ने दल को दो समूहों में विभाजित किया। उप-निरीक्षक अब्दुल समीर और एसी जी. मधु स्वयं 4 राज्य पुलिस कर्मियों और 2 और केन्द्रीय रिजर्व

पुलिस बल के जवानों वाले मुख्य दल से आगे बढ़े। सिविल पुलिस के जवानों को रास्ते के दाहिनी ओर कुछ दूरी पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां दिखाई पड़ीं। वे चुपके से लक्ष्य की ओर बढ़े। जैसे ही यह दल लक्ष्य की ओर बढ़ा, रास्ते के बायीं ओर झाड़ियों में छिपे नक्सलियों ने आगे बढ़ रही टुकड़ियों पर भारी गोलीबारी आरंभ कर दी। मुख्य दल घात में लगभग फंस चुका था। अब दाहिनी ओर से भी नक्सलियों ने उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। पीछे मौजूद पुलिस दल, जो 300 मीटर पीछे था, ने सहायता करने के लिए स्थल की ओर भागना आरंभ कर दिया। उप-निरीक्षक अब्दुल समीर और एसी मधु ने उनसे बगल से सहायता देने के लिए कहा और इसके साथ अपने हथियारों से गोलियां बरसाने लगे। लेटे रहने की स्थिति में होने के बावजूद उप-निरीक्षक अब्दुल समीर ने खड़े होकर निर्भीकता से अपने हथियार से गोलियां चला दीं। यूबीजीएल से गोलीबारी करने के बाद नक्सलियों ने अपनी स्थिति अर्थात् रास्ते के बायीं ओर से पीछे हटने का प्रयास किया। अब रास्ते के दाहिनी ओर से गोलियां आ रही थीं जो अपेक्षाकृत कम थीं। उप-निरीक्षक अब्दुल समीर ने सहायक उप-निरीक्षक अंबिका प्रसाद ध्रुव और सहायक उप-निरीक्षक भास्कर तथा दो अन्य कांस्टेबलों को गोलियां चलाने तथा रास्ते के बायीं ओर बढ़ने के लिए कहा। वे स्वयं केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के दो कांस्टेबलों के साथ दाहिनी ओर से हो रही गोलीबारी का जवाब देने लगे। उन्हें कुछ दूरी पर दो एसएलआर, एक इन्सास और एक .303 हथियार दिखाई दिया। उन्होंने गोलियां चलाईं और भाग रहे नक्सलियों की तरफ/पीछे भागे, इस क्रम में .303 लिए एक व्यक्ति तथा इन्सास लिए व्यक्ति को गोली लगी और वे गिर पड़े लेकिन हथियार के साथ भाग खड़े हुए। दोनों ओर से गोलीबारी आधे घंटे तक चली और रूक गई। उप-निरीक्षक अब्दुल समीर ने अपने दल को बुलाया और क्षेत्र की तलाशी के संबंध में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कार्मिकों सहित अपने दल को जानकारी दी। क्षेत्र की तलाशी लेने पर .303 राइफल के साथ मदावी हिदमा पुत्र हंडो ग्राम-गोरना नामक अर्द्ध वर्दीधारी नक्सली का शव, .303 राउंड-12, एक एचई ग्रेनेड, 04 डेटोनेटर, एक काला पिट्ठू, नक्सली साहित्य, 2 पाउच, 01 रेडियो और 5 तीर आदि बरामद हुए। दल 1530 बजे बीजापुर पुलिस थाना सुरक्षित लौट आया। उप-निरीक्षक अब्दुल समीर और एसी जी. मधु, केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल की कमान में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कार्मिकों के साथ राज्य पुलिस का दल लगातार 3 दिनों और रातों तक भारी वर्षा में नक्सलियों से जूझता रहा और इसके अच्छे परिणाम निकले। जब नक्सलियों ने दल पर हमला किया तब उन्होंने अच्छी सूझ-बूझ और कुशल नेतृत्व, अभियान संबंधी कार्रवाई की अच्छी समझ, असाधारण साहस, बहादुरी और आगे बढ़कर हमला करते हुए उत्कृष्ट शौर्य का प्रदर्शन किया। नक्सली हमले में उनकी कार्रवाई से न केवल उन्होंने अपने जवानों की जानों की रक्षा की, बल्कि नक्सली हमले को भी विफल कर दिया तथा नक्सलियों को मारने और एक नक्सली काडर का शव बरामद करने में अहम भूमिका भी निभाई।

इस मुठभेड़ में श्री अब्दुल समीर, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16.07.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 39-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. किशोर केरकेट्टा,
   निरीक्षक

2. याकूब मेमन,
   निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बीजापुर जिले के मिरतूर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चेरली, बेचापाल और हुर्रेपाल क्षेत्र में सीपीआई माओवादियों की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी पर, कमांडर के तौर पर निरीक्षक किशोर केरकेट्टा और निरीक्षक याकूब मेमन तथा

उप कमांडर के रूप में उप-निरीक्षक हृदय यादु और उप निरीक्षक सुशील पटेल के साथ कुल 175 की नफरी के साथ डीईएफ बीजापुर/दंतेवाड़ा एवं एसटीएफ के दो दलों को सम्मिलित करते हुए दिनांक 17 नवम्बर, 2014 की सुबह में एक अभियान आरंभ किया गया।

दल को अभियान कमांडर, निरीक्षक किशोर केरकेट्टा और निरीक्षक याकूब मेमन द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई और दल, दो समूहों में प्रात: 05:30 बजे पुलिस थाना मिरतूर से गांव चेरली, बेचापाल और हुर्रेपाल की ओर चल पड़ा। निरीक्षक, किशोर केरकेट्टा की कमान में पहला समूह तथा निरीक्षक, याकूब मेमन की कमान में दूसरा दल, क्षेत्र एवं कौशल संबंधी रणनीतियां अपनाकर समानांतर चल रहा था और उन्होंने नक्सली शिविर आदि को नष्ट किया तथा हुर्रेपाल के जंगल क्षेत्र में एल यू पी ले लिया।

एलयूपी के पश्चात् बायीं ओर से निरीक्षक किशोर केरकेट्टा की कमान में पहला समूह तथा दाहिनी ओर से निरीक्षक याकूब मेमन की कमान में दूसरा समूह औचकता बनाए रखते हुए जब हुर्रेपाल के निकट पहुंचा, तब अचानक पहले समूह पर दाहिनी ओर से नक्सलियों द्वारा स्वचालित हथियारों से भारी मात्रा में गोलियां बरसने लगीं। तत्काल, दल ने पोजिशन ली और उन्हें गोलियां चलाना रोकने तथा आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी। उन्होंने बिना कोई सकारात्मक प्रत्युत्तर के टुकड़ियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा। पुलिस दल ने बिना कोई समय गंवाए पोजिशन ली और जवाब देना आरंभ किया। दल कमांडर किशोर केरकेट्टा ने अपने जवानों को सतर्क किया तथा उन्हें गोलियां चलाते हुए आगे बढ़ने की नीति अपनाने का आदेश दिया। श्री केरकेट्टा स्वयं आगे बढ़े और अपने जवानों के साथ आड़ लेकर गोलियां चलाते हुए शत्रु की ओर बढ़ने लगे। दूसरे दल के कमांडर श्री याकूब मेमन और उनके जवान आगे बढ़े और दूसरी ओर से माओवादियों को घेरने का प्रयास किया। माओवादियों को जैसे ही कुछ गतिविधि दिखी, उन्होंने पुलिस दल पर गोलियां चलाना जारी रखा। दल कमांडर निरीक्षक किशोर केरकेट्टा और याकूब मेमन, दोनों साहसपूर्वक आगे बढ़े और अपने जवानों को अपने पीछे आने के लिए प्रोत्साहित किया। पुलिस दल को निर्भीकता से गोलियां चलाते हुए नजदीक आते हुए देखकर माओवादियों को यह अहसास हुआ कि वे घेर लिए जाएंगे। पुलिस दल के जोरदार जवाब के कारण माओवादी कमज़ोर पड़ने लगे तथा जंगलों और पहाड़ी इलाकों का लाभ उठाकर भाग खड़े हुए।

जब गोलीबारी पूरी तरह से समाप्त हो गई, तब पुलिस दल ने क्षेत्र की तलाशी ली। तलाशी में पुलिस दल को दो माओवादियों के शव, शवों के पास 01 इंसास राइफल, एक 12 बोर गन तथा 02 इंसास मैगजीन, 18 इंसास जिंदा राउंड, 12 बोर के 03 जिंदा राउंड, 01 भरमार गन, 04 डेटोनेटर एवं साहित्य और माओवादियों द्वारा इस्तेमाल की जा रही अन्य वस्तुएं मिलीं। वहां खून के धब्बे भी मिले जिनसे पता चलता था कि कुछ और माओवादी मारे गए होंगे या घायल हुए होंगे। इसके पश्चात् पुलिस दल ने बेचापाल के जंगल क्षेत्र में एलयूपी लिया। दिनांक 18.11.2014 को प्रात: 05:00 बजे, दल कमांडर अपने जवानों का बहादुरी से नेतृत्व करते हुए, सुनियोजित ढ़ंग से आगे बढ़े तथा सुरक्षित पुलिस थाना मिरतूर पहुंच गए। बाद में, मृतक की पहचान लालू होडी और सुक्की इंचामी उर्फ सुजाता के रूप में हुई जो विगत 8 वर्षों से क्षेत्र के सक्रिय माओवादी रहे थे।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री किशोर केरकेट्टा, निरीक्षक और याकूब मेमन, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17.11.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 40-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अजीत कुमार ओग्रे,
निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विशिष्ट स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर दिनांक 18 जुलाई, 2012 को श्री अजीत कुमार ओग्रे की कमान में सिहावा पुलिस, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल और एसटीएफ का दल उड़ीसा-छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा पर सिहावा से 40 किमी. दूर चामेंडा गांव के लिए रवाना हुआ ताकि राज्य की सीमाओं को पार करने का प्रयास कर रहे नक्सलियों के समूह को पकड़ा जा सके। श्री अजीत कुमार आग्रे की अत्यन्त सावधानीपूर्वक बनाई गई योजना के अनुसार नक्सलियों के अस्थायी शिविर की प्रभावी रूप से घेराबंदी की गई, जिसके परिणामस्वरूप नक्सलियों द्वारा 0400 बजे घेराबंदी कर रहे दल पर जवाबी गोलीबारी की गई ताकि सुरक्षा को प्राणघातक क्षति पहुंचाकर घेराबंदी से निकला जा सके। नक्सलियों की अंधाधुंध गोलीबारी के कारण नक्सलियों की सही-सही स्थिति को जान पाना कठिन था। श्री अजीत कुमार ओग्रे ने अपने रणनीतिक ज्ञान का परिचय देते हुए अपने दल को गोलियां चलाना बंद करने तथा जमीन पर लेटकर अपने दल को नक्सलियों की मज्ज़ल फ्लैशों को निशाना बनाने के लिए कहा। प्रतिकूल मौसम, भारी बरसात तथा घुप्प अंधेरी रात में श्री अजीत कुमार ओग्रे ने अपनी जान की बिलकुल भी परवाह न करते हुए तथा दूसरों के लिए उदाहरण पेश करते हुए सुनियोजित ढंग से आगे बढ़े और अपने दल को नक्सलियों का प्रभावी रूप से मुकाबला करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके परिणामस्वरूप नक्सलियों ने चंगुल से निकलना आरंभ कर दिया। मुठभेड़ के बाद ली गई तलाशी में एक वर्दीधारी सशस्त्र महिला का शव, एक वर्दीधारी सशस्त्र पुरूष का शव, 7.62 मिमी एस एल आर राइफल 03, 5.56 मिमी इंसास राइफल-01, मैगजीन-06, जिंदा कारतूस-60 तथा नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुएं बरामद हुईं। पुलिस दल को बिना किसी क्षति के अच्छी सफलता प्राप्त हुई। ऐसा किसी मुठभेड़ में पहली बार हुआ कि पुलिस ने नक्सलियों के उन हथियारों को बरामद किया जो उन्होंने विभिन्न पुलिस दलों पर घात लगाकर हासिल किये थे।

इस पूरे घटनाक्रम में श्री अजीत कुमार ओग्रे ने बिना किसी क्षति के आसन्न कार्यों की योजना बनाने, नेतृत्व करने तथा उसके निष्पादन में असाधारण नेतृत्व-क्षमता का प्रदर्शन किया।

इस मुठभेड़ में श्री अजीत कुमार ओग्रे, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक का द्वितीय बार नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.07.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 41-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. शेख जुल्फकार आज़ाद, पुलिस अधीक्षक (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

02. अरशद हुसैन, निरीक्षक (वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया:

दिनांक 31.08.2012 को एक विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसपी (अभियान) श्रीनगर श्री शेख़ जुल्फकार आज़ाद की कमान में पुलिस और सेना-24 आर आर को सम्मिलित करते हुए गांव पाथपुरा चट्टरगुल कंगन के मीरा नर जंगलों के ऊपरी छोर पर एक संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान में शामिल सभी जवानों को तीन दलों में विभाजित किया गया। सभी दल लगभग 2200 बजे अपने लक्ष्य क्षेत्र की ओर बढ़े तथा योजना के अनुसार पोजिशन ले ली। दिनांक 01.09.2012 को 0530 बजे,

अंदरूनी घेराबंदी दल के प्रभारी पुलिस अधीक्षक (अभियान) शेख जुल्फकार आज़ाद ने एसओजी जवानों की एक छोटी टीम बनाई जिसमें निरीक्षक अरशद हुसैन और अन्य जवान शामिल थे। सर्वप्रथम, घिरे आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया जिसे उन्होंने बिलकुल नकार दिया और इसके स्थान पर उन्होंने अभियान दल पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। लगभग 0700 बजे छिपने के अड्डे में प्रवेश करने की योजना बनाई गई।

जैसे ही हमला दल छिपने के ठिकाने के निकट पहुंचा, उस पर आतंकवादियों की गोलियां बरसनी आरंभ हो गईं। एक रणनीतिक चाल के तौर पर हमला दल पीछे हटा लेकिन ऐसा उन्होंने केवल छिपने के ठिकाने के पीछे की तरफ से बढ़ने के लिए किया। इस मौके पर हमला दल के प्रभारी पुलिस अधीक्षक शेख जुल्फकार आजाद ने दो छोटे दल बनाए और छिपने के अड्डे के आगे और पीछे, दोनों ओर से प्रवेश करने का निर्णय लिया। जैसे ही दूसरे दल ने छिपने के ठिकाने में प्रवेश करने का प्रयास किया, अंदर मौजूद आतंकवादियों ने ग्रेनेड फैंके जिनसे कोई क्षति नहीं हुई। तथापि, श्री शेख जुल्फकार आजाद, पुलिस अधीक्षक (अभियान) श्रीनगर, निरीक्षक अरशद हुसैन और अन्य जवानों वाला पहला दल रेंगते हुए अड्डे के प्रवेश-द्वार के निकट उस स्थान पर पहुंच गया जहां से आतंकवादियों ने ग्रेनेड फैंके थे। इस स्थिति में आतंकवादियों ने घेराबंदी से निकलने और भाग जाने के प्रयास के रूप में अंधाधुंध गोलीबारी आरंभ कर दी। तथापि, उपर्युक्त दोनों अधिकारियों ने अन्य जवानों के साथ मिलकर अपनी जान की परवाह किए बिना गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया जिसके परिणामस्वरूप एचएम का शीर्षस्थ कमांडर, जिसका नाम तल्हा भाई निवासी पाकिस्तान तथा उसका सहयोगी मुश्ताक अहमद उर्फ जुबैर निवासी डोडा किश्तवाड़ मारा गया।

बरामदगी:-

1. ए.के. राइफल-02
2. मैगजीन ए के-06 (तीन क्षतिग्रस्त)
3. एके राउंड-157 (पांच क्षतिग्रस्त)
4. पाउच-02
5. चीन में निर्मित ग्रेनेड-01
6. यूबीजीएल-01
7. पाकिस्तानी करेंसी-1030/-रू.

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री शेख जुल्फकार आज़ाद, पुलिस अधीक्षक और अरशद हुसैन, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक का प्रथम बार/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01.09.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 42-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. मोहम्मद असलम,
पुलिस अधीक्षक

02. आशिक हुसैन टाक,
उप पुलिस अधीक्षक

03. सगीर अहमद पठान,
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.12.2013 को राजपुरा गांव में आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट सूचना के आधार पर हंदवाड़ा पुलिस, 21 आरआर और 30 आरआर द्वारा एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई तथा निष्पादित की गई। पुलिस दल का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक मोहम्मद असलम कर रहे थे तथा सेना की टुकड़ी की कमान मेजर संजय कुमार के हाथों में थी। अभियान के दौरान, क्षेत्र की घेराबंदी की गई और आतंकवादियों के होने की पुष्टि हुई। इस कवायद के दौरान, तलाशी ले रहे दलों पर अचानक उस मकान से भारी गोलीबारी हुई जिस पर घेराबंदी और तलाशी वाले दल नज़र लगाए बैठे थे। उग्रवादियों ने बंधक बना लेने वाली स्थिति कायम करने का प्रयास किया। आतंकवादियों द्वारा की जा रही अंधाधुंध गोलीबारी से, लक्षित मकान और उसके आस-पास के मकानों से लोगों को सुरक्षित निकाल पाना कठिन हो रहा था। पुलिस अधीक्षक मोहम्मद असलम के नेतृत्व में जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के एक छोटे दल, जिसकी सहायता के लिए आशिक हुसैन, उप पुलिस अधीक्षक (अभियान) और हेड कांस्टेबल सगीर अहमद मौजूद थे, ने इस कार्य को करने की पहल की। बचाने वाला दल लक्षित क्षेत्र के बिलकुल निकट पहुंचा और अनुमान के आधार पर गोलियां चलाकर आतंकवादियों को उलझाए रखा। अधिकारियों/जवानों ने दोनों तरफ से हो रही गोलीबारी में फंसे आम लोगों की जान बचाने के खातिर आपनी जानों की परवाह न करते हुए जान जोखिम में डालकर असाधारण साहस का परिचय दिया। एक-एक करके कुल तेरह लोगों, जिनमें कुछ महिलाएं और बच्चे शामिल थे, को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया।

जब लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का कार्य पूरा हो गया, तब दल लक्षित मकान से आतंकवादियों के खात्मे में जुट गया तथा बाहर निकलने वाले सभी मार्गों को कन्सर्टिना तारों से अवरूद्ध कर दिया और बिजली जलाकर पूरे मकान को प्रकाशित कर दिया। यह गोलीबारी पूरी रात चलती रही। पुलिस दल ने आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को विफल कर दिया। यह केवल पुलिस अधीक्षक मोहम्मद असलम, उप पुलिस अधीक्षक आशिक हुसैन और हेड कांस्टेबल सगीर अहमद का अदभुत पराक्रम और उत्कट जोश था जिसके कारण वे पाकिस्तान के तीन दुर्दांत आतंकवादियों को मार गिराने में सफल रहे। इस पूरे अभियान में पुलिस अधीक्षक मोहम्मद असलम, उप पुलिस अधीक्षक आशिक हुसैन और हेड कांस्टबल सगीर अहमद ने उत्कृष्ट शौर्य, असाधारण साहस और अपने कर्तव्य के प्रति जबरदस्त समर्पण का परिचय दिया और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जाना सुनिश्चित किया।

बरामदगी:

एके 47 राइफल-03

एके मैगजीन-10

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री मोहम्मद असलम, पुलिस अधीक्षक, आशिक हुसैन टाक, उप पुलिस अधीक्षक और सगीर अहमद पठान, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03.12.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 43-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. इरशाद हुसैन राथेर,
उप पुलिस अधीक्षक

02. अंकित कौल,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 31.5.2013 को विशिष्ट सूचना के आधार पर पुलिस और 55 आरआर द्वारा गांव वन्डिना जिला शोपियां में एक संयुक्त अभियान चलाया गया जहां मुदस्सिर अहमद डार निवासी वन्डिना नामक व्यक्ति के मकान में दो एच एम आतंकवादियों के होने की पुष्टि हुई थी। स्थिति को भांपते हुए, आतंकवादियों ने टुकड़ियों पर गोलीबारी का सहारा लिया जिसका जवाब उन्होंने आत्म-रक्षा में दिया। स्थिति का विश्लेषण करने के बाद, पुलिस अधीक्षक शोपियां ने टुकड़ियों को विश्वास जमाए रखने तथा घेराबंदी को मजबूती से बनाए रखने के लिए सतर्क किया। अभियान को सफल बनाने के लिए दो हमला समूह, श्री मुमताज़ अहमद, पुलिस अधीक्षक शोपियां और श्री इरशाद हुसैन राथेर, उप पुलिस अधीक्षक (अभियान), इमामसाहिब की कमान में बनाए गए। पुलिस अधीक्षक शोपियां की अगुवाई वाले पहले दल ने मकान के सामने मोर्चा बनाया जबकि उप पुलिस अधीक्षक (अभियान), इमामसाहिब और उनके समूह ने घनी झाड़ियों की ओर पोजिशन ली। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु इसकी बजाय एक आतंकवादी ने राइफल ग्रेनेड फेंका, जिसके बाद हमला समूहों पर अंधाधुंध गोलीबारी चालू हो गई तथा उन्होंने घटना-स्थल से भागने का प्रयास किया जिसमें पुलिस अधीक्षक, शोपियां, उप पुलिस अधीक्षक, अभियान, इमामसाहिब और 14वीं बटालियन के कांस्टेबल अंकित कौल सं. 715/एपी बाल-बाल बचे। तथापि, इस मौके पर, उप पुलिस अधीक्षक (अभियान), इमामसाहिब और उनके जवानों ने अपनी जानों की परवाह किए बिना साहस से मुकाबला किया और जवाबी कार्रवाई के दौरान उक्त आतंकवादी मारा गया जिसकी पहचान बाद में सज्जाद अहमद मीर निवासी लिट्टर पुलवामा, डिवीजनल कमांडर एचएम साउथ कश्मीर के रूप में हुई। तथापि, उक्त मकान के अंदर छिपे अन्य आतंकवादी टुकड़ियों पर नियमित अंतराल पर गोलीबारी करते रहे।

दिनांक 01.06.2013 की सुबह, पुलिस अधीक्षक शोपियां के पर्यवेक्षण में अभियान पुन: आरंभ किया गया और मकान में छिपे आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया लेकिन उसने राइफल ग्रेनेड फेंका और टुकड़ियों पर रूक-रूककर गोलियां चलाता रहा। लगभग 1600 बजे मकान से गोलियां चलनी बंद हो गईं। जैसे ही दल मकान के मुख्य द्वार के निकट पहुंचे, अंदर छिपे आतंकवादी ग्रेनेड फेंककर जवानों को मारने के इरादे से अंधाधुंध गोलियां दागने लगा। तथापि, पुलिस दल ने अनुकरणीय साहस का परिचय देते हुए बहादुरी के साथ जवाब दिया जिसके परिणामस्वरूप शेष आतंकवादी, जिसकी पहचान मोहम्मद अशरफ राथेर पुत्र मोहम्मद अकबर राथेर निवासी नौपुरा पायीन पुलवामा, जिला कमांडर एच एम पुलवामा-शोपियां के रूप में हुई, को मार गिराया जा सका।

बरामदगी:

एके 56 राइफल	02
राउंड एके	13
मैगजीन एके 56	03
यूबीजीएल	01
यूबीजीएल गोलाबारुद	04
पिस्तौल 7.6 मिमी	01
पिस्तौल 9 मिमी	01
मैगजीन पिस्तौल	03
राउंड पिस्तौल	02
मोबाइल चार्जर	01
आईईडी तार	01 रॉल छोटा

एलईडी बैटरी छोटे आकार की	05
आईईडी डेटोनेटर	03
भारतीय करेंसी	9616/-रू.

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री इरशाद हुसैन राथेर, उप पुलिस अधीक्षक और अंकित कौल, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31.05.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 44-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/ वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	इम्तियाज हुसैन मीर, पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
02.	रयाज इकबाल तांत्रे, उप पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
03.	मंजूर अहमद, उप निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
04.	निसार अहमद, उप-निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
05.	अशरफ नबी, एसजीसीटी	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
06.	शौकत अहमद, एसजीसीटी	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया:

दिनांक 18.12.2012 को, विशिष्ट सूचना के आधार पर सोपोर पुलिस, 22 आरआर तथा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल 179 बटालियन द्वारा गांव सैदपुरा सोपोर में एक संयुक्त अभियान चलाया गया। सभी जवानों को तीन समहों में विभाजित किया गया जिनमें से प्रत्येक दल की कमान क्रमश: श्री रयाज इकबाल तांत्रे, उप पुलिस अधीक्षक (अभियान) सोपोर, उप निरीक्षक मंजूर अहमद और उप-निरीक्षक निसार अहमद के पास तथा समग्र कमान/पर्यवेक्षण श्री इम्तियाज हुसैन, पुलिस अधीक्षक, सोपोर को सौंपा गया था। प्रारंभ में, श्री रयाज इकबाल तांत्रे, उप पुलिस अधीक्षक (अभियान) के नेतृत्व वाले दल और एसजीसीटी शौकत अहमद ने पास के सेब के बागान में संदिग्ध गतिविधि देखी और तुरंत कार्रवाई करते हुए छिपे हुए संदिग्ध की ओर भागे। वह संदिग्ध, जो एक आतंकवादी था, पुलिस दल पर गोलियां चलाने लगा जिसका प्रभावी प्रत्युत्तर दिया गया और जवाबी गोलीबारी में वह छिपा हुआ आतंकवादी मारा गया।

मुठभेड़ की सूचना प्राप्त होने पर, उप महानिरीक्षक, उत्तर कश्मीर रेंज भी घटना-स्थल पर पहुंचे तथा अभियान का पर्यवेक्षण किया। पूरी स्थिति की समीक्षा करने के बाद, अभियान दल ने घेराबंदी-क्षेत्र में फंसे लोगों को बाहर निकालने का निर्णय

लिया। जब श्री इम्तियाज हुसैन, पुलिस अधीक्षक की अगुवाई वाला दल घेराबंदी के अंतर्गत एक मकान के निकट पहुंचा, तभी लक्षित मकान के अंदर छिपे कुछ आतंकवादियों ने पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी आरंभ कर दी। श्री इम्तियाज हुसैन, पुलिस अधीक्षक और एसजीसीटी अशरफ नबी अपनी जानों की परवाह किए बिना लक्षित मकान की तरफ आगे बढ़े तथा छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा की जा रही लगातार गोलीबारी के बीच फंसे लोगों को बाहर निकालने में सफल हो गए। तत्पश्चात्, श्री इम्तियाज हुसैन, पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाले पुलिस दल ने अंदर छिपे आतंकवादियों पर हमला बोल दिया जिसमें एसजीसीटी अशरफ नबी घायल हो गए। तथापि, पुलिस दल मकान के ठीक बाहर आतंकवादियों को मारने में सफल रहा। यद्यपि एक आतंकवादी ने दूसरी ओर से भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस दल द्वारा की गई तत्काल कार्रवाई से उसे भी वहीं मार गिराया गया। दूसरी ओर, उप निरीक्षक मंजूर अहमद और उप-निरीक्षक निसार अहमद के नेतृत्व वाले पुलिस दलों ने शेष छिपे हुए दो आतंकवादियों पर हमला करना जारी रखा और वे भी दिनांक 19.12.2012 की सुबह में मार गिराए गए। कुल मिलाकर दिन/रात भर चले इस अभियान के दौरान 06 आतंकवादी मारे गए। इस मुठभेड़ में सेना के 02 जवानों को गोलियां लगीं। इन आतंकवादियों का मारा जाना पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि तथा क्षेत्र के उग्रवादी गुटों के नेटवर्क के लिए बहुत बड़ा झटका सिद्ध हुई।

बरामदगी:-

1.	एके सीरीज़ राइफल	:	7
2.	एके सीरीज मैगजीन	:	13
3.	एके सीरीज गोलाबारुद	:	76 राउंड
4.	पिस्तौल	:	01
5.	पिस्तौल मैगजीन	:	01
6.	पिस्तौल गोलाबारुद	:	04
7.	पाउच	:	03
8.	रेडियो सेट	:	03
9.	जीपीएस	:	01
10.	मैट्रिक्स शीट	:	02 शीट
11.	मानचित्र	:	02 शीट
12.	मोबाइल फोन	:	01

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री इम्तियाज हुसैन मीर, पुलिस अधीक्षक, रयाज इकबाल तांत्रे, उप पुलिस अधीक्षक, मंजूर अहमद, उप निरीक्षक, निसार अहमद, उप निरीक्षक, अशरफ नबी, एसजीसीटी और शौकत अहमद, एसजीसीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक का प्रथम बार/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.12.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 45-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री सैयद जावीद अहमद,
उप पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.12.2013 को नजीर अहमद डार पुत्र गुलाम हसन निवासी हुसरू, चदूरा, जिला बडगाम नामक व्यक्ति के मकान में लश्कर के एक बड़े आतंकवादी की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट सूचना के आधार पर पुलिस, 53-आरआर और 178 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा एक संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान दलों को तीन समूहों में विभाजित किया गया। श्री हरमीत सिंह मेहता, अपर पुलिस अधीक्षक, बडगाम के नेतृत्व वाले पहले दल को, जिसकी सहायता श्री सैयद जावीद अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, बडगाम कर रहे थे, मकान के काफी निकट घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अंदर छिपा आतंकवादी भाग नहीं पाए। श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, बडगाम की अगुवाई वाले दूसरे दल को साथ लगे मकानों से लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य सौंपा गया था। उप पुलिस अधीक्षक, श्री शाहिद नाहिम की कमान में तीसरे दल को स्थान की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया था। जैसे ही पहला दल लक्षित मकान के निकट पहुंचा, अंदर मौजूद आतंकवादी सतर्क हो गया और अपनी ओर आने वाले दलों पर उसने एक के बाद एक पांच ग्रेनेड फेंके और बच निकलने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी करने लगा। श्री हरमीत सिंह मेहता, अपर पुलिस अधीक्षक, बडगाम और उनके सहायक श्री सैयद जावीद अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, अभियान, बडगाम अपनी जान की परवाह न करते हुए मकान के चारों ओर घेराबंदी करने में सफल हो गए।

इसी बीच, दो अन्य दल भी सौंपे गए कार्य के लिए पहुंच गए। पहले दल ने सफलतापूर्वक आतंकवादी को अंदर ही रहने तथा भागने के उसके प्रयास को विफल कर दिया। इसी बीच अंधेरा हो गया और अभियान को रात भर के लिए रोक दिया गया। सुबह होते ही अभियान फिर से आरंभ हुआ और यह निर्णय लिया गया कि अभियान को समाप्त करने के लिए मकान में प्रवेश किया जाए। श्री हरमीत सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, बडगाम तथा दो कांस्टेबल मकान के अंदर जाने के लिए आगे आए। मकान के पिछले वाले हिस्से की दीवार को तोड़कर तथा संकरे रास्ते के जरिए प्रवेश किया गया। जैसे ही दल मकान के अंदर पहुंचे, अंदर छिपा आतंकवादी अंधाधुंध गोलियां चलाता हुआ बाहर आ गया लेकिन दल ने पोजिशन लेकर इसका जवाब दिया। इसी बीच उप पुलिस अधीक्षक, अभियान, बडगाम, श्री सैयद जावीद अहमद तथा उनकी सहायता कर रहे दो कांस्टेबल मामले की गंभीरता भांपते हुए दूसरी ओर से मकान में घुसे तथा उस अपराधी को गिरफ्त में ले लिया जो अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था। इसके बाद हुई नजदीकी लड़ाई में आतंकवादी को मार गिराया गया, जिसकी पहचान पाक अधिकृत कश्मीर के निवासी एलईटी के 'ए' श्रेणी के आतंकवादी के रूप में हुई।

बरामदगी:-

1.	एके 47 राइफल	-	01
2.	एके मैगजीन	-	02
3.	एके राउंड	-	35

इस मुठभेड़ में श्री सैयद जावीद अहमद, उप पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25.12.2013 से दिया जाएगा ।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 46-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. विजय भान,
हेड कांस्टेबल

02. एजाज हुसैन,
फालोवर

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.04.2013 को गांव क्रैंकशिवान के निकट सेब के उद्यानों में एक विशिष्ट सूचना पर, उप पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल तांत्रे की कमान में पुलिस और सेना 22 आरआर द्वारा एक संयुक्त अभियान आरंभ किया गया। पहले, दल ने घेराबंदी किए गए क्षेत्र के अंदर उद्यान में कार्य कर रहे सिविलियनों को निकालना आरंभ किया। जब सिविलियनों को वहां से निकालने का अभियान चल रहा था, तभी आतंकवादियों ने अभियान दल पर अंधाधुंध गोलीबारी आरंभ कर दी और बंधक बनाने की स्थिति पैदा करने का प्रयास किया तथा पुलिस दल की ओर हथगोले भी फेंके। इस समय, हेड कांस्टेबल विजय भान, फालोवर एजाज हुसैन सहित एक पुलिस दल दृढ़ रहा और पुलिस/सेना के बैकअप दलों से कवरिंग गोलीबारी की मदद से सिविलियनों को निकालने के लिए एक-एक इंच रेंगकर आगे बढ़े और एक-एक करके लगभग एक दर्जन सिविलियनों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। अधिकारियों/कार्मिकों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए गोलीबारी में फंसे सिविलियनों की जान की रक्षा करने के लिए जान को जोखिम वाली स्थिति में अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया। लोगों की जान की रक्षा करने के अपने कर्तव्य के प्रति उत्तरदायित्व की उत्कृष्ट भावना का प्रदर्शन करते हुए दोनों ने सिविलियनों को किसी भी प्रकार की हानि हुए बिना आतंकवादी शबीर अहमद शेख उर्फ शाका पुत्र अब्दुल रहमान शेख, निवासी राजपुरा पलहल्लन का खात्मा करने में सफल रहे।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि पुलिस दल ने साहस और धैर्य के साथ जान को जोखिम वाली स्थिति का सामना किया और काफी निकट से आतंकवादियों को उलझाए रखा। आतंकवादी ने पुलिस दल पर तीन हथगोले फेंके जिससे वे बाल-बाल बचे। पुलिस दल ने आतंकवादियों की योजना को विफल कर दिया जो बंधक बनाने की स्थिति पैदा करना चाहते थे और इससे देश के शत्रुओं के उद्देश्य को सफल बनाने के लिए राष्ट्र और सुरक्षा बलों को बदनाम करना चाहते थे। मारा गया उक्त आतंकवादी विभिन्न क्षेत्रों में रहकर तीन अलग-अलग नामों अर्थात शाका, सुफिया और तमीम का उपयोग करके उत्तरी कश्मीर में सक्रिय था। वह सरपंचों और कुछ अन्य सिविलियनों की हत्या में शामिल था। मुठभेड़ के दौरान हेड कांस्टेबल विजय भान और फालोवर एजाज हुसैन की भूमिका साहसिक, अनुकरणीय और महत्वपूर्ण रही।

बरामदगी:-

1.	एके सीरीज राइफल	-01
2.	एके सीरीज मैगजीन	-01
3.	एके राउंड	-01

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री विजय भान, हेड कांस्टेबल और एजाज हुसैन, फालोवर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.04.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 47-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अब्दुल वाहिद शाह,
पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.01.2014 को अवंतीपुरा के ददसारा क्षेत्र में आतंकवादियों की गतिविधि के संबंध में अवंतीपुरा पुलिस को एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 03 आरआर के साथ श्री अब्दुल वाहिद शाह, पुलिस अधीक्षक, अवंतीपुरा के नेतृत्व में एक पुलिस दल क्षेत्र की ओर गया और कुछ सामरिक स्थानों पर विशेष नाके स्थापित किए। लगभग 1830 बजे, दल ने एक व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि देखी जो एनएचडब्ल्यू पर कुछ विनाशकारी गतिविधि करने के उद्देश्य से अवंतीपुरा की ओर जा रहा था। सुरक्षा बलों की उपस्थिति देखकर, आतंकवादी ने अभियान दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की और आवासीय क्षेत्र की ओर बचकर भागने का प्रयास किया। अभियान दल का नेतृत्व कर रहे श्री अब्दुल वाहद शाह, पुलिस अधीक्षक ने अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादी का पीछा किया और उसे पास के आवासीय क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए पेशेवर तरीके से उसे घेर लिया। पहले आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, तथापि, उसने ऐसा करने से मना कर दिया और अभियान दल पर पुन: अंधाधुंध गोलीबारी की। आतंकवादी एक ओर से एक बड़े अखरोट के पेड़ और दूसरी ओर से एक ऊंचे ढांचे के पीछे छिप गया। कुछ विचार-विमर्श के बाद, दो अलग-अलग दलों; एक श्री अब्दलु वाहिद शाह, पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में और दूसरा श्री परवेज अहमद, एसडीपीओ, अवंतीपुरा के नेतृत्व में, द्वारा दो विपरीत दिशाओं से आतंकवादी तक पहुंचने का निर्णय लिया गया। दलों ने सावधानी पूर्वक घेरे को सख्त किया और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से आधा घंटे तक गोलीबारी हुई ओर फिर दूसरी ओर से गोलीबारी बंद हो गई। कम दृश्यता के कारण यह तय करना मुश्किल था कि आतंकवादी मारा गया अथवा नहीं। श्री अब्दुल वाहिद शाह, पुलिस अधीक्षक ने अपनी जान को जोखिम में डालकर आतंकवादी के मारे जाने का पता लगाने के लिए एक छोटे पुलिस दल के साथ आगे जाने का निर्णय लिया। आगे बढ़ते समय, आतंकवादी, जो गोलीबारी में घायल हो गया था और मृत होने का बहाना कर रहा था, ने अचानक अपनी ओर आते अधिकारियों की ओर ग्रेनेड फैंकने का प्रयास किया। तथापि, पुलिस अधीक्षक अवंतीपुरा ने फुर्ती से कार्रवाई की और निडर तरीके से आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे घटनास्थल पर ही मार गिराया। बाद में मृत आतंकवादी की पहचान क्वारिलड्रेस उर्फ आदिल, निवासी पाकिस्तान, क्षेत्र में जेईएम संगठन स्वयंभू डिवीजनल कमांडर के रूप में हुई जो अनेक विनाशकारी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार था। इस सम्पूर्ण अभियान के दौरान, श्री अब्दुल वाहिद शाह, पुलिस अधीक्षक, अवंतीपुरा ने अपने कर्तव्य से बढ़कर उत्कृष्ट भूमिका निभाई और वीरतापूर्ण कार्य किया।

बरामदगी:-

1.	राइफल एके	-	01
2.	एके मैगजीन	-	05
3.	वायरलै ऐटीना	-	01
4.	चीन में निर्मित ग्रेनेड	-	02
5.	जिन्दा राउंड एके	-	202
6.	मैट्रिक्स शीट	-	03
7.	पाकिस्तानी करेंसी	-	सौ रू. का एक नोट
8.	भारतीय करेंसी	-	17210/-रूपए

इस मुठभेड़ में श्री अब्दलु वाहिद शाह, पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20.01.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 48-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. अब्दुल जब्बार,
   अपर पुलिस अधीक्षक

2. जुल्फकार अहमद शाहीन,
   उप पुलिस अधीक्षक

3. मुश्ताक अहमद,
   एसजीसीटी

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.12.2012 को, एक विशिष्ट सूचना पर दो दलों के तहत गांव डाडीपुरा, कुलगाम में पुलिस (एसओजी कुलगाम), 9 आरआर और 18वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त अभियान आरंभ किया गया जिसमें पहले दल का नेतृत्व अब्दुल जब्बार आईपीएस, एएसपी कुलगाम और दूसरे दल का नेतृत्व जुल्फकार अहमद शाहीन, उप पुलिस अधीक्षक (आपरेशन) कुलगाम ने किया। अभियान दलों के आगमन को भांपकर, आतंकवादियों ने लक्षित मकान के अंदर से भारी गोलीबारी और ग्रेनेड फेंकना आरंभ कर दिया। गोलीबारी का जबाव दिया गया, तथापि, आतंकवादी खिड़की से मकान से बाहर कूद गए और भारी गोलीबारी करते हुए खुले क्षेत्र की ओर भागे। अभियान दलों ने भाग रहे आतंकवादियों का पीछा किया जो लगातार बचने का प्रयास कर रहे थे और अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखते हुए और भागते हुए वे पास के सेब के बाग में चले गए।

इसी बीच, अब्दलु जब्बार, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने गांव कानीपुरा की सीमा रेखा पर पश्चिमी ओर से भाग रहे आतंकवादियों को प्रभावी रूप से घेर लिया। पीछा करने के दौरान, 9 आरआर के एक सिपाही और जुल्फाकर अहमद शाहीन, उप पुलिस अधीक्षक दोनों को एक-एक गोली लगी। तथापि, पीछा करना लगातार जारी रहा और इसके साथ-साथ घायल सिपाही को वहां से निकाला गया। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कुलगाम की कमान में कुलगाम पुलिस और सेना का अतिरिक्त सैन्य दल गांव कानीपुरा पहुंचा और पीछा करने में शामिल हो गया। दो किलोमीटर तक लगातार पीछा करने के पश्चात पीछा करने वाला दल और अतिरिक्त सैन्य दल पोपलर पेड़ों के झुंड में आतंकवादियों को घेरने में सफल हो गए। यह भांपकर, आतंकवादियों ने पेड़ों के झुंड के बीच लकड़ी के गट्ठों के ढेर के पीछे कवर लिया और अभियान दलों पर गोलीबारी/ग्रेनेड फेंकना जारी रखा। प्रभावी कवर फायर के तहत, हेड कांस्टेबल नियाज अहमद छिपे हुए आतंकवादियों को घायल करने में सफल हुए और उनमें से एक का खात्मा कर दिया। तथापि, दूसरे आतंकवादी ने इस बहादुर पुलिसकर्मी के हाथों अपने खात्मे को भांपकर, उक्त पुलिस कर्मियों पर तुरंत गोलीबारी की और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया, जबकि जुल्फकार अहमद शाहीन, उप पुलिस अधीक्षक (आपरेशन) और एसजीसीटी मुश्ताक अहमद भी घायल हो गए। ऐसे समय में, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय कुलगाम ने अपने दल के साथ उत्कृष्ट बहादुरी का प्रदर्शन किया, रेंगकर चले और घायल कर्मियों को वहां से निकाला, लेकिन दुर्भाग्यवश हेड कांस्टेबल नियाज अहमद की घायल होने के कारण मौत हो गई। आगे बढ़ रहे दलों की प्रभावी गोलीबारी के तहत दूसरा आतंकवादी भी मारा गया।

बरामदगी:-

1.	एके 47 राइफल	-	02
2.	मैगजीन एके	-	06
3.	गोलाबारुद एके जिंदा	-	07 राउंड
4.	गोलाबारुद पाउच	-	02
5.	डायरी	-	01

6.	मैट्रिक्स शीट	-	01
7.	चीन में निर्मित हैंड ग्रेनेड जिंदा	-	02 (नष्ट किए गए)
8.	चीन में निर्मित हैंड ग्रेनेड उपयोग किए गए	-	03

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री अब्दुल जब्बार, अपर पुलिस अधीक्षक, जुल्फकार अहमद शाहीन, उप पुलिस अधीक्षक एवं मुश्ताक अहमद, एसजीसीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.12.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 49-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	अब्दुल कयूम, पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
02.	बसीर अहमद, हेड कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
03.	मुख्तार अहमद, कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13.01.2014 को, एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, गांव दूरू सोपोर (बारामुला) में 22 आरआर के सैन्य दल के साथ सोपोर पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान आरंभ किया गया। श्री अब्दुल कयूम - केपीएस, पुलिस अधीक्षक सोपोर ने अभियान दल का नेतृत्व किया और भाग लेने वाले सभी अधिकारियों को यह स्पष्ट किया कि मुठभेड़ में छिपे हुए आतंकवादियों को उलझाते समय कोई सिविलियन हताहत नहीं होना चाहिए। नेतृत्व क्षमता और व्यावसायिक नीतिशास्त्र संबंधी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए अधिकारी अग्रिम दल का नेतृत्व करने और छिपे हुए आतंकवादियों से पहला युद्ध आरंभ करने के लिए स्वयं आगे आए। लक्षित मकान की ओर आगे बढ़ते समय, छिपे हुए आतंकवादियों ने लक्षित स्थल की ओर आगे बढ़ने से उन्हें रोकने के लिए अग्रिम दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। गोलियों की आवाज सुनकर एक मस्जिद सहित पास के घरों में फंसे सिविलियनों ने शोर मचा दिया जिससे अग्रिम दल को पास के घरों/मस्जिदों से सिविलियनों से सुरक्षित बाहर निकालने तक गोलीबारी बंद करनी पड़ी। इसी बीच, अग्रिम दल को बैकअप/अतिरिक्त सैन्य दल उपलब्ध कराने के लिए पास की गलियों में पर्याप्त दूरी पर सोपोर पुलिस और 22 आरआर के कार्मिकों का बैकअप दल भी रखा गया। घेरे में लक्षित घर की ओर ध्यान केन्द्रित किया गया और अधिकारी ने स्थिति की गंभीरता को भांपकर एक ओर आतंकवादियों को उलझा कर रखने की रणनीति बनाई और दूसरी ओर अधिकारी के नेतृत्व में दल सिविलियनों को बाहर निकालने के लिए रक्षक वाहन में पास वाले घर की ओर बढ़ा। सिविलियनों को निकालने के बाद, अंतिम हमले के लिए रणनीति बनाई गई। पुलिस दल द्वारा लक्षित मकान की ओर गोलीबारी आरंभ की गई और एक दिशा खाली रखी गई। छिपे हुए दो आतंकवादियों ने सैन्य दल को गोलीबारी में उलझाए रखा। यह देखकर, श्री अब्दुल कयूम, पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व में पुलिस दल ने असाधारण अभियान क्षमता का प्रदर्शन किया और लक्षित मकान के अहाते में दोनों आतंकवादियों को निष्क्रिय कर दिया। खाली दिशा से गोलीबारी की आवाज सुनकर फंसे हुए आतंकवादी ने मुठभेड़ स्थल से बचने के प्रयास में दो ग्रेनेड फेंके, लेकिन श्री अब्दुल कयूम और अग्रिम दल के उनके सहयोगी सदस्यों नामत: हेड कांस्टेबल बसीर

अहमद, 16 एआरपी और कांस्टेबल मुख्तार अहमद की कुशल योजना से बचे हुए आतंकवादी के प्रयास असफल हो गए। आतंकवादी ने बचने का कोई रास्ता न देखकर अग्रिम दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए और ग्रेनेड फेंकते हुए घर के मुख्य द्वार से बाहर आया, लेकिन कर्तव्य के लिए सब कुछ बलिदान करने की परंपरा के अनुसार अधिकारी ने हेड कांस्टेबल बसीर अहमद और कांस्टेबल मुख्तार अहमद की मदद से आतंकवादी पर आक्रामक हमला किया और दोनों दलों के बीच भंयकर मुठभेड़ के बाद उसे वहीं पर ढेर कर दिया। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान अब्दुल-हसन-डिवीजनल कमांडर (जेईएम), फारूक और रिजवान, सभी पाकिस्तानी निवासी, के रूप में की गई। ये आतंकवादी पुलिस कर्मियों/सिविलियनों की हत्या सहित अनेक आतंकवादी कार्रवाइयों में शामिल थे।

सम्पूर्ण अभियान में, श्री अब्दुल कयूम, पुलिस अधीक्षक सोपोर, हेड कांस्टेबल बसीर अहमद और कांस्टेबल मुख्तार अहमद की भूमिका साहसिक, अनुकरणीय और महत्वपूर्ण रही, जिसके परिणामस्वरूप तीन खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया।

बरामदगी:-

1.	एके 47	-	03
2.	एके 47 मैगजीन	-	04
3.	एके 47 राउंड	-	123
4.	हैंड ग्रेनेड	-	04

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री अब्दुल कयूम, पुलिस अधीक्षक, बसीर अहमद, हेड कांस्टेबल एवं मुख्तार अहमद, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक का प्रथम बार/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13.01.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 50-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. शोकत हुसैन,
पुलिस अधीक्षक

02. इम्तियाज इस्माइल पर्रे,
पुलिस अधीक्षक

03. मुमताज अली,
उप पुलिस अधीक्षक

04. रमीज अहमद भट,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13 फरवरी, 2014 को गांव - गगलूरा पिंजुरा शोपियां में आतंकवादियों की उपस्थिति के संबंध में विशिष्ट सूचना पर, पुलिस शोपियां/कुलगाम/श्रीनगर और 44 आरआर ने उक्त गांव में छिपे हुए आतंकवादियों को पकड़ने/समाप्त करने के लिए

संयुक्त अभियान चलाया। उक्त गांव में छिपे हुए आतंकवादियों की कुख्याति को देखते हुए स्थिति का अंदाजा लगाने के बाद अभियान दल को विभाजित किया गया और पुलिस अधीक्षक शोपियां, पुलिस अधीक्षक कुलगाम, पुलिस अधीक्षक साउथ सिटी, श्रीनगर और उप पुलिस अधीक्षक (अभियान) इमाम साहब के नेतृत्व में चार हमला दल बनाए गए। छिपे हुए दलों ने चारों ओर से आतंकवादियों को घेर लिया और आतंकवादियों को घटना स्थल से बचकर निकलने के लिए कोई अवसर नहीं दिया। यह देखकर कि कुछ सिविलियन घटना स्थल के चारों ओर फंसे हुए हैं, श्री शोकत हुसैन, पुलिस अधीक्षक, शोपियां, इम्तियाज इस्माइल पर्रे - आईपीएस, पुलिस अधीक्षक साउथ सिटी, श्रीनगर, मुमताज अली, उप पुलिस अधीक्षक (अभियान) इमाम साहब और कांस्टेबल रमीज अहमद भट अपनी जान की परवाह किए बिना आगे आए और कुशलतापूर्वक सभी सिविलियनों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसी बीच, छिपे हुए आतंकवादियों से समर्पण करने के लिए कहा गया, जिस पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया और अभियान दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। शोकत हुसैन, पुलिस अधीक्षक शोंपियां, इम्तियाज इस्माइल पर्रे-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक साउथ सिटी श्रीनगर, मुमताज अली, उप पुलिस अधीक्षक (अभियान) इमाम साहब के नेतृत्व में पुलिस दल और कांस्टेबल रमीज अहमद भट ने आगे आकर छिपे हुए आतंकवादियों को भीषण गोलीबारी में उलझाया ओर छिपे हुए दोनों आतंकवादियों को मार गिराने में सफल रहे। यह अभियान इतने व्यावसायिक तरीके से चलाया गया था कि न तो कोई सिविलियन हताहत हुआ और न ही कोई समानांतर क्षति हुई। शोकत हुसैन, पुलिस अधीक्षक, शोपियां, इम्तियाज इस्माइल पर्रे-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक साउथ सिटी, श्रीनगर, मुमताज अली, उप पुलिस अधीक्षक (अभियान) इमाम साहब और कांस्टेबल रमीज अजमद भट, जिन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए आगे बढ़कर अभियान दल का नेतृत्व किया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता एवं विशिष्ट साहस, उल्लेखनीय था क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास वास्तव में साहसिक था। अधिकारियों/पदाधिकारियों ने सूझबूझ और व्यावसायिकता के द्वारा सिविलियनों को हताहत होने और किसी समानान्तर क्षति को रोकने में साहस का प्रदर्शन किया। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान अरशिद अहमद शेख उर्फ उमर (एचएम संगठन का स्वयंभू जिला कमांडर) पुत्र बशी अहमद शेख, निवासी हरिपुरा शोपियां, वर्ष 2011 से सक्रिय और आबिद हुसैन राठर, निवासी वाहिल शोपियां, वर्ष 2013 से सक्रिय, के रूप में हुई।

बरामदगी:

1.	एसएलआर	-	01
2.	इन्सास	-	01
3.	एसएलआर मैगजीन	-	03
4.	इन्सास मैगजीन	-	01
5.	एसएलआर राउंड	-	80
6.	ग्रेनेड	-	06

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री शोकत हुसैन, पुलिस अधीक्षक, इम्तियाज इस्माइल पर्रे, पुलिस अधीक्षक, मुमताज अली, उप पुलिस अधीक्षक एवं रमीज अहमद भट, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13.02.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 51-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. मकसूद उल जमान बाबा,
पुलिस अधीक्षक

02. जाकिर हुसैन मीर,
एसजीसीटी

03. परवेज अहमद खान,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.03.2014 को पीडी हंदवाड़ा में गांव मलिकपुरा विलगाम में आतंकवादियों की उपस्थिति के संबंध में विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस हंदवाड़ा के साथ 6 आरआर द्वारा एक संयुक्त अभियान चलाया गया। घेराबंदी करने के तुरंत बाद एक विशिष्ट घर में आतंकवादियों की उपस्थिति सिद्ध हुई और अचानक तलाशी दल लक्षित घर से भारी गोलीबारी में घिर गया। आतंकवादियों द्वारा की जा रही अंधाधुंध गोलीबारी से लक्षित घर और आस-पास के घरों से सिविलियनों को बचाने का कार्य और मुश्किल हो रहा था। इस पर, श्री मकसूद उल जमान बाबा के नेतृत्व में पुलिस का एक मुख्य दल, जिसकी सहायता एसजीसीटी जाकिर हुसैन मीर और कांस्टेबल परवेज अहमद खान कर रहे थे, इस कार्य के लिए सामने आया। पुलिस अधीक्षक हंदवाड़ा की सतर्क योजना और नेतृत्व क्षमता के तहत इस बचाव दल ने अपनी जान को जोखिम में डाला और लक्षित घर के अंदर फंसे मवेशियों सहित सभी सिविलियनों को बाहर निकाला। निकासी के दौरान, खूंखार आतंकवादी बचाव दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। तथापि, अत्यधिक सावधानी के साथ सभी सिविलियनों को सुरिक्षत बाहर निकाला गया। आतंरिक घेराबंदी करते समय, घर में फंसे आतंकवादियों ने ग्रेनेड फैंके और दल पर अंधाधुंधं गोलीबारी की। तथापि, पुलिस अधीक्षक हंदवाड़ा ने अत्यधिक साहस और व्यावसायिक कुशाग्रता का प्रदर्शन करते हुए जवाबी कार्रवाई की और अपने दल की मदद से बाहर निकलने के सभी मार्ग बंद कर दिए। पुलिस अधीक्षक हंदवाड़ा ने अपने दल को इस तरह से पोजीशन किया कि आतंकवादियों के चारों और अभेद्य घेराबंदी सुनिश्चित की जा सके। श्री मकसूद उल जमान बाबा, पुलिस अधीक्षक हंदवाड़ा के नेतृत्व वाले पुलिस दल, जिसकी सहायता एसजीसीटी जाकिर हुसैन मीर और और कांस्टेबल परवेज अहमद खान कर रहे थे, के आगे बढ़ने से हताश होकर आतंकवादियों ने अभियान दल को गुमराह करने और भागने के लिए जगह बनाने के उद्देश्य से भ्रामक गोलीबारी आरंभ कर दी। तथापि, श्री मकसूद उल जमान बाबा, पुलिस अधीक्षक हंदवाड़ा की सतर्क योजना और एसजीसीटी जाकिर हुसैन मीर और कांस्टेबल परवेज अहमद खान की अग्रणी सहायता से गोलीबारी का प्रभावी जवाब दिया गया जिसके परिणामस्वरूप दो खूंखार आतंकवादी मारे गए। आतंकवादियों ने पुलिस अधीक्षक हंदवाड़ा के नेतृत्व वाले अग्रिम दल पर ग्रेनेड फेंक कर और भारी गोलीबारी करके उन्हें निशाना बनाने का भी प्रयास किया लेकिन वे अपनी सूझबूझ और युक्तिपूर्ण कुशाग्रता से आतंकवादियों के निकट पहुंचने में सफल रहे। बाद में मारे गए आतंकवादियों की पहचान अबु हुरायरा निवासी पाकिस्तान और अबु तल्हा निवासी पाकिस्तान के रूप में की गई जो लश्करे-तैयबा संगठन के सर्वाधिक वांछित आतंकवादी के और उत्तरी कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे थे। यहां यह उल्लेख करना काफी महत्वपूर्ण है कि आतंकवादी अबु हुरायरा, निवासी पाकिस्तान पिछले छह सालों से नए भर्ती होने वालों के लिए लश्करे तैयबा का समन्वयक-सह-मददगार था और पुलिस तथा सुरक्षा बलों पर अनेक हमलों का मास्टर माइंड भी था। सम्पूर्ण अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक मकसूद उल जमान बाबा, एसजीसीटी जाकिर हुसैन मीर और कांस्टेबल परवेज अहमद खान ने अदम्य वीरता, अद्वितीय साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन किया और सिविलियनों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित की।

बरामदगी:

01.	एके 47 राइफल-02	(01 क्षतिग्रस्त/जली हुई)
02.	एके मैगजीन-04	(02 क्षतिग्रस्त/जली हुई)
03.	एके गोलाबारुद	15 राउंड
04.	हैंड ग्रेनेड (चीन में निर्मित)-02	(नष्ट किए हुए)
05.	रेडियो सेट आईकोम(आईसीओएम)	-01 (क्षतिग्रस्त)
06.	कैंची	- 01

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री मकसूद उल जमान बाबा, पुलिस अधीक्षक, जाकिर हुसैन मीर, एसजीसीटी एवं परवेज अहमद खान, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10.03.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 52-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री तनवीर अहमद जीलानी,
उप पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.01.2014 को गांव बेगपुरा अवंतीपुरा में एक आतंकवादी की उपस्थिति के बारे में पुलिस अवंतीपुरा को एक सूचना मिली। तदनुसार, 55 आरआर के साथ श्री तनवीर अहमद जीलानी परिवीक्षाधीन उप पुलिस अधीक्षक (एसएचओ पुलिस स्टेशन अवंतीपुरा) के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने क्षेत्र में गश्त लगाई। लगभग 1800 बजे, दल ने किसी व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि देखी जो रेलवे लाइन को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास कर रहा था। पुलिस के वाहन को देखकर उस व्यक्ति ने उन की ओर अंधाधुंध गोलीबारी की और बच कर निकलने तथा पास के रेलवे स्टेशन में घुसने का प्रयास किया। श्री तनवीर अहमद जीलानी, उप पुलिस अधीक्षक (परिवीक्षाधीन) ने अग्रणी भूमिका निभाई और आतंकवादी के विरुद्ध आक्रमण करने के लिए स्वयं आगे आए। उन्होंने रणनीतिक तरीके से रेलवे स्टेशन के पास आतंकवादी को घेर लिया और उसे रेलवे स्टेशन में घुसने के लिए मजबूर किया। अंधेरे को देखते हुए, उस क्षेत्र में उसकी सही-सही स्थिति का पता लगाना मुश्किल था, तथापि, आतंकवादी की ओर से हो रही गोलीबारी से उसकी दिशा के बारे में पता चल रहा था। इसी बीच, पुलिस अधीक्षक अवंतीपुरा भी अपनी क्यूआरटी के साथ अभियान में शामिल हो गए और गोलीबारी शुरू हो गई। कुछ देर के बाद, आतंकवादी की ओर से गोलीबारी बंद हो गई। यह सुनिश्चित करना मुश्किल था कि आतंकवादी मारा गया अथवा नहीं। तथापि, श्री तनवीर अहमद जीलानी, उप पुलिस अधीक्षक (परिवीक्षाधीन) अपनी जान की परवाह किए बिना आगे बढ़े और एक पेशेवर तरीके से आतंकवादी की ओर बढ़े। आतंकवादी, जिसे गोली लगी थी और मृत होने का नाटक कर रहा था, ने अचानक श्री तनवीर अहमद जीलानी के नेतृत्व में अपनी ओर बढ़ रहे दल की ओर अचानक ग्रेनेड फेंका, लेकिन अधिकारी ने तीव्रता से कार्रवाई की और आतंकवादी पर गोली चलाई और उसे वहीं पर मार गिराया। बाद में मृत आतंकवादी की पहचान हिजबुल मुजाहिद्दीन संगठन के वसीम अहमद डार पुत्र मोहम्मद युसुफ डार निवासी डगरीपुरा अवंतीपुरा के रूप में हुई। उक्त आतंकवादी क्षेत्र में अनेक आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था और उसने लोगों के बीच आतंक का माहौल बना रखा था।

बरामदगी:

1.	एके 56 राइफल	- 01	
2.	एके मैगजीन	- 04	(01क्षतिग्रस्त)
3.	एके राउंड	- 60	
4.	चीन में निर्मित ग्रेनेड	- 01	
5.	थैली (पाउच)	- 01	
6.	सेना की बेल्ट	- 01	

इस मुठभेड़ में श्री तनवीर अहमद जीलानी, उप पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07.01.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 53-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. फैयाज हुसैन,
अपर पुलिस अधीक्षक

02. मोहम्मद आफताब अवान,
उप पुलिस अधीक्षक

03. दिलबेर सिंह,
हेड कांस्टेबल

04. जफर इकबाल नाइक,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.02.2014 को दर्दपुरा लोलाब (कुपवाड़ा) के वन क्षेत्र मे आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट सूचना के आधार पर, 18/31 आरआर के साथ कुपवाड़ा पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान आरंभ किया गया। श्री फयाज हुसैन-अपर पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा और मोहम्मद आफताब अवान-उप पुलिस अधीक्षक के अलावा अभियान की कमान का दायित्व पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा ने लिया। अभियान की योजना बनाई गई और लक्षित क्षेत्र को सील किया गया। बचने के सभी मार्गों को बंद किया गया और सभी दिशाओं से तलाशी आरंभ की गई। तलाशी अभियान के दौरान, जंगलों के अंदर आतंकवादियों की आवाजाही देखी गई। चूंकि आतंकवादी जंगल के ऊंचे स्थान पर थे और अभियान दलों की तुलना में बेहतर पोजीशन पर थे, जो जंगल के निचले भाग में थे, और इसलिए अभियान दलों के लिए छिपे हुए आतंकवादियों को समाप्त करना कठिन कार्य था। स्थिति को भांपकर, श्री फयाज हुसैन-अपर पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा और श्री मोहम्मद आफताब अवान-उप पुलिस अधीक्षक, हेड कांस्टेबल दिलबेर सिंह और कांस्टेबल जफर इकबाल नाइक के साथ अपनी जान की परवाह किए बिना लक्षित स्थल की ओर आगे बढ़ने के लिए स्वयं आगे आए। अभियान दलों को आगे बढ़ता देखकर, छिपे हुए आतंकवादियों ने उक्त दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन अभियान क्षमताओं और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता के लिए श्री फयाज हुसैन-एएसपी कुपवाड़ा और श्री मोहम्मद आफताब अवान-उप पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस दल ने तीव्रता से कार्रवाई की और बस्ती वाले गांव (सैयदपुरा) जाने के जंगल मार्ग से होकर घटना स्थल से बच निकलने के आतंकवादियों के मौके को समाप्त कर दिया। चारों ओर पुलिस की तैनाती को भांपकर आतंकवादियों ने जंगल में पेड़ों का सहारा लिया और पुलिस दल पर पुन: अंधाधुंध गोलीबारी आरंभ कर दी। हमला दलों ने छिपे हुए आतंकवादियों का पीछा करना जारी रखा और सफलतापूर्वक उन्हें उलझाए रखा। चूंकि आतंकवादियों की संख्या अधिक थी, इसलिए उन्हें एकांत स्थल पर ले जाना कठिन कार्य था, लेकिन श्री फयाज हुसैन एएसपी कुपवाड़ा और श्री मोहम्मद आफताब अवान- उप पुलिस अधीक्षक के साथ हेड कांस्टेबल दिलबेर सिंह और कांस्टेबल जफर इकबाल नाइक वाला अभियान दल बहादुरी से लड़ा और पहली ही बार 02 आतंकवादी मार गिराए गए। अन्य छिपे हुए आतंकवादी अपनी दो साथियों के मार गिराए जाने से हताश हो गए और खुले में आ गए तथा सभी दिशाओं से पुलिस दल पर गोलीबारी की। पुलिस दल ने अपना धैर्य नहीं खोया और

प्रभावी रूप से जबावी कार्रवाई की जिसके परिणामस्वरूप 03 और आतंकवादी मार गिराए गए। शेष दो आतंकवादियों ने सभी दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए घटना स्थल से भागने का प्रयास किया लेकिन सतर्क अभियान दल ने उनके प्रयास को विफल कर दिया और सफलतापूर्वक उनको भी मार गिराया। यह अभियान दिनांक 24.02.2014 की देर रात तक चला और दिनांक 25.02.2014 तक जंगलों की पूर्ण तलाशी ली गई। भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद की बरामदगी के अलावा कुल 07 आतंकवादी मारे गए। मारे गए सभी आतंकवादी विदेशी थे और एलईटी संगठन से सम्बद्ध थे तथा उनमें से 06 आतंकवादियों की पहचान हो गई है।('क' श्रेणी के अंतर्गत आतंकवादी)।

पुलिस अधिकारियों के आत्म दृढ़ निश्चय, कार्य करने की उच्च भावना और अभियान संबंधी क्षमताओं के कारण एक नजदीकी लडाई हुई और एक लम्बे अभियान के पश्चात छिपे हुए सभी उग्रवादी मारे गए।

बरामदगी:

24.02.2014

1.	एके 47	-	07
2.	मैगजीन एके 47	-	07
3.	एके 47 राउंड	-	137
4.	हैंड ग्रेनेड	-	03
5.	कम्पास	-	01

26.06.2014

1.	मैगजीन एके 47	-	10
2.	एके 47 राउंड	-	211
3.	यूबीजीएल	-	03
4.	जीपीएस	-	03
5.	हैंड ग्रेनेड	-	02
6.	चीन में निर्मित हैंड ग्रेनेड	-	03
7.	यूबीजीएल ग्रेनेड	-	01
8.	कम्पास	-	01
9	आईकाम (आईसीओएम) सेट	-	01
10	गोलाबारूद थैली	-	01
11.	मैट्रिक्स शीट	-	02
12.	नक्शा (शीट)	-	02
13.	मोबाइल (टूटे हुए)	-	02

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री फयाज हुसैन, अपर पुलिस अधीक्षक, मोहम्मद आफताब अवान, उप पुलिस अधीक्षक, दिलबेर सिंह, हेड कांस्टेबल और जफर इकबाल नाइक, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.02.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 54-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक को प्रथम बार/पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. पवन कुमार सिंह, (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
अपर पुलिस अधीक्षक

02. दीपक कुमार पाण्डेय, (वीरता के लिए पुलिस पदक)
उप प्रभागीय पुलिस अधिकारी

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन घाघरा, जिला-गुमला, झारखंड के अंतर्गत गांव इचा और चमरू के निकट वन क्षेत्र में नकुल यादव, सदस्य, बीआरसी के नेतृत्व में क्षेत्रीय कमांडर सरबजीत यादव उर्फ नवीन, जोनल कमांडर सुशील गंझू, मुनेश्वर, दिनेश, रवीन्द्र गंझू और लाल मन सिंह खेरवार तथा सब-जोनल कमांडर मदन यादव और सक्रिय दस्ते के सदस्यों जिनकी संख्या 40-50 थी, सहित शीर्ष सीपीआई (माओवादी) नेताओं की उपस्थिति के संबंध में खुफिया जानकारी के आधार पर, जो घातक हथियारों से लैस थे और सुरक्षा बलों पर बड़ा हमला करने की योजना बना रहे थे। सूचना प्राप्त होने पर नक्सली गुट के घृणित इरादे को विफल करने के उद्देश्य से दिनांक 24.02.2014 को 1615 बजे एक विशेष अभियान "बजरंग" की योजना बनाई गई। श्री पवन कुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक (अपरेशन) गुमला और श्री दीपक कुमार पाण्डेय एसडीपीओ के नेतृत्व में जिसमें श्री ए.के. सिंह उप कमांडेंट की कमान में 218 बटालियन सीआरपीएफ के 40 जवानों सहित सैन्य दल शामिल थे, का एक संयुक्त अभियान दल बनाया गया।

अभियान दल बिना कोई समय गवाएं नक्सलियों की जघन्य योजना को निष्क्रिय करने के लिए युक्तिपूर्वक इचा गांव की ओर बढ़े। अभियान दल अभियान की इष्टतम गोपनीयता बनाए रखने के लिए गांवों में न जाकर टुकड़ों में गांव गम्हरिया घाघरा तक वाहन से और इसके बाद जंगल तथा उबड़ खाबड़ क्षेत्र में पैदल चला। लगभग चार घंटे पैदल चलने के बाद लगभग 0130 बजे दल इचा गांव के बाहर पंचायत भवन के निकट पहुंचा। वहां पहुंचने पर जब दल नक्सलियों की स्थिति का पता लगाने का प्रयास कर रहा था, नक्सलियों को पुलिस के आगमन की जानकारी मिल गई और दल पर अंधाधुंध गोलीबारी आरंभ कर दी। इस गोलीबारी में श्री पवन कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, आपरेशन गुमला और श्री दीपक कुमार पाण्डेय, एसडीपीओ, गुमला जो आगे से दल का नेतृत्व कर रहे थे, गोलियों से बाल बाल बचे। नक्सली सैन्य दल को आत्मसमर्पण करने के लिए कह रहे थे क्योंकि वे किसी भी प्रकार के हमले तथा आक्रमण को विफल करने के लिए बेहतर स्थिति में थे। पुलिस दल को बड़ी संख्या में हताहत करने और उनके मनोबल तथा दृढ़ निश्चय को तोड़ने के लिए उन्होंने कुछ ग्रेनेड भी फेंके। माओवादी क्षेत्रीय कमांडर सरबजीत यादव उर्फ नवीन पूर्वी दिशाओं से पुलिस दल को घेरने के लिए जोनल कमांडर रविन्द्र गंझू, जोनल कमांडर सुशील गंझू, जोनल कमांडर लालमन सिंह खेरवार, सब जोनल कमांडर मदन यादव और अन्य नक्सली कमांडरों का मार्ग दर्शन कर रहा था और उन्हें पुलिस के हथियार छीनने का भी निर्देश दिया। इसके तुरंत बाद, फंसे हुए पुलिस दल को निशाना बनाकर एलएमजी पोजीशन से भारी गोलीबारी की गई। श्री पवन कुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक, आपरेशन गुमला और श्री दीपक कुमार पाण्डेय, एसडीपीओ, गुमला ने स्थिति को भांपकर अपने दल को कवर लेने का निर्देश दिया और भारी संख्या में हताहत होने से बचने तथा क्षेत्र हथियारों के साथ समतल प्रक्षेप-पथ से जवाबी कार्रवाई के लिए अपने दल को युक्तिपूर्वक तितर-बितर कर दिया। श्री पवन कुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक गुमला ने श्री ए के सिंह, उप कमांडेंट को माओवादियों की एलएमजी पोजीशन को निशाना बनाते हुए 51 एम एम मोर्टर का उपयोग करने के लिए कहा। साथ-साथ उन्होंने 218 सीआरपीएफ, एएसआई जी.एस. तोमर, को भी नक्सली पोजीशन पर पैरा बम फेंकने का निर्देश दिया और नक्सली दस्ते के साथ मुठभेड़ के बारे में पुलिस अधीक्षक गुमला को टेलिफोन पर सूचित भी किया। इसी बीच कांस्टेबल पुनाई ओरां, कांस्टेबल राजीव कुमार, कांस्टेबल सुबोध कुमार, कांस्टेबल रंजीत कुमार जो अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन और एसडीपीओ के साथ थे, ने नक्सलियों पर गोलीबारी जारी रखी। श्री पवन कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन गुमला और दीपक कुमार पाण्डेय ने बिना समय गवांए स्थिति का जायजा लिया और नक्सलियों से लड़ने के लिए रणनीति बनाई। दोनों ने अपनी जान की परवाह किए बिना अदम्य साहस का प्रदर्शन किया अपने दल के प्रत्येक जवान से मिलने के लिए रेंगकर चलते रहे और नक्सलियों से प्रभावी रूप से लड़ने के लिए उनका मनोबल बढ़ाया। जब गोलीबारी

हो रही थी, तो कुछ नक्सलियों ने अंधेरे और कोहरे का फायदा उठाकर कुछ घृणित इरादे के साथ श्री पवन कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, आपरेशन श्री दीपक कुमार पाण्डेय एसडीपीओ के दल के निकट आने का प्रयास किया लेकिन इन दोनों कमांडरों ने उनकी पोजीशन को देख लिया और उन्होंने तत्काल पोजीशन ली और उन पर भारी गोलीबारी की। भारी गोलीबारी के लगभग 10 मिनट बाद अपर पुलिस अधीक्षक, आपरेशन, गुमला और एसडीपीओ गुमला उन पर भारी साबित हुए। इसके बाद नक्सलियों की स्थिति कमजोर हो गई और उन्होंने घटना स्थल से भागना शुरू कर दिया। लगभग दो घंटे तक रूक-रूक कर गोलीबारी होती रही, लेकिन अंधेरे और कोहरे का फायदा उठाकर नक्सली घटना स्थल से भागने में सफल रहे। अभियान दल ने समूचे क्षेत्र को घेर लिया और भोर होने तक वहीं रहे। इसी बीच पुलिस अधीक्षक, गुमला, कमांडेंट, 218 बटालियन, सीआरपीएफ के साथ अतिरिक्त सैन्य दल युक्तिपूर्वक घटनास्थल की ओर भागा और लगभग 0500 बजे घटना स्थल पर पहुंच गया तथा वहां उपस्थित सैन्य दल के सहयोग से क्षेत्र की घेराबंदी की। भोर होने पर मुठभेड़ स्थल की पूरी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान एक नियमित एसएलआर राइफल के साथ एक अज्ञात माओवादी का शव बरामद हुआ। मृत नक्सली और उसके पास पड़ी भरी हुई एसएलआर के अलावा तीन अलग-अलग स्थानों पर खून के धब्बे और खींचने के निशान भी मिले जो यह इशारा कर रहे थे कि इस मुठभेड़ में कुछ और नक्सली घायल हुए थे लेकिन वे अंधेरे और कोहरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गए थे। अलग-अलग स्थानों पर शालें, चादरें और जूते भी पड़े हुए मिले जो नक्सलियों ने भागते समय पीछे छोड़ दिए होंगे। घटना स्थल पर मजिस्ट्रेट के आगमन पर, मृत नक्सली की पूरी तलाशी ली गई और उसके पास से अनेक सामग्रियां बरामद हुईं जो इस प्रकार हैं: 10 राउंड वाली एक मैगजीन के साथ 01 नियमित एसएलआर राइफल, थैले से एसएलआर के 85 जिंदा राउंड, 02 खाली खोखे, 05 मोबाइल सेट, 08 सिमकार्ड, मेमोरी कार्ड और उसके बैग (पिट्ठू) से 49 हजार रु.। तलाशी के बाद सम्पूर्ण दल दिनांक 25.02.2014 को लगभग 1340 बजे युक्तिपूर्वक गुमला वापस लौट आया। बाद में, मृत नक्सली की पहचान लालमन सिंह खेरवार के रूप में की गई जो कोएल संख जोन के अंतर्गत आने वाले लोहरदग्गा सब-जोन का जोनल कमांडर था।

सम्पूर्ण अभियान अनुकरणीय तरीके से निष्पादित किया गया जो सैन्य दल की किसी हानि अथवा उनके घायल हुए बिना सफल अभियान का विशिष्ट उदाहरण है। इस सफल अभियान से सुरक्षा कर्मियों का मनोबल बढ़ा है और आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा । इस अभियान से झारखंड में संसदीय चुनाव से ठीक पहले नक्सलियों के मनोबल और तैयारी को अप्रत्याशित क्षति पहुंची।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री पवन कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक और दीपक कुमार पाण्डेय, उप प्रभागीय पुलिस अधिकारी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक का प्रथम बार/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25.02.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 55-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री संजय कुमार यादव
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.09.2012 को गांव रब्दा (जुरी), पुलिस स्टेशन प्रतापपुर, जिला चतरा (झारखंड) में जानकी भुंइया के घर में अपने दस्ते के 15 सशस्त्र सदस्यों के साथ अरविन्द मुखिया, सब जोनल कमांडर के माओवादी दस्ते की उपस्थिति के संबंध में खुफिया जानकारी के आधार पर, एसडीपीओ चतरा श्री सादिक अनवर रिज़वी और उप कमांडेंट कोबरा-203 श्री पी.आर. मिश्रा की कमान में जिला पुलिस चतरा और कोबरा-203 का एक संयुक्त दल बनाया गया। इस संयुक्त दल में अधिकारियों और कर्मियों

सहित 32 सदस्य थे। संयुक्त दल को जानकारी दी गई और रात्रि में माओवादी दस्ते पर हमला करने के लिए अभियान की योजना बनाई गई। उनके गढ़ में माओवादी दस्ते को उलझाना काफी कठिन कार्य था। कठिन प्रकृति का यह कार्य इस वजह से और जटिल हो गया था कि रात घनी अंधरी थी और भारी बारिश हो रही थी। घने जंगल में यह दूरदराज का एक गांव था। दल एक छद्म वाहन में चतरा गांव से चला और लक्षित क्षेत्र रब्दा से लगभग 08 किमी. की दूरी पर सतबाहिनी में वाहन से उतर गया। तत्पश्चात, दल सभी प्राकृतिक बाधाओं को पार करते हुए अत्यधिक युक्तिपूर्वक अंधेरे में आगे बढ़ा। पानी से भरे धान के खेतों और घने जंगल में पैदल लगभग 08 किमी. की दूरी तय करने के बाद सैन्य दल लगभग 0300 बजे गांव रब्दा पहुंचा। चूंकि दल को उस घर की सही-सही स्थिति का पता नहीं था जिसमें नक्सलवादी मौजूद थे, इसलिए एक अग्रिम दल बनाया गया जिसमें एसडीपीओ चतरा सादिक अनवर रिजवी, उप कमांडेंट कोबरा-203 पी.आर. मिश्रा, कांस्टेबल संजय कुमार यादव और कोबरा 203 के तीन कांस्टेबल थे। घर से नक्सलियों के बच निकलने के संभावित मार्गों पर दो कटऑफ दल पहले ही तैनात किए गए थे। घर में सिविलियनों, महिलाओं, बच्चों की होने की काफी संभावनाएं थी। इसलिए एसडीपीओ चतरा सादिक अनवर रिज़वी और कांस्टेबल संजय कुमार यादव के साथ इस अग्रिम दल ने किसी निर्दोष सिविलियन के हताहत होने से बचने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी करने के बजाय निकट जाने और नक्सलियों को अलग-अलग करने का निर्णय लिया। इस निर्णय में जीवन को काफी जोखिम और खतरा शामिल था लेकिन एसडीपीओ चतरा सादिक अनवर रिजवी ने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, जिसका माओवादी कैडर ने तत्काल जवाब घर के साथ-साथ मक्के के खेत से भारी गोलीबारी से दिया। यह उनके साहस का वास्तविक परीक्षण था ओर इस पर वे खरे उतरे और सशस्त्र माओवादियों को वीरतापूर्वक जवाब देना आरंभ किया। अत्यधिक साहस के साथ और अपनी जान की परवाह किए बिना एसडीपीओ चतरा एस.ए. रिजवी और कांस्टेबल संजय कुमार यादव ने अपनी एके 47 राइफल से उनकी ओर गोलीबारी करके नक्सलियों को उलझाए रखा। एसडीपीओ एस.ए. रिजवी ने 20 राउंड गोलिया चलाईं और कांस्टेबल संजय कुमार यादव ने अपनी एके 47 से 45 राउंड गोलियां चलाईं। सशस्त्र माओवादी घर के साथ-साथ मक्के के खेतों से उन पर भारी गोलीबारी कर रहे थे। नक्सलियों की भारी गोलीबारी में कोबरा के उप कमांडेंट पी.आर. मिश्रा गर्दन में गोली लगने से घायल हो गए। कांस्टेबल संजय कुमार यादव पैर और जांघ में गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें तीन गोलिया लगीं। कोबरा के एक और कांस्टेबल मुकेश कुमार बंकेर माथे पर गोली लगने से घायल हो गए। चतरा पुलिस के कांस्टेबल संजय कुमार यादव और कोबरा 203 के कांस्टेबल मुकेश कुमार बंकेर जो पहले ही गंभीर रूप से घायल थे, के साथ एसडीपीओ चतरा एस.ए. रिजवी ने धैर्य नहीं खोया ओर घर के अंदर भारी गोलीबारी करते रहे और नक्सलियों को मार गिराया। दो कांस्टेबलों और उप कमांडेंट रैंक के एक अधिकारी के घायल होने के बाद भी एसडीपीओ चतरा एस.ए. रिजवी ने इस लड़ाई में अत्यधिक बहादुरी, साहस और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। उप पुलिस अधीक्षक एस.ए. रिजवी और कांस्टेबल संजय कुमार यादव के सामने जान का खतरा था लेकिन उन्होंने धैर्य और दृढ़ संकल्प नहीं खोया। वे लगभग आधे घंटे तक भारी गोलीबारी करते रहे। इसके परिणाम स्वरूप अपने सब जोनल कमांडर रघुवंश उर्फ बनारसी सहित इस मुठभेड में घायल अनेक साथियों के साथ नक्सली भाग गए। इस मुठभेड़ में, एक माओवादी जितेन्द्र भुइयां उर्फ जीतू मारा गया और अनेक माओवादी घायल हो गए। तीन पुलिस हथियारों सहित भारी मात्रा में हथियार और गोलीबारूद बरामद किया गया जिसमें एक एके. 47 राइफल थी। उगाही की 40,000/- रु. की धनराशि के साथ काफी नक्सली साहित्य बरामद किया गया। कोबरा के घायल उप कमांडेंट पीआर मिश्रा, चतरा पुलिस के कांस्टेबल संजय कुमार यादव और कोबरा के कांस्टेबल मुकेश कुमार बंकेर को पहले तत्काल पीएचसी प्रतापपुर ले जाया गया। इसके बाद, उन्हें हेलिकॉप्टर से अपोलो अस्पताल रांची ले जाया गया। कांस्टेबल मुकेश कुमार बंकेर नहीं बच सके और एआईआईएमएस, दिल्ली में उपचार के दौरान शहीद हो गए। माओवादियों के विरुद्ध इस अभियान में सीपीआई (माओवादी) का पूर्ण एलजीएस (स्थानीय गुरिल्ला दस्ता) इसके सभी हथियार और गोलाबारूद के साथ क्षतिग्रस्त हो गया।

इस अभियान में अभियान दल ने अत्यधिक दृढ़ संकल्प, असाधारण साहस, उत्कृष्ट एवं अदम्य वीरता का प्रदर्शन किया।

हथियारों/गोलाबारूद और अन्य सामग्रियों की बरामदगी:

1.	एके 47	-	01
2.	.38 बोर की रिवाल्वर	-	01
3.	.315 बोर की राइफल	-	01
4.	303 .बोर की पुलिस राइफल	-	02

5.	सेमी आटोमेटिक राइफल	-	01
6..	एके 47 जिंदा राउंड	-	90
7.	सेमी आटो जिंदा राउंड	-	87
8.	.303 राइफल के जिंदा राउंड	-	118
9.	.315 बोर की राफल के जिंदा राउंड	-	40
10.	.38 के जिंदा राउंड	-	10
11.	12 बोर के जिंदा राउंड	-	10
12.	खाली खोखे (एके-47 गोलियां-23, सेमी ऑटो-01, .303-50)		
13.	नगदी	-	रु.40,000/-
14.	वाकी-टॉकी सेट	-	01
15.	कम्पास	-	02
16.	मोबाइल सेट	-	03
17.	सिम कार्ड	-	03

इस मुठभेड़ में श्री संजय कुमार यादव, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.09.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 56-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/ वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	मनोहर हीरालाल कोरेती, सहायक पुलिस निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
02.	चन्द्रैय्या मदनैय्या गोदारी, हेड कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
03.	गंगाराम मदनैय्या सिदम, नायक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
04	नागेश्वर नारायण कुमारन, नायक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
05	बापु किस्तैय्या सुरमवार, कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05.02.2014 को बडी संख्या में नक्सलियों के इकट्ठा होने के स्थान के बारे में आसूचना प्राप्त होने पर, छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर जिला पुलिस के सहयोग से एक अंतर राज्य अभियान की योजना बनाई गई। इस अभियान के लिए तुरंत एसएजी दल के 23 कर्मियों के साथ एपीआई मनोहर कोरेती और पार्टी कमांडर गंगाराम सिदम और सी-60 दल अटेरी 24 कर्मियों के साथ पार्टी कमांडर चन्द्रैय्या गोदारी को एसपीएस दमरांचा के लिए रवाना किया गया और वे रात्रि में वहां पहुंच गए। जबकि उसी दिन, उप निरीक्षक चाणक्य नाग के नेतृत्व में जिला बीजापुर के पुलिस स्टेशन फर्सेगढ़ से 04 कर्मियों का एक घटक भी एसपीएस दमरांचा आया और रात्रि में वहीं रुका।

तब दिनांक 06.02.2014 को, एसपीएस दमरांचा के 34 कर्मियों के साथ पीएसआई नागेश यमगार और पीएसआई स्वप्निल कोली के साथ उक्त सभी ने छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में फर्सेगढ़ पुलिस स्टेशन के अधिकार-क्षेत्र में अंतर राज्य नक्सल-रोधी अभियान चलाने के लिए एक साथ प्रस्थान किया। उन्हें उपलब्ध कराई गई योजना के अनुसार दो दिनों तक लगातार तलाशी अभियान के बाद जब ये दल पैदल बड़े ककलोर जंगल क्षेत्र के पहाड़ी घने जंगल वाले क्षेत्र से गुजर रहे थे, जो नक्सलियों का मजबूत गढ़ है, दिनांक 08.02.2014 को लगभग 1600 बजे पुलिस दल पर अचानक 35-40 सशस्त्र नक्सलियों ने पूर्व नियोजित घात लगाकर हमला किया।

इस अचानक हमले से निडर, एपीआई कोरेती ने तुरंत अपने साथियों को गोलियों की बौछार से अपने आप को बचाने के लिए पेड़ों और शिलाखंडों के पीछे पोजीशन लेने का और साथ-साथ नकसलियों की गोलीबारी का जवाब देने का अनुदेश दिया। एपीआई कोरेती स्वयं आगे बढ़े और अपने दल को नक्सली गोलीबारी का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया। तथापि, नक्सलियों ने पुलिस पर भारी गोलीबारी जारी रखी और हताशा में पुलिस दल पर भारी पड़ने का प्रयास किया क्योंकि वे बेहतर पोजीशन में थे। इसलिए अपने दल के सदस्यों को प्रोत्साहित करने के लिए, पार्टी कमांडर नामत: गंगाराम सिदम और चन्द्रैय्या गोदारी अपने साथियों के साथ दोनों ओर से भारी गोलीबारी के बीच नक्सलियों को घेर लिया और भीषण गोलीबारी में नक्सलियों को उलझाए हुए आगे बढ़ना जारी रखा। जवाबी कार्रवाई के दौरान, पीसी बापू सुरमवार और एनपीसी नागेश्वर कुमारन, जो बड़े दिलेर थे और अग्रणी पोजीशन पर थे, ने अपनी जान की परवाह किए बिना भारी गोलीबारी करते हुए वीरतापूर्वक नक्सलियों पर धावा बोल दिया। दोनों ओर से यह गोलीबारी लगभग 30 मिनट तक चली जिसके बाद नक्सलियों ने अपने प्रयास की विफलता को समझा और पहाड़ी तथा घने जंगल का फायदा उठाकर घटना स्थल से भाग गए।

नक्सलियों की ओर से गोलीबारी बंद होने के बाद एपीआई कोरेती, हेड कांस्टेबल गोदारी और एनपीसी सिदम ने घटना स्थल की घेराबंदी की। और क्षेत्र की उचित तलाशी लेते हुए हमले की दिशा की ओर गए। घटना स्थल और इसके आस-पास की तलाशी के दौरान, दो पुरूष नक्सलियों और एक महिला नक्सली के शवों के साथ एक भरमार राइफल, एक पिट्ठू और अन्य नक्सली सामग्री बरामद हुई। इसके अलावा, घटना स्थल के आस-पास के विभिन्न स्थानों पर खून के धब्बे देखे गए, जिससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि मुठभेड के दौरान अनेक नक्सली या तो मारे गए अथवा घायल हुए होंगे।

इस प्रकार, इन पांच बहादुर पुलिस कार्मिकों ने भीषण गोलीबारी में पुलिस दल का सफल नेतृत्व किया और इस अभियान का नेतृत्व करते समय किसी ने भी अपनी जान की परवाह नहीं की और आपस में प्रभावी समन्वय तथा धैर्य के साथ नक्सली हमले को साहसिक तरीके से रोक दिया। इस प्रकार उन्होंने न केवल पुलिस दल की जान बचाई बल्कि तीन खूंखार नक्सली कैडरों को मार गिराने में भी सफल रहे।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री मनोहर हीरालाल कोरेती, सहायक पुलिस निरीक्षक, चन्द्रैय्या मदनैय्या गोदारी, हेड कांस्टेबल, गंगाराम मदनैय्या सिदम, नायक, नागेश्वर नारायण कुमारन, नायक और बापु किस्तैय्या सुरमवार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक का प्रथम बार/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08.02.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 57-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, मेघालय पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	गोएरा टी. संगमा, उप निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार)
02.	जेरी रिंतथियांग, कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
03.	रैपसालांग वाहलांग, कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वर्ष 2009 में, श्री सोहन डी. शीरा, श्री चैम्पियन आर संगमा, श्री रुपांतों आर मारक, श्री रैकमैन मारक, श्री बाइचुंग सीएच. मोमिन, श्री सेविओ आर मारक, श्री जिम्मी सीएच मोमिन और अन्य लोग सशस्त्र विद्रोह द्वारा देश के विरुद्ध युद्ध छेडने और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए एक आपराधिक षडयंत्र में शामिल हुए। उन्होंने गारो युवाओं को भर्ती किया, गारो हिल्स के जंगल में प्रशिक्षण शिविर स्थापित किए, स्थानीय युवाओं को हथियार का प्रशिक्षण दिया और जबरन धनवसूली, फिरौती के लिए अपहरण, मासूमों की हत्या आदि के माध्यम से धन एकत्र किया।

उक्त आपराधिक षडयंत्र के अनुसरण में, जिम्मी सीएच मोमिन, एरिया कमांडर, विलियमनगर और जीएनएलए के अन्य कैडरों ने स्थानीय व्यापारियों, सरकारी पदाधिकारियों से जबरन धन वसूली की, फिरौती के लिए अपहरण किया और मासूमों की हत्या की। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कार्मिकों के विरूद्ध एलईडी का विस्फोट करने/घात लगाकर हमला करने की भी योजना बनाई।

उपयुक्त के क्रम में दिनांक 23.06.2014 को प्रात: लगभग 4:15 बजे जब पुलिस एसडब्ल्यूएटी कमांडो और कोबरा दल ने गांव नोरेक बोल्लोंग्रे, पूर्वी गारो हिल्स के निकट जंगल में जीएनएलए के छिपने के ठिकाने पर छापा मारा तो जिम्मी सीएच् मोमिन उर्फ अजान ने जीएनएलए के अन्य कैडरों के साथ अपने आधुनिक हथियारों से पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। कोबरा और एसडब्ल्यूएटी दल ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी लगभग 12-15 मिनट तक हुई। जब गोलीबारी शांत हो गई, तो आसपास के क्षेत्रों की पूरी तरह तलाशी ली गई और घटना स्थल से छह मैगजीन सहित एक एके राइफल के साथ जीएनएलए कैडर के एक पुरुष का शव बरामद हुआ, बाद में जिसकी पहचान चमन सीएच मोमिन के रूप में हुई। जीएनएलए का एक कैडर नामत: विष्णु एम संगमा पीओ से गिरफ्तार किया गया और एक महिला नामत: फातिमा एम मारक जो श्री जिम्मी सीएच मोमिन, जीएनएल के एरिया कमांडर की गर्ल फ्रैंड है और जीएनएचए की शुभचिंतक है को भी घटना स्थल से गिरफ्तार किया गया।

1. एक मैगजीन के साथ एक पिस्तौल और 7.65 के छह जिन्दा गोलाबारूद।
2. दो मैगजीनों के साथ एक पिस्तौल और 7.65 के तेरह जिन्दा गोलाबारूद।
3. आठ जिंदा कारतूसों के साथ एक एसबीबीएल।
4. एक एचई ग्रेनेड।
5. तीन वायरलैस सेट।
6.. दो वायरलेस सेट चार्जर।
7. बाल बियरिंग के साथ लगभग 400 ग्राम जिलेटिन वैक्स।
8. अज्ञात कैलिबर के 18 राउंड जिंदा गोलाबारूद।

9. एक प्लास्टिक पैक, जो विस्फोटक सामग्री हो सकती है।

10. एके के 160 राउंड जिंदा कारतूस।

11. .22 के 07 राउंड जिंदा कारतूस।

12 एके गोलाबारूद के 24 खाली खोखे।

13. 04 मोबाइल फोन।

14. 17 सिम कार्ड।

अभियान के दौरान उप निरीक्षक राबर्ट आल्डिन एम. संगमा, उप निरीक्षक गोएरा टी संगमा, बीएनसी जेरी रिंटाथियांग और बीएनसी रैपसालांग ने छिपने के ठिकानों तक आगे बढ़ने का प्रयास करने और वहां तक पहुंचने के लिए अत्यधिक खतरनाक स्थिति में असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन किया जिसके परिणामस्वरूप अंततोगत्वा जीएनएलए का एक खूखांर उग्रवादी मारा गया।

अभियान के दौरान जीवन के लिए घातक स्थिति में उप निरीक्षक गोएरा टी. संगमा द्वारा प्रदर्शित अनुकरणीय साहस, धैर्य दृढ़ संकल्प और नेतृत्व से न केवल जीएनएलए का एक कैडर मारा गया बल्कि किसी भी पुलिस कर्मी के घायल अथवा हताहत हुए बिना सम्पूर्ण पुलिस दल की बहुमूल्य जानो का भी बचाया गया जो भारी हथियार बंद उग्रवादियों के हमले में घिर गए थे। इस अभियान से जीएनएलए संगठन को एक बड़ा झटका लगा है और अभियान की सफलता दल का नेतृत्व करने वाले अधिकारी द्वारा प्रदर्शित नेतृत्व की गुणवत्ता और विशिष्ट साहस का प्रमाण है।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री गोएरा टी. संगमा, उप निरीक्षक, जेरी रिंतथियांग, कांस्टेबल और रैपसालांग वाहलांग कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक का द्वितीय बार/पुलिस पदक का प्रथम वार/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.06.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 58-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
02.	पुतुराज कुरुमी, हवलदार	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
03	संतोष जुआंग हवलदार	(वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार)
04.	सुरजीत मंडल लांस नायक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
05	प्रभात कुमार बारदा कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.09.2014 की सुबह, श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक को मलकानगिरि जिला मुख्यालय से लगभग 75 किमी. की दूरी पर मलकानगिरि जिले के मैथिली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दौडापुर गांव के नजदीक स्थित वन क्षेत्र में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के भारी हथियारबंद विद्रोहियों के एक गुट के प्रशिक्षण शिविर के स्थान के संबंध में आसूचना संबंधी जानकारी प्राप्त हुई। विश्वसनीय सूत्रों से इस बात की भी पुष्टि हुई कि प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) गुट के हथियारबंद विद्रोही मलकानगिरि जिले में तैनात सुरक्षा बलों के विरुद्ध बड़ा हमला करने की योजना बना रहे हैं। वे प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) गुट के "स्थापना सप्ताह" मनाने के अवसर पर पुलिस मुखबिरों के नाम पर निर्दोष आदिवासियों की हत्या करने की योजना भी बना रहे थे। तदनुसार, मलकानगिरि जिला पुलिस द्वारा दिनांक 17.09.2014 की शाम को अभियान संबंधी सभी औपचारिकताओं और एसओपी को पूरा करते हुए उपुर्यक्त वन क्षेत्र में एक नक्सलवाद-रोधी अभियान शुरू किया गया। श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक, मलकानगिरि ने मलकानगिरि जिला पुलिस के कुल 18 सदस्यों (प्रमुख सहित) वाले पुलिस दल का नेतृत्व किया। श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक, ने अत्यधिक जोखिम भरे क्षेत्र, जो माओवादी उग्रवादियों का जाना माना गढ़ था, में होने वाले अभियान के रणनीतिक पहलुओं पर विशेष बल देते हुए अभियान दल को जानकारी प्रदान की। पुलिस दल ने अभियान के दौरान सभी रणनीतिक उपाय किए और माओवादी शिविर के संदिग्ध स्थान से लगभग 15 किमी. की दूरी पर अपने वाहन छोड़ दिए। वाहन से उतरने के पश्चात, पुलिस दल पहाड़ी क्षेत्र और घने पेड-पौधों को पार करते हुए रणनीतिक ढंग से लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ा। जब पुलिस दल लक्षित क्षेत्र, जो दौडापुर का वन क्षेत्र है, के आस-पास छानबीन अभियान चला रहा था, तब उन्होंने एक पानी स्रोत के पास कुछ महिला काडरों सहित 15-20 सशस्त्र काडरों के एक समूह की मौजूदगी को देखा। उन्होंने स्वचालित हथियार ले रखे थे और कुछ ने पीले-हरे रंग की नक्सली वर्दी पहन रखी थी। उन्होंने सीपीआई (माओवादी) झण्डा फहरा रखा था और वे हथियार प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहे थे। जब पुलिस दल सीपीआई (माओवादी) काडरों द्वारा की गई विनाशकारी गतिविधियों का अवलोकन करने के लिए इस समूह के नजदीक गया, तो संतरियों ने पुलिस दल को देख लिया और उन्होंने स्वचालित हथियारों से अकारण गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस दल ने शीघ्र आड़ ले ली और उन्होंने अपनी पहचान बताकर माओवादी विद्रोहियों से उडिया और हिंदी दोनों भाषाओं में ऊंची और स्पष्ट आवाज में अपने हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। तथापि, माओवादी काडर ने बड़ी चट्टानों के पीछे आड़ लेकर गोलीबारी जारी रखी। उन्होंने पुलिस दल के सदस्यों को मारने के इरादे से हथगोले भी फेंके। अभियान दल के तीन सदस्य ग्रेनेड हमले में घायल हो गए। माओवादी गुट के संतरियों ने अपनी सधी हुई गोली-बारी जारी रखी और अन्य सदस्यों को कवर फायर उपलब्ध कराया। इसलिए, अपनी जान बचाने और निजी सुरक्षा की कवायद में पुलिस दल ने नियंत्रित ढंग से जवाबी गोलीबारी की। चूंकि माओवादी विद्रोही लाभकारी स्थिति में थे और माओवादियों की ओर से पार्श्विक आक्रमण की अधिक संभावना थी, इसलिए श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक, ने अभियान दल को छोटे दलों में बांट दिया है और विद्रोहियों को दोनों ओर से घेर लिया। तदनुसार, हवलदार पुतुराज कुरुमी के नेतृत्व में दायीं ओर का दल और हवलदार संतोष जुआंग के नेतृत्व में बायीं ओर का दल क्रमश: दायीं और बायीं ओर से माओवादियों की गोलीबारी का जवाब देने के लिए आगे बढ़ा। श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक, ने सामने की ओर से मुख्य हमला दल का नेतृत्व किया। यद्यपि सामने का हमला बहुत जोखिमपूर्ण था फिर भी उन्होंने ऐसा करने के लिए बहादुरीपूर्ण निर्णय लिया क्योंकि इसके बगैर बड़ी चट्टानों की आड़ के पीछे छिपे माओवादियों की भारी गोलीबारी का सामना करना मुश्किल था। दोनों तरफ से गोलीबारी लगभग 45 मिनट तक जारी रही, जिसमें माआवादी विद्रोहियों ने पुलिस दल के सभी तीनों दलों (अर्थात दाएं, बाएं और मुख्य हमलावर दल) पर भारी गोलीबारी की और मुख्य हमलाबर दल पर ग्रेनेड फेंके। लगभग एक घंटे बाद, माओवादियों की ओर से गोलीबारी बंद हो गई। चूंकि, अंधेरा हो चुका था और माओवादियों की ओर से दूसरे हमले की पूरी संभावना थी इसलिए श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक ने सैन्य दलों को नजदीकी पहाड़ी पर पुन: एकत्र होने का आदेश दिया सभी तीनों दलों के पुन: एकत्र होने के पश्चात, दलों ने पहाड़ी की साफ सफाई की और पहाड़ी पर उपयुक्त ढंग से निर्धारित संतरियों के फेर-बदल की कवायद पूरी करके चार संतरियों की तैनाती करने के पश्चात रात में पहाड़ी पर एलयूपी लिया। अगले दिन अर्थात दिनांक 18.09.2014 को सुबह दल ने उस क्षेत्र की पूरी छानबीन की जिसमें उन्होंने माओवादी काडर का शव बरामद किया जिसकी बाद में एमवी 79 पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पोटेरू बस्ती के नजदीक मांगीपल्ली गांव के एरा मदकानी ऊर्फ लालू उर्फ प्रकाश उर्फ सोंडी दलई पुत्र स्व. मंगला दलेई के रूप में पहचान की गई। मारा गया माओवादी काडर क्षेत्रीय समिति का सदस्य था जो सीपीआई (माओवादी) के एओबीएसजेडसी टेक दल का नेतृत्व कर रहा था और ओडिशा सरकार ने 15 फरवरी, 2012 के गृह (विशेष अनुभाग) विभाग के पत्र सं. 415/सी के तहत ओडिशा सरकार के सरकारी आदेश के तहत उसके विरुद्ध 4,00,000/- रु. (चार लाख) का नकद इनाम घोषित कर रखा था। मृत माओवादी नेता मलकानगिरि जिले के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज हत्या और

आगजनी के अनेक मामलों में शामिल था। इसके अतिरिक्त, उस क्षेत्र की पूरी तलाशी लेने पर पुलिस दल ने एक स्टेनगन, जिंदा राउंड के साथ स्टेनगन की तीन मैगजीनें, मैगजीन और जिंदा राउंड के साथ एक .303 राइफल, मैगजीन और राउंड के साथ एके .315 राइफल, सात किटबैग, माओवादी साहित्य और दवाइयां बरामद कीं।

यह वीरतापूर्ण और साहसिक पारस्परिक गोलीबारी सीपीआई (माओवादी) के एओबीएसजेडसी क्षेत्र में माओवादी विद्रोही समूहों के साथ एक सर्वाधिक सफल गोलीबारी थी। इस मुठभेड में, एक खूंखार एसीएम रैंक का माओवादी नेता मारा गया और हथियार और गोलीबारूद का एक बड़ा जख़ीरा जब्त किया गया, जिससे मलकानगिरि कोरापुट सीमावर्ती क्षेत्र में सीपीआई (माओवादी) के प्रभाव को बड़ा झटका लगा। इस अभियान के दौरान, पुलिस दल ने बिना किसी संपार्श्विक क्षति के माओवादी काडरों की बेहतर स्थिति और संख्या की दृष्टि से बड़े समूह के विरुद्ध अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों और भू-भाग की गंभीर बाधाओं पर विजय प्राप्त करने के लिए कर्तव्य से अधिक अनुकरणीय साहस, बहादुरी और दृढ़निश्चय का प्रदर्शन किया।

श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रदर्शित वीरतापूर्ण कार्य

इन्होंने संपूर्ण अभियान के दौरान कमान और नियंत्रण तथा व्यक्तिगत नेतृत्व के उत्कृष्ट उदाहरण का परिचय दिया। जिले के पुलिस अधीक्षक का कार्यभार ग्रहण करने की अल्पावधि के भीतर उन्होंने मलकानगिरि-कोरापुट सीमावर्ती क्षेत्र जैसे अति दुर्गम क्षेत्र में मानवीय आसूचना का एक उत्कृष्ट नेटवर्क विकसित कर लिया था। उस क्षेत्र में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के काडरों की गतिविधि के बारे में विशिष्ट जानकारी प्राप्त होने के उपरांत, इन्होंने बहुत कम समय में ए.एन.ओ. की योजना बनाई। यद्यपि वह क्षेत्र बहुत दुर्गम था और माओवादी विद्रोहियों का एक विख्यात गढ़ था, फिर भी इन्होंने रहस्योद्घाटन और अभियान शुरू करने में अनावश्यक विलंब से बचने के लिए अठारह अत्यधिक प्रेरित पुलिस कार्मिकों के एक छोटे से दल के साथ अभियान चलाने का निर्णय लिया। छानबीन अभियान के दौरान जहां प्रत्येक कदम पर जान का खतरा संभव था, इन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह नहीं की और पूरे समय दल के सदस्यों को प्रेरित करते हुए स्वयं आगे से दल का नेतृत्व किया। जब पुलिस दल माओवादियों की भारी गोलीबारी में घिर गया, तब इन्होंने न केवल अत्यधिक धैर्य का प्रदर्शन किया और दल की सुरक्षा के लिए इष्टतम ढंग से अपने संसाधनों का उपयोग करते हुए दल को जोड़े रखा, बल्कि इन्होंने संख्या की दृष्टि से काफी अधिक शत्रुओं का सामना करने के लिए तत्काल एक जवाबी हमले की रणनीति की योजना भी बनाई। पुलिस दल को तीन छोटे उप-दलों में अर्थात् दायीं ओर का दल, बायीं ओर का दल और मुख्य हमला दल में बांटने की उनकी योजना ने माओवादी विद्रोहियों को घेर लिया और पुलिस दल पर एक किनारे से हमला करने के उनके मौके को अत्यधिक सीमित कर दिया। इन्होंने दुर्गम क्षेत्र की सीमाओं और इसमें शामिल जान के जोखिम के बावजूद बेहतर स्थिति और संख्या की दृष्टि से काफी अधिक शत्रुओं को सामने से चुनौती देने के लिए स्वयं मुख्य हमला दल का नेतृत्व किया। इस प्रक्रिया में वे कई बार शत्रु के सामने आ गए थे, जो घातक हो सकता था, तथापि, उन्होंने अपना धैर्य बनाए रखा और हमला दल का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। गोलीबारी के पश्चात इन्होंने दल को पुनर्गठित किया और मुख्य क्षेत्र में रात में एलयूपी लेने का बहादुरीपूर्ण निर्णय लिया, क्योंकि ऊपर टिके हुए माओवादी विद्रोहियों द्वारा पुलिस दल के वापसी के रास्ते पर घात लगाकर तेज हमला किए जाने की पूरी संभावना थी। इन्होंने व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित किया कि एलयूपी क्षेत्र साफ है और संतरियों को रणनीतिक ढंग से तैनात किया गया है।

इन्होंने पूरे अभियान के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, चाहे वह निश्चित आसूचना प्राप्त करने से संबंधित हो अथवा उसका सफल निष्पादन। इन्होंने अपने दल के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ सफल कार्य निष्पादन के लिए अभियान के दौरान कई बार अपनी जान को जोखिम में डाला।

श्री पुतुराज कुरुमी, हवलदार, द्वारा प्रदर्शित वीरतापूर्ण कार्य

इन्होंने अभियान की योजना बनाने और उसके कार्यान्वयन के दौरान अभियान कमांडर को गुणवत्तापूर्ण सहायता प्रदान की और स्थिति की आवश्यकता के अनुसार अनुकरणीय वीरता का प्रदर्शन किया। इन्होंने स्वेच्छा से दाएं दल का नेतृत्व किया और माओवादियों की ओर से भीषण गोलीबारी का सामना करते हुए अपने छोटे दल को अत्यधिक खतरनाक रास्ते से अपने विनिर्दिष्ट स्थान पर ले गए। जब वे हमलावर माओवादी विद्रोहियों के आमने-सामने आए, तो इन्होंने उनका सफलतापूर्वक सामना किया। इस प्रक्रिया में, उनको माओवादियों की ओर से किए गए ग्रेनेड हमले में गंभीर चोटे आईं, फिर भी इन्होंने अपनी अत्यधिक शरीरिक पीड़ा को नजर अंदाज करते हुए सफलतापूर्वक माओवादी विद्रोहियों को उलझाए रखा। उनके वीरतापूर्ण प्रयास और दृढ़निश्चय के कारण, माओवादी विद्रोही पुलिस दल पर बगल से हमला नहीं कर सके। इन्होंने अपने दाएं दल का अत्यधिक प्रेरणादायक ढंग से नेतृत्व किया और माओवादी विद्रोहियों को घने जंगल में लौटने के लिए मजबूर कर दिया।

श्री संतोष जुआंग, हवलदार जिला पुलिस, मलकानगिरि द्वारा प्रदर्शित वीरतापूर्ण कार्य

पूरे अभियान के दौरान इन्होंने अभियान दल के स्काउट से संबंधित अपनी भूमिका में अपनी अधिक रणनीतिक योग्यता और सूझ-बूझ का परिचय दिया। अत्यधिक कठिन और दुर्गम कच्चे रास्ते से यात्रा के दौरान यह उनकी सतत चौकसी की वजह से पुलिस दल बिना नजर में आए माओवादी शिविर के बहुत निकट पहुंच सका। हमला दल के सदस्य के रूप में इन्होंने सामने से शत्रु के हमले का मुकाबला करने में अपने उत्कृष्ट अभियान कौशल का प्रदर्शन किया। भारी गोलीबारी के समक्ष इन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया, बल्कि निर्णायक तरीके से माआवादी समूह को चुनौती दी। अभियान के दौरान निडर साहस और बहादुरी का प्रदर्शन करने के अलावा, इन्होंने अग्रणी हमले के दौरान अभियान कमांडर श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक के एक श्रेष्ठ सहयोगी के रूप में कार्य किया। इस प्रक्रिया में उन्होंने कई बार स्वयं को खतरे में डाल दिया; तथापि यह उनको अपने दल कमांडर की सहायता करने से नहीं रोक पाया; जो अनुकरणीय साहस और निडरता के साथ-साथ उनकी वफादारी और समर्पण का बयान करता है।

श्री सुरजीत मंडल, लांस नायक द्वारा प्रदर्शित वीरतापूर्ण कार्य

अभियान दल के सक्रिय सदस्य थे और इन्होंने बायें दल का नेतृत्व किया जिसने प्रभावकारी जवाबी गोलीबारी में माओवादियों को घेरकर उलझा दिया, जिसके परिणामस्वरूप शत्रु संख्या में अधिक होने के बावजूद पुलिस दल को किसी प्रकार की कोई क्षति नहीं पहुंचा सके। इस प्रकिया में उनको माओवादियों की ओर से ग्रेनेड हमले के कारण चोट आई जिसने उनकी जान को खतरे में डाल दिया। तथापि, यह उनको बहादुरी से अपने कर्तव्य का पालन करने से नहीं रोक सका। इन्होंने महान अभियान क्षमता और सूझ-बूझ का प्रदर्शन किया और अपने दल के सदस्यों को धैर्य खोए बिना शत्रुओं का सामना करने के लिए प्रेरित भी किया।

श्री प्रभात कुमार बारदा, कांस्टेबल द्वारा प्रदर्शित वीरतापूर्ण कार्य

वह बाएं तरफ के दल के सक्रिय सदस्य थे, जिसने संख्या की दृष्टि काफी अधिक और बेहतर स्थिति वाले शत्रु द्वारा किनारे से किए गए हमले का प्रभावशाली ढंग से सामना किया इन्होंने माओवादी विद्रोहियों के हमले के दौरान लड़ने की क्षमता के साथ-साथ उल्लेखनीय अभियान दक्षता का प्रदर्शन किया। पारस्परिक गोलीबारी के दौरान उनकी आक्रामक युक्ति ने माओवादी विद्रोहियों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। अभियान के दौरान वे कई बार शत्रु की गोलीबारी के सामने आ गए और माओवादियों की ओर से किए गए ग्रेनेड हमले से बुरी तरह घायल हो गए; फिर भी वे कभी पीछे नहीं हटे और अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए बहादुरी से लड़े। इन्होंने इस प्रक्रिया में जान का खतरा होने के बावजूद अपने कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण का प्रदर्शन किया।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक, पुतुराज कुरुमी, हवलदार, संतोष जुआंग, हवलदार, सुरजीत मंडल, लांस नायक और प्रभात कुमार बारदा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक/पुलिस पदक का द्वितीय बार नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17.09.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 59-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. गणेश बेहरा,
कांस्टेबल

02 शांतनु कुमार मांझी
कांस्टेबल

03 मोहन पारजा,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13.04.2014 की सुबह, नारायणपटना पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक को एक आसूचना संबंधी जानकारी प्राप्त हुई कि गैर-कानूनी सीपीआई (माओवादी) के भारी हथियारबंद काडरों का एक समूह नारायणपटना पुलिस स्टेशन के पालापुट और गादरगुडा गांवों के वन क्षेत्र में घूम रहा है। यह भी आसूचना प्राप्त हुई कि उपर्युक्त भारी हथियारबंद माओवादी कुछ भोले-भाले ग्रामीणों को पुलिस मुखबिरों के रूप में बदनाम करके उन्हे मारने के साथ-साथ माओवादी बहुल नारायणपटना शहर के कुछ सरकारी प्रतिष्ठानों पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। माओवादी ग्रामीणों से बहुत नाराज थे, क्योंकि ग्रीमीणों ने हाल ही में हुए संसदीय और विधान सभा चुनाव 2014 में भारी मात्रा में अपने बोट डाले थे। यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि गैर-कानूनी सीपीआई (माओवादी) ने चुनाव के संपूर्ण बहिष्कार का आहवान किया था और स्थानीय लोगों को चुनाव प्रक्रिया में किसी प्रकार की भागीदारी के प्रति चेतावनी दी थी। दिनांक 13.04.2014 को, नारायणपटना शहर के स्थानीय मजार के वार्षिक उर्श (वार्षिक समारोह) जहां अन्य राज्यों से मुस्लिम श्रृद्धालु अपनी श्रृद्धांजलि देने आए हुए थे, के नजदीक रविवार होने के कारण साप्ताहिक बाजार लगा हुआ था। हालात का जायजा लेने के उपरांत और सरकारी संपत्तियों और निर्दोष जानों की सुरक्षा करने के लिए पुलिस अधीक्षक, कोरापुट ने श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट को गैर-कानूनी सीपीआई (माओवादी) के भारी हथियारबंद काडरों को पकड़ने के लिए जिला पुलिस कार्मिकों और आई.आई.सी., नारायणपटना पुलिस स्टेशन के साथ नक्सलवाद रोधी अभियान की योजना बनाने का निर्देश दिया। पुलिस का अभियान दल बगैर दिखे बगैर सामने आए रणनीतिक ढंग में चलते हुए नारायणपटना (जिला मुख्यालय, कोरापुट से 80 किमी. दूर) पहुंचा। वहां पहुंचने के पश्चात, श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट ने आगामी अभियान के विभिन्न रणनीतिक पहलुओं और इसमें निहित खतरों के अतिरिक्त सम्पार्श्विक क्षति न होने देने और कम से कम आगजनी पर विशेष बल देते हुए अभियान दल को पूरी जानकारी प्रदान की। अभियान संबंधी सूचना प्रदान करने के पश्चात, पुलिस दल पहाड़ियों और घनी झाड़ियों से गुजरते हुए रणनीतिक ढंग से पालापुट और गादरागुडा गांवों के घने वन क्षेत्र (नारायणपटना से लगभग 5-6 किमी.) की ओर पैदल चलकर गया। जंगल में, पुलिस दल ने किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए रणनीतिक पोजीशन ले ली। लगभग रात 11 बजे पुलिस दल ने जंगल में कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। बहुत ध्यानपूर्वक देखने और नाइट विज़न डिवाइस का प्रयोग करने के पश्चात, पुलिस दल ने पाया कि गैर कानूनी सीपीआई (माओवादी) के हथियारबंद काडरों का एक समूह नारायणपटना शहर की ओर जा रहा है। सभी सुरक्षात्मक सावधानियों के साथ, पुलिस कर्मियों ने तेज आबाज में जिला पुलिस, कोरापुट के कार्मिकों के रूप में अपनी पहचान प्रकट की और उनसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। आत्मसमर्पण करने की बजाय, संदिग्ध माओवादियों ने उनको मारने के इरादे से पुलिस कर्मियों पर अंधाधुंध भारी गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस कर्मियों ने आड़ ले ली और पुन: भारी हथियारबंद माओवादियों से और तेज आवाज में आत्मसमर्पण करने की अपील की। परन्तु माओवादी पुलिस कर्मियों पर भारी गोलीबारी करते रहे। अपनी जान बचाने के लिए, पुलिस कर्मियों ने अत्यधिक नियंत्रित एंग से जवाबी गोलीबारी की। पुलिस कर्मियों को मारने के लिए, भारी हथियारबंद माओवादियों ने पुलिस दल को घेरना शुरू कर दिया। यह देखकर और माओवादियों की ओर से किसी संभावित पार्श्व हमले को बेअसर करने के लिए श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट ने पुलिस दल को तीन छोटे समूहों में बांट दिया और उन्हें भारी हथियारबंद माओवादियों, जो अपने काडरों का मनोबल बढ़ाने के लिए माओवादी जिंदाबाद, "लाल सलाम" जैसे नारे और सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे, के पार्श्व हमले का सामना करने के लिए एक दूसरे से अलग कर दिया। यह पारस्परिक गोलीबारी लगभग 30 मिनट तक चली। इसके पश्चात, माओवादियों की तरफ से गोलीबारी बंद हो गई। कुछ देर इंतजार करने के बाद, पुलिस दल ने सुनियोजित ढंग से उस क्षेत्र की छानबीन शुरू कर दी। जंगल के क्षेत्र की तलाशी के दौरान, पुलिस दल को एक पुरुष का शव प्राप्त हुआ जिसकी उम्र लगभग 35 वर्ष थी। शव के नजदीक एक पिस्तौल, एक बैग और कुछ इस्तेमाल किए गए कारतूस मिले। नजदीकी क्षेत्र की और छानबीन के दौरान, पुलिस दल को देशी एसबीएमएल बंदूक और माओवादी साहित्य जैसी कुछ अभिशंसी वस्तुएं मिलीं।

अन्य हथियारबंद माओवादी सुरक्षात्मक गोलीबारी और जोखिमपूर्ण क्षेत्र और गहरे जंगल का फायदा उठाकर बच निकले। तथापि, नजदीकी क्षेत्र में खून के धब्बों से यह पता चल रहा था कि कुछ और माओवादी भी घायल हुए होंगे। बाद में, मृत

माओवादी की पहचान पुरनो हुलुकालसियोन खातरू पुत्र स्व. जामरी हुलुक निवासी बासनापुट (नारायणपटना पुलिस थाना), जिला कोरापुट के रूप में हुई। वह गैर-कानूनी सीपीआई (माओवादी) की श्रीकाकुलम कोरापुट संयुक्त संभागीय समिति का एक हथियारबंद काडर था और क्षेत्र में हत्या सहित अनेक हिंसक गतिविधियों में संलिप्त था।

हथियारबंद विद्रोहियों के साथ यह उत्कृष्ट एवं अच्छी जवाबी गोलीबारी एओबी विशेष क्षेत्रीय समिति की सर्वाधिक सफल मुठभेड़ों में से एक है जिसमें हथियारों के जखीरे की बरामदगी के अतिरिक्त एक खूंखार माओवादी काडर मारा गया जो नागरिक सेना की भर्ती करने में कुशल था और गैर-कानूनी सीपीआई (माओवादी) का प्रमुख स्तम्भ था। उपुर्यक्त खूंखार माओवादी के मारे जाने से वे सामान्य तौर पर ओडिशा में और विशेष तौर पर कोरापुट जिले के नारायणपटना क्षेत्र में गैर-कानूनी सीपीआई (माओवादी) संगठन को निश्चित रूप से एक गंभीर आघात पहुंचा और आम चुनाव, 2014 जिसमें ग्रमाणों ने गैर-कानूनी सीपीआई (माओवादी) से जोरदार बहिष्कार के आह्वान के बीच अपने बोट डाले थे के तुरंत बाद लोगों के विश्वास को बहाल किया। अभियान के दौरान, पुलिस कर्मियों ने किसी सम्पार्श्विक क्षति के बिना अभियान की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए बहादुरी, साहस, दृढ़विश्वास, उद्देश्य की भावना और अत्यधिक विपरीत परिस्थितियों और विषम क्षेत्रीय बाधाओं पर विजय प्राप्त करने के लिए कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया है।

कांस्टेबल गणेश बेहरा की शौर्यपूर्ण कार्रवाई

उन्होंने श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट के सहयोगी के रूप में कार्य किया था और अपने अधिकारी की सहायता करने और आवश्यकतानुसार उन्हे सटीक सुरक्षात्मक गोलीबारी प्रदान करने के लिए अपनी जान को गंभीर खतरे में डाल दिया। जब इनका सामना कुछ हथियारबंद माओवादियों से हुआ, तो इनका झुकने से इन्कार करना और उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर करना, इनकी जाबांजी को प्रदर्शित करता है। इसके अतिरिक्त इन्होंने पुन: एक श्रेष्ठ सहायक के रूप में कार्य किया और जब भारी हथियारबंद माओवादियों, जो पुलिस कर्मियों पर तेज गोलीबारी कर रहे थे, के पार्श्व हमले का सामना करने के लिए पुलिस दल को तीन छोटे समूहों में बांटा गया था तब उन्होंने अपने अधिकारी की सहायता की अर्थात् श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट की सहायता की। कांस्टेबल गणेश बेहरा कभी पीछे नहीं हटे और माओवादियों की ओर से भारी गोलीबारी के बीच भी अपने वरिष्ठ अधिकारी, अर्थात् श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट को नहीं छोड़ा। इन्होंने अत्यधिक शौर्यपूर्ण कार्य किया और अभियान के दौरान, जिसमें इनकी जान भी जा सकती थी, अपने वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति अनुकरणीय वफादारी का प्रदर्शन किया।

कांस्टेबल शांतनु कुमार माझी की शौर्यपूर्ण कार्रवाई

इनको श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट द्वारा इस अत्यधिक जोखिमपूर्ण अभियान के लिए चुना गया था। इस प्रकार के अत्यधिक सूक्ष्म नक्सल-रोधी अभियान में निहित अत्यधिक जोखिम से पूरी तरह अवगत होने पर भी, वे इसमें भाग लेने में झिझके नहीं। इन्होंने अभियान की योजना बनाने और इसे निष्पादित करने में अभियान कमाण्डर को सक्षम और गुणवत्तापूर्ण सहायता प्रदान की। वे एकजुट माओवादियों को पकड़ने की प्रक्रिया में लगभग 100 मीटर रेंगकर उनके बहुत नजदीक पहुंच गए। बाद में, इन्होंने अपनी जान को गंभीर खतरे में डालते हुए तीन समूहों में फैलकर माओवादियों के पार्श्व हमले का सामना करने में श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट की सहायता की। जब इन्होंने स्वयं को आगे रखकर अपने छोटे समूह का नेतृत्व किया, तो इन्होंने अपने जीवन के साथ एक बड़ा जुआ भी खेला। यह निस्वार्थता का एक बड़ा प्रदर्शन था यद्यपि यह कार्य इनके जीवन को बड़े खतरे में डाल सकता था। तथापि, इनका जुआ सफल हुआ और भारी हथियारबंद माओवादियों के पार्श्व हमले की संभावना से बचा जा सका।

कांस्टेबल मोहन पारजा का शौर्यपूर्ण कार्य

जिला पुलिस, कोरापुट के कांस्टेबल मोहन पारजा इस छोटे अभियान के दल के सदस्य थे ओर अभियान की शुरूआत से ही, ये बहुत दूरस्त क्षेत्र के घने जंगल में इस अत्यधिक सूक्ष्म अभियान में निहित जान के गंभीर जोखिम को जानते थे। परन्तु ये झिझके नहीं और स्वेच्छा से अभियान दल का हिस्सा बन गए। घने जंगल की छानबीन करते समय, ये बहुत योजनापूर्ण ढंग से आगे बढ़े और विपरीत क्षेत्र का कुशलता से सामना किया। जब कांस्टेबल तरूनिसेनबिसोई घायल हुए तो ये उनको बचाने के लिए आए और अपनी जान की परवाह किए बगैर उन्हें सुरक्षित आड़ में ले गए। यह दल भावना का बड़ा उदाहरण था। बाद में, जब श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट ने पुलिस कर्मियों पर गोलीबारी कर रहे भारी हथियारबंद

माओवादियों के पार्श्व हमले का सामना करने के लिए पुलिस दल को तीन छोटे समूहों में बांटने का अत्यधिक जोखिमपूर्ण कदम उठाने का निर्णय लिया, तो कांस्टेबल मोहन पारजा ने ऐसे एक छोटे दल का नेतृत्व करने के लिए इन्हें अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री गणेश बेहरा, कांस्टेबल, शांतनु कुमार माझी, कांस्टेबल और मोहन पारजा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13.04.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 60-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
02.	संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
03.	जितेन्द्र कुमार दाश हवलदार	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
04	आदित्य रंजन दाश कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
05	सर्वेश्वर बेहरा कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.03.2014 को विश्वसनीय सूत्रों से यह पता चला कि सीपीआई (माओवादी) के भारी हथियारबंद काडरों का एक समूह पोटांगी पुलिस स्टेशन की सीमाओं के अंतर्गत मुंगलुवालसा वन क्षेत्र में एक प्रशिक्षण शिविर संचालित कर रहा था और इस क्षेत्र में आम चुनाव-2014 की प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने की योजना बना रहा था। तदनुसार, जिला पुलिस के आठ कमांडों के साथ श्री मित्रभानु महापात्रा, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक कोरापुट और श्री संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), कोरापुट के नेतृत्व में एक छोटे दल के साथ एक नक्सल-रोधी अभियान की योजना बनाई गई। जब पुलिस दल वन क्षेत्र में पहुंचा, तो विद्रोहियों ने स्वचालित हथियारों से अचानक अकारण गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस दल एक अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में दो भागों में विभाजित हो गया और संख्या में कम होने तथा विषम क्षेत्रीय बाधाओं के बावजूद बहादुरीपूर्ण ढंग से जवाबी कार्रवाई की। श्री मित्रभानु महापात्रा, आईपीएस ने अपने पांच कमांडों के दल का नेतृत्व किया और पुलिस पर एक किनारे से हो रहे हमले को रोकने के लिए आक्रामक जवाबी हमला किया। आक्रमण के दौरान, श्री मित्रभानु महापात्रा और कांस्टेबल आदित्य रंजन दाश अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर वीरतापूर्वक लड़े। श्री संतोष मल्ल ने बहादुरी से भारी गोलीबारी का सामना करते हुए अपने दल का नेतृत्व किया और इस प्रकिया के दौरान उनके एक कमांडो हवलदार जितेन्द्र कुमार दाश बुरी तरह घायल हो गए। इसके बावजूद, श्री मल्ल ने अपने संसाधन तैयार किए और अपने दल का आगे से नेतृत्व किया और माओवादियों को रोकने में सफल हुए।

पुलिस की शौर्यपूर्ण जवाबी कार्रवाई के कारण, माओवादी समूह घनी झाड़ियों की आड़ में बच निकला और पुलिस द्वारा उनका पीछा किया गया। दो माओवादी काडरों ने नजदीक छप्पर में स्थित एक खाली मकान में शरण ले ली और आसानी से बच निकलने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जब उसमें छिपे हुए विद्रोही पुलिस कार्रवाई में बाधा पहुंचा रहे थे, तो दल के नेताओं ने उनको निष्क्रिय करने के लिए कमरे में घुसकर एक जोखिमपूर्ण अभियान चलाने का निर्णय लिया। श्री मित्रभानु महापात्रा ने कमरे में घुसने के अभियान का नेतृत्व किया, जिसका श्री संतोष मल्ल और कांस्टेबल आदित्य रंजन दाश द्वारा अनुसरण किया गया। कमरे में प्रवेश करने संबंधी सफल किंतु जोखिमपूर्ण अभियान के परिणामस्वरूप सीपीआई (माओवादी) के दो संभागीय कमांडरों नामत: इप्पे स्वामी ऊर्फ नरेन्द्र और माल्ला संजीव ऊर्फ डुबरी को निष्क्रिय किया गया, जिन पर ओडिशा सरकार ने पांच लाख रुपए के इनाम की घोषणा कर रखी थी।

अभियान के दौरान, पुलिस कर्मियों ने योजनापूर्ण ढंग से बेहतर स्थिति वाले शत्रुओं के मुकाबले अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों और विषम क्षेत्रीय बाधाओं पर विजय प्राप्त करने के लिए बहादुरी, साहस, दृढ़निश्चय और कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया और बगैर किसी सम्पार्श्विक क्षति के सफलता सुनिश्चित की।

बरामदगी

(i) भरी हुई मैगजीन के साथ एक कारबाइन और खाली मैगजीन (ii) भरी हुई मैगजीन के साथ एक स्टेनगन और एक खाली मैगजीन और (iii) एक ग्रेनेड।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री मित्रभानु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक, संतोष कुमार मल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक, जितेन्द्र कुमार दाश, हवलदार, आदित्य रंजन दाश, कांस्टेबल और सर्वेश्वर बेहरा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक का प्रथम बार/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04.03.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 61-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. निरंजन पट्टा,
निरीक्षक

02 हिमांशु शेखर रथ,
उप निरीक्षक

03 आशुताष मोहंती,
कांस्टेबल

04 सुखीराम राणा,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एक आसूचना संबंधी जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, सुनाबेडा जंगल के अत्यधिक नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में एक नक्सल-रोधी अभियान शुरू किया गया। अभियान दल में उप निरीक्षक (सशस्त्र) हिमांशु शेखर रथ और 14 एसओजी कमांडो

शामिल थे जिनका नेतृत्व निरीक्षक निरंजन पट्टा कर रहे थे। दिनांक 14.04.2014 को लगभग 01.00 बजे अभियान दल शिविर से निकल पड़ा और कच्चे रास्ते से आगे बढ़ने लगा।

चूंकि यह क्षेत्र नक्सलियों का गढ़ है, इसलिए उनको गतिविधि के बारे में पता चल गया और आगे बढ़ रहे पुलिस दल पूरी तरह अनभिज्ञ था। दिनांक 14.04.2014 को लगभाग 07.45 बजे, जब पुलिस दल पहाड़ियों के बीच के रास्ते, घात लगाकर हमला करने के संभावित स्थान, को पार कर रहा था, निरीक्षक निरंजन पट्टा ने इस प्रकार के जाखिम भरे रास्तों से संबंधित अपने अनुभव के आधार पर दल को सभी सावधानियां बरतते हुए सुनिश्चित ढंग से आगे बढ़ने का आदेश दिया। उस समय, नक्सलवादियों ने अचानक पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, और सौभाग्य से दल के सभी सदस्य इस शुरूआती झटके से बच गए और समस्त दल तत्काल हरकत में आ गया तथा प्राकृतिक आड़ के पीछे रणनीतिक स्थान ले लिया।

नक्सलवादी ऊंचे स्थान पर थे। निरीक्षक निरंजन पट्टा और अन्य कार्मिकों ने लगभग 40 नक्सलियों के एक गुट को नक्सली वेशभूषा में एके 47, एसएलआर और .303 ले जाते हुए देखा। नक्सलियों द्वारा ले जाए जा रहे हथियारों की क्षमता और किस्मों से निरीक्षक पट्टा ने अनुमान लगाया कि मणिपुर-न्यूपाडा संभागीय समिति के सदस्यों के साथ नक्सलियों की सैन्य टुकड़ियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया है। चूंकि नक्सली पहाड़ी की चोटियों पर लाभकारी स्थिति में थे, इसलिए वे पुलिस दल पर प्रभावकारी गोलीबारी कर रहे थे जो पहाड़ी की तलहटी में था। अचानक निरीक्षक निरंजन पट्टा ने देखा कि 8-10 नक्सलियों का एक समूह दायीं ओर से अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने पुलिस दल की ओर दो ग्रेनेड भी फेंके, जिससे निरीक्षक निरंजन पट्टा और उप निरीक्षक (सशस्त्र) हिमांशु शेखर रथ को छोटी-मोटी चोटें आईं, परन्तु वे अपने स्थान पर डटे रहे और निडरतापूर्वक गोलीबारी की। अत्याधुनिक हथियारों के साथ आक्रमक रूप से लड़ रहे नक्सलियों द्वारा छोटे पुलिस दल को पराजित करके उनकी हत्या कर दिए जाने की पूरी संभावना थी। निरीक्षक निरंजन पट्टा ने महसूस किया कि उपलब्ध प्राकृतिक आड़ के पीछे से गोलीबारी करके आगे बढ़ रहे नक्सलियों को नहीं रोका जा सकता। हालात का तुरंत आकलन करने के पश्चात, उन्होंने अपने दल को नक्सलियों की ओर गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने का आदेश दिया। उन्होंने आगे से दल का नेतृत्व किया। अपनी जान की परवाह किए बिना और असाधारण वीरता का प्रदर्शन करते हुए, वे प्रभावशाली ढंग से गोलीबारी करने के लिए सामने आ गए और आगे बढ़े। नक्सली आक्रमक रूप से आगे बढ़ रहे पुलिस दल का सामना करने के लिए तैयार नहीं थे और आड़ लेकर रक्षात्मक हो गए तथा पीछे हटने लगे। निरीक्षक निरंजन पट्टा से प्रेरित होकर उप निरीक्षक (सशस्त्र) हिमांशु शेखर रथ, कांस्टेबल ए. मोहंती और कांस्टेबल एस आर. राणा भी प्रभावशाली ढंग से गोलीबारी करने के लिए खुले स्थान में आ गए। सभी चारों पुलिस कर्मियों ने बचकर भाग रहे नक्सलियों पर गोलीबारी करते हुए लगभग 500 मीटर की दूरी तक उनका पीछा किया और अन्य पुलिस कर्मियों ने उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए गोलीबारी की। तथापि, नक्सली पहाड़ी क्षेत्र की आड़ लेते हुए बच निकले।

तलाशी के दौरान एक वर्दीधारी महिला नक्सलवादी का शव, जिसका बाद में मोती मदकामी के रूप में पहचान की गई, प्राप्त हुआ। वह एक वरिष्ठ दुर्दांत काडर थी और मुखबिरों ने सूचित किया था कि वह उस क्षेत्र में पिछले 4-5 वर्षों से कार्य कर रही थी। उसके अलावा एक .303, एक पिस्तौल, गोलाबारूद, टिफिन बम, किटबैग, साहित्य आदि भी बरामद किए गए। किट बैग पर गोली के निशानों और बाद में स्थानीय लोगों से प्राप्त सूचना से यह पता चला कि इस अभियान में अन्य नक्सली गोलिया लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

इस गोलीबारी में, निरीक्षक निरंजन पट्टा तथा उप निरीक्षक (सशस्त्र) हिमांशु शेखर रथ को छोटी-मोटी चोटें आईं और उन्हें मुठभेड़ के पश्चात कोमना अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने उनकी चोटों को कम गंभीर बताया और प्राथमिक उपचार देने के पश्चात उन्हें छुट्टी दे दी।

उपयुक्त घटना से यह स्पष्ट है कि निरीक्षक निरंजन पट्टा ने इस अभियान में बहादुरी के एक दुर्लभ कृत्य का प्रदर्शन किया। वे अकेले व्यक्ति थे, जो इस बात पर विचार किए बिना कि नक्सलियों की ओर से कोई गोली उन्हें लग सकती है, सबसे पहले प्रभावशाली ढंग से गोलीबारी करने के लिए सामने आ गए लेकिन फिर भी उन्होंने नक्सलियों द्वारा पुलिस को क्षति पहुंचाने से बचाने के लिए जोखिम उठाया।

इन चार पुलिस कर्मियों द्वारा अपनी जान को आसन्न और गंभीर खतरे के बावजूद प्रदर्शित शौर्यपूर्ण कृत्य से उनके दल के साथियों के जान की रक्षा हुई। इसके परिणामस्वरूप नक्सलियों को बड़ा आधात पहुंचा, क्योंकि उनके खूंखार सैन्य दल को काडर, हथियार और मनोबल के ह्रास के रूप में भारी क्षति हुई।

बरामदगी

1. एक .303 राइफल

2. पांच .303 जिंदा गोलाबारूद

3. छह .303 ट्रेसर गोलाबारूद

4. एक देशी पिस्तौल

5. कोडेक्स-10 मीटर

6. इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर-06

7. इलेक्ट्रिक वायर-20 मीटर

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री निरंजन पट्टा, निरीक्षक, हिमांशु शेखर रथ, उप निरीक्षक, आशुतोष मोहंती, कांस्टेबल और सुखीराम राणा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14.04.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 62-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, पंजाब पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री राम लाल
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.07.2015 को सेना की वर्दी पहने, आधुनिक हथियारों/उपकरणों से लैस विदेश में प्रशिक्षित तीन आतंकवादियों ने सुबह लगभग 5 बजे पुलिस स्टेशन दीनानगर (गुरुदासपुर जिला) के परिसर में प्रवेश किया और परिसर में मौजूद सुरक्षा कर्मियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

पुलिस स्टेशन भवन के गेट के बाहर गोलीबारी के पहले वार और संतरी चौकी की ओर से एक हथगोला फेंके जाने से पीएचजी राजेन्द्र कुमार, जो पुलिस स्टेशन गेट पर संतरी की ड्यूटी पर थे, गंभीर रूप से घायल हो गए। इस स्थिति का बड़ी सतर्कता से मुकाबला करते हुए, हेड कांस्टेबल राम लाल, नाइट मोहरर हेड कांस्टेबल (नाइट एमएचसी) ने पुलिस स्टेशन भवन का प्रवेश द्वार बंद कर दिया। ऐसा करते समय, उन्होंने घायल पीएचजी राजेन्द्र कुमार को पुलिस स्टेशन भवन के भीतर खींच लिया और बाद में उन्हें (पीएचजी राजेन्द्र कुमार) पुलिस स्टेशन की छत पर ले गए। जब आतंकवादियों को पुलिस स्टेशन भवन में प्रवेश करने से रोक दिया गया, तो वे (आतंकवादी) पुलिस स्टेशन के पीछे की ओर स्थित नजदीक के भवन में घुस गए और अंधाधुंध गोलियां चलाने लगे। आतंकवादियों को पुलिस स्टेशन में प्रवेश करने से रोकने के लिए पुलिस स्टेशन के गेट को बंद करते समय घायल होने के बावजूद, एमएचसी राम लाल ने लगातार भारी गोलीबारी कर रहे आतंकवादियों को उलझाते हुए लगभग अकेले ही जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी।

एच सी राम लाल ने अपनी जान को गंभीर जोखिम में डालते हुए भी स्थिति का मुकाबला करने में अनुकरणीय सतर्कता, साहस और बहादुरी का प्रदर्शन किया। इस प्रकार, वे न केवल आतंकवादियों को पुलिस स्टेशन भवन में प्रवेश करने से रोकने में सफल हुए, बल्कि उन्होंने बड़ी संख्या में पुलिस स्टेशन परिसर में रह रहे पुलिस कर्मियों उनके परिवारों और बच्चों के बहुमूल्य

जीवन की रक्षा भी की । यदि आतंकवादी पुलिस स्टेशन भवन में घुस जाते, तो वे पुलिस स्टेशन के शस्त्रागार में मौजूद हथियारों और गोलाबारूद के बड़े भंडार तक पहुंच जाते। हेड कांस्टेबल राम लाल को गोलियों से कई चोटे पहुंची और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। उन्हें अमृतसर के एक अस्पताल में तीन माह से अधिक की अवधि के दौरान कई शल्य चिकित्साओं (5-7) से गुजरना पड़ा। तदन्तर, पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों सहित अतिरिक्त पुलिस बल दीनानगर पुलिस स्टेशन पहुंच गया। इसी बीच, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, गुरदासपुर भी मौके पर पहुंच गए और अभियान की कमान संभाल ली। उनके निदेशानुसार जिला गुरुदासपुर के सभी जीओ और एसएचओ पुलिस स्टेशन दीनानगर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस स्टेशन परिसर के बाहर का घेरा मजबूत कर दिया और पुलिस स्टेशन परिसर के क्वार्टरों में रह रहे परिवारों को बाहर निकाला गया। उनके नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए पुलिस बल ने सभी ओर से भारी जवाबी गोलीबारी करके आतंकवादियों को उलझा दिया। दोनों तरफ से गोलीबारी में राज्य विशेष अभियान सेल, अमृतसर के निरीक्षक बलबीर सिंह के बाएं हाथ और पेट के बायीं ओर 2 गोलियां लग गईं।

पुलिस बल द्वारा रणनीतिक स्थानों से लगातार जवाबी गोलीबारी के कारण, आतंकवादी उस भवन के अंदर रूके रहने पर मजबूर हो गए, जिसको उन्होंने प्रारम्भ में कब्जे में ले लिया था और बचकर दीनानगर शहर की घनी आबादी वाले क्षेत्र में भागने में सफल नहीं हो सके। जब उस भवन, जिसमें आतंकवादियों ने कब्जा कर रखा था, पर अंतिम हमला करने और आतंकवादियों को अंधेरे की आड़ में बच निकलने से रोकने के लिए अभियान को सूर्यास्त से पहले समाप्त करने का निर्णय लिया गया, तो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गुरदासपुर ने आतंकवादियों के छिपने के ठिकाने की ओर बढ़ने में पुलिस कर्मियों का नेतृत्व किया। इस अभियान के दौरान कई अवसरों पर अपनी जान को गंभीर खतरे के बावजूद भारी हथियारबंद आतंकवादियों की ओर से भारी और लगातार गोलियों की बौछार की परवाह किए बगैर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता और कर्तव्य परायणता का विरल प्रदर्शन करते हुए लंबे अभियान के दौरान बल का मनोबल बनाए रखा।

बहादुर पुलिस अधिकारियों की समझ बूझ और साहस की वजह से आतंकवादी भवन के भीतर रूके रहने पर मजबूर हो गए, अन्यथा इसके परिणामस्वरूप दीनानगर शहर के निवासियों के साथ-साथ अनेक पुलिस कर्मी और उनके परिवार के लोग हताहत हो जाते।

हेड कांस्टेबल रामलाल, जो आतंकवादी हमले का मुकाबला करने वाले प्रथम पदाधिकारी थे, ने पुलिस स्टेशन का गेट बंद करके, धायल संतरी को अंदर खींचकर अपनी जान का गंभीर खतरा होने पर भी अत्यधिक साहस, सतर्कता और कर्तव्य परायणता का प्रदर्शन किया और इस कार्रवाई के दौरान गोली लगने से घायल होने के बावजूद पोजीशन संभाली और जवाबी गोलीबारी की जिसके कारण आतंकवादियों को पुलिस स्टेशन के भवन में प्रवेश करने से रोका गया और उन्हें निकटवर्ती भवन में घेर कर रखा गया।

की गई बरामदगी:

1.	एके- 56 राइफल	-	03
2.	एके- 56 मैगजीन	-	21
3.	एके-56 जिंदा राउंड	-	89
4.	एके- 56 खाली खोखे	-	305
5.	एके- 56 मैगजीन रखने के बैल्ट (पाउच)	-	03
6.	डिस्पोजेबल रॉकेट लांचर (विदेशी मार्क)	-	01
7.	ब्लाइंड हैंड ग्रेनेड	-	05
8.	जिंदा हैंड ग्रेनेड	-	01
9.	प्लास्टिक की घड़ियां (टूटी हुई)	-	02
10.	ग्रेनेड पिन	-	05
11.	चमड़े की बैल्ट	-	03

इस मुठभेड़ में श्री राम लाल, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27.07.2015 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 63-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. कोटागिरि श्रीधर,
उप निरीक्षक

02. नालुवाला रवीन्द्र,
उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 31.10.2013 को श्री नालुवाला रवीन्द्र, उप-निरीक्षक को वैदिचेलमा वन क्षेत्र में सीपीआई माओवादियों की अपराध करने संबंधी गतिविधि के बारे में सूचना प्राप्त हुई। श्री के. श्रीधर, उप-निरीक्षक एवं एन. रवीन्द्र, उप-निरीक्षक तुरंत कार्रवाई करने के लिए पुलिस दल के साथ चल पड़े। संपूर्ण क्षेत्र उग्रवादियों की गतिविधियों से प्रभावित है और मार्गों में बारुदी सुरंगे बिछा रखी है तथा मार्ग खतरनाक हैं। सैन्य दलों को बारुदी सुरंगों और हथियारबंद उग्रवादियों से भरे घने जंगल के बीच रात में 10 किमी. के दुर्गम क्षेत्र से गुजरना पड़ा। उस स्थान पर दोनों अधिकारियों ने ने हथियारबंद उग्रवादियों की गतिविधि देखीं

दोनों पुलिस अधिकारी उग्रवादियों के निकट पहुंच गए परन्तु संतरी ने इन पर तेज गोलीबारी शुरू कर दी। उग्रवादियों ने प्रभावकारी स्थान से सभी ओर से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इन पुलिस अधिकारियों ने अपनी जान के गंभीर खतरे की परवाह किए बिना गोलीबारी का जवाब दिया और उग्रवादियों के नजदीक चले गए। यह गोलीबारी युद्ध जैसी प्रतीत हुई। इन अधिकारियां ने उग्रवादियों की गोलीबारी के बीच अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर बहादुरी से उग्रवादियों का पीछा किया। अपनी वीरतापूर्ण कार्रवाई और उच्च्कोटि के नेतृत्व से उन्होंने अलाभप्रद स्थिति को लाभप्रद स्थिति में परिवर्ति कर दिया।

यदि इन पुलिस अधिकारियों ने ऐसी उच्चकोटि की कार्रवाई का प्रदर्शन नहीं किया होता, तो उग्रवादियों ने हालत पर विजय प्राप्त कर ली होती। दोनों ओर से लगभग 15 मिनट तक गोलीबारी होती रही। बाद में पुलिस दल ने घटनास्थल की छानबीन की और उन्हें दो पुरूष काडरों के शव प्राप्त हुए जिनकी निम्नलिखित रूप में पहचान की गई:-

1. मुप्पु मोगिली उर्फ नरेश, सावबारी क्षेत्रीय समिति का एसीएस और खम्माम का डीसीएम।

2. तेल्लम रामुलू उर्फ रामू, सावबारी दलम का एसीएम।

वे हत्या आदि सहित 30 जघन्य अपराध करने के लिए जिम्मेवार हैं। इस मुठभेड़ के पश्चात माओवादी गुट का मनाबेल अत्यधिक गिर गया।

श्री कोटागिरी श्रीधर, उप-निरीक्षक ने 3 ई.ओ.एफ. में भाग लिया जिसमें 02 उग्रवादी मारे गए और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया तथा हथियार और गोला बारूद का बड़ा जखीरा बरामद किया।

श्री नालुवाला रवीन्द्र, उप-निरीक्षक ने 5 ई.ओ.एफ. में भाग लिया, जिसमें 02 उग्रवादी मारे गए और कई उग्रवादियों को गिरफ्तार किया और हथियार तथा गोला-बारुद का बड़ा जखीरा बरामद किया।

बरामदगी:

1. दो एस एल आर हथियार

2. पांच भरी हुई मैगजीन

3. चार किट बैग

4. 50,000/-रू. नकद

5. दो सिम के साथ एक सेलफोन।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री कोटागिरि श्रीधर, उप निरीक्षक, नालुवाला रवीन्द्र, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31.10.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 64-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री राम नयन सिंह,
उप पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.12.2006 की सायं एक दो वर्ष के बच्चे मुजम्मिल का उसके घर के सामने से फिरौती के लिए अपहरण कर लिया गया। राज्य की राजधानी में शहर के बीच से अपहरण के मामले को सुलझाना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती था।

पुलिस स्टेशन ठाकुरगंज पुलिस अपहृत बच्चे को बचाने के लिए उप पुलिस अधीक्षक/सीओ चौक श्री राम नयन सिंह के नेतृत्व में आसूचना एकत्र कर रही थी। प्राप्त आसूचना के आधार पर, पुलिस स्टेशन ठाकुरगंज, कैसरबाग और अपराध शाखा के सहयोगी पुलिस बल के साथ उप पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह मोहल्ला रस्तोगीनगर, पुलिस स्टेशन ठाकुरगंज, लखनऊ पहुंचे। दिनांक 28.12.2006 को जानकारी पर आधारित तलाशी से पता चला कि अपहरणकर्ताओं ने अपहृत बच्चे को पिंटो के घर, मोहल्ला वजीरबाग, पुलिस स्टेशन सादातगंज में स्थानांतरित कर दिया था। उप पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह सहयोगी बल के साथ तत्काल वहां पहुंचे। उन्होंने उपलब्ध बल में से दो दल गठित किए। उन्होंने प्रथम दल का नेतृत्व किया जिसमें उप निरीक्षक विश्वनाथ प्रसाद यादव और अन्य कार्मिक शामिल थे, जबकि दूसरे दल का नेतृत्व एसओ ठाकुरगंज श्री वी.एन. सिंह द्वारा किया गया जिसमें उप निरीक्षक रणजीत कुमार और अन्य कार्मिक शामिल थे। रणनीति के अनुसार, श्री राम नयन सिंह के नेतृत्व वाले दल ने घर को आगे से घेर लिया और दूसरे दल ने पीछे से घेर लिया। लगभग 2100 बजे, जब दरवाजा खटखटाया गया, तो अपहृत बच्चे मुजम्मिल के साथ एक व्यक्ति घर की छत पर आया। पुलिस को देखकर उसने बच्चे को एक महिला को सौंप दिया और उसे घर के भीतर जाने को कहा। अपराधी ने पुलिस दल को चुनौती दी और पुलिस दल को मारने के इरादे से उन पर गोलीबारी की। उप-पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने दल को सावधान किया और उनका हौसला बढ़ाया और अपनी जान की परवाह किए बगैर अपराधी को आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी। अपराधी ने चेतावनी की ओर ध्यान नहीं दिया और पुलिस पर दुबारा गोलीबारी की। उसने घर की छत से एक खाली खेत में छलांग लगा दी, जहां से उसने अपने हथियार को दुबारा भर के पुलिस दल पर पुन: गोलीबारी की। कोई अन्य विकल्प नहीं पाकर पुलिस दल ने भी अपनी जान की परवाह किए बगैर और असाधारण साहस और पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए आत्मरक्षा में गोलीबारी की। पारस्परिक

गोलीबारी में एक अपराधी मारा गया जिसकी नूरूल उर्फ नूर आलम उर्फ छोटे के रूप में पहचान की गई। अपहृत बच्चे मुजम्मिल को सुरक्षित बचा लिया गया। मारे गए अपराधी से एक देशी पिस्तौल और .32 बोर के 03 खाली खोखे बरामद किए गए।

इस मुठभेड़ में श्री राम नयन सिंह, उप पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28.12.2006 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 65-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	सुबेन्धु रॉय, कांस्टेबल	(वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक, मरणोपरांत)
02.	दलजीत सिंह, कांस्टेबल/चालक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
03.	गोधराज मीणा, कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05 अगस्त, 2015 को लगभग 0420 बजे 21 वाहनों (हल्के वाहन-02, मध्यम वाहन-3, भारी वाहन-9 और बसें-07) वाला सीमा सुरक्षा बल का कश्मीर सीमा का काफिला, 522 बीएसएफ कार्मिकों (466 यात्री और 56 गार्ड) को ले जा रहा था, श्री ए.के. शर्मा, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में ट्रांजिट कैंप जम्मू से श्रीनगर के लिए रवाना हुआ।

सड़क पर कई मोड़ और धुमाव हैं, अत: दृश्यता बाधित हो रही थी। लगभग 0730 बजे, जब यह काफिला ऊधमपुर से 17 किमी. की दूरी पर सिमरौली गांव के नजदीक नारसू नाला पर अंधे मोड़ को पार कर रहा था, तो स्वचालित हथियार के साथ एक हथियारबंद आतंकवादी बीएसएफ की बस सं. जेके-01 के-3851 जिसे द्वितीय बटालियन, बीएसएफ के कांस्टेबल (चालक) दलजीत सिंह चला रहे थे, के सामने आ गया। यह बस काफिले में 15वें स्थान पर थी। चौदह वाहन इसके आगे चल रहे थे और छह वाहन 100-500 मीटर की दूरी पर बस के पीछे चल रहे थे जो सामान्य वाहनों की गति और यातायात के हालात पर निर्भर था। उक्त बस में छुट्टी से लौट रहे चौवालीस जवान बैठे हुए थे। 59 बटालियन बीएसएफ के कांस्टेबल रॉकी गार्ड के रूप में बस की सुरक्षा कर रहा था।

उग्रवादी ने शुरू में बस के अगले हिस्से को निशाना बनाया, जिसके परिणामस्वरूप बस का बांया टायरफट गया और कांस्टेबल (चालक) दलजीत सिंह को गोली लगने से गंभीर चोटे आईं। इसके बावजूद, उन्होंने बस पर से अपना नियंत्रण नहीं खोया और पहाड़ी क्षेत्र में टक्कर से बचते हुए इसे सुरक्षित रूप से रोक दिया जिसके द्वारा उन्होंने उत्कृष्ट सूझ-बूझ का प्रदर्शन किया। फिर उग्रवादी ने बस में सवार लोगों पर गोलियों की तेज बौछारें शुरू कर दीं और इस प्रक्रिया में सभी ओर से लगातार गोलीबारी करते हुए खड़ी हुई बस के चारों ओर घूम गया। इसी बीच, अन्य उग्रवादी जिसने भी बांई ओर ऊंचे स्थान पर पोजीशन संभाल रखी थी, ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे बस में सवार लोगों को गंभीर चोटें आईं।

59 बटालियन, बीएसएफ के कांस्टेबल रॉकी को गोली लगने से गंभीर चोट पहुंची और बहुत अधिक मात्रा में खून बहने लगा। तथापि, कांस्टेबल रॉकी ने अपनी चोटों की परवाह किए बिना अपने निजी हथियार से गोलियां चलाकर उग्रवादियों को प्रभावशाली ढंग से उलझा दिया। वे लगातार चिल्ला भी रहे थे और बस में सवार लोगों को नीचे झुकने तथा हताहत होने से बचने के लिए नीचे झुके रहने के लिए कह रहे थे।

दूसरी बटालियन, बीएसएफ के कांस्टेबल सुभेन्दु रॉय, जो एक यात्री के रूप में सफर कर रहे थे, कांस्टेबल रॉकी को उग्रवादी की स्थिति के बारे में सूचित करते रहे। जब उग्रवादी जबरन बस में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था, तब कांस्टेबल सुभेन्दु रॉय तेजी से बस के आगे के दरवाजे की ओर भागे और उग्रवादी के प्रवेश को रोकने के लिए मजबूती से दरवाजे को पकड़ लिया, जिसमें परिणामस्वरूप उग्रवादी ने कांस्टेबल सुभेन्दु रॉय पर गोलीबारीशुरू कर दी और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, कांस्टेबल सुभेन्दु रॉय ने उगव्रादी को बस में प्रवेश नहीं करने दिया। फिर उग्रवादी ने पिछले दरवाजे से बस में प्रवेश करने की कोशिश की। परन्तु कांस्टेबल गोधराज मीणा, 18 बटालियन बीएसएफ, जो बस में पीछे की ओर बैठ हुए थे, गोलियों की तेज बौछारों के बीच तेजी से पीछे के दरवाजे की ओर दौड़े और उग्रवादी के प्रवेश को रोकने के लिए मजबूती से खड़े हो गए। उग्रवादी ने उन पर गोली चलाई, परन्तु गोली की चोटों के बावजूद उन्होंने उग्रवादी को बस में प्रवेश नहीं करने दिया। इसी बीच, कांस्टेबल रॉकी उग्रवादी को लगतार उलझा रहे थे। जब उगव्रादी बस पर ग्रेनेड फेंकने वाला था, तब कांस्टेबल रॉकी दौड़ कर दरवाजे की ओर गए और प्रभावशाली गोलीबारी से उगव्रादी को मार गिराया।

इसी बीच, वह उग्रवादी, जो बांई ओर की पहाड़ी पर ऊंचे स्थान पर मोर्चा संभाले हुए था, घटना स्थल से भाग गया। उसने कुछ आम लोगों को बंदी बना लिया, परन्तु बाद में आम लोगों द्वारा उसे काबू में करके पकड़ लिया गया जो पुलिस हिरासत में है।

कांस्टेबल (चालक) दलजीत सिंह ने सूझबूझ का प्रदर्शन किया और पहाड़ी क्षेत्र में वाहन को टकराने से बचाकर सुरक्षित रूप से रोक दिया जिससे जवानों की कीमती जानें बच गईं। कांस्टेबल गोधराज मीणा ने अत्यधिक साहस का प्रदर्शन किया और उक्त उगव्रादी को पिछले दरवाजे से बस में प्रवेश करने से रोक दिया। कांस्टेबल रॉकी और कांस्टेबल सुभेन्दु राय गोली लगने से गंभीर रूप से घायल होने के बावूद अपनी जगह पर खड़े रहे और अत्यंत विषम परिस्थितियों में उत्कृष्ट वीरता और साहस का प्रदर्शन करते हुए अपनी अंतिम सांस तक लड़ते रहे, और बीएसएफ के 44 निशस्त्र कार्मिकों के बहुमूल्य जीवन की रक्षा की।

बरामदगी:

एक एके 47 राइफल और गोलाबारुद सहित उग्रवादी का शव।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री (स्वर्गीय) सुबेन्धु रॉय, कांस्टेबल, दलजीत सिंह, कांस्टेबल/चालक और गोधराज मीणा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, राष्ट्रपति का पुलिस पदक/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05.08.2015 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 66-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. बलबीर सिंह,
द्वितीय कमान

02. चरण सिंह,
कांस्टेबल

03. अनिल कुमार,
कांस्टेबल

04. लाला ओरान,
कांस्टेबल

05. दुर्जाधन पाल,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बीएसएफ की 41वीं बटालियन जिला-कांकेर (छत्तीसगढ़) के अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात थी।

दिनांक 21 जनवरी, 2014 को लगभग 0800 बजे सशस्त्र माओवादियों की गतिविधि के बारे विशिष्ट सूचना प्राप्त होने पर, 3 अधिकारियों, 3 अधीनस्थ अधिकारियों और 36 अन्य रैंकों (छत्तीसगढ़ पुलिस के एक उप निरीक्षक और एक कांस्टेबल सहित) के साथ श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान के नेतृत्व में एक पार्टी गांव-मिर्ची बेड़ा के आम क्षेत्र में विशेष संयुक्त अभियान के संचालन के लिए रवाना हुई। भौगोलिक दृष्टि से यह क्षेत्र पहाड़ी एवं घने जंगलों से आच्छादित है। इस संपूर्ण क्षेत्र में छोटी पहाड़ियां और घने जंगल फैले हुए हैं और वहां अनेक ऐसी प्रभावशाली विशिष्टताएं मौजूद हैं जो उसे घात लगाने के लिए अनुकूल स्थान बनाती है।

श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान ने खतरे का मूल्यांकन किया और उन्होंने सुरक्षा के सभी एहतियाती उपाय किए। पार्टी को समूहों में बांटा गया। श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान, "हेड हंटर्स टीम" का नेतृत्व कर रहे थे। "हेड हंटर्स टीम" को सहायता प्रदान करने के लिए कांस्टेबल चरण सिंह को कांस्टेबल दुर्जाधन पाल और कांस्टेबल अनिल कुमार को कांस्टेबल लाला ओरान के सहयोगी जोड़े के रूप में कार्य सौंपा गया। लगभग 1030 बजे जब यह पार्टी झरना वाले क्षेत्र से लगभग 300-350 मीटर दूरी तक पहुंची, तभी अचानक पार्टी के आगे चल रही टुकड़ी के ऊपर घनी झाड़ियों की आड़ में ऊंचे स्थानों पर छिपे नक्सलियों के द्वारा छोटे हथियारों से तीव्र एवं अंधाधुंध भारी गोलीबारी की जाने लगी। श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान और उनकी टीम ने तत्काल पेड़ों और बड़े पत्थरों की आड़ में पोजीशन ले ली और नक्सलियों की गोलीबारी का जवाब दिया। श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान ने कांस्टेबल चरण सिंह, कांस्टेबल दुर्जाधन पाल, कांस्टेबल अनिल कुमार और कांस्टेबल लाला ओरान को नक्सलियों को उचित जवाब देने के लिए, जो उस स्थिति में हावी हो रहे थे, अपनी पोजीशन बदलने का निर्देश दिया। वे लगभग 15 मीटर तक रेंगते हुए आगे बढ़े और उन्होंने सुरक्षित पोजीशन लेकर छोटे शस्त्रों से बर्स्ट फायर किया। इसके बाद नक्सलियों ने श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान की दिशा में भारी गोलीबारी शुरू कर दी। इस स्थिति को देखकर श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान ने कांस्टेबल चरण सिंह और और कांस्टेबल दुर्जाधन सिंह पाल के सहयोगी जोड़े को बायीं दिशा से रेंगते हुए ऊपर की ओर बढ़ने और कांस्टेबल अनिल कुमार और कांस्टेबल लाला ओरान के सहयोगी जोड़े को दायीं दिशा से रेंगते हुए ऊपर की ओर बढ़ने और कवर फायर करने का निर्देश दिया। अपनी जान और निजी सुरक्षा की परवाह किए बगैर दोनों सहयोगी जोड़े गोलियों की बौछार के सामने निर्धारित पोजीशन लेने के लिए आगे बढ़ गए। इसके साथ ही साथ श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान ने आगे बढ़ना शुरू किया। सभी टुकड़ियों ने नक्सलियों का मनोबल तोड़ने और उन्हें अपनी पोजीशनों से हटाने के लिए हमलावर संघटन के रूप में उनके ऊपर भारी गोलीबारी करते हुए धावा बोल दिया। जैसे ही एक नक्सली ने एक लकड़ी के लट्ठे के पीछे पोजीशन संभाली, उसे गोली लग गई। इससे सुरक्षित ठिकानों में छिपे नक्सलियों के बीच खलबली मच गई और वे जान बचाकर भागने लगे। श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान ने श्री अरूण कुमार, डीसी और श्री एन.सी. परगाइन, डीसी के नेतृत्व वाली किनारे से बढ़ रही टुकड़ियों को दोनों किनारे से कवर करने के लिए पहाड़ी के दोनों तरफ से ऊपर की ओर बढ़ने का आदेश दिया। नक्सलियों ने गोलीबारी बंद कर दी और 15-20 मिनट तक नक्सलियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उस स्थल की पूरी तलाशी ली गई और यह देखा गया कि नक्सली वहां से निकलकर घने जंगलों की ओर भागने में सफल हो गए थे।

तलाशी के दौरान उस स्थान से शिनाख्त न किए गए नक्सलियों के दो शव, 3 मजल भरी हुई एसबीएमएल बंदूकें, 3 कुल्हाड़ी, 4 छुरे, एके 47 सीरीज के 10 फायर किए गए खाली खोखे, 2 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 5.56 एमएम इन्सास के 21 फायर

किए गए खाली खोखे, 3 विस्फोटक बॉक्स और अन्य विविध सामग्रियां बरामद की गईं। बाद में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा मृतकों की पहचान सोमा राम कोमारा (25 वर्ष) और तुल सिंह (40 वर्ष) नामक दुर्दांत नक्सलियों के रूप में की गई, जो विगत 7/8 वर्षों से कोयलीबेड़ा क्षेत्र में सक्रिय थे और विभिन्न जघन्य अपराधों में शामिल थे। यह भी पता चला कि उक्त अभियान में 4 नक्सली गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान, कांस्टेबल चरण सिंह, कांस्टेबल दुर्जाधन पाल, कांस्टेबल अनिल कुमार और कांस्टेबल लाल ओरान द्वारा प्रदर्शित बहादुरीपूर्ण कृत्य और अदम्य साहस ने नक्सलियों को उनकी पोजीशन से खदेड़ने में अहमद भूमिका निभाई और दो दुर्दांत नक्सलियों को मार गिराया।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री बलबीर सिंह, द्वितीय कमान, चरण सिंह, कांस्टेबल, अनिल कुमार, कांस्टेबल, लाला ओरान, कांस्टेबल और दुर्जाधन पाल, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21.01.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 67-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अरविंद कुमार चौधरी,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस थाना इमामगंज, बांके बाजार, जिला:- गया और पुलिस थाना मदनपुर, जिला:- औरंगाबाद, बिहार के डुमरी नाला और पचरूखिया वन क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त सूचना के आधार पर, सीआरपीएफ और राज्य पुलिस के संयुक्त सैन्य दल द्वारा दिनांक 23.01.2014 को योजना बनाकर एक अभियान शुरू किया गया। सीआरपीएफ के सैन्य दल में श्री अभिजीत नाथ, सहायक कमांडेंट की कमान के अधीन एक टीम अर्थात डी/153, 205 कोबरा की 04 टीमें और 159 बटालियन की दो कंपनियां शामिल थीं, जबकि राज्य पुलिस के घटक में एसटीएफ और राज्य पुलिस की दो टीमें शामिल थीं। सैन्य दल को पृथक पार्टियों में विभाजित किया गया और प्रत्येक पार्टी को छानबीन के लिए विशिष्ट क्षेत्र दिए गए।

तदनुसार, श्री अभिजीत नाथ, सहायक कमांडेंट की कमान में एक पार्टी अर्थात डी/153 चक्रबांधा के वन क्षेत्र में चिलमीटोला से लंगोराही गांव तक के क्षेत्र की छानबीन कर रही थी। जब सैन्य दल गांव लंगोराही के निकट एक पहाड़ी के निकट पहुंच रहा था, तभी पहाड़ी की चोटी पर और चट्टानों के पीछे छिपे हुए माओवादियों ने उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। कांस्टेबल/जीडी अरविंद कुमार चौधरी उस दल के स्काउट थे और उनके आगे चल रहे टीम के सदस्यों ने गोलियों की बौछार की परवाह किए बगैर तत्काल जवाबी गोलीबारी की और वे माओवादियों की ओर निडर एवं साहसी तरीके से आगे बढ़े। माओवादियों ने रणनीति बनाकर घात लगा रखी थी और उन्होंने सुरिक्षत आड़ के पीछे आधिपत्य वाली पोजीशन हासिल कर रखी थी। कांस्टेबल/जीडी अरविंद कुमार चौधरी ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर ऊपर की ओर चढ़ाई करते हुए आगे बढ़ना शुरू किया ताकि वे माओवादियों के निकट पहुंच कर उनके ऊपर जवाबी हमला कर सकें। तीव्र गोलीबारी के बीच माओवादियों के अधिक निकट पहुंचने की लगन में कांस्टेबल/जीडी अरविंद कुमार चौधरी को एक गोली लग गई। गोली के घाव से काफी खून बहना शुरू हो गया और कांस्टेबल पीड़ा से बेचैन होकर शिथिल हो गए। इस दुस्साहसी बहादुरी को देखकर दल के अन्य सदस्यों ने उनका अनुसरण किया और माओवादियों पर हमला कर दिया। ऐसा प्रतीत हुआ कि माओवादी उस क्षण की प्रतीक्षा में थे, क्योंकि पास की पहाड़ी में छिपे माओवादियों के एक दूसरे समूह ने भी सैन्य दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। कांस्टेबल/जीडी अरविंद कुमार चौधरी दो दिशाओं से हो रही गोलीबारी के बीच फंस गए थे और उनकी जान पर आसन्न खतरा मंडरा रहा था। कमांडर ने फौरन अपने

सैन्य दल को विभाजित किया और माओवादियों के दूसरे समूह पर धावा बोल दिया। इस क्षण में कांस्टेबल/जीडी अरविंद कुमार चौधरी को या तो जीत हासिल करने के लिए लड़ने अथवा अपनी जान बचाने के लिए पीछे हटने की आवश्यकता थी। उद्देश्य को पूरा करने के लिए अपनी जान को खतरे में डालते हुए कांस्टेबल/जीडी अरविंद कुमार चौधरी ने लड़ाई के मैदान से स्वयं को बाहर निकालने के लिए मना कर दिया और उसकी बजाय उन्होंने माओवादियों की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। उनके आगे बढ़ने से संपूर्ण सैन्य दल में ताजा हौसले का संचार हुआ और अपने घायल सहयोगी की बहादुरी से कदम मिलाते हुए दल के सदस्यों ने गोली चलाते हुए आगे बढ़ने की युक्ति का प्रयोग करते हुए समन्वित प्रयास के साथ आगे बढ़ना शुरू किया। समन्वित प्रयास और जमीन के युक्तिसंगत उपयोग के परिणामस्वरूप कुछ माओवादी घायल हो गए और उनके हौसले पस्त होने लगे। यह देखकर कि घायल होने के बावजूद सैन्य दल के सदस्य आगे बढ़ रहे है और उनके बीच का अंतर कम होता जा रहा है, माओवादियों ने वहां से भागकर अपनी जान बचाना ही सुरक्षित समझा। सैन्य दल ने वहां से भाग रहे माओवादियों का पीछा किया लेकिन माओवादी वहां की भौगोलिक स्थलाकृति और बचकर भागने के पूर्व निर्धारित मार्गों का लाभ उठाते हुए वहां से निकल कर भागने में सफल हो गए।

अभियान और घात-रोधी कवायद के दौरान, गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद अपनी असहनीय पीड़ा पर काबू पाते हुए कांस्टेबल/जीडी अरविंद कुमार चौधरी ने अतिसुरक्षित ठिकाने में डटे हुए माओवादियों पर कहर बरपा दिया। उनके दुस्साहसी रवैये ने न सिर्फ घात का शिकार होने से संपूर्ण समूह के सदस्यों के प्राणों की रक्षा की, बल्कि, माओवादियों को हार के साथ पीछे हटने पर भी मजबूर किया।

इस मुठभेड़ में कांस्टेबल/जीडी अरविंद कुमार चौधरी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.01.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 68-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. अजय पाल,
सहायक कमांडेंट

02. विकाश प्रधान,
कांस्टेबल

03 पूरण कुमार,
कांस्टेबल

04. प्रमोद कुमार सरोज,
कांस्टेबल

05. दलबीर सिंह,
कांस्टेबल

06. अशवनी कुमार,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.01.2015 को पुलिस थाना-चौपारन, जिला-हजारीबाग के अधीन चिडैयाटांड जंगल में बड़ी संख्या में माओवादियों की मौजूदगी के विषय में आसूचना संबंधी एक सूचना प्राप्त होने पर सीआरपीएफ और राज्य पुलिस के संयुक्त सैन्य दल द्वारा 0300 बजे दो दिन और एक रात का "विजय" कोड के नाम से एक विशेष अभियान शुरू किया गया। उन्हें तीन दलों में संगठित किया गया। उन दलों को तलाशी के लिए तीन विशिष्ट क्षेत्र दिए गए थे। उस क्षेत्र में अंधेरे में गुप्त रूप से प्रवेश करने के बाद दलों ने भोर होने पर वहां तलाशी का कार्य शुरू किया। तदनुसार श्री अजय पाल, सहायक कमांडेंट की कमान में दल सं. 3 गांव बूकर के निकट जंगल के हिस्से में छानबीन कर रहा था। लगभग 1010 बजे, एक पहाड़ी के निकट पहुंचते समय उस दल के पहाड़ी के ऊपर अड्डा बनाए हुए माओवादियों ने तीव्र गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दल के ऊपर निशाना बनाकर की गई अचानक अंधाधुंध और भारी गोलीबारी ने सैन्यदल को आड़ की तलाश करने के लिए मजबूर कर दिया। यह विशेषकर कांस्टेबल/जीडी दलबीर सिंह, कांस्टेबल/जीडी अशवनी कुमार नामक स्काउटों और श्री अजय पाल सिंह, सहायक कमांडेंट तथा अन्य सदस्यों की जान बचने की आश्चर्यजनक घटना थी। गोलियों की बौछार में इनमें से कोई घायल नहीं हुआ। दुश्मनों को वहां से देखना संभव नहीं हो रहा था क्योंकि वहां घनी झाड़ियां थीं और वे पहाड़ी की चोटी पर लाभप्रद स्थिति में थे लेकिन गोलीबारी की मात्रा से यह पता लग रहा था कि वे काफी संख्या में थे। श्री अजय पाल, सहायक कमांडेंट ने अपनी टीम को गैर लाभप्रद स्थिति में देखकर और उनकी जान पर मंडराते गंभीर खतरे को देखकर, उन्हें उसी दिशा में गोलीबारी करने का आदेश दिया जिस दिशा से उनके ऊपर गोलीबारी की जा रही थी। इसके बाद उन्होंने अपनी टीम को दो हिस्सों में विभाजित किया और दूसरी छोटी टीम को पश्चिमी किनारे से माओवादियों के ऊपर धावा बोलने का आदेश दिया। स्काउट के रूप में कांस्टेबल/जीडी विकाश प्रधान, कांस्टेबल/जीडी पूरण कुमार और कांस्टेबल/जीडी प्रमोद कुमार सरोज वाली दूसरी टीम अपने ऊपर आ रही गोलीबारी के बावजूद सुरक्षित पोजीशन से बाहर निकली और उन्होंने पश्चिमी किनारे से आगे बढ़ते हुए माओवादियों को अपने साथ लड़ाई में उलझा दिया। जैसे ही माओवादी दूसरी टीम के साथ लड़ाई में उलझे तभी श्री अजय पाल सिंह, सहायक कमांडेंट, कांस्टेबल/जीडी दलबीर सिंह और कांस्टेबल/जीडी अशवनी कुमार के साथ आगे बढ़े और माओवादियों के ठिकाने के नजदीक पहुंच गए। जैसे ही वे नजदीक पहुंचे उन्होंने देखा कि कुछ माओवादी उस क्षेत्र से भाग रहे थे, जबकि कुछ अन्य माओवादी पेड़ों तथा अन्य सुरक्षित कवरों की आड़ लेकर लगातार सैन्य दल के ऊपर गोलीबारी कर रहे थे। ये तीनों बहादुर अपनी जान की परवाह किए बगैर आड़ से बाहर आ गए और उन्होंने भाग रहे माओवादियों के ऊपर भारी गोलीबारी की। इस गोलीबारी के कारण एक माओवादी को जमीन पर गिरते हुए देखा गया। यह देखते हुए कि सैन्य दल के तीनों सदस्य नजदीक पहुंच चुके हैं और उनके अन्य साथी भी जल्द ही वहां पहुंच सकते हैं, माओवादियों ने हथगोले फेंकने के साथ-साथ उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ये तीन बहादुर अपनी ओर आ रही गोलीबारी की बौछार और हथगोलों को देखते हुए तत्काल हरकत में आए और वे गोलीबारी का जवाब देते हुए आड़ के पीछे चले गए। जैसे ही माओवादियों ने फिर से मुख्य टीम की ओर अपनी गोलीबारी शुरू की, तभी दूसरी छोटी टीम के सदस्य, मुख्य रूप से कांस्टेबल/जीडी विकाश प्रधान, कांस्टेबल/जीडी पूरण कुमार और कांस्टेबल/जीडी प्रमोद कुमार सरोज फिर से आगे बढ़े और उन्होंने आड़ के पीछे छिपे माओवादी के ऊपर गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों टीमों की इस समन्वित गोलीबारी के परिणामस्वरूप पेड़ की आड़ से स्वचालित हथियार से गोलीबारी कर रहा एक माओवादी मारा गया। दो दिशाओं से सटीक गोलीबारी और बहादुरीपूर्ण कृत्य ने माओवादियों का हौसला पस्त कर दिया और वे सैन्य दल के ऊपर गोलीबारी करते हुए वहां से एक-एक कर भागने लगे। वहां से भाग रहे माओवादियों को देखकर सामने से उनसे मुकाबला कर रहे सभी छः बहादुर सुरक्षा कार्मिक अपने ऊपर निशाना बनाकर की जा रही गोलीबारी की परवाह किए बगैर अपनी आड़ से निकल कर बाहर आए और उन्होंने माओवादियों के ऊपर धावा बोल दिया। उनके बहादुरीपूर्ण प्रयास का पुनः परिणाम हासिल हुआ जिसमें एक और माओवादी मारा गया। इस नजदीकी गोलीबारी में कुछ माओवादी घायल हो गए लेकिन वे घनी झाड़ियों एवं वहां की स्थलाकृति का लाभ उठाकर वहां से भागने में सफल हो गए।

गोलीबारी थमने के पश्चात घटना स्थल की तलाशी ली गई और वहां से भारी मात्रा में हथियारों एवं गोलाबारूद तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्रियों की बरामदगी के साथ-साथ अर्जुन यादव ऊर्फ पियाजू, पुत्र स्व. भोला यादव उम्र-44 वर्ष (लगभग), गांव बाटसपुरी, पुलिस स्टेशन-अत्ती, जिला-गया (बिहार) सुरेश यादव ऊर्फ चंदन, उम्र-44 वर्ष (लगभग), पुत्र स्व. रामरतन यादव, गांव-मीरगंज, पुलिस स्टेशन-पराया, जिला-गया (बिहार) और मनोरंजन प्रजापति, उम्र-30 वर्ष (लगभग), पुत्र स्व. केशर प्रजापति, गांव-सिमवा, पुलिस स्टेशन-रफीगंज, जिला-औरंगाबाद (बिहार) नामक तीन माओवादियों के शव बरामद किए गए। वहां से बरामद की गई मुख्य सामग्रियां निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	सामग्री	मात्रा
1.	7.62 एसएलआर	01
2.	5.56 इनसास राइफल	01
3.	303 बोल्ट एक्शन राइफल	01
4.	विविध गोलाबारूद	218
5.	केन बम	01 (5कि.ग्रा.)
6.	डेटोनेटर	01 तार के साथ
7.	मैगजीन	06
8.	कैमरा फ्लैश लाइट	01
9.	इलेक्ट्रानिक मल्टीमीटर	01
10.	भारतीय मुद्रा	6.39,500/- रु.
11.	कम्पास	01

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री अजय पाल, सहायक कमांडेंट, विकाश प्रधान, कांस्टेबल, पूरण कुमार, कांस्टेबल, प्रमोद कुमार सरोज, कांस्टेबल, दलबीर सिंह, कांस्टेबल और अशवनी कुमार कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.01.2015 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 69-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री राजेश कुमार विश्वकर्मा,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

टुस्सू मेले में 3-4 नक्सलियों के शामिल होने की संभावना की सूचना प्राप्त होने पर गांव-बिक्रमपुर, पुलिस स्टेशन-मूसाबनी, पूर्वी सिंहभूम में झारखंड पुलिस के साथ 193वीं बटालियन की त्वरित कार्रवाई दल यूनिट द्वारा दिनांक 18.01.2015 को एक छोटे दल के साथ अभियान संचालित किया गया। उत्कृष्ट एवं सूझ-बूझ पूर्ण निष्पादन के साथ-साथ प्रत्येक छोटे ब्यौरों पर नजर रखते हुए तैयार की गई सतर्क अभियान योजना के आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए क्योंकि सुरक्षा बलों ने उस क्षेत्र में लगभग चार वर्ष के अंतराल के बाद एक सक्रिय नक्सली को ढ़ेर कर दिया था।

लगभग 1700 बजे सुरक्षा बलों का दल सिविल वाहन में सवार होकर लक्षित क्षेत्र की ओर रवाना हुआ और उन्होंने उस स्थान से 500 मीटर पूर्व ही उस वाहन को छोड़ दिया और वहां से अपनी पहचान तथा हथियारों को छिपाते हुए युक्तिपूर्वक मेले की दिशा में आगे बढ़े। राज्य पुलिस के दो मुखबिरों ने 4/5 नक्सलियों के दो समूहों की ओर इशारा किया। वहां नक्सलियों की

संख्या प्राप्त सूचना से लगभग दुगनी थी। नक्सलियों की अधिक संख्या में मौजूदगी के बावजूद कांस्टेबल/जीडी राजेश कुमार विश्वकर्मा और हेड कांस्टेबल/जीडी फयाज हुसैन उनके ऊपर कूद गए और उन दोनों ने एक-एक नक्सली को पकड़ लिया। तत्काल नक्सलियों ने लगातार गोलीबारी शुरू कर दी और उसके परिणामस्वरूप झारखंड पुलिस के कांस्टेबल दखीजा मुर्मू को एक गोली लग गई। कांस्टेबल/जीडी राजेश कुमार विश्वकर्मा ने एक नक्सली को गोली चलाते हुए वहां से भागते हुए देखा। मेले में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौजूदगी को देखते हुए, उन्होंने गोली चलाने की बजाय भाग रहे नक्सली का पीछा करने का विकल्प चुना और अकेले होने के बावजूद कांस्टेबल/जीडी राजेश कुमार विश्वकर्मा ने अपनी जान की परवाह किए बगैर भाग रहे नक्सली का पीछा किया। जब वे उस नक्सली के निकट पहुंच गए, तब उस नक्सली ने उनके ऊपर गोली चला दी। कांस्टेबल/जीडी राजेश कुमार विश्वकर्मा ने उसे छकाते हुए गोलीबारी का जवाब गोलीबारी से दिया और उसका हथियार छीनने तथा उसे अपने वश में करने के लिए उन्होंने उस नक्सली के ऊपर छलांग लगा दी। तभी उन्होंने वहीं नजदीक में ही एक अन्य नक्सली को गोलीबारी करते देखा। कांस्टेबल/जीडी राजेश कुमार विश्वकर्मा ने मेले में लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए तत्काल पोजीशन ली और उक्त नक्सली की ओर बढ़ते हुए गोलीबारी का जवाब दिया, लेकिन वह नक्सली भारी भीड़ और अंधेरे का लाभ उठाकर वहां से भागने में सफल हो गया। कांस्टेबल/जीडी राजेश कुमार विश्वकर्मा रेंगते हुए उस स्थान पर पहुंचे जहां उन्होंने एक नक्सली को गोली मारी थी और उन्होंने उस नक्सली के शरीर से काफी मात्रा में खून बहते देखा। बाद में तलाशी के दौरान उस स्थान से एक देशी पिस्तौल और .315 राउंड के 05 कारतूस भी बरामद किए गए। घायल नक्सली को तत्काल मूसाबनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में मृतक नक्सली की पहचान कुवंर मुर्मू उर्फ झोरू, निवासी गांव-दलमाकोचा, पुलिस स्टेशन-मूसाबनी, पूर्वी सिंहभूम के रूप में की गई। वह गुरबांदा दस्ता का सक्रिय सदस्य था और पुलिस को आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 302, 304, 323, 333 और 353, आयुध अधिनियम की धारा 25/।-ख, क 26 और 27 तथा सीएलए अधिनियम की धारा 17 (1) (11) के अंतर्गत मूसाबनी पुलिस स्टेशन में दिनांक 18.10.2014 को दर्ज मामला सं. 51/14 और 18.01.2015 को दर्ज मामला सं. 4/15 में उसकी तलाश थी।

कांस्टेबल/जीडी राजेश कुमार विश्वकर्मा ने अदम्य साहस, नि:स्वार्थता तथा नागरिकों के जीवन के प्रति सर्वोच्च आदर का प्रदर्शन किया और उन्होंने अकेले एक नक्सली का मार गिराया जिससे उस क्षेत्र में नक्सली दस्ते के मनोबल को भारी नुकसान पहुंचा है।

इस मुठभेड़ में श्री राजेश कुमार विश्वकर्मा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.01.2015 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 70-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री देवराज गुर्जर,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

झारखंड के पलामू जिले में माओवाद का गढ़ कहे जाने वाले क्षेत्रों में दिनांक 05.12.2012 से 05.01.2013 तक सामना-।, ।। और ।।। नामक श्रृंखलाबद्ध विशेष अभियान का संचालन किया गया।

सामना-।,।। और ।।। के परिणामस्वरूप माओवादी काडर अपने शीर्ष नेताओं के साथ वहां से स्थान बदलकर लातेहर में माओवाद के गढ़ कहे जाने वाले क्षेत्र में चले गए। अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ देव कुमार सिंह उर्फ अरविंद उर्फ निशांत (सीसी

और सीएमसी के सदस्य) की अगुवाई में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना प्राप्त होने पर दिनांक 07.01.2013 को सामना-IV नामक अभियान की योजना बनाई गई। तदनुसार सीआरपीएफ की 112वीं बटालियन की दो कंपनियों, 134वीं बटालियन सीआरपीएफ की एक कंपनी और झारखंड जगुआर के एक हमला दल को शामिल करके स्ट्राइक-।। तैयार किया गया। स्ट्राइक-।। को जिला लातेहर के पुलिस थाना बरवाडीह के अधीन गांव कटिया के उत्तर में स्थित गांव जोब-अमवाटीकर के घने जंगल क्षेत्र में घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान चलाने का कार्य सौंपा गया।

ब्रीफिंग के पश्चात, संयुक्त सैन्य दल को हेहेगारा रेलवे स्टेशन के निकट पिलर सं. 239 के निकट पुन: एकत्र होना था। सीआरपीएफ की 112वीं बटालियन का सैन्य दल पिलर सं. 239 के निकट सुबह जल्दी पहुंच गया और उन्हें वहां सीआरपीएफ की 134 वीं बटालियन और झारखंड जगुआर के सदस्यों का इंतजार करना पड़ा क्योंकि वे डाल्टनगंज से ट्रेन द्वारा आने वाले थे और वह ट्रेन विलंब से चल रही थी। तथापि, सीआरपीएफ की 134वीं बटालियन और झारखंड जगुआर का सैन्य दल पिलर सं. 239 के निकट पहुंचा और श्री राम पलट, द्वितीय कमान, 112 बटालियन, सीआरपीएफ की समग्र कमान में मिश्रित सैन्य दल को हेहेगारा में पुन: संगठित किया गया और वह रणनीति के अनुसार वहां से लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ गया।

श्री रामपलट, द्वितीय कमान, 112 बटालियन की कमान के अधीन संयुक्त सैन्य दल अभियान क्षेत्र की दिशा में कच्चे रास्ते से आगे बढ़ा। जब यह हमला दल गांव अमवाटीकर की ओर बढ़ रहा था तभी घात लगाकर बैठे सीपीआई (माओवादी) के एक समूह के उस दल के ऊपर हमला कर दिया। यह घातक घात सुनियोजित थी, जिसमें बड़ी संख्या में माओवादियों ने चारों ओर स्थित पहाड़ी की चोटियों और पेड़ों के ऊपर पोजीशन ले रखी थी। माओवादियों ने अचानक अनेक दिशाओं से स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी शुरू कर दी, हथगोले फेंके और आईईडी से विस्फोट किए। 112वीं बटालियन का सैन्य दल जो आगे चल रहा था, भारी गोलीबारी की चपेट में आ गया और धमाकेदार गोलीबारी में कुछ कार्मिक गोली लगने से घायल हो गए। सैन्य दल ने तत्काल पोजीशन ली और गोलीबारी का जवाब दिया। दोनों ओर से भीषण गोलीबारी जारी रही। श्री पवन कुमार बडगुजर सहायक कमांडेंट की कमान के अधीन ए/134 के सैन्य दल ने, जिसने पीछे पोजीशन ले रखी थी, स्थिति के मूल्यांकन के पश्चात माओवादियों की घेराबंदी और पश्चिमी किनारे से अग्रणी पार्टी को सहायता प्रदान करने का कार्य शुरू किया। लेकिन ऊंचाई और आधिपत्य वाली अपनी स्थिति का लाभ उठाते हुए माओवादियों ने पश्चिमी किनारे से आगे बढ़ रहे सैन्य दल को अपना निशाना बनाया। वहां तीन घंटे से अधिक समय तक भीषण मुठभेड़ जारी रही। सुरक्षा बलों की पार्टी ने सीजीआरएल, 51 एम एम मोर्टार, जी एफ और यूबीजीएल जैसे उस क्षेत्र के अनुकूल हथियारों का प्रयोग किया। 134वीं बटालियन के कांस्टेबल/जीडी देव राज गुर्जर सीजीआरएल लेकर चल रहे थे और उन्हें कंपनी कमांडर ने घात को तोड़ने के लिए सीजीआरएल से एच.ई. बमों को दागने का आदेश दिया। नक्सलियों की ओर से भारी गोलीबारी के बीच वे अपनी जान की परवाह किए बगैर रेंगते हुए रणनीतिक स्थान तक पहुंचे और वहां से उन्होंने सटीक रूप से दो एच.ई. बम दागे। इस गोलीबारी ने माओवादियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। वे सिर्फ यहीं नहीं रूके बल्कि उन्होंने घायल और शहीद हुए बल के कार्मिकों के शस्त्रों का भी प्रयोग किया। उनके अविश्वसनीय बहादुरीपूर्ण कृत्य ने न सिर्फ घायल कार्मिकों की जान बचाई बल्कि माओवादियों को घायल एवं शहीद कार्मिकों के हथियारों को छीनने एवं लूटने से भी रोका। वे मोबाइल फोन के द्वारा बेस कैंप कमांडर को जमीनी स्थिति बताने में भी कामयाब रहे। सैन्य दल की सशक्त जवाबी कार्रवाई को देखते हुए माओवादी आगे अपनी पोजीशन पर टिके नहीं रह सके और उन्होंने घने जंगल और ऊबड़ खाबड़ स्थलाकृति का लाभ उठाते हुए वहां से भागना शुरू कर दिया। इस घातक मुठभेड़ में सैन्य दल ने युक्तिपूर्ण सूझ-बूझ के साथ वीरता एवं बहादुरी से लड़ाई लड़ी और माओवादियों को वहां से भागने पर मजबूर कर दिया। दुर्दांत माओवादियों के साथ गोलीबारी की इस लड़ाई के दौरान सीआरपीएफ के 10 बहादुर जवानों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इसके अलावा, इस गोलीबारी के दौरान 12 जवान भी गोली/छर्रे लगने से गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना स्थल पर 11वीं बटालियन और 203 कोबरा से अतिरिक्त बल पहुंच गया। घटना स्थल से घायल कार्मिकों को और शहीदों के शवों को निकालकर ट्रेन से डाल्टनगंज भेजा गया और इलाज हेतु वहां से हेलिकॉप्टर द्वारा अपोलो अस्पताल, रांची भेजा गया।

इसमें 134वीं बटालियन के कांस्टेबल/जीडी देवराज गुर्जर ने अनुकरणीय साहस, असाधारण धैर्य एवं दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया। अपने जीवन पर स्पष्ट खतरे के बावजूद उन्होंने वीरतापूर्ण लड़ाई की और सभी शहीद एवं घायल कार्मिकों के हथियारों को छीने जाने से बचाया।

इस मुठभेड़ में श्री देवराज गुर्जर, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07.01.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 71-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. बादल राय, (मरणोपरांत)
कांस्टेबल

02. सुशील कुमार,
उप निरीक्षक

03. अजय मनोहर देवड़ेकर,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.01.2014 को सीआरपीएफ की 22वीं बटालियन को पीरटांड़ प्रखंड, जिला-गिरीडीह के 04 पंचायत रोजगार सेवकों का अपहरण किए जाने की एक सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना में आगे यह पता चला कि इस अपहरण को एक दुर्दात माओवादी कमांडर और झारखंड माओवादी क्षेत्रीय समिति के सदस्य अजय महतो द्वारा अंजाम दिया गया था। अपहृत व्यक्तियों को मुक्त करवाने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता थी क्योंकि उनका जीवन अत्यधिक संकट में था। माओवादियों की उनके संभावित गुप्त ठिकाने वाले क्षेत्र, पारसनाथ की पहाड़ियों में तलाश करने के लिए, जहां घने जंगल की आड़ और उबड़-खाबड़ स्थलाकृति थी, डीआईजी (ऑपरेशन्स), हजारीबाग, कमांडेंट-7वीं बटालियन, सीआरपीएफ, कमांडेंट-154वीं बटालियन, सीआरपीएफ और एसपी, गिरीडीह द्वारा संयुक्त रूप से "तलाश-I" के कोड नाम से एक अभियान चलाने की योजना बनाई गई। तलाशी क्षेत्र के काफी बड़ा होने के कारण चार दलों का गठन किया गया और प्रत्येक दल को माओवादियों के संदिग्ध ठिकाने वाले दो-दो लक्ष्यों पर धावा बोलने का निर्देश दिया गया। कोई अतिरिक्त समय गंवाए बगैर दलों को 26.01.2014 की रात में ही रवाना कर दिया गया। हमला दल सं. 3 का नेतृत्व श्री के.एस.वी. बालाकृष्णन, सहायक कमांडेंट द्वारा किया जा रहा था और एसआई/जीडी सुशील कुमर, कांस्टेबल/जीडी अजय मनोहर देवड़ेकर और कांस्टेबल/जीडी बादल राय स्काउट के रूप में दल के आगे चल रहे थे। घने जंगल और उबड़-खाबड़ भू-भाग में पूरी रात चलने के बाद वह हमला दल पौ फटने से पहले अपने पहले लक्ष्य के निकट पहुंचा। जैसे ही वहां दृश्यता बेहतर हुई, उस दल ने वहां तलाशी का कार्य शुरू कर दिया लेकिन माओवादियों से संपर्क स्थापित नहीं हो पाया। तत्पश्चात, वह दल दूसरे गुप्त ठिकाने पर हमला करने के लिए आगे बढ़ गया। माओवादियों का दूसरा संदिग्ध गुप्त ठिकाना घनी झाड़ियों से घिरा हुआ पहाड़ी की एक चोटी के ऊपर स्थित था। वह दल उस पहाड़ी के नीचे लगभग 1345 बजे पहुंच गया और वहां से सतर्कतापूर्वक ऊपर की ओर चढ़ाई शुरू कर दी। उस दल के सदस्य बमुश्किल कुछ ही कदम आगे बढ़ पाए थे कि तभी पहाड़ी की चोटी पर बैठे माओवादियों ने उनके ऊपर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा दल ने गोलीबारी का जवाब दिया और सबने अपनी-अपनी पोजीशन ले ली। कमांडर ने गोली चलाते हुए आगे बढ़ने की युक्ति अपनाते हुए अपने दल के सदस्यों को आगे बढ़ने का आदेश दिया। जब एसआई/जीडी सुशील कुमार, कांस्टेबल/जीडी अजय मनोहर देवड़ेकर और कांस्टेबल/जीडी बादल राय नामक स्काउट रेंगते हुए आगे बढ़े, तो उन्होंने देखा कि आगे के क्षेत्र में आईईडी के साथ श्रृंखलाबद्ध बारूदी सुरंगें बिछाई गई थी।

भारी गोलीबारी के बीच आगे बढने और माओवादियों पर धावा बोलने के लिए वहां बिछाई गई आईईडी की श्रृंखलाबद्ध बारूदी सुरंगों के बीच से रास्ता बनाना आवश्यक था। एसआई/जीडी सुशील कुमार की कमान के अधीन स्काउटों ने अपने ऊपर

जिम्मेवारी ली और उन्होंने अपनी जान पर जोखिम लेते हुए आईईडी से संबद्ध संपर्क को विच्छेदित कर दिया। जैसे ही सुरक्षा दल अपने द्वारा तैयार किए गए रास्ते से आगे बढ़ा, माओवादियों को अपनी सुरक्षा को भेदे जाने का अहसास हो गया और उन्होंने वहां लगी आईईडी में विस्फोट करने की कवायद की। जिन आईईडी तक चार्ज पहुंचा, उनमें विस्फोट हो गया, लेकिन वह सैन्य दल को कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा सका। उनकी सुरक्षा को भेदने की सफलता से उत्साहित होकर और उन्हें भागने से रोकने के लिए सभी स्काउटों ने दिलेरीपूर्वक आगे बढ़ते हुए माओवादियों पर धावा बोल दिया। स्काउटों के इस साहसी और निर्भीक हमले में कुछ माओवादी घायल हो गए। इस उत्तेजक माहौल में जैसे ही सभी स्काउट और आगे बढ़े, उस स्थान पर श्रृंखलाबद्ध धमाके हुए जिससे वह संपूर्ण क्षेत्र थर्रा गया और चारों और धूल एवं धुंए का गुबार छा गया। माओवादियों ने अपने गुप्त ठिकाने से आगे कई परतों में आईईडी लगा रखे थे ताकि यदि एक परत को भेदा भी जाए तो, दूसरे परत में विस्फोट किया जा सके। इन धमाकों से भारी क्षति हुई क्योंकि इससे सभी स्काउट गंभीर रूप से जख्मी हो गए जबकि अन्य 11 सुरक्षाकर्मी छर्रे लगने से घायल हो गए। लेकिन सभी स्काउटों का दिल इस्पात की तरह मजबूत था और वे अपने दृढ़ निश्चय पर जख्मों को हावी होने देने वाले नहीं थे। हालांकि, इन धमाकों ने एसआई/जीडी सुशील कुमार और कांस्टेबल/जीडी अजय मनोहर देवड़ेकर का एक-एक पैर उड़ा दिया था और कांस्टेबल/जीडी बादल राय की पीठ को बुरी तरह से जख्मी कर दिया था, फिर भी उन तीनों ने अपना हथियार थामे रखा और घोर पीड़ा के बावजूद वे माओवादियों पर गोलीबारी करते रहे। माओवादियों ने यह देखते हुए क अधिकांश सुरक्षाकर्मी घायल हो चुके थे, उनकी हत्या करने और हथियार छीनने के लिए आगे बढ़े। माओवादियों को आगे बढ़ते देखकर कांस्टेबल/जीडी बादल राय ने रेंगते हुए एक नजदीकी गढ़डे में पोजीशन संभाल ली, जबकि एसआई/जीडी सुशील कुमार और कांस्टेबल/जीडी अजय मनोहर देवड़ेकर ने रेंगते हुए चट्टानों की आड़ में पहुंचकर पोजीशन ले ली। इसके बाद उन तीनों ने आगे बढ़ रहे माओवादियों पर गोलियों की बौछार कर दी जिससे माओवादी रूकने पर मजबूर हो गए। इस दुस्साहसी सोच और जवाबी कार्रवाई ने तब तक माओवादियों को दूर रहने पर मजबूर किया, जब तक कि पीछे चल रहे अन्य सैन्य कर्मी था इस सदमे से उबर नहीं गए और माओवादियों के इरादे को भांप नहीं लिया। पीछे चल रहे सैन्य कर्मियों ने आगे फंसे हुए बहादुर स्काउटों को फौरन सहायता प्रदान की जिससे माओवादी अपनी योजना बदलने पर मजबूर हो गए और उन्होंने पीछे हटने का विकल्प चुना। सैन्य दल आगे बढ़ते हुए माओवादियों के गुप्त ठिकाने पर पहुंच गया और वहां उन्होंने चारों अपहृत व्यक्तियों को बंधा हुआ पाया। हालांकि, माओवादी वहां से भागने में सफल हो गए लेकिन इसमें वे घायल भी हुए और घायल सैन्य कर्मियों के धैर्य, बहादुरी एवं दृढ़ निश्चय के आगे हार गए। सभी घायल सैन्य कर्मियों को लड़ाई के मैदान से बाहर निकाला गया लेकिन वहां से निकाले जाने के दौरान कांस्टेबल/जीडी बादल राय ने अंतिम सांसें लीं और उन्होंने शहादत प्राप्त की। एसआई/जीडी सुशील कुमार और कांस्टेबल/जीडी अजय मनोहर देवड़ेकर को अपोलो अस्पताल, रांची में दाखिल कराया गया जहां उन दोनों का एक-एक पैर काट कर हटाना पड़ा।

इस अभियान के दौरान, आईईडी धमाके में गंभीर रूप से घायल होने और अपने शरीर के पूर्ण रूप से क्षत-विक्षत होने के बावजूद, कांस्टेबल/जीडी बादल राय ने अपनी असहनीय पीड़ा पर काबू पाते हुए माओवादियों पर जवाबी हमला किया। उन्होंने अपना हथियार थामे रखा और सैन्य कर्मियों की हत्या कर उनका हथियार लूटने के लिए आगे बढ़ रहे माओवादियों को वहां से दूर रखा। सैन्य दल के अपने सहकर्मियों की जान बचाने और अपहृत नागरिकों की जान बचाने के लिए उस बहादुर ने स्वयं अपना बलिदान कर दिया। इस प्रकार के नि:स्वार्थ त्याग वाले कृत्य के विषय में बहुत कम सुना गया है। इसी प्रकार, एसआई/जीडी सुशील कुमार और कांस्टेबल/जीडी अजय मनोहर देवड़ेकर ने अभियान के दौरान अदम्य साहस का प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने पहले माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी को निष्क्रिय किया और तत्पश्चात उनके ऊपर हमला किया। हालांकि, बाद में आईईडी के धमाकों में उनके पैर कट कर उड़ गए थे लेकिन फिर भी उन्होंने अपना हथियार थामे रखा और जमीन पर डटे रहकर सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर उनका हथियार लूटने के लिए आगे बढ़ रहे माओवादियों को रोक कर रखा। उनकी बहादुरी के इस कृत्य ने न केवल अपने सहकर्मियों व नागरिकों की जान बचाई बल्कि हथियार लूटने के माओवादियों के नापाक मंसूबे पर भी पानी फेर दिया।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री (स्वर्गीय) बादल राय, कांस्टेबल, सुशील कुमार, उप निरीक्षक और अजय मनोहर देवड़ेकर, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27.01.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 72-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	सतीश कुमार, कांस्टेबल	(वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक, मरणोपरांत)
02.	सूरज सरजेराव मोहिते कांस्टेबल	(वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक, मरणोपरांत)
03.	पवन कुमार, उप कमांडेंट	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
04.	राकेश कुमार, कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

आतंकवाद-रोधी अभियानों के लिए जम्मू एवं कश्मीर के कठुआ जिले के राजबाग पुलिस स्टेशन के भवन के प्रथम तल में स्थित दो बैरकों में ई/121 बटालियन की एक प्लाटून को रखा गया है। दिनांक 20 मार्च, 2015 को तीन अपहृत नागरिकों के साथ पूर्णतया हथियारों से लैस और सेना की वर्दी में 02 विदेशी आतंकवादी (जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध काडर) पुलिस स्टेशन के मुख्य गेट पर आए और उन्होंने राज्य पुलिस के संतरी से गेट खोलने का अनुरोध किया। पूछे जाने पर उन्होंने अपना परिचय आर्मी के रूप में दिया और कहा कि वे तीन संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस के हवाले करने आए हैं। संतरी ने गेट खोल कर उन्हें अंदर आने की अनुमति दे दी। जैसे ही आतंकवादियों ने पुलिस स्टेशन के परिसर में प्रवेश किया, उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और संतरी तथा एक बंधक को गोली मार दी। अन्य बंधक वहां से बाहर की ओर भाग कर अपनी जान बचाने में सफल हो गए। संतरी को गोली मारने के बाद आतंकवादी मुख्य भवन की ओर गोलीबारी करने लगे और साथ ही वे हथगोले भी फेंकने लगे। प्रथम तल के कॉरीडोर में पोजीशन लिए हुए कांस्टेबल/जीडी प्रीतम पॉल सीआरपीएफ संतरी ने बाहर चल रही गतिविधियों को देख कर तत्काल आतंकवादियों के ऊपर गोलीबारी शुरू कर दी। अपने ऊपर गोलीबारी होते देखकर आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए भवन के मुख्य प्रवेश द्वार की ओर भाग कर चले गए। जैसे ही आतंकवादी नजरों से ओझल हुए, कांस्टेबल/जीडी प्रीतम पॉल ने बैरक की ओर भाग कर सभी को सचेत कर दिया। उसके बाद उन्होंने सीढ़ियों के निकट पोजीशन ले ली। चेतावनी मिलने के बाद, कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार, कांस्टेबल/जीडी राज कंवर, कांस्टेबल/जीडी सतीश कुमार और कांस्टेबल/जीडी मोहिते सूरज सरजेराव आतंकवादियों से मुकाबला करने के लिए बैरक से फौरन बाहर आ गए और उन सभी ने सीढियों के निकट पोजीशन ले ली। अपने हमले को और सशक्त बनाने तथा बाहर की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए कांस्टेबल/जीडी सतीश कुमार ने कांस्टेबल प्रीतम पॉल को उस भवन की छत पर जाने के लिए कहा। आतंकवादी भूतल पर किसी को मौजूद नहीं देख कर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए प्रथम तल की ओर बढ़े। कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार, कांस्टेबल/जीडी राज कंवर, कांस्टेबल/जीडी सतीश कुमार और कांस्टेबल/जीडी मोहिते सूरज सरजेराव ने तत्काल आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया और उन्हें आगे बढने से रोक दिया। वहां 10 मीटर से भी कम की दूरी पर दोनों ओर से भीषण गोलीबारी हुई। आतंकवादियों ने प्रथम तल में प्रवेश करने के लिए एक ही साथ तीन हथगोले फेंके जिसके विस्फोट से वहां धुंए का आवरण बन गया और उसमें कांस्टेबल/जीडी राज कंवर, कांस्टेबल/जीडी सतीश कुमार और कांस्टेबल/जीडी मोहिते सूरज सरजेराव घायल हो गए। उन तीनों में से कांस्टेबल सतीश कुमार, जो सबसे आगे थे, छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद उन चारों दिलेरों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर बहादुरीपूर्वक अपनी लड़ाई जारी रखी। धुएं के आवरण का लाभ उठाते हुए और अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए आतंकवादी आगे बढ़े, जिसके परिणामस्वरूप कांस्टेबल/जीडी मोहिते सूरज सरजेराव, जो सामने रह कर कांस्टेबल सतीश कुमार को सहायता प्रदान कर रहे थे, गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कांस्टेबल/जीडी मोहिते सूरज सरजेराव और कांस्टेबल/जीडी सतीश कुमार अपनी-अपनी पोजीशन पर डटे रहे और आतंकवादियों से आमना-सामना होने पर उन्होंने गोलीबारी करके उनमें से एक आतंकवादी को मार गिराया। दूसरा आतंकवादी अपने सहयोगी की यह दशा देख कर भाग कर भूतल में चला

गया और उसने एक कमरे के भीतर छिपकर पोजीशन ले ली। जैसे ही कुछ समय के लिए गोलीबारी रूकी, कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार वहां से अपने तीन घायल सहयोगियों को निकाल कर बैरक में ले गए और अन्य सहयोगियों को उन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए कहा। अपने घायल साथियों को वहां से निकालने के बाद उस आतंकवादी को प्रथम तल पर प्रवेश करने से रोकने के लिए वे वापस अपनी पोजीशन पर तैनात हो गए। कुछ समय तक प्रतीक्षा करने के पश्चात उस आतंकवादी ने फिर से प्रथम तल पर प्रवेश करने का प्रयास किया लेकिन कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार द्वारा की गई बहादुरीपूर्ण जवाबी कार्रवाई ने उसे वापस अपनी पोजीशन पर जाने के लिए मजबूर कर दिया। बाद में कांस्टेबल/जीडी मोहिते सूरज सरजेराव और कांस्टेबल/जीडी सतीश कुमार की गंभीर रूप से घायल होने की वजह से मौत हो गई।

सूचना प्राप्त होने पर श्री पवन कुमार, उप कमांडेंट, 121 बटालियन, जो बटालियन मुख्यालय में उपस्थिति थे, तत्काल अपने त्वरित कार्रवाई दल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। वहां की स्थिति का मूल्यांकन करने और आतंकवादियों के विषय में जानकारी लेने के बाद उन्होंने वहां फंसे सुरक्षा कर्मियों और घायल सुरक्षा कर्मियों को बाहर निकालने के साथ-साथ वहां घिरे हुए आतंकवादी पर हमला करने की योजना बनाई। उन्होंने अपने त्वरित कार्रवाई दल के कार्मिकों को खिड़की के रास्ते से भवन के पिछले हिस्से से वहां फंसे सुरक्षा कर्मियों को बाहर निकालने का आदेश देने के साथ-साथ स्वयं आतंकवादी को उलझाने के लिए मुख्य गेट के निकट स्थिति मोर्चे में पोजीशन संभाल ली। भवन के भीतर तैनात कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार ने यह सुनिश्चित किया कि सभी सुरक्षा कर्मियों को भवन से बाहर निकाला जाए और वे स्वयं अंत में वहां से निकले। सुरक्षा कर्मियों के वहां से निकलने के बाद, श्री पवन कुमार, उप कमांडेंट अपने साहसी सुरक्षा कर्मियों के साथ एक बुलेटप्रूफ बंकर में सवार हो गए और उन्होंने अंतिम प्रहार करने के लिए चालक को उसे पुलिस स्टेशन के भवन के नजदीक ले जाने का आदेश दिया। आतंकवादी ने नजदीक लाए जा रहे बंकर पर भारी गोलीबारी की और हथगोले फेंके लेकिन उसकी प्रचंड गोलीबारी श्री पवन कुमार, उप कमांडेंट के उत्साह और साहस को कम नहीं कर सकी। उस कमरे की खिड़की के निकट पहुंचने पर, जहां वह आतंकवादी छिपा हुआ था, उन्होंने हथगोले और अश्रु गैस के गोले दागे जिससे वह आतंकवादी अपनी आड़ से बाहर निकलने पर मजबूर हो गया। जैसे ही वह आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करता हुआ अपनी आड़ से बाहर आया, श्री पवन कुमार, उप कमांडेंट ने अपनी अचूक एवं निशाना लगाकर की गई गोलीबारी से उसे तत्काल ढ़ेर कर दिया।

इस अभियान के दौरान श्री पवन कुमार, उप कमांडेंट, कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार, कांस्टेबल/जीडी सतीश कुमार और कांस्टेबल/जीडी मोहिते सूरज सरजेराव बहादुर सैन्य कर्मियों ने सामने रह कर मुकाबला किया और उन्होंने पूर्णतया हथियारों से लैस दो विदेशी आतंकवादियों को ढ़ेर कर दिया। यदि कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार, कांस्टेबल/जीडी सतीश कुमार और कांस्टेबल/जीडी मोहिते सूरज सरजेराव ने प्रयास नहीं किया होता, तो आतंकवादी भवन की पहली मंजिल में प्रवेश करने में सफल हो जाते और वहां मौजूद सैन्य दल के ऊपर गोलियां बरसा कर तबाही मचा देते। वहां अनेक निहत्थे प्रशासनिक, सैन्यकर्मी मौजूद थे, जो आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी का शिकार हो जाते। विशेषकर शहीद होने वाले सुरक्षाकर्मियों के प्रयासों के कारण आतंकवादियों को ढ़ेर किया जा सका और सुरक्षाकर्मियों को भारी संख्या में हताहत करने अथवा उन्हें बंधक बनाने की उनकी योजना को विफल किया जा सका।

की गई बरामदगी:

1.	एके 47	:	02
2.	मैगजीन	:	21
3.	चीन निर्मित पिस्तौल	:	02
4.	पिस्तौल की मैगजीन	:	06
5.	9 एमएम का गोलाबारुद	:	61
6.	एके 47 का गोलाबारुद	:	356
7.	ग्रेनेड	:	11
8.	वायरलेस सेट	:	01

9.	चाकू	:	01
10.	वाटर प्रूफ जैकेट	:	06
11.	पाउच	:	03
12.	वायर कटर	:	02

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री (स्वर्गीय) सतीश कुमार, कांस्टेबल, (स्वर्गीय) सूरज सरजेराव मोहिते, कांस्टेबल, पवन कुमार, उप कमांडेंट और राकेश कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, राष्ट्रपति का पुलिस पदक/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20.03.2015 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 73-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. अजीत कुमार राम,
सहायक कमांडेंट

02. उमेश कुमार,
सहायक कमांडेंट

03. एम. मणि,
कांस्टेबल

04. अनुराज टी,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03.01.2014 को 215 बटालियन, सीआरपीएफ को बिहार के जमुई जिले में गिद्धेश्वर पहाड़ के पहाड़ी एवं वन वाले क्षेत्र में माओवादियों की गतिविधि के बारे में एक विश्वस्त सूचना प्राप्त हुई। उस सूचना के आधार पर, बटालियन द्वारा 207 कोबरा के सैन्य दल के साथ मिलकर "मुरली" नामक कोड नाम से एक योजना बनाकर अभियान शुरू किया गया। इसके लिए चार संयुक्त दलों का गठन किया गया जिसमें से श्री उमेश कुमार, सहायक कमांडेंट और श्री अजीत कुमार राम, सहायक कमांडेंट की कमान में दो-दो दलों को रखा गया। ये सभी दल 04.01.2014 के भोर में पौ फटने से पहले ही गोपनीय तरीके से अपने आधार शिविर से रवाना हो गए और भोर होने से पूर्व ही घने जंगल में प्रवेश कर गए। जंगल की पूरी तलाशी ली गई लेकिन माओवादियों से संपर्क स्थापित नहीं किया जा सका। उसके बाद उपर्युक्त दलों ने रात्रि के दौरान जंगल में एलयूपी ली। दिनांक 05.01.2014 को दलों ने पुन: तलाशी कार्य शुरू किया और वे पहाड़ी भू-भाग और घने जंगलों से गुजरते हुए पाठक चक बांध की ओर बढ़ गए। सभी दल एक दूसरे के समानांतर आगे बढ़ रहे थे और वायरलेस से संवाद के द्वारा आपसी समन्वय बना कर चल रहे थे। लगभग 1315 बजे जैसे ही अजीत कुमार राम, सहायक कमांडेंट की कमान के अधीन सबसे दायीं ओर से आगे बढ़ रहा दल एक पहाड़ी के निकट पहुंचने वाला था, तभी अचानक वहां पहाड़ी की चोटी पर मौजूद माओवादियों के द्वारा की गई अचानक एवं तेज गोलीबारी की चपेट में आ गया। उस दल ने तत्काल पोजीशन ले ली और गोलीबारी का जवाब दिया। वहां बेहद नजदीक से भीषण मुठभेड़ हुई। श्री अजीत कुमार राम, सहायक कमांडेंट ने तत्काल माओवादियों के स्थान के बारे में अन्य दलों को अवगत कराया और उनके

पलायन को रोकने के लिए पीछे से उस क्षेत्र को घेरने का आदेश दिया। उसके बाद श्री अजीत कुमार राम, सहायक कमांडेंट शेष सुरक्षा कर्मियों को सपोर्ट फायर करने का आदेश देते हुए अपने बहादुर सिपाहियों की छोटी टुकड़ी के साथ माओवादियों की पोजीशन की ओर आगे बढ़ने लगे। जैसे ही वह टुकड़ी रेंगते हुए आगे बढ़ने लगी, माओवादियों ने उनके ऊपर निशाना लगाते हुए भारी गोलीबारी की और अपनी सुरक्षा में लगाई गई आईईडी में विस्फोट भी किए। वह टुकड़ी गोलियों की बौछार के बीच फंस गई और वह क्षेत्र धूल एवं धुएं से भर गया, जिससे उनका आगे बढ़ना असंभव हो गया। जीवन पर मंडरा रहे खतरे की इस स्थिति में भी कमांडर ने अपना धैर्य नहीं खोया और उन्होंने श्री उमेश कुमार, सहायक कमांडेंट को पीछे के हिस्से से माओवादियों पर धावा बोलने का आदेश दिया। आदेश प्राप्त होने पर श्री उमेश कुमार, सहायक कमांडेंट अपने बहादुर सिपाहियों के साथ माओवादियों के ठिकाने के पिछले हिस्से की ओर बढ़े और उनके ऊपर हमला कर दिया। उस हमले का जवाब देने के लिए माओवादियों ने उनके ऊपर हथगोले फेंकने के साथ-साथ भारी गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन हथगोलों के विस्फोट और भारी गोलीबारी से उन बहादुरों का इरादा नहीं डगमगाया और उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बगैर माओवादियों पर गोलीबारी करना जारी रखा। जैसे ही माओवादियों ने लड़ाई का दूसरा मोर्चा खोला, श्री अजीत कुमार राम, सहायक कमांडेंट कांस्टेबल/जीडी, एम. मणि नामक अपने सहयोगी के साथ माओवादियों की पोजीशन की ओर आगे बढ़ गए। ये शूरवीर सभी एहतियातों को ताक पर रखते हुए भारी गोलीबारी के बीच आगे बढ़े और उन्होंने सुरक्षित आड़ों के पीछे मौजूद माओवादियों के ऊपर तीव्र हमला कर दिया। इसी प्रकार, श्री उमेश कुमार, सहायक कमांडेंट भी कांस्टेबल/जीडी अनुराज टी. नामक अपने सहयोगी के साथ आगे बढ़े और उन्होंने माओवादियों पर प्रचंड हमला कर दिया। दो दिशाओं से किए गए प्रचंड हमले का परिणाम सामने आया और कुछ माओवादी गोली लगने से बुरी तरह से घायल हो गए। हालांकि, माओवादी सैन्य दल को आगे बढने से रोकने के लिए उनके ऊपर भारी गोलीबारी कर रहे थे, लेकन उन बहादुर सुरक्षा कर्मियों के दृढ़ निश्चय, समर्पण और मनोबल भी ऊंची उड़ान भर रहे थे। उस समय उनका एकमात्र लक्ष्य किसी भी कीमत पर अपने लक्ष्य पर चोट करना था। माओवादियों की पोजीशन के नजदीक पहुंचने के प्रयास में उन्होंने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बगैर आगे बढना जारी रखा। बहादुर सुरक्षा कर्मियों द्वारा विभिन्न दिशाओं से किए गए इस हमले में माओवादी घिर गए। माओवादियों को जल्द यह अहसास हो गया कि वे ज्यादा देर तक बहादुर सुरक्षाकर्मियों की उग्रता का सामना नहीं कर सकते और वे अंधाधुंध गोलीबारी की आड़ में उस क्षेत्र से भागने लगे। सबसे आगे चल रहे सुरक्षा कर्मी/कर्मियों ने भाग रहे माओवादियों को देख कर अपनी आड़ से निकलकर अपने ऊपर की जा रही गोलीबारी की परवाह किए बगैर उनका पीछा किया। अपनी सटीक गोलीबारी से उन्होंने एक माओवादी को मार गिराया और अन्य माओवादियों को घायल कर दिया। सैन्य दल ने कुछ दूरी तक माओवादियों का पीछा किया लेकिन घने जंगल और पहाड़ी स्थलाकृति का लाभ उठाते हुए माओवादी वहां से भागने में सफल हो गए। तलाशी के दौरान, वहां से बड़ी मात्रा में हथियार एवं गोलबारुद एवं अन्य सामग्री अर्थात, 81 राउंड के साथ एक 303 राइफल, एक मैगजीन, एक माओवादी वर्दी, एक बैग पैक, एक गोलाबारुद पाउच, माओवादी साहित्य और दैनिक उपयोग की अन्य सामग्रियों के साथ एक माओवादी का शव बरामद किया गया। उस क्षेत्र में काफी खून के धब्बे भी देखे गए जो माओवादियों के बुरी तरह से घायल होने की ओर इंगित कर रहे थे। मुठभेड़ के क्षेत्र से तीन संदिग्ध काडरों को भी पकड़ा गया। बाद में अन्तर्रोधन (इंटरसेप्शन) के माध्यम से इस बात की पुष्टि हुई कि मुठभेड़ के दौरान पांच माओवादी मारे गए थे।

इस अभियान के दौरान श्री अजीत कुमार राम, सहायक कमांडेंट और श्री उमेश कुमार, सहायक कमांडेंट ने अत्यधिक साहस का प्रदर्शन किया और सामने से सैन्य दल की अगुवाई की। अपनी जान पर गंभीर खतरे के बावजूद वे गोलियों की परवाह किए बगैर माओवादियों की पोजीशन की ओर आगे बढे और माओवादियों पर जवाबी हमला किया और उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया। इसी प्रकार, कांस्टेबल/जीडी अनुराज टी. और कांस्टेबल/जीडी, एम. मणि ने अपने कमांडरों की बहादुरी की बराबरी की और वे उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर लडे। अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा की परवाह किए बगैर उन्होंने जीवन पर संकट वाली स्थिति में भी फौलादी साहस और सर्वोच्च स्तर के साहस तथा बहादुरी का प्रदर्शन किया।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री अजीत कुमार राम, सहायक कमांडेंट, उमेश कुमार, सहायक कमांडेंट, एम. मणि, कांस्टेबल और अनुराज टी., कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05.01.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 74-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. निखिलेश,
सहायक कमांडेंट

02. बीरपाल सिंह तोमर,
कांस्टेबल

03. मोहर सिंह जादोन,
कांस्टेबल

04. वीरेंद्र सिंह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन गंगलूर, जिला-बीजापुर (छत्तीसगढ़) के अधीन आने वाले गांव लेन्ड्रा और बोडला पुसनर के बीच के आम क्षेत्र में एलओएस कमांडर दिनेश के अधीन एक माओवादी दल की मौजूदगी के बारे में स्वयं अपने स्रोत से प्राप्त विशिष्ट आसूचना के बाद वहां अभियान चलाने की योजना बनाई गई। यह निर्णय लिया गया कि 204 कोबरा के दो दल, एक श्री अंजनी कुमार, सहायक कमांडेंट और एक श्री निखिलेश, सहायक कमांडेंट की कमान के अधीन उक्त आम क्षेत्र की छानबीन करेंगे और माओवादी दल के विरूद्ध धावा बोलेंगे।

तदनुसार, दोनों दल दिनांक 10.03.2014 को अपने बेस कैम्प से रवाना हो गए और वे लक्षित क्षेत्र के निकट पहुंचने के लिए आबादी वाले क्षेत्रों से दूर रहते हुए घनी झाडियों के बीच से चलते हुए आगे बढ़े। सैन्य टुकड़ी शाम तक बोडला पुसनर गांव के निकट पहुंच गई और उन्होंने रात्रि के दौरान जंगल में एलयूपी ले ली। दिनांक 11.03.2014 की भोर में दोनों दल पृथक हिस्सों में बंट गए और उन्होंने एक-दूसरे के समानांतर आगे बढते हुए गांव बोडला पुसनर की ओर जाने वाले क्षेत्र की तलाशी ली। आम क्षेत्र की तलाशी लेने के बाद सैन्य टुकड़ी गांव इसुलनर की ओर बढ़ी जब श्री अंजनी कुमार, सहायक कमांडेंट की कमान के अधीन दल पश्चिमी किनारे से आगे बढ़ रहा था, तभी उनके ऊपर गांव इसुलनर के निकट एक पहाड़ की चोटी के ऊपर से भारी मात्रा में गोलीबारी होने लगी। तत्काल उस दल ने जिस दिशा से गोलीबारी आ रही थी उस ओर जवाबी गोलीबारी की और सभी ने पोजीशन ले ली। सैन्य टुकड़ी की ओर घने जंगल के बीच में 3-4 दिशाओं से गोलीबारी हो रही थी, इसलिए माओवादियों की संख्या और उनके स्थान का पता नहीं लग पा रहा था। माओवादियों पर जवाबी हमला करने के लिए, तब श्री अंजनी कुमार, सहायक कमांडेंट ने श्री निखिलेश, सहायक कमांडेंट को माओवादियों पर पीछे से हमला करने का आदेश दिया और उन्होंने माओवादियों को सामने से उलझाने की नीति अपनाई। श्री निखिलेश, सहायक कमांडेंट माओवादियों के संभावित ठिकाने की जानकारी प्राप्त करने के बाद पहाड़ के पीछे की ओर बढ़ गए और वहां से उन्होंने पूरी गोपनीयता के साथ ऊपर की ओर चढ़ाई शुरू की। सामने वाले दल ने निरंतर अपनी पोजीशन बदलते हुए और माओवादियों के ऊपर गोलीबारी करते हुए उन्हें उलझाए रखा। माओवादियों ने यह देखते हुए कि उन्होंने अपनी ओर बढ़ रहे सैन्य टुकड़ी को रोकने में सफलता प्राप्त कर ली है, वहां से भागना शुरू कर दिया। श्री निखिलेश, सहायक कमांडेंट ने, जो उस समय तक पहाड़ की चोटी के रास्ते की आधी दूरी ही तय कर सके थे, देखा कि वहां गोलीबारी की मात्रा कम हो गई है और वे समझ गए कि माओवादी उस क्षेत्र से पलायन कर रहे हैं।

तत्काल कार्रवाई के लिए वे कांस्टेबल/जीडी बीरपाल सिंह तोमर, कांस्टेबल/जीडी मोहर सिंह जादोन और कांस्टेबल/जीडी वीरेंद्र सिंह को अपने साथ लेकर तेज गति से आगे बढ़ते हुए पहाड़ की चोटी के निकट पहुंचे, तभी वहां पेडों और चट्टानों के पीछे छिपे हुए माओवादियों के एक समूह ने उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें उपर्युक्त कार्मिक चमत्कार स्वरूप ही बाल-बाल बचे, क्योंकि गोलियां उनके बेहद नजदीक से निकलीं। लेकिन अचानक हुए इस हमले से घबराए बगैर सैन्यकर्मी तत्काल हरकत में आ गए और उन्होंने वहां मोर्चाबंदी किए हुए माओवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। वहां बेहद नजदीक से दोनों ओर से

भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सामने मौजूद उपर्युक्त चार बहादुर सैन्यकर्मियों ने माओवादियों के साथ प्रचंड लड़ाई लड़ी, जबकि दल के अन्य सदस्य उस समय भी वहां से दूर थे। माओवादियों ने यह देखते हुए कि सैन्यकर्मियों की संख्या सिर्फ चार थी, उन्हें घेरने का प्रयास किया, लेकिन उन बहादुर सैन्यकर्मियों द्वारा किए गए सशक्त जवाबी हमले ने उन्हें अपने आगे बढ़ते कदम को रोकने पर मजबूर कर दिया। जल्द ही दल के अन्य सदस्य भी मुठभेड़ स्थल के नजदीक पहुंच गए और उन्होंने माओवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्यकर्मियों की संख्या बढ़ते देखकर माओवादियों ने उनके ऊपर एक के बाद एक हथगोले फेंकना शुरू कर दिया और निरंतर धमाकों का लाभ उठाकर उस क्षेत्र से भागने का प्रयास किया। हथगोलों के निरंतर धमाकों ने सैन्य टुकड़ी को कुछ समय के लिए शांत रहने पर मजबूर कर दिया। जैसे ही विस्फोट खत्म हुए, उपर्युक्त चारों कार्मिक माओवादियों के पीछे दौडते हुए उनके ऊपर गोलीबारी करने लगे। माओवादी भी उस क्षेत्र से भागते हुए उन सैन्य कार्मिकों पर गोलीबारी करते रहे। अपने ऊपर की जा रही गोलीबारी से घबराए बगैर और खुले स्थान में होने के बावजूद उन बहादुरों ने माओवादियों का पीछा करना नहीं छोड़ा और एक माओवादी को गोली मार कर ढ़ेर कर दिया।

उस क्षेत्र की तलाशी के दौरान वहां से निम्नलिखित सामग्रियों के साथ एक माओवादी का शव बरामद किया गया:-

1.	स्लिंग के साथ देशी हथियार	:	01
2.	पीले रंग की नॉट्स कॉर्डेक्स वायर	:	05
3.	लाल रंग की कॉर्डेक्स वायर	:	05 मीटर
4.	डेटोनेटर	:	02
5.	देशी हथियार का गोलाबारुद	:	20

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री निखिलेश, सहायक कमांडेंट, बीरपाल सिंह तोमर, कांस्टेबल, मोहर सिंह जादोन, कांस्टेबल एवं वीरेंद्र सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11.03.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 75-प्रेज/2016—राष्ट्रपति, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. दीपक सिंह,
सहायक कमांडेंट

02. कंवर सिंह,
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट/जीडी चुमार चौकी के कमान अधिकारी के तौर पर और हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम, कंवर सिंह चुमार चौकी पर तैनात थे। यह लद्दाख क्षेत्र का एक कठिनतम एवं अत्यधिक संवेदनशील चौकी है और समुद्र तल से 15500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। भारतीय सेना ने दिनांक 09.09.2014 को टिबले (चुमार का आम क्षेत्र) में पीयूएफ हट का निर्माण किया। चीनियों की सोच के अनुसार भारतीय सेना द्वारा उस हट का निर्माण चीनी भू-भाग में किया गया था। दिनांक

10.09.2014 को चुमार चौकी ने 30 आर क्षेत्र में पीएलए की कुछ हरकत देखी। तत्पश्चात श्री दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट और हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम, कंवर सिंह, आईटीबीपी की टुकड़ी के साथ 30 आर क्षेत्र की ओर बढ़े और उन्होंने वहां देखा कि पीएलए का डोज़र 30 आर क्षेत्र में सड़क की खुदाई कर रहा था और उन्होंने भारतीय भू-भाग के भीतर 35 से 40 मीटर तक सड़क बना ली थी। श्री दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट अपनी टुकड़ी के साथ आगे गए और उन्होंने तत्काल पीएलए के सड़क निर्माण कार्य को रूकवा दिया। उस समय हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम, कंवर सिंह उच्चतर मुख्यालय को वास्तविक सूचना प्रदान करने के लिए अपने कंपनी कमांडर के साथ रेडियो ऑपरेटर के रूप में तैनात थे। दिनांक 10.09.2014 की रात में पीएलए के 250 सैन्यकर्मी 30 आर के आम क्षेत्र में डोज़रों, जेसीबी और अन्य प्लांट उपकरणों के साथ इकट्ठा हुए। वहां आईटीबीपी कार्मिकों की संख्या को भी तत्काल बढ़ा कर 100 कार्मिक किया गया। भारतीय जेसीबी और डोज़र भी 30 आर के क्षेत्र में पहुंच गए और वहां भारतीय भू-भाग के भीतर बनाई गई सड़क को उखाड़ने का कार्य शुरू कर दिया। इस पर पीएलए की टुकड़ी बेहद अक्रामक हो गई और उन्होंने चिल्लाते हुए और भारतीय टुकड़ी को पीछे धकेल कर सड़क को उखाड़ने के काम को रोकने की कोशिश की।

पीएलए ने सड़क को उखाड़ने के काम को रोकने के लिए भारतीय टुकड़ी को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। पीएलए कमांडर ने दीपक सिंह को धमकी दी और उस स्थान पर चीनी सैनिकों की भारी संख्या (300) में मौजूदगी के द्वारा दवाब बनाने की कोशिश की और उन्हें चीनी टुकड़ियों की संभावित प्रतिक्रिया के बारे में चेतावनी दी लेकिन दीपक सिंह उन सभी बातों से डरे नहीं। एक सच्चे कमांडर के रूप में और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपरायणता की भावना दर्शाते हुए दीपक सिंह अपनी जान की परवाह किए बिना आईटीबीपी की सैन्य टुकड़ी के साथ चीनी डोज़र के सामने डटे रहे। पीएलए की सैन्य टुकड़ियों ने बार-बार आईटीबीपी के सैनिकों को भी धमकाया और भारत-चीन युद्ध के इतिहास का उदाहरण दर्शाते हुए उनके ऊपर दवाब डालने की कोशिश की, लेकिन हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम, कंवर सिंह अपनी जान की परवाह किए बगैर पीएलए के डोज़र के सामने डटे रहे। इस संपूर्ण अभियान के दौरान, हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम , कंवर सिंह ने सामान्य कर्तव्य वाले सैनिक के कार्य का बहादुरीपूर्वक निष्पादन किया जिसमें उन्होंने वास्तविक समय की सटीक जानकारी आगे भेजने के अतिरिक्त अपनी मातृभूमि के प्रति प्यार और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण और असाधारण क्षमताओं का प्रदर्शन किया। दीपक सिंह के नेतृत्व के अधीन दिनांक 11.09.2014 को 0430 बजे तक भारतीय भू-भाग के भीतर पीएलए द्वारा निर्मित सड़क को पूरी तरह से तोड़/उखाड़ दिया गया।

दिनांक 13.09.2014 को वहां की स्थिति तब बेहद नाजुक हो गई जब वहां सड़क का पुनर्निर्माण करने और टिबले में सेना की हट को ध्वस्त करने के इरादे से पीएलए के 200 से 250 सैनिक डोज़र, जेसीबी एवं अन्य प्लांट उपकरणों के साथ 30 आर क्षेत्र में इकट्ठा हो गए।

दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट/जीडी और हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम कंवर सिंह आईटीबीपी की सैन्य टुकड़ी के साथ मिलकर पीएलए के सड़क काटने वाले वाहनों के सामने मानव श्रृंखला बनाकर खड़े हो गए और उन्होंने उन वाहनों को आगे बढ़ने से रोक दिया।

दिनांक 13.09.2014 की शाम में, पीएलए का कमांडर अपनी बात पर अड़ गया और उसने चिल्लाते हुए कहा कि उनके वरिष्ठ कमांडर के आदेश के अनुसार पीएलए किसी भी कीमत पर टिबले तक सड़क का निर्माण करेगी और सेना के हट को ध्वस्त करेगी जिसके लिए उन्हें सबको वहां से बलपूर्वक धकेलते हुए आगे बढ़ने और आवश्यकता पड़ने पर गोलीबारी करने का भी स्पष्ट आदेश मिला था। वहां की स्थिति बेहद संवेदनशील हो गई और उससे वहां झड़प भी हो सकती थी। जब सहायक कमांडेंट दीपक सिंह पीएलए के साथ बातचीत में मशगूल थे, उस समय हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम कंवर सिंह मुख्यालय के स्तर पर आगे की योजना बनाने के लिए मुख्यालय को वास्तविक समय की सूचना भेज रहे थे। दीपक सिंह ने पीएलए को रोकने के लिए अपनी टुकड़ियों को छोटे-छोटे दलों में विभाजित कर दिया। सहायक कमांडेंट दीपक सिंह और हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम कंवर सिंह पीएलए को रोकने के दृढ़ इरादे से अपनी जान की परवाह किए बगैर अत्यंत ठंड वाले विपरीत मौसम में और अत्यधिक ऊंचाई वाले भू-भाग में स्थित 30 आर वाले क्षेत्र में अपनी टुकड़ियों के साथ पीएलए डोज़र के समक्ष डटे रहे और उन्होंने पीएलए को भारतीय भू-भाग के भीतर एक इंच भी बढ़ने की अनुमति नहीं दी। उनका यह कार्य अपनी मातृभूमि के प्रति समर्पण और प्रेम को बयां करता है। दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट और हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम कवंर सिंह, आईटीबीपी ने असामान्य परिस्थितियों में अत्यधिक दूरदर्शिता, परिपक्वता, शांत चित्तता, उच्च स्तर के उत्साह और नेतृत्व गुण का प्रदर्शन किया।

चीनियों का इरादा विभिन्न प्रकार की युक्तियों का प्रयोग करते हुए 30 आर के क्षेत्र को सड़क से जोड़ने और सेना के हट को ध्वस्त करने का था। अपनी दूरदर्शिता के द्वारा श्री दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट ने पीएलए के कार्यों का पूर्वानुमान लगा लिया

था और उन्होंने किसी भी दिशा से पीएलए को आगे बढ़ने से रोक दिया। श्री दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट ने शांति से चीन के आक्रामक रूख का सामना किया और उन्होंने निरंतर उनकी भावी गतिविधियों का भी परिकरन किया। अत्यधिक ठंडे मौसम में राहत एवं अल्प विश्राम की परवाह किए बगैर आईटीबीपी की टुकड़ियां तनाव की उस संपूर्ण अवधि के दौरान चौबीसों घंटे पीएलए से हाथ मिलाने की दूरी पर मुस्तैदीपूर्वक डटी रही। श्री दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट और हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम कंवर सिंह ने लद्दाख की ठंडी मरूभूमि में सच्ची पेशेवरता, कठिन कार्य करने, कठोरता और अपनी मातृभूमि के प्रति जिम्मेवारी तथा कर्तव्यपरायणता की गहन भावना का प्रदर्शन किया।

दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट और हेड कांस्टेबल/टेलिकॉम कंवर सिंह के इस प्रशंसनीय कार्य की सेना के अधिकारियों द्वारा भी अत्यधिक सराहना की गई है। उनके भारी योगदान और नेतृत्व के गुण ने आईटीबीपी की टुकड़ियों में स्वामिभान की भावना उत्पन्न की है और उनके भीतर भविष्य में ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए अत्यधिक आत्मविश्वास पैदा किया है।

इस कार्रवाई में सर्व/श्री दीपक सिंह, सहायक कमांडेंट और कंवर सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11.09.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 2016

संकल्प

सं. 11014/1/2014- हिन्दी -I—भारत सरकार ने, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के दिनांक 30 जनवरी, 2013 के संकल्प संख्या 11014/1/2009-हिंदी-I को अधिक्रांत करते हुए, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का तत्काल प्रभाव से पुनर्गठन करने का निश्चय किया है । इस समिति की संरचना, इसके कार्य और इसका कार्यकाल आदि निम्नलिखित अनुसार होंगे :

1. संरचना

1.	कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन राज्य मंत्री गैर सरकारी सदस्य (संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित)	अध्यक्ष
2.	श्री कुंवर हरिवंश सिंह, संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
3.	श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले, संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
4.	श्री रामनारायण डूडी, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
5.	श्री गुलाम रसूल बलियावी, संसद सदस्य (राज्य सभा) (संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित)	सदस्य
6.	डॉ. सुनील बलिराम गायकवाड, संसद सदस्य (लोक सभा) वर्तमान पता- जय श्री बिल्डिंग, प्रकाश नगर, लातूर-413512, महाराष्ट्र स्थायी पता- न्यू महाराष्ट्र सदन, नई दिल्ली-110001	सदस्य

7. श्री वशिष्ठ नारायण सिंह, संसद सदस्य (राज्य सभा) सदस्य
वर्तमान पता- एबी-93, शाहजहां रोड, नई दिल्ली
स्थायी पता- लालगंज, कवीं, पीएस डुमराव टेक्सटाइल, थाना डुमराव, जिला-बक्सर, बिहार
माननीय कार्मिक राज्य मंत्री द्वारा नामित सदस्य

8. श्री आर. पी. सिंह,

9. श्री ऋषि राज मीणा

10. श्री नवीन कुमार,
वर्तमान पता - एफ-226, मंगल बाजार रोड, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92

11. श्री दसरथ सिंह राठौर,
वर्तमान पता - क्वाटर नं. 5, करनी नगर, क्वींस रोड, खातीपुरा, जयपुर (राजस्थान)
गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा नामित सदस्य

12. स्वामी यजयानन्द सरस्वती
वर्तमान पता - 208, प्रेम पुरी, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

13. श्री राघवेंद्विरा
वर्तमान पता - 333, तीसरा ब्लॉक, 'द एम्बेसी' अली असगर रोड, बंगलौर-1

14. श्री अभिषेक गुप्ता
वर्तमान पता - फ्लैट नं. 42, राजाबाजार अपार्टमेंट, राजाबाजार, बेली रोड, पटना-800014
अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ का प्रतिनिधि
हिंदी साहित्य सम्मेलन - प्रयाग

15. श्री नन्दल हितैषी, सदस्य
67/45 छोटाबघाड़ा, प्रयाग, इलाहाबाद-211002 (उ.प्र.)
मो. नं. 9415286634
केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद द्वारा नामित सदस्य

16. श्री सुरेश तिवारी, सदस्य
एच-1202, आम्रपाली विलेज, न्याय खण्ड-2
(निकट काला पत्थर), इंदिरापुरम, गाजियाबाद -201014, उत्तर प्रदेश
सरकारी सदस्य

17. सचिव (कार्मिक) सदस्य

18. सचिव (प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग तथा सचिव (पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग) सदस्य

19. सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय सदस्य

20. अपर सचिव (सेवाएं एवं सतर्कता) सदस्य

21. स्थापना अधिकारी और अपर सचिव सदस्य

22. संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) सदस्य

23. संयुक्त सचिव (स्थापना) सदस्य

24. संयुक्त सचिव और मुख्य कल्याण अधिकारी सदस्य

25. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय सदस्य

26.	निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी	सदस्य
27.	निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली	सदस्य
28.	अध्यक्ष, कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली	सदस्य
29.	निदेशक, सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
30.	संयुक्त सचिव (प्रशासनिक अधिकरण एवं प्रशासन)	सदस्य -सचिव

2. कार्य

यह समिति केन्द्रीय हिंदी समिति और राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर निर्धारित नीतियों और मार्ग-निर्देशों के अनुसार, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित मामलों में सलाह देगी ।

3. कार्यकाल

समिति का कार्यकाल इसके गठन की तारीख से निम्नलिखित बातों के अधीन सामान्यत: 3 वर्ष होगा :-

(क) जो संसद-सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद-सदस्य न रहने पर, इस समिति के सदस्य नहीं रहेंगे ;

(ख) जो संसद-सदस्य, संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य होने की हैसियत से इस समिति के सदस्य हैं, वे संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रहेंगे ;

(ग) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर कार्य करते रहने तक समिति के सदस्य रहेंगे; और

(घ) यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने के कारण अथवा समिति की सदस्यता से त्याग-पत्र देने के कारण कोई स्थान खाली हुआ, तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य, समिति के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य रहेगा ।

4. सामान्य

समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

5. यात्रा तथा अन्य भत्ते

समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों को राजभाषा विभाग के दिनांक 22 जनवरी, 1987 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 11/20034/4/86-रा.भा. (क-2) में निहित दिशा-निर्देशों के अनुरूप और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर यथा-संशोधित दरों एवं नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसदीय राजभाषा समिति, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, समिति के सभी सदस्य और भारत सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग को प्रेषित की जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचनार्थ यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

अर्चना वर्मा
संयुक्त सचिव

पंचायती राज मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 मार्च 2016

संकल्प

सं. ई.11015/1/2015-हिन्दी—राजभाषा विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं. II /20015/45/87- रा.भा.(क-2) दिनांक 15.03.1988, 4.5.1989, कार्यालय ज्ञापन सं. II /20015/64/89-रा.भा. (क-2) दिनांक 11.01.90, कार्यालय ज्ञापन सं. II/20015/6/92-रा.भा.(क-2) दिनांक 10.06.1992 तथा का.ज्ञा. सं. II /20015/4/2000-रा.भा. (नीति-2) दिनांक 31.5.2000 के अनुसार तथा पंचायती राज मंत्रालय के समय-समय पर यथा संशोधित दिनांक 28/11/2011 के संकल्प संख्या ई-11015/1/2010-

हिंदी का अधिक्रमण करते हुए भारत सरकार ने एतद्वारा पंचायती राज मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है। समिति का गठन, कार्य और कार्यकाल आदि निम्नानुसार होंगे :-

गठन

	मंत्री, (पंचायती राज)	अध्यक्ष
	राज्य मंत्री (पंचायती राज)	उपाध्यक्ष
	गैर सरकारी सदस्य	
	संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित सदस्य लोकसभा से दो संसद सदस्य	
	लोक सभा से दो संसद सदस्य	
1.	डॉ. रविन्द्र कुशवाहा	सदस्य
2.	श्री मोहम्मद सलीम	सदस्य
	राज्य सभा से दो संसद सदस्य	
3.	श्री अमर शंकर साबले	सदस्य
4.	श्री परवेज हाशमी	सदस्य
	संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित दो संसद सदस्य	
5.	श्री ए. अनवर राजा, संसद सदस्य, लोक सभा	सदस्य
6.	श्री राम गोपाल यादव, संसद सदस्य, राज्य सभा	सदस्य
	केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, एक्सवाई-68	
	सरोजिनी नगर, नई दिल्ली के प्रतिनिधि	
7.	श्री राम नरेश तिवारी	सदस्य
	797/1 सी, पिण्डी वासा भवन,	
	बाघम्बरी रोड, इलाहाबाद-211006	
	अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, सामुदायिक केन्द्र (दिल्ली नगर निगम) द्वितीय	
	तल, 10788-89 झंडेवालान रोड, नबी करीम, नई दिल्ली-110055 के प्रतिनिधि	
8.	श्री तेजस एस. ठकर,	सदस्य
	प्रधानाचार्य, पंचायतीराज तालीम केंद्र, शाद्रा	
	गुजरात विद्यापीठ, पोस्ट : शाद्रा	
	जिला : गांधीनगर-382320 (गुजरात)	
	पंचायती राज मंत्रालय द्वारा नामित गैर-सरकारी सदस्य	
9.	श्रीमती गीता	सदस्य
	रीडर, भगत फूल सिंह विश्वविद्यालय	
	सोनीपत (हरियाणा)	
10.	प्रा. च. संजीवा	सदस्य
	प्रोफेसर (से.नि.), हिन्दी विभाग, डीन (कला संकाय)	
	ककातिया विश्वविद्यालय	
	वारंगल (तेलंगाना)	
11.	डॉ. रामसजन पाण्डेय	सदस्य
	प्रोफेसर, हिन्दी विभाग	
	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय,	
	रोहतक (हरियाणा)	
12.	डॉ. भागाबन त्रिपाठी	सदस्य
	प्राचार्य, आस्का विज्ञान कॉलेज, आस्का, पत्रालय-नुआगॉव	
	गंजम (ओडिशा) -761111	

गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) द्वारा नामित गैर-सरकारी सदस्य

13.	श्री तारेश, म.नं. 52, गांव किराड़ी, सुलेमान नगर, दिल्ली-110086	सदस्य
14.	श्री अभय कुमार, मार्ग सं. 6, राजीव नगर, पटना, बिहार-800024	सदस्य
15.	श्री अमित मोहन, 2, न्यू मार्किट, तिमारपुर, नई दिल्ली - 110054	सदस्य

सरकारी सदस्य

राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय)

16.	सचिव	सदस्य
17.	संयुक्त सचिव	सदस्य

पंचायती राज मंत्रालय

18.	सचिव	सदस्य
19.	अपर सचिव (ए.के.जी.)	सदस्य
20.	अपर सचिव (आर.एस.एस.)	सदस्य
21.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार	सदस्य
22.	संयुक्त सचिव (आई.एस.सी.)	सदस्य
23.	संयुक्त सचिव (डी.के.एस.)	सदस्य
24.	संयुक्त सचिव (एस.एम.)	सदस्य
25.	निदेशक (सी.सी.)	सदस्य
26.	निदेशक (डी.के.)	सदस्य
27.	उप सचिव (के.एस.पी.)	सदस्य
28.	उप सचिव (डी.पी.)	सदस्य
29.	वरिष्ठ सलाहकार	सदस्य सचिव

कार्यक्षेत्र

2. समिति का कार्य केन्द्रीय हिन्दी समिति और राजभाषा विभाग द्वारा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन के संबंध में निर्धारित नीतियों को पंचायती राज मंत्रालय में कार्यान्वित करवाने के बारे में सलाह देना होगा।

कार्यकाल

3. समिति के सदस्यों का कार्यकाल साधारणत: इसके पुनर्गठन की तारीख से तीन वर्ष का होगा, बशर्ते कि :-

(क) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं होंगे।

(ख) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर बने रहने तक ही समिति के सदस्य रहेंगे।

(ग) किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने अथवा समिति की सदस्यता से त्याग पत्र दे देने के कारण खाली हुए स्थान पर मनोनीत सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य होंगे।

मुख्यालय

4. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, किन्तु समिति अपनी बैठक आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली से बाहर किसी स्थान पर भी कर सकती है ।

यात्रा भत्ता (टी. ए.) / दैनिक भत्ता (डीए) तथा अन्य भत्ते

5. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या-II/20034/04/2005 रा.भा. (नीति-2) दिनांक 03 फरवरी,2006 द्वारा यह उल्लेख किया गया है कि चूंकि केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा गठित हिंदी सलाहकार समितियों में

नामित 15 गैर-सरकारी सदस्यों में 06 संसद सदस्य होते हैं, अत: यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता प्रावधान को अधिक स्पष्ट करते हुए निम्न प्रावधान किया जाता है:-

(क) समिति में नामित सांसदों को "संसद सदस्य (वेतन, भत्ता एवं पेंशन) अधिनियम, 1954" के प्रावधानों एवं समय-समय पर जारी किए गए संशोधनों तथा उनके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

(ख) समिति के अन्य गैर-सरकारी सदस्यों को राजभाषा विभाग के दिनांक 22 जनवरी, 1987 के कार्यालय ज्ञापन में संख्या-II/22034/04/86-रा.भा. (क-2) में निहित दिशा-निर्देशों के अनुरूप और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित निर्धारित दरों एवं नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता देय होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, राष्ट्रपति सचिवालय, उपराष्ट्रपति सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसदीय राज भाषा समिति, नीति आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, निर्वाचन आयोग, संघ लोक सेवा आयोग और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, वेतन एवं लेखा अधिकारी, पंचायती राज मंत्रालय को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

रूगमिनि परमार
वरिष्ठ सलाहकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(उच्चतर शिक्षा विभाग)
नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 2016

सं. 9-5/2001-यू3(ए)—जैसेकि, केन्द्र सरकार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के परामर्श पर उच्चतर शिक्षा की किसी संस्था को समवत विश्वविद्यालय के रूप में घोषित करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत शक्तियां प्रदान की गई हैं;

2. और जैसेकि, केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान (सीआईबीएस) को यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत समवत विश्वविद्यालय का दर्जा (नवीन श्रेणी के अंतर्गत) प्रदान किए जाने के लिए एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ था;

3. और जैसेकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विशेषज्ञ समिति की सहायता से उपर्युक्त प्रस्ताव की जांच की थी और आयोग ने अपने दिनांक 4 अगस्त, 2015 के पत्र सं.24-1/2012 (सीपीपी-I) और बाद में 7 अक्टूबर 2015 और 23 दिसम्बर, 2015 के समसंख्यक स्पष्टीकरणों के अंतर्गत केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, चोगलाम्सर, लेह (लद्दाख), जम्मू और कश्मीर को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत नवीन श्रेणी के अंतर्गत 05 वर्षों की अनंतिम अवधि के लिए 'समवत विश्वविद्यालय' का दर्जा प्रदान करने की सिफारिश की है;

4. अत:, केन्द्र सरकार, यूजीसी के परामर्श से यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा घोषित करती है कि केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, चोगलाम्सर, लेह (लद्दाख), जम्मू और कश्मीर उपर्युक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु पांच वर्ष की अवधि के लिए नवीन श्रेणी के अंतर्गत उस तारीख से, जब से सीआईबीएस अपने पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के लिए सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी और तिब्बतन औषध एवं ज्योतिष विभाग, धर्मशाला से अपनी संबद्धता समाप्त करता है, अनंतिम रूप से 'समवत विश्वविद्यालय' होगा। सीआईबीएस की समवत विश्वविद्यालय के रूप में घोषणा की पुष्टि यूजीसी विशेषज्ञ समिति(यों) की पांच क्रमिक वार्षिक कार्य-निष्पादन रिपोर्टों के आधार पर, पांच वर्ष बाद की जाएगी।

5. पैरा 4 में की गई घोषणा निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन होगी:

I. यूजीसी विनियम (समवत विश्वविद्यालय संस्था) 2010, जिन्हें वर्ष 2014 और 2015 में संशोधित किया गया था और उसमें आगे किए गए संशोधन तथा यूजीसी के समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश सीआईबीएस पर बाध्यकारी होंगे।

II. उपर्युक्त 5(I) में किसी बात के होते हुए घोषणा आगे निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन होगी:

(क) सीआईबीएस अपने संगम ज्ञापन (एमओए)/नियमावली को, जहां भी आवश्यक हो, यूजीसी/भारत सरकार के परामर्श और सहमति से संशोधित/अद्यतन कर सकेगा। केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान (सीआईबीएस) भी भारत सरकार या यूजीसी द्वारा सुझाए गए संशोधनों/सुधारों, यदि कोई हों, को अपने संगम ज्ञापन (एमओए) में कर सकेगा।

(ख) सीआईबीएस किन्हीं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन नहीं करेगा।

(ग) सीआईबीएस यूजीसी और भारत सरकार के पूर्वानुमोदन के बिना परिसर के बाहर/ परिसर में नए विभाग(गों) को नहीं खोल सकेगा या संचालित कर सकेगा।

(घ) सीआईबीएस को किसी कॉलेज(जों)/संस्थान(नों) को संबद्ध करने की भी अनुमति नहीं है।

(ङ) सीआईबीएस उच्च शिक्षा की फ्रैंचाइज़ी नहीं चलाएगा जिसकी किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं है।

(च) सीआईबीएस द्वारा संचालित किए जा रहे या संचालित किए जाने वाले शैक्षिक कार्यक्रम संगत सांविधिक परिषदों द्वारा निर्धारित मानकों और मापदंडों के अनुरूप होंगे।

(छ) सीआईबीएस, किन्हीं डिग्रियों जो यूजीसी द्वारा विनिर्दिष्ट नहीं है, जैसा भी मामला हो, को प्रदान नहीं करेगा। सीआईबीएस यह भी सुनिश्चित करेगा कि उसके द्वारा प्रदान की जाने वाली डिग्रियां आदि के नाम यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 22 के अंतर्गत यूजीसी द्वारा विनिर्दिष्ट किए गए हों।

(ज) छात्रों के प्रवेश, छात्रों की दाखिला क्षमता, नए पाठ्यक्रम/कार्यक्रमों की शुरूआत करने, पाठ्यक्रमों के अनुमोदन का नवीकरण आदि के मामलों से संबंधित संगत सांविधिक परिषदों और अन्य प्राधिकरणों के सभी निर्धारित मानक और प्रक्रियाएं लागू रहेंगी और सीआईबीएस द्वारा इनका अनुपालन सुनिश्चित किया जाता रहेगा।

(झ) सीआईबीएस, यूजीसी की विशेषज्ञ समिति द्वारा अपनी संबंधित निरीक्षण रिपोर्ट में दर्शायी गई टिप्पणियों और सुझावों, यदि कोई हों तो, का अनुपालन करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

प्रवीण कुमार
संयुक्त सचिव

संसदीय कार्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 2016

संकल्प

सं. फा.4(2)/2014-हिंदी—संसदीय कार्य मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती बिमला कश्यप सूद, संसद सदस्य के राज्य सभा से सेवानिवृत्त होने के फलस्वरूप हुई रिक्ति के स्थान पर श्री अमर शंकर साबले, संसद सदस्य (राज्य सभा) को समिति के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है।

आदेश

इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, लोक/राज्य सभा सचिवालय, नीति आयोग, संसदीय राजभाषा समिति, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और वेतन तथा लेखा कार्यालय, मंत्रिमंडल कार्य, नई दिल्ली को भेजी जाए।

इस संकल्प को जनसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

सत्य प्रकाश
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi the 26th January 2016

No. 32-Pres/2016—The President is pleased to award the President's Police Medal for Distinguished Service on the occasion of the Republic Day, 2016 to the under mentioned officers :—

1. SHRI K R M KISHORE KUMAR, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE (RAILWAYS), HYDERABAD, ANDHRA PRADESH
2. SHRI G. RAJA KISHORE BABU, SUPERINTENDENT OF POLICE (NC), INTELIGENCE, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH
3. DR YATENDRA KUMAR GAUTAM, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (CID), ULUBARI, GUWAHATI, ASSAM
4. SHRI ALOK RAJ, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL (LAW & ORDER), PATNA, BIHAR
5. SHRI JITENDRA KUMAR, SPECIAL SECRETARY, HOME DEPARTMENT, PATNA, BIHAR
6. SHRI MD SADIK ANSARI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PHQ PATNA, BIHAR
7. SHRI RAJESH KUMAR MISHRA, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE (ADMINISTRATION), PHQ RAIPUR, CHHATTISGARH
8. SHRI SATYENDRA GARG, SPECIAL COMMISSIONER OF POLICE (LEGAL CELL AND RESEARCH), NCT OF DELHI
9. SHRI RAVI SHANKER, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE (TRAINING HQ), PTC, JHARODA KALAN, NCT OF DELHI
10. SHRI RAMESH KUMAR, INSPECTOR, SOUTH-EAST DISTRICT, SARITA VIHAR, NCT OF DELHI
11. SHRI RANVIR SINGH, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE (OPS), NCT OF DELHI
12. SHRI RAMANLAL MAKWANA, INTELLIGENCE OFFICER, O/O DGP(INT), GANDHINAGAR, GUJARAT
13. SHRI MANOJ AGARWAL, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (LAW AND ORDER), GANDHINAGAR, GUJARAT
14. SHRI SUDHIR CHOWDHARY, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE (PRISONS), PANCHKULA, HARYANA
15. SHRI SHATRUJEET SINGH KAPOOR, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE (CID), PANCHKULA, HARYANA
16. SHRI PADAM DASS, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CM SECURITY, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH
17. SHRI HEMANT KUMAR LOHIA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (TECHNICAL SERVICE), JAMMU, JAMMU AND KASHMIR
18. SHRI GHULAM HASSAN BHAT, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CKR SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR
19. SHRI RAJ KUMAR MALLICK, INSPECTOR GENERAL (PROVISION) , RANCHI, JHARKHAND
20. SHRI SUNIL AGARWAL, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, NER KALABURAGI, KARNATAKA
21. SHRI PANDURANGA HADU RANE, COMMISSIONER OF POLICE, HUBBALI, DHARWAD CITY, KARNATAKA
22. SHRI K H JAGADISH, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA LOKAYUKTA, TUMAKURU DISTRICT, KARNATAKA
23. SHRI RAJESH DEWAN, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE (TRAINING), THIRUVANANTHAPURAM, KERALA
24. SHRI B S MOHAMMED YASIN, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, COASTAL POLICE KOCHI, KERALA
25. SHRI GOVIND PRATAP SINGH, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, CID, PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH

26. SHRI RAVINDRA KUMAR GUPTA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, RAPTC, INDORE, MADHYA PRADESH

27. SHRI PRADEEP SINGH CHOUHAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (TRAFFIC), INDORE, MADHYA PRADESH

28. SHRI SHEKH RAZAULLAH, INSPECTOR (BAND), 7TH BN SAF, BHOPAL, MADHYA PRADESH

29. SHRI ATULCHANDRA MADHUKAR KULKARNI, JOINT COMMISSIONER OF POLICE (CRIME), OFFICE OF THE COMMR OF POLICE, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA

30. SHRI RAVINDRA GANESH KADAM, SPECIAL INSPECTOR GENERAL OF POLICE, NAGPUR RANGE, MAHARASHTRA

31. SHRI SHASHIKANT DATTATRAY SURVE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, COLABA DIVISION, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA

32. SHRI NAGESH SHIVDAS LOHAR, ASSISTANT COMMISIONER OF POLICE, OFFICE OF THE COMMISIONER OF POLICE, THANE CITY, MAHARASHTRA

33. SHRI BISHAM DEV THAKUR, JEMADAR, MPTC, PANGEI, MANIPUR

34. SHRI DEBASIS PANIGRAHI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (PERSONNEL), CUTTACK, ODISHA

35. SHRI LALIT DAS, SPECIAL SECRETARY (HOME DEPARTMENT), BHUBANESWAR, ODISHA

36. SHRI MOHAN LAL LATHER, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, POLICE HOUSING, POLICE HEADQUARTER, JAIPUR, RAJASTHAN

37. SHRI UTKAL RANJAN SAHOO, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, INTELLIGENCE, JAIPUR, RAJASTHAN

38. DR. M RAVI, IGP/CHIEF VIGILANCE OFFICER, TNCMPF LTD, CHENNAI, TAMIL NADU

39. SHRI G SAMBANDAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SIC VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, CHENNAI, TAMIL NADU

40. SHRI ANJANI KUMAR, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE (LO), HYDERABAD CITY, TELANGANA

41. SHRI N SURYANARAYANA, DIRECTOR (VIGILANCE & ENFORCEMENT DEPARTMENT), HYDERABAD, TELANGANA

42. SHRI M SIVA PRASAD, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, CAR HQRS, HYDERABAD, TELANGANA

43. SHRI ANURAG, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (LAW & ORDER), PHQ, AGARTALA, TRIPURA

44. SHRI BHAGIRATH PANDITRAO JOGDAND, INSPECTOR GENERAL (KARMIK), DG POLICE HQ, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

45. SHRI BRAJ BHUSHAN, INSPECTOR GENERAL, ALLAHABAD ZONE, UTTAR PRADESH

46. SHRI PREM CHAND MEENA, INSPECTOR GENERAL (TECHNICAL SERVICES), UP JAWAHAR BHAWAN, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

47. SHRI DURGA CHARAN MISHRA, INSPECTOR GENERAL, AGRA ZONE, UTTAR PRADESH

48. SHRI RAJESH K S RATHORE, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, RANGE BAREILLY, UTTAR PRADESH

49. SHRI SANJAY CHAUDHARY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MIRZAPUR, UTTAR PRADESH

50. SHRI GORAKHNATH YADAV, INSPECTOR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH

51. SHRI GOPAL NATH GOSWAMI, INSPECTOR GENERAL (PM), POLICE HEADQUARTER, 12 SUBHASH ROAD, DEHRADUN, UTTARAKHAND

52. SHRI ANUJ SHARMA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (LAW AND ORDER), NABANNA HOWRAH, WEST BENGAL

53. SHRI SIDDH NATH GUPTA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (WESTERN ZONE), DURGAPUR, BURDWAN, WEST BENGAL

54. SHRI PRAVEER RANJAN, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PUDUCHERRY

55. SHRI NARINDER SINGH JAMWAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, FTR HQ, MEGHALAYA, BORDER SECURITY FORCE

56. SHRI SURJEET SINGH DOGRA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CSWT, INDORE, BORDER SECURITY FORCE

57. SHRI HARMINDER PAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, FTR HQ M&C, MASIMPUR, BORDER SECURITY FORCE

58. SHRI NARAYAN DUTT BAHUGUNA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SHQ, JOWAI, MEGHALAYA, BORDER SECURITY FORCE

59. SHRI VIMAL SATYARTHI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, STS, YELHANKA, BANGALORE, BORDER SECURITY FORCE

60. SHRI ANURAG GARG, JOINT DIRECTOR, DELHI ZONE, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

61. SHRI RAJIV SINGH, JOINT DIRECTOR, NE ZONE, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

62. SHRI N M SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, STF, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

63. SHRI S S KISHORE, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SC II NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

64. SHRI SANJAY KEWALKRISHAN SAREEN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, GANDHINAGAR, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

65. SHRI SANDIP GHOSH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, IPCC, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

66. SHRI PRAYATTUKUNNEL JOHNSON VARKEY, COMMANDANT, UNIT VSSC, THUMBA, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

67. SHRI UMESH DUBEY, DEPUTY COMMANDANTT, UNIT IGI AIRPORT, DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

68. SHRI PIYUSH ANAND, INSPECTOR GENERAL, ODISHA SEC, NAYAPALLI, HQ, BHUBNESHWAR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

69. SHRI RAJENDRA PRASAD PANDEY, INSPECTOR GENERAL, DTE GENL, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

70. SHRI BHUPAT SINGH CHAUHAN, INSPECTOR GENERAL, ISA MOUNT ABU, RAJASTHAN , CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

71. DR. HIRA LAL RASKARAN, INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), CH BANTLAB, JAMMU, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

72. DR. ARUN KUMAR SINHA, INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), CH HYDERABAD, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

73. SHRI VARGHESE P.G., SECOND IN COMMAND, 236 B, ATTACHED WITH GC PUNE, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

74. SHRI RITHWIK RUDRA, JOINT DIRECTOR, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

75. DR MAHESH DIXIT, JOINT DIRECTOR, PATNA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

76. SHRI PRAVEEN KUMAR, JOINT DIRECTOR, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

77. SHRI SOHAN SINGH, ASSISTANT DIRECTOR, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

78. SHRI DIWAKAR SINGH, ASSISTANT DIRECTOR, VARANASI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

79. SHRI PUNEET DEO MISHRA, ASSISTANT DIRECTOR, JAIPUR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

80. SMT. NEETA MISHRA, DCIO, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

81. SHRI KALIDOSS NATARAJAN, ACIO-II/G, CHENNAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

82. SHRI SUNIL RANJAN ROY, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, EASTERN FRONTIER, LUCKNOW, UP, INDO TIBETAN BORDER POLICE

83. SHRI BHANWAR SINGH SAHAY, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, DTE GENL, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, INDO TIBETAN BORDER POLICE

84. SHRI KUMAR PAL SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SHQ, PILIBHIT, SASHASTRA SEEMA BAL

85. SHRI UMED SINGH BISHT, SENIOR FIELD OFFICER (MTG), CI AND JW SCHOOL, GWALDAM, SASHASTRA SEEMA BAL

86. SHRI SUDHANSHU SHEKHAR SRIVASTAVA, INSPECTOR GENERAL, SPG HQR, NEW DELHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

87. SHRI V PANDIYAN, INSPECTOR (RIDING), SVP NPA, HYDERABAD

88. SHRI BINOD KUMAR SINGH, OFFICER ON SPECIAL DUTY TO HOME MINISTER, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

89. SHRI DR. SUBHASH CHANDRA SAHU, CHIEF SECURITY COMMISSIONER, SOUTH WESTERN RAILWAY, HUBBALLI, M/O RAILWAYS

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of President's Police Medal for Distinguished Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 33-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Meritorious Service on the occasion of the Republic Day, 2016 to the under mentioned officers :—

1. SHRI POCHINENI RAMESHAIAH, SUPERINTENDENT OF POLICE, REGIONAL VIGILANCE & ENFORCEMENT, NELLORE, ANDHRA PRADESH

2. SHRI B SRINIVAS, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, INTELLIGENCE SECURITY WING, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH

3. SHRI S RAJASEKHAR RAO, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, REGIONAL VIGILANCE & ENFORCEMENT OFFICE, TIRUPATI, ANDHRA PRADESH

4. SHRI V. VIJAYA BHASKAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, INTELLIGENCE, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH

5. SHRI NUNNABODI SATYANANDAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, REGIONAL OFFICE, CID, VIJAYAWADA CITY, ANDHRA PRADESH

6. SHRI CHINTADA LAKSHMIPATHI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANTI CORRUPTION BUREAU,VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH

7. SHRI N SUBBA RAO, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANANTAPURAMU DISTRICT, ANDHRA PRADESH

8. SHRI KINJARAPU PRABHAKAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TRAFFIC, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH

9. SHRI RAJAPU RAMANA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, EAST SUB-DIVISION, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH

10. SHRI SUDHABATHULA RAMESH BABU, SUB INSPECTOR , WEST GODAVARI DISTRICT, ANDHRA PRADESH

11. SHRI SHAIK SHAFI AHMED, SUB INSPECTOR OF POLICE, DSB, NELLORE, ANDHRA PRADESH

12. SHRI B. LAKSHMAIAH, ARMED RESERVE SUB INSPECTOR, PTC, TIRUPATI, ANDHRA PRADESH

13. SHRI SABBASANI RANGA REDDY, HEAD CONSTABLE, 6TH BN APSP, MANGALAGIRI GUNTUR, ANDHRA PRADESH

14. SHRI AGRAHARAM SREENIVASA SHARMA, HEAD CONSTABLE, KADAPA-II TOWN P.S., ANDHRA PRADESH

15. SHRI J. NAGESWARA RAO, ARMED RESERVE HEAD CONSTABLE, CAR, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH
16. SMT. INDRANI BARUAH, SUPERINTENDENT OF POLICE, KAMRUP, ASSAM
17. SHRI DHARANI DHAR MAHANTA, INSPECTOR OF POLICE, S.B. ORGANIZATION, KAHILIPARA, GUWAHATI, ASSAM
18. SHRI TAPAN KUMAR MAHANTA, SUB INSPECTOR OF POLICE (AB), POLICE COMMISSIONERATE, GUWAHATI, ASSAM
19. SHRI PANNE LAL GUPTA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE (BORDER HQ), SRIMANTAPUR, GUWAHATI, ASSAM
20. SHRI SANDIP DEB, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE (SB), AP HQRS ULUBARI, GUWAHATI, ASSAM
21. SHRI AJIT KALITA, HAVILDER, BTC DERGAON, ASSAM
22. SHRI BINOD SINGH, HAVILDER, APTC DERGAON, ASSAM
23. SHRI ARJUN KUMAR THAKUR, CONSTABLE, DARRANG DEF, ASSAM
24. SHRI RAKESH KUMAR DUBEY, ADC TO THE GOVERNER, PATNA, BIHAR
25. SHRI SHARAD KUMAR UPADHYAY, ASSISTNAT SUB INSPECTOR, ZONAL IG OFFICE, PATNA, BIHAR
26. SHRI VINOD KUMAR SINGH, ASSISTNAT SUB INSPECTOR, DG (P) OFFICE, PATNA, BIHAR
27. SHRI BHOLA PRASAD SINGH, ASSISTNAT SUB INSPECTOR, PHQ, PATNA, BIHAR
28. SHRI LAW KUMAR DWIVEDI, ASSISTNAT SUB INSPECTOR, DG(P) OFFICE, PATNA, BIHAR
29. SHRI NAVRATAN KUMAR, PTC CONSTABLE, ZONAL IG OFFICE, PATNA, BIHAR
30. SHRI RANJEET KUMAR, CONSTABLE, ATS, PATNA, BIHAR
31. SHRI SRIKANT SINGH, CONSTABLE, DG (P) OFFICE, PATNA, BIHAR
32. SHRI RAJESH KUMAR PANDEY, CONSTABLE, DG (P) OFFICE, PATNA, BIHAR
33. SHRI MANOJ KUMAR, CONSTABLE , DG (P) OFFICE, PATNA, BIHAR
34. SHRI BIRENDRA KUMAR PASWAN, CONSTABLE, DG (P) OFFICE, PATNA, BIHAR
35. SHRI KAILASH PRASAD, DATA ENTRY OPERATOR, SCRB, PATNA, BIHAR
36. SHRI B P POUSHARYA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (AJK), PHQ, RAIPUR, CHHATTISGARH
37. MS. SONAL V MISRA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (ADMINISTRATION), PHQ, RAIPUR, CHHATTISGARH
38. SHRI R P SAI, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL (SB), PHQ, RAIPUR, CHHATTISGARH
39. SHRI BODHAN RAM SAHU, INSPECTOR, PHQ, RAIPUR, CHHATTISGARH
40. SHRI CHHOTE SINGH YADAV, INSPECTOR, SB BASTAR, ATTACH SB, KANKER, CHHATTISGARH
41. SHRI MAHESH RAM SAHU, INSPECTOR, SB, MAHASAMUND, CHHATTISGARH
42. SHRI ASHOK KUMAR DHURWE, COMPANY COMMANDER, 18 BN CAF, MANENDRAGARH, CHHATTISGARH
43. SHRI KAROD SINGH, PLATOON COMMANDER, STF BAGHERA, DURG, CHHATTISGARH
44. SHRI JAGAN LAL SAHU, ASSISTANT PLATOON COMMANDER, 9 BN CAF, DANTEWADA, CHHATTISGARH
45. SHRI RAMESH KUMAR BHARDWAJ, STENO, IG OF POLICE, BILASPUR RANGE, CHHATTISGARH
46. SHRI LAXMI NARAIN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, PTC, JHARODA KALAN, NCT OF DELHI
47. SHRI PREM BALLABH, INSPECTOR, PS SPL CP AP & RECTT., NCT OF DELHI

48. SHRI SHIVAJI CHAUHAN, INSPECTOR (COMPUTER), CRIME BRANCH, KAMLA MARKET, NCT OF DELHI

49. SHRI BHARAT BHUSHAN, INSPECTOR, PS CP DELHI, NCT OF DELHI

50. SHRI MOHAN LAL, SUB INSPECTOR, PHQ, NCT OF DELHI

51. SHRI RAMESH KUMAR, SUB INSPECTOR, CSS SPL CELL, NCT OF DELHI

52. SHRI VIJENDER SINGH, SUB INSPECTOR, GNCT SEC, NCT OF DELHI

53. SMT. USHA RANI, SUB INSPECTOR, BHARAT NAGAR PS, NCT OF DELHI

54. SHRI SATYAVIR SINGH, ASSISTNAT SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH, NCT OF DELHI

55. SMT. RISALI YADAV, ASSISTNAT SUB INSPECTOR, NANAK PURA, SPUWAC, NCT OF DELHI

56. SHRI PANKAJ NANDA, HEAD CONSTABLE, PHQ, NCT OF DELHI

57. SHRI JAGBIR SINGH SAJWAL, HEAD CONSTABLE (DVR), SECURITY, NCT OF DELHI

58. SHRI HARSH SINGH, CONSTABLE, MICROFILM SB, NCT OF DELHI

59. SHRI YOGESH PRAKASH GAUR, CONSTABLE, PHQ, NCT OF DELHI

60. SHRI JAGAT SINGH, CONSTABLE, SPL CELL, NCT OF DELHI

61. SHRI MANOJ VASHISTH, CONSTABLE, RP BHAVAN, NCT OF DELHI

62. SHRI ISHWAR SINGH, CONSTABLE, SPL CELL, NCT OF DELHI

63. SHRI KANUBHAI KISHORBHAI PATEL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (ANTI TERRORIST SQUAD), AHMEDABAD, GUJARAT

64. SHRI DHANANJAYSINH VAGHELA, ASSISTANT COMMISSIONER OF INTELLIGENCE, GANDHINAGAR, GUJARAT

65. SHRI JAHIRUDDIN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (CID), CID CRIME HQ GUJARAT, GANDHINAGAR, GUJARAT

66. SHRI PRADIPSINH GHANSHYAMSINH JADEJA, ASST COMMISSIONER OF POLICE (CONTROL ROOM), VADODARA, GUJARAT

67. SHRI HASMUKHBHAI GOMANBHAI VAGHELA, POLICE INSPECTOR, GIR SOMNATH , GUJARAT

68. SHRI BHARATSINH TAPUBHA PARMAR, POLICE SUB INSPECTOR, GPA, KARAI, GUJARAT

69. SHRI VIRDA DHIRAJLAL CHNDULAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAJKOT RAILWAY POLICE STATION, RAJKOT , GUJARAT

70. SHRI JIBHAI RABARI, UN ASSISTANT SUB INSPECTOR , MEHDAMA CITY A DIV., MEHSANA, GUJARAT

71. SHRI MAJIDKHAN ANARKHAN PATHAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PAROLE-FURLOGH SQUAD, NADIAD, KHEDA, GUJARAT

72. SHRI ARVINDKUMAR GANPATBHAI ABASANA, UN ASSISTANT SUB INSPECTOR, CITY A DIV POLICE STATION, SURENDRANAGAR, GUJARAT

73. SHRI DANUBHA NATHUBHA JADEJA, ASSISTANT SUB INSPECTOR (SOG), RAJKOT RURAL, DIST-RAJKOT, GUJARAT

74. SHRI JAVID SULEMANBHAI DELA, HEAD CONSTABLE, RTI CELL, SP OFFICE, RAJKOT RURAL, GUJARAT

75. SHRI PRAVINSINH MAKAVANA, ARMED HEAD CONSTABLE, SRP GR-VI, MUDETI (SK), GUJARAT

76. SHRI MUKESHDAN GADHAVI, SRP CONSTABLE (ASSTT DRILL INSPECTOR), GPA, GANDHINAGAR, GUJARAT

77. SHRI KANTIBHAI, INTELLIGENCE OFFICER, O/O ADGP (INT), GANDHINAGAR, GUJARAT

78. SHRI SHAILESHBHAI MANGLABHAI KATARA, EXECUTIVE DIRECTOR, GSRTC, AHMEDABAD, GUJARAT

79. SMT. NIPUNA MILIND TORAWANE, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, SURAT CITY, GUJARAT

80. SHRI RAMESH PAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACP/DLF, GURGAON, HARYANA

81. SHRI UDAI RAJ SINGH TANWAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (CID), CHANDIGARH, HARYANA

82. SHRI BALWAN SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (2ND IRB), BHONDSI, GURGAON, HARYANA

83. SHRI ANUP SINGH, INSPECTOR, O/O IGP, ROHTAK, HARYANA

84. SHRI BALDEV KRISHAN, SUB INSPECTOR, CID, HARYANA

85. SHRI SATYABIR SINGH, SUB INSPECTOR, CID UNIT, HISAR, HARYANA

86. SHRI PUSHPINDER PAL, EXEMPTEE SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA

87. SHRI JASBIR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CHANDIGARH, HARYANA

88. SHRI BHAGIRATH, E/ ASSISTANT SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA

89. SHRI RAVINDER KUMAR, E/ ASSISTANT SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA

90. SHRI BHAGWAN DASS, E/ ASSISTANT SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA

91. SHRI INDERDEEP SINGH, E/HEAD CONSTABLE, YAMUNANAGAR, HARYANA

92. SHRI GYANESHWAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (SECURITY), STATE CID HQ, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH

93. SHRI DATTA RAM, SUB INSPECTOR, STATE CID, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH

94. SHRI KULWANT SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH

95. SHRI DEEPAK KUMAR SLATHIA, SSP, COMMANDANT, I RP 7TH BN, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

96. SHRI NISAR HUSSAIN DRABU, DY. DIRECTOR, PROS., APHQ J&K, JAMMU AND KASHMIR

97. SHRI GHULAM NABI KHAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, CID HQRS, PS TO IG CID, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

98. SHRI KULWANT SINGH JASROTIA, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE (SECURITY), JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

99. SHRI TARIQ KHURSHEED, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, AD(OPS)SSG, SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR

100. SHRI KULBIR CHAND HANDA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SDPO, BARI-BRAHMNA, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

101. SHRI MOHAN LAL THAKUR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SO TO DIG IRP, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

102. SHRI RIYAZ AHMAD BHAT, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JKAP 8TH BN, MANIGAM KASHMIR, JAMMU AND KASHMIR

103. SHRI JANARDHAN SINGH SLATHIA, INSPECTOR(S), ZPHQ, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

104. SHRI ROMESH KUMAR, SUB-INSPECTOR, APHQ, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

105. SHRI IRSHAD AHMAD JAN, SUB-INSPECTOR (M), RPHQ, SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR

106. SHRI PRAN NATH KOUL, SUB-INSPECTOR (M), PHQ, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

107. SHRI BASHIR AHMAD LONE, ASSISTANT SUB-INSPECTOR, PHQ, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

108. SHRI PURAN CHAND VERMA, ASSISTANT SUB-INSPECTOR, CID, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

109. SHRI DAYAL SINGH, HEAD CONSTABLE, SDRF, 2ND BN, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR

110. SHRI MOHD SHAFI MIR, HEAD CONSTABLE, CID CELL, (NEW DELHI), JAMMU AND KASHMIR

111. SHRI BALWANT SINGH, HEAD CONSTABLE, SKPA, UDHAMPUR, JAMMU AND KASHMIR

112. SHRI KAMAL NAYAN CHOUBEY, INSPECTOR GENERAL, (FTR HQ NB, BSF, SILLIGURI), JHARKHAND

113. SHRI RAMANAND RAJAK, HAVILDAR , IRB-2, CHAIBASA, JHARKHAND

114. SHRI NAVIN KUMAR PANDEY, ASSISTANT SUB INSPECTOR, POLICE LINE, HAZARIBAGH, JHARKHAND

115. SHRI M CHANDRA SEKHAR, DIGP AND JOINT COMMISSIONER OF POLICE (CRIME), BENGALURU CITY, KARNATAKA

116. SMT. D. ROOPA, JOINT COMMISSIONER OF POLICE (INTELLIGENCE), BENGALURU CITY, KARNATAKA

117. SHRI NARAYAN BIRJE, DEPUTY CCOMMISSIONER, CRIME AND TRAFFIC, MYSURU CITY, KARNATAKA

118. SHRI NAGARAKERE CHIKKAPANCHAIAH SHANKARAIAH, ASSISTANT COMMISSION OF POLICE, CCB BENGALURU, KARNATAKA

119. SHRI S H DUGGAPPA, ASSISTANT COMMISSION OF POLICE, AIRPORT SUB DN, BENGALURU CITY, KARNATAKA

120. SHRI RAMALINGAPPA GIRIJESH, ASSISTANT COMMISSION OF POLICE, DEVARAJA SUB DN, MYSURU CITY, KARNATAKA

121. SHRI MADAN A GAONKAR, ASSISTANT COMMISSION OF POLICE, MANGALURU NORTH SUB DN, MANGALURU CITY, KARNATAKA

122. SHRI SONTENAHALLI DASEGOWDA VENKATASWAMY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA LOKAYUKTA, BENGALURU, KARNATAKA

123. SHRI M S BULLAKKANAVAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE & ASST DIRECTOR, KARNATAKA POLICE ACADEMY, MYSURU, KARNATAKA

124. SHRI SHAMBULINGAPPA I BUYYAR BUYYAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PTS, GIRI NAGAR, HUBBALI DHARWAD, KARNATAKA

125. SHRI DAYANAND, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, DANDELI SUB DN, KARWAR, KARNATAKA

126. SHRI RAJIV SIDRAM, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE (TRAFFIC), BELAGAVI CITY, KARNATAKA

127. SHRI M RAMASUBBU, PI (WIRELESS), CHITRADRUGA CONTROL ROM, KARNATAKA

128. SHRI B PUTTAIAH, PSI (INTELLIGENCE), BENGALURU, KARNATAKA

129. SHRI H B JNANENDRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MALURU PS, KARNATAKA

130. SHRI S I CHINNAPPA, SPL RSI, IIIRD BN KSRP, BENGALURU, KARNATAKA

131. SHRI S G RAMAKRISHNAIAH, SPL ARSI, IV BN KSRP, BENGALURU, KARNATAKA

132. SHRI L M HULIYAPPA, SPL ARSI, V BN KSRP, MYSURU, KARNATAKA

133. SHRI K. TIMMAPPA GOWDA, SPL ARSI, VIII BN KSRP, SHIVAMOGA, KARNATAKA

134. SHRI SRINIVASA M V, HEAD CONSTABLE, CITY CRIME BRANCH, BENGALURU CITY, KARNATAKA

135. SHRI M MOHAMMED SHABEER, SUPERINTENDENT OF POLICE, SBCID HQ, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA

136. SHRI K S SURESH KUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, CBCID H,Q THIRUVANANTHAPURAM, KERALA

137. SHRI K M GEORGE, DEPUTY COMMANDANT, RAJ BHAVAN, THIRUVANANTHAPRAM, KERALA

138. SHRI P VAHID, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SBCID, THRISSUR RANGE, KERALA

139. SHRI M.P. MOHANACHANDRAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SBCID, MALAPPURAM, KERALA

140. SHRI C.S. SHAHUL HAMEED, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE (ADMINISTRATION), THRISSUR CITY, KERALA

141. SHRI K V SANTHOSH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBCID, HHW III, KOZHIKODE, KANNUR, KERALA

142. SHRI M. HAJA NAZARUDEEN, SUB INSPECTOR, SB/CID, SECURITY WING, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA

143. SHRI BIJI GEORGE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VACB, SPECIAL CELL, ERNAKULAM, KERALA

144. SHRI G. THULASEEDHARAN NAIR, SUB INSPECTOR OF POLICE, VACB SOUTHERN RANGE, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA

145. SHRI SANTOSH KUMAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, URBAN, INDORE, MADHYA PRADESH

146. SHRI DILIP SINGH KUSHWAH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SB, UJJAIN, MADHYA PRADESH

147. SHRI BHARAT BHUSHAN RAI, ASST COMDT, 23RD BN SAF, BHOPAL, MADHYA PRADESH

148. SHRI NAVEEN KUMAR AWASTHY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SPE LOKAYUKT BHOPAL, MADHYA PRADESH

149. SHRI OM PRAKASH BHATNAGAR, INSPECTOR, SB, SAGAR, MADHYA PRADESH

150. SHRI ASHOK SINGH TOMAR, PLATOON CAMMANDER, 14TH BN SAF, GWALIOR, MADHYA PRADESH

151. SHRI SHIV NARAYAN MEHRA, SUB INSPECTOR (RADIO), INDORE, MADHYA PRADESH

152. SHRI BHARAT SINGH SIKARWAR, SEC COMMANDER, 13TH BN SAF, GWALIOR, MADHYA PRADESH

153. SHRI SATYAVEER SINGH, ASSTT. PLATOON COMMANDER, 15TH BN SAF, INDORE, MADHYA PRADESH

154. SHRI ABDUL WARRIS, HEAD CONSTABLE, DRP LINE, CHHATARPUR, MADHYA PRADESH

155. SHRI SHIV PUJAN SINGH, HEAD CONSTABLE, 186, 24TH BN SAF, JAORA RATLAM, MADHYA PRADESH

156. SHRI HAR BHAJAN SINGH, CONSTABLE (RADIO), BHOPAL, MADHYA PRADESH

157. SHRI ASHOK KUMAR MISHRA, HEAD CONSTABLE, O/O SDOP CHANDERI, ASHOKNAGAR, MADHYA PRADESH

158. SHRI OMKAR SINGH, CONSTABLE (M), EOW, GWALIOR, MADHYA PRADESH

159. MS. SANDHYA VYAVHARE, INSPECTOR (M), SB PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH

160. MS. RAVI UNNISA KHAN, SUBEDAR (M), JNPA, SAGAR, MADHYA PRADESH

161. SHRI VINAY MAHADEORAO KARGAONKAR, SPECIAL INSPECTOR GENERAL OF POLICE AND CHIEF VIGILANCE OFFICER, MAHARASHTRA SALES TAX DEPARTMENT, MUMBAI, MAHARASHTRA

162. DR. CHHERING DORJE, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, WEST REGION, MUMBAI, MAHARASHTRA

163. SHRI SANJAY WASUDEO JAMBHULAR, DEPUTY COMMISIONER OF POLICE, ARMED POLICE MAROL, MUMBAI, MAHARASHTRA

164. SHRI JANKIRAM BANDUJI DAKHORE, COMMANDANT, SRPF GR IX, AMRAVATI, MAHARASHTRA

165. SHRI PRAKASH PRABHAKARRAO KULKARNI, POLICE INSPECTOR, ANTI CORRUPTION BUREAU, AURANGABAD, MAHARASHTRA

166. SHRI RASHID TURAB TADVI, ARMED POLICE INSPECTOR, SRPF GR-VI, DHULE, MAHARASHTRA

167. SHRI SUBHASH BHASKAR DAGADKHAIR, POLICE INSPECTOR, ARMED POLICE NAIGAON, MUMBAI, MAHARASHTRA

168. SHRI SATISH PANDURANG KSHIRSAGAR, ARMED POLICE INSPECTOR, SRPF GRI, MUMBAI, MAHARASHTRA

169. SMT. SUREKHA PRATAP DUGGE, POLICE INSPECTOR, STATE INTELLIGENCE DEPARTMENT, MUMBAI, MAHARASHTRA

170. SHRI SHAMKANT RAMRAO PATIL, ASST POLICE INSPECTOR, READER BRANCH, COMMR OFFICE, AURANGABAD CITY, MAHARASHTRA

171. SHRI VISHNU TRIMBAKRAO BADE, POLICE SUB-INSPECTOR, SPECIAL BRANCH I CID, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA

172. SHRI HANUMANT BHANUDAS SUGAONKAR, POLICE SUB-INSPECTOR, BUND GARDEN POLICE STATION, PUNE CITY, MAHARASHTRA

173. SHRI SAKHARAM DATTU REDEKAR, POLICE SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH CID, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA

174. SHRI RAJAN DATTATRAY MANJREKAR, POLICE SUB INSPECTOR, TRAFFIC CONTROL BRANCH, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA

175. SHRI EKNATH VISHNU KESARKAR, POLICE SUB INSPECTOR, TILAK NAGAR POLICE STATION, MUMABI CITY, MAHARASHTRA

176. SHRI BALASAHEB SHRIPATI DESAI, POLICE SUB INSPECTOR, KURLA POLICE STATION, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA

177. SHRI CHANDRAKANT PARBATHI PAWAR, POLICE SUB INSPECTOR, BORIVALI POLICE STATION, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA

178. SHRI RAJENDRA SUDHAKAR ZENDE, SR INTELLIGENCE OFFICER, STATE INTELLIGENCE DEPARTMENT, JALGAON, MAHARASHTRA

179. SHRI RAJENDRA PUNDLIKRAO HOTE, POLICE SUB INSPECTOR, MANGLUR POLICE STATION, AMRAVATI RURAL, MAHARASHTRA

180. SHRI BHASKAR RAMRAO WANKHEDE, ASSTT SUB INSPECTOR, SPECIAL BRANCH, NAGPUR CITY, MAHARASHTRA

181. SHRI BHAGWAT KISANRAO TAPSE, ASSTT SUB INSPECTOR, MT SECTION, BEED, MAHARASHTRA

182. SHRI VASANT RAJARAM SARANG, ASSTT SUB INSPECTOR, NAGPADA POLICE STATION, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA

183. SHRI LIYAKATALI MOHAMMADALI KHAN, ASSTT SUB INSPECTOR, DISTRICT SPECIAL BRANCH, BHANDARA, MAHARASHTRA

184. SHRI SUBHASH PILOBA RANAVRE, ARMED ASSTT SUB INSPECTOR, SRPF GR-II, PUNE, MAHARASHTRA

185. SHRI DILIP SHIVRAM BHAGAT, ASSTT SUB INSPECTOR, ANTI CORRUPTION BUREAU, OSMANABAD, MAHARASHTRA

186. SHRI SHAMVEL SADANAND UJAGARE, ARMED ASSTT SUB INSPECTOR, SRPF GR-V, DAUND, MAHARASHTRA

187. SHRI ARUN YASHWANT BUDHKAR, ASSTT SUB INSPECTOR, PIMPARI POLICE STATION, PUNE CITY, MAHARASHTRA

188. SHRI ARUN WAMANRAO PATIL, ASSTT SUB INSPECTOR, BDDS, JALGAON, MAHARASHTRA

189. SHRI MOTILAL DAGDU PATIL, ASSTT SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH, THANE CITY, MAHARASHTRA

190. SHRI BHARATARINATH DAMU SONAWANE, ARMED ASSTT SUB INSPECTOR, SRPF GR-I, PUNE, MAHARASHTRA

191. SHRI MADHUKAR ARJUN BHAGWAT, ARMED ASST SUB INSPECTOR, SRPF GR-V, DAUND, MAHARASHTRA

192. SHRI SATISH RANGNATH JAMDAR, ASST SUB INSPECTOR, SRPF GR-V, DAUND, MAHARASHTRA

193. SHRI HIMMAT LAXMAN JADHAV, ARMED ASSTT SUB INSPECTOR, SRPF GR- VII, DAUND, MAHARASHTRA

194. SHRI RAJENDRA SHARAD POHARE, ASSTT SUB INSPECTOR, SPECIAL BRANCH, PUNE CITY, MAHARASHTRA

195. SHRI PRAKASH LAXMAN BRAMHA, WIRELESS HEAD CONSTABLE, ADDL DGP OFFICE WIRELESS, PUNE, MAHARASHTRA

196. SHRI SAMBHAJI KHANDU PATIL, ARMED HEAD CONSTABLE, SRPF GR-II, PUNE, MAHARASHTRA

197. SHRI PRADEEP GAJANAN KADWADKAR, HEAD CONSTABLE, ARMED POLICE WORLI, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA

198. SHRI BABAN VITTHAL ADHARI, HEAD CONSTABLE (WIRELESS), ADDL DGP OFFICE WIRELESS, PUNE, MAHARASHTRA

199. SHRI VITTHAL YASHWANT PATIL, HEAD CONSTABLE, POLICE HEAD QUARTER, SANGLI, MAHARASHTRA

200. SHRI ASHOK MADHUKAR ROKADE, HEAD CONSTABLE, ATS, MUMBAI, MAHARASHTRA

201. SHRI TUKARAM DATTU BANGAR, HEAD CONSTABLE, KAPURBAVDI POLICE STATION, THANE CITY, MAHARASHTRA

202. SHRI KH. SHASHI KUMAR, INSPECTOR, CID (SB), IMPHAL, MANIPUR

203. SHRI R. K. SARAT SINGH, HAVILDAR, 2ND BN. MR, IMPHAL, MANIPUR

204. SHRI MD RAHIMUDDIN, HAVILDAR, 2ND BN. MR, MANIPUR

205. SHRI O JIBONCHANDRA SINGH, INSPECTOR, CID (SECURITY), PHQ, IMPHAL, MANIPUR

206. SHRI PALMEI SHANTIKUMAR KABUI, INSPECTOR, CID (SECURITY), LEGAL CELL, PHQ, MANIPUR

207. SHRI KHWAIRAKPAM BABUDHON SINGH, RIFFLEMAN, MPTC, PANGEI, MANIPUR

208. SMT. OINAM ACHOUBI DEVI, ASSTT SUB INSPECTOR, CID (SB), MANIPUR

209. SHRI AOTANGDI AO, ABI, 10TH NAP (IR), ZHADIMA, NAGALAND

210. SHRI VIKIQHE SUMI, ABI, NALTOQUA, NAGALAND

211. SHRI KEPFELHOU CHAKHESANG, HAVILDAR, DEF, KOHIMA, NAGALAND

212. SHRI AMITABH THAKUR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SOUTHERN RANGE, BERHAMPUR, ODISHA

213. SHRI PRATEEK MOHANTY, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, NORTHERN RANGE, SAMBALPUR, ODISHA

214. SHRI YATINDRA KOYAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, NCR TALCHER, TALCHER (ANGUL), ODISHA

215. SHRI MANORANJAN MOHANTY, SUPERINTENDENT OF POLICE, NAYAGARH, ODISHA

216. SHRI JASHOBANTA SENAPATI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BARAGARH, ODISHA

217. SHRI UDHAB CHARAN NAIK, SDPO, BORIGUMA, KORAPUT, ODISHA

218. SHRI RAJ KISHORE DORA, SDPO (S), DHENKANAL, ODISHA

219. SHRI SISIR KUMAR SAHOO, INSPECTOR OF POLICE (VIGILANCE) DIRECTORATE, CUTTACK, ODISHA

220. SHRI BHRAMARA BARA SAMAL, ASSTT SUB INSPECTOR, POLICE MOTOR TRANSPORT, CUTTACK, ODISHA

221. SHRI BAURI BANDHU SAHOO, DRIVER HAVILDAR, POLICE MOTOR TRANSPORT, CUTTACK, ODISHA

222. SHRI KARTIKA CHANDRA SAMAL, SEPOY, OSAP 6TH BATTALION, CUTTACK, ODISHA

223. SHRI MANMOHAN KUMAR SHARMA, SUPERINTEDENT OF POLICE, TARN TARAN, PUNJAB

224. SHRI DARA SINGH, INSPECTOR (ADHOC), PAP, JALLANDHAR, PUNJAB

225. SHRI TARA SINGH, SUB INSPECTOR, PPA, PHILLAUR, PUNJAB

226. SHRI BALKAR SINGH, SUB INSPECTOR, PAP, JALLANDHAR, PUNJAB

227. SHRI GIAN SINGH, SUB INSPECTOR, JALLANDHAR, PUNJAB

228. SHRI MANGAL SINGH, SUB INSPECTOR, LUDHIANA, PUNJAB

229. SHRI JAGDISH KUMAR, SUB INSPECTOR, BATHINDA, PUNJAB

230. SHRI PREM DASS, SUB INSPECTOR, JALLANDHAR, PUNJAB

231. SHRI BHUPINDER SINGH, ASSTT SUB INSPECTOR, O/O ADGP, PUNJAB

232. SHRI RAJINDER SINGH, ASSTT SUB INSPECTOR, CID TRAINING SCHOOL, PUNJAB

233. SHRI SOHAN SINGH, ASSTT SUB INSPECTOR, CID UNIT, CHANDIGARH, PUNJAB

234. SHRI SURESH KUMAR, ASSTT SUB INSPECTOR, LUDHIANA, PUNJAB

235. SHRI GURMAIL SINGH, ASSTT SUB INSPECTOR, VARDHMAN, PUNJAB

236. SHRI RAJESH KUMAR ARYA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (INTELLIGENCE), JAIPUR, RAJASTHAN

237. SHRI BHAGWAN SINGH RATHORE, DEPUTY SUPERINTEDENT OF POLICE, CO DISTT AJMER RURAL NOW ASP (INCENTIVE SCHEME), ACB, JAIPUR, RAJASTHAN

238. SMT. VIJAY LAXMI, DEPUTY SUPERINTEDENT OF POLICE (CID INTELLIGENCE), JODHPUR, RAJASTHAN

239. SHRI PARMESHWAR DAYAL SWAMI, PLATOON COMMANDER, 13 BN RAC, CHAINPURA, JAIPUR, RAJASTHAN

240. SHRI ROHITASH SINGH JAT, PLATOON COMMANDER, RAJASTHAN POLICE ACADEMY, JAIPUR, RAJASTHAN

241. SHRI MAHIPAL PATHAK, SUB INSPECTOR, MAHILA THANA WEST, COMMISSIONERATE, JODHPUR, RAJASTHAN

242. SHRI RANVEER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH, SP OFFICE, CHURU, RAJASTHAN

243. SHRI GOPAL KRISHAN BRAHMAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PS GANGRAR, DISTT CHITTORGARH, RANGE UDAIPUR, RAJASTHAN

244. SHRI NATHU LAL BAIRWA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, POLICE TELE COMMUNICATION, JAIPUR, RAJASTHAN

245. SHRI RUGHA RAM NAI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ACB SU, BIKANER, RAJASTHAN

246. SHRI MANI RAM JAT, HEAD CONSTABLE, PS GHAMOORWALI, DISTT SRIGANGANAGAR, RANGE BIKANER, RAJASTHAN

247. SHRI SHAITAN SINGH CHARAN, HEAD CONSTABLE, CRIME BRANCH, SP OFFICE, GRP AJMER, RAJASTHAN

248. SHRI GIRDHARI LAL, CONSTABLE, CID CB, JAIPUR, RAJASTHAN

249. SHRI VIRENDRA SINGH RAJPUT, CONSTABLE, 5TH BN RAC, JAIPUR, RAJASTHAN

250. SHRI SAJJAD HUSSAIN, CONSTABLE, PS RAJALDESAR, DISTT CHURU, RAJASTHAN

251. SHRI RAGHUVEER SINGH, CONSTABLE, STATE CRIME RECORD BUREAU, JAIPUR, RAJASTHAN

252. SHRI SONAM DETCHU BHUTIA, DEPUTY SUPERINTEDENT OF POLICE, CID, PHQ, GANGTOK, SIKKIM

253. SHRI SANJAY KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, STATE CRIME RECORDS BUREAU, CHENNAI, TAMIL NADU

254. DR. M C SARANGAN, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TECHNICAL SERVICE, CHENNAI, TAMIL NADU

255. SHRI R RUSSEL SAMRAJ, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, POLICE COMPUTER WING SCRB, CHENNAI, TAMIL NADU

256. SHRI R VEERARAGHAVAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, HEADQUARTERS, KRISHNAGIRI DISTRICT, TAMIL NADU

257. SHRI PONNIAH THEVAR MALAICHAMY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CRIME BRANCH CID, TRICHY, TAMIL NADU

258. SHRI P RAVI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU UNIFORMED RECRUITMENT BOARD, CHENNAI, TAMIL NADU

259. SHRI T RAMAMOORTHY, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, SRIRANGAM CRIME RANGE, TRICHY CITY, TAMIL NADU

260. SHRI C MUGILAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VANDALUR SUB DIVISION, KANCHEEPURAM DISTRICT, TAMIL NADU

261. SHRI B NANDAKUMAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, GUINDY RANGE, GREATER CHENNAI POLICE, TAMIL NADU

262. SHRI M SIRAJUDEEN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, OCIU, HEADQUARTERS, CHENNAI, TAMIL NADU

263. SHRI S.V. BARGUNAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE & ANTI CORRUPTION, TIRUNELVELI, TAMIL NADU

264. SHRI V KANNAN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, HOME GUARDS OD AT TRAFFIC PLANNING, TAMIL NADU

265. SMT. R MANONMANI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (TECH), TRICHY CITY, TAMIL NADU

266. SHRI M MOORTHY, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU COMMANDO SCHOOL, CHENNAI, TAMIL NADU

267. SHRI A SUBRAMANIAN, INSPECTOR OF POLICE, SECURITY BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU

268. SHRI K RAGHU, INSPECTOR OF POLICE (TECH), PURCHASE UNIT PTB, CHENNAI, TAMIL NADU

269. SHRI S. BALASUBRAMANIAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE & ANTI CORRUPTION, VIRUDHUNAGAR, TAMIL NADU

270. SHRI S. ARUL AZHAGAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, CC IV, VIGILANCE & ANTI CORRUPTION, CHENNAI, TAMIL NADU

271. SHRI N. VENUGOPAL, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, CC II, VIGILANCE & ANTI CORRUPTION, CHENNAI, TAMIL NADU

272. SHRI R SEKAR, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, DISTRICT CRIME BRANCH, THANJAVUR DISTRICT, TAMIL NADU

273. SHRI M STEPHEN RAVEENDRA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (GREYHOUNDS), OFFICE OF ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, HYDERABAD, TELANGANA

274. SHRI PALLA RAVINDER REDDY, ADDL SUPERINTENDENT OF POLICE (ADMN), MEDAK, SANGAREDDY T.S., TELANGANA

275. SHRI M BHEEM RAO, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PTC, KARIMNAGAR, TELANGANA

276. SHRI KOTTAM SHYAM SUNDER, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SIB, INTELLIGENCE POLICE, HYDERABAD. T-5, TELANGANA

277. SHRI KATAKAM MURALIDHAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CI CELL HYDERABAD, TELANGANA

278. SHRI KOMMERA SREENIVAS RAO, INSPECTOR OF POLICE, SIB INTELLIGENCE HYDERABAD, T.S., TELANGANA

279. SHRI POLU RAVINDER, SUB INSPECTOR, DSB NIZAMABAD, TELANGANA

280. SHRI Y. VALLI BABA, SUB INSPECTOR, GDK-II(T) KARIMNAGAR, TELANGANA

281. SHRI NETHIKAR MARUTHI RAO, SUB INSPECTOR, SE CELL HYDERABAD, TELANGANA

282. SHRI MOHAMMAD JAFFAR, RSI, CI CELL HYDERABAD, TELANGANA

283. SHRI DABBIKAR KISHANJEE, ARSI, CI CELL INT HYDERABAD, TELANGANA

284. SHRI A VENKATESHWARA REDDY, ARSI, DAR HQR, MAHABUBNAGAR, TELANGANA

285. SHRI AMAL CHAKRABORTY, INSPECTOR OF POLICE, KALAMCHOURA SEPAHIJALA, TRIPURA

286. SHRI SEKHAR DATTA, SUB INSPECTOR (UB), O/O SP, SPECIAL BRANCH, TRIPURA, AGARTALA, TRIPURA

287. SHRI JAYANTA NATH, SUB INSPECTOR(AB), O/O SP (SECURITY), AD NAGAR AGARTALA, TRIPURA

288. SHRI SUDIP KAR, ASSTT SUB INSPECTOR UB, GRP, TRIPURA, AGARTALA, TRIPURA

289. SHRI SAJAL KUMAR PAUL, HAVILDAR (GD), THQ 12 BN TSR, KHOWAI, TRIPURA

290. SHRI SAMARENDRA JAMATIA, HAVILDAR (GD), 2ND BN TSR, R K NAGAR (TRIPURA), TRIPURA

291. SHRI PRASHANT KUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE , (NIA, NEW DELHI), UTTAR PRADESH

292. SHRI LAXMI SINGH, DIG, RANGE AGRA, UTTAR PRADESH

293. SHRI DINESH CHANDRA, SUPERINTENDENT OF POLICE (CB), CID, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

294. SHRI JAGNAYAK SINGH GAUTAM, ADDL SUPERINTENDENT OF POLICE, ACO HQ LKW, UTTAR PRADESH

295. SHRI ARUN KUMAR PANDEY, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE /DY COMDT, 42 BN PAC ALLAHABAD, UTTAR PRADESH

296. SHRI ASHOK KUMAR, ADDL SUPERINTENDENT OF POLICE, SPL RANGE SECURITY BN LUCKNOW, UTTAR PRADESH

297. SHRI SANTOSH KUMAR SINGH, ADDL SUPERINTENDENT OF POLICE, ANTI TERRORIST SQUAD LUCKNOW, UTTAR PRADESH

298. SHRI AJAY KUMAR SAHDEV, ADDL SUPERINTENDENT OF POLICE, STF GAUTAMBUDHA NAGAR, UTTAR PRADESH

299. SHRI SUDARSHAN RAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, AZAMGARH, UTTAR PRADESH

300. SHRI RAM KRIPAL BHARTI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ETAWAH, UTTAR PRADESH

301. SHRI HAIDER RAZA ZAIDI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PCL MEERUT, UTTAR PRADESH

302. SHRI UDAI PRATAP SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (ZO), AGRA, UTTAR PRADESH

303. SHRI RISHI PAL SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BULANDSHAHAR, UTTAR PRADESH

304. SHRI RAJVIR SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BUDAUN, UTTAR PRADESH

305. SHRI RAJESH KUMAR SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UNNAO, UTTAR PRADESH

306. SHRI OM PRAKASH SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (LIU), GARAKHPUR, UTTAR PRADESH

307. SHRI LAXMAN RAI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SONBHADRA, UTTAR PRADESH

308. SHRI MOHD HANEEF, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, DGP HQRS LKO, UTTAR PRADESH

309. SHRI RAJVIR SINGH , DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BAGPAT, UTTAR PRADESH

310. SHRI PRAMOD KUMAR CHAWLA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (ZO), JHANSI, UTTAR PRADESH

311. SHRI GORAKH NATH RAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KUSHI NAGAR, UTTAR PRADESH

312. SHRI NAWAL KISHOR CHAUDHARI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, AGRA, UTTAR PRADESH

313. SHRI KRISHNA KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH

314. SHRI ASHOK KUMAR RAI, INSPECTOR, SECURITY HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

315. SHRI VIRENDRA SINGH, INSPECTOR, VIGILANCE LUCKNOW, UTTAR PRADESH

316. SHRI SHYAMA KUMAR, RADIO INSPECTOR, RHQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

317. SHRI VISHNU KUMAR MISHRA, INSPECTOR, HAMIRPUR, UTTAR PRADESH

318. SHRI TEJENDRA SINGH, INSPECTOR, UPPCL LKW, UTTAR PRADESH

319. SHRI RAM BAHADUR, INSPECTOR, KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH
320. SHRI RAMAYAN RAI, SUB INSPECTOR AP, TWENTY SIX BN PAC GKR, UTTAR PRADESH
321. SHRI UMA SINGH YADAV, SUB INSPECTOR, SECURITY HQ LKW, UTTAR PRADESH
322. SHRI KUNJ BIHARI, SUB INSPECTOR, SAMBHAL, UTTAR PRADESH
323. SHRI MOHAMMAD ISRAIL KHAN, HEAD CONSTABLE, CHITRAKOOT, UTTAR PRADESH
324. SHRI SANTOSH KUMAR, HEAD CONSTABLE, EOW LUCKNOW, UTTAR PRADESH
325. SHRI MUKUND SINGH, SUB INSPECTOR (VS), KANPUR DEHAT, UTTAR PRADESH
326. SHRI MAIKULAL, HEAD OPERATOR, RHQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH
327. SHRI MOINUDDIN AHMAD SIDDIQUI, HEAD OPERATOR, RHQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH
328. SHRI SATYANARAYAN, HEAD CONSTABLE(P), ALLAHABAD, UTTAR PRADESH
329. SHRI MAIYADDIN YADAV, SUB INSPECTOR(VS), INT HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH
330. SHRI RAJMANI SINGH, HEAD CONSTABLE, AMETHI, UTTAR PRADESH
331. SHRI KAMLESH SINGH, HEAD CONSTABLE, ATS UP LUCKNOW, UTTAR PRADESH
332. SHRI UMA SHANKAR BAJPAI, HEAD CONSTABLE(P), ETAWAH, UTTAR PRADESH
333. SHRI SURENDRA PRASAD, HEAD CONSTABLE, BN PAC GKR, UTTAR PRADESH
334. SHRI NIRMAL PRASAD, HEAD CONSTABLE (MT), 11 BN PAC STP, UTTAR PRADESH
335. SHRI PRAHLAD KUSHWAHA, HEAD CONSTABLE, 42 BN PAC ALLAHABAD, UTTAR PRADESH
336. SHRI RAVINDRA NAIR JI, HEAD OPERATOR, RHQ LKW, UTTAR PRADESH
337. SHRI DINESH SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE (P), 8BN PAC BAREILLY, UTTAR PRADESH
338. SHRI MUNIB ALI ANSARI, HEAD CONSTABLE, 20 BN PAC AZH, UTTAR PRADESH
339. SHRI RAJ BAHADUR, HEAD CONSTABLE (P), 8 BN PAC BAREILLY, UTTAR PRADESH
340. SHRI SURENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE, 9 BN PAC MDD, UTTAR PRADESH
341. SHRI RAM JI RAM, HEAD CONSTABLE, 35 BN PAC LKW, UTTAR PRADESH
342. SHRI SHYAM SINGH, HEAD CONSTABLE, DISTT. BADAUN, UTTAR PRADESH
343. SHRI RAJ KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, DISTT. VARANASI, UTTAR PRADESH
344. SHRI RAJENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE, 47 BN PAC GZB, UTTAR PRADESH
345. SHRI RANJIT SINGH, HEAD CONSTABLE, 2ND BN PAC STP, UTTAR PRADESH
346. SHRI JASWANT SINGH, HEAD CONSTABLE, DISTT. FIROZABAD, UTTAR PRADESH
347. SHRI DHIRENDRA KUMAR OJHA, HEAD CONSTABLE (AP), DIST.-BHADOHI, UTTAR PRADESH
348. SHRI GIRISH KUMAR SHARMA, HEAD CONSTABLE, SHAHJAHANPUR, UTTAR PRADESH
349. SHRI KAMAL SINGH, HEAD CONSTABLE, SHAHJAHPUR, UTTAR PRADESH
350. SHRI DASHRATH PRASAD, HEAD CONSTABLE, 28 BN PAC EWH, UTTAR PRADESH
351. SHRI VED PRAKASH TYAGI, HEAD CONSTABLE, HAPUR, UTTAR PRADESH
352. SHRI GAYA LAL, HEAD CONSTABLE, STF UP LKW, UTTAR PRADESH
353. SHRI MOHAN LAL DIXIT, HEAD CONSTABLE(P), KANPUR DEHAT, UTTAR PRADESH
354. SHRI RAM PRAVESH SINGH, PLATOON COMMANDER(VIS), 9 BN PAC MDD, UTTAR PRADESH
355. SHRI RAMSHIROMANI TRIPATHI, HEAD CONSTABLE, 25 BN PAC RBI, UTTAR PRADESH
356. SHRI VIRENDRA PRATAP SINGH, HEAD CONSTABLE, 4 BN PAC ALD, UTTAR PRADESH
357. SHRI JAGDISH PRASAD, CONSTABLE (DRIVER), CB CID LKW, UTTAR PRADESH
358. SHRI RAM PRAKASH, CONSTABLE, 10 BN PAC BBK, UTTAR PRADESH

359. SHRI BANSHDHARI, CONSTABLE, FATEHPUR, UTTAR PRADESH

360. SHRI HARISHCHANDRA, CONSTABLE, CHANDAULI, UTTAR PRADESH

361. SHRI JAMAL AHMAD, SUB INSPECTOR (M) STENO, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH

362. SHRI RAJNATH SINGH, SUB INSPECTOR (M) STENO, SPECIAL ENQUIRY, UTTAR PRADESH

363. SHRI GIRJA SHANKAR PANDEY, ADDL SRO, NAINITAL, UTTARAKHAND, UTTARAKHAND

364. SHRI HIRAMANI DHYANI, INSPECTOR INTELLIGENCE, INTELLIGENCE HQRS EIGHT CHANDER ROAD, DALANWALA, DEHRADUN , UTTARAKHAND

365. SHRI UPENDRA DUTT, INSPECTOR ARMORAR, THIRTY ONE BN PAC RUDRAPUR, UTTARAKHAND

366. SHRI CHANDRA DUTT JOSHI, SUB INSPECTOR MT, DISTRICT NAINITAL, UTTARAKHAND

367. SHRI HAR RAJ SINGH, SUB INSPECTOR (V), IRB I, RAMNAGAR, NAINITAL, UTTARAKHAND

368. SHRI BASTAB BAIDYA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, CENTRAL DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL

369. SHRI SUJAY KUMAR CHANDA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE (WIRELESS BRANCH), KOLKATA, WEST BENGAL

370. SHRI MANAS KUMAR BANIK, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, COMBAT BN PTS KOLKATA, WEST BENGAL

371. SMT. APARNA SARKAR, INSPECTOR OF POLICE, CID WB, WEST BENGAL

372. SHRI ASOKE NATH CHATTOPADHYAY, INSPECTOR, HOWRAH TRAFFIC GUARD, HOWRAH PC, WEST BENGAL

373. SHRI RAJIB GON, INSPECTOR (AB), RESERVE INSPECTOR HOOGHLY, WEST BENGAL

374. SHRI DEBABRATA DAS, INSPECTOR, SPECIAL BRANCH KOLKATA, WEST BENGAL

375. SHRI MD NURUL ABSAR, INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL TASK FORCE LALBAGH, KOLKATA, WEST BENGAL

376. SHRI SUMAN MUKHOPADHYAY, INSPECTOR OF POLICE, TRAFFIC DEPARTMENT, KOLKATA, WEST BENGAL

377. SHRI PABITRA KUMAR MUKHERJEE, INSPECTOR OF POLICE, SOUTH EAST DEVISION, KOLKATA, WEST BENGAL

378. SHRI DEBJIT BHATTACHARYYA, INSPECTOR OF POLICE, SOUTH EAST DIVISION KOLKATA, WEST BENGAL

379. SHRI CHITRADIP PANDE, INSPECTOR OF POLICE, DETECTIVE DEPARTMENT LALBAZAR, KOLKATA, WEST BENGAL

380. SHRI SUBIR CHANDRA SEN, SUB INSPECTOR OF POLICE (RO-I), ASANSOL DURGAPUR, WEST BENGAL

381. SHRI BISWARANJAN BANDYOPADHYAY, SUB INSPECTOR OF POLICE, OC GHATAL PS, WEST BENGAL

382. SHRI AVIJIT SANKAR SAU, SUB INSPECTOR OF POLICE, RESERVE OFFICE JHARGRAM POLICE DISTRICT, WEST BENGAL

383. SHRI ALOK KUMAR GHOSH, SUB INSPECTOR (AB), DAP PURULIA, WEST BENGAL

384. SHRI SK SERAJUDDIN AHEMED, SUB INSPECTOR, SVSPA WB, WEST BENGAL

385. SHRI CHANDRA BAHADUR THAPA, HAVILDAR, EFR FIRST BN SALUA, WEST BENGAL

386. SHRI DEBABRATA BHATTACHARYYA, CONSTABLE, SVSPA WB, WEST BENGAL

387. SHRI ASHIS CHATTERJEE, CONSTABLE, ON DEPUTATION, DIG MR OFFFICE, WEST BENGAL

388. SHRI THOMAS KUTTY, SUB INSPECTOR, PS-PAHAR GAON, PORT BLAIR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

389. SHRI SOLANKI BHAIDAS JADAV, ASSTT SUB INSPECTOR, DAMAN, DAMAN AND DIU

390. SHRI RAJASANKAR VELLAT, INSPECTOR, O/O THE IGP, PUDUCHERRY

391. SHRI BIDYUT KUMAR SARKAR, SENIOR PRIVATE SECRETARY, SHILLONG, ASSAM RIFLES

392. SHRI BABU PK, NAIB SUBEDAR CLERK, SHILLONG, ASSAM RIFLES

393. SHRI NITYANANDA MISHRA, NAIB SUBEDAR CLERK, SHILLONG, ASSAM RIFLES

394. SHRI TUL BAHADUR GURUNG, SUBEDAR, ZUNHEBOTO, ASSAM RIFLES

395. SHRI UNNIKRISHNAN SUKUMARAN NAIR, SUBEDAR CLERK, NAGALAND, ASSAM RIFLES

396. SHRI PRAKASH PRABHAKAR, DEPUTY COMMANDANT, NAGALAND, ASSAM RIFLES

397. SHRI RAM BAHADUR KARKI CHHETRI, SUBEDAR (GENERAL DUTY), NAGALAND, ASSAM RIFLES

398. SHRI DULAL CHANDRA MAJUMDAR, NAIB SUBEDAR (GENERAL DUTY), NAGALAND, ASSAM RIFLES

399. SHRI ASHOK KUMAR THAKUR, SUBEDAR CLERK, NAGALAND, ASSAM RIFLES

400. SHRI BADRI NARAYAN BHARTI, SUBEDAR CLERK, NAGALAND, ASSAM RIFLES

401. SHRI INDRA BAHADUR GURUNG , SUBEDAR, MANIPUR, ASSAM RIFLES

402. SHRI LAXMAN SINGH, NAIB SUBEDAR (GENERAL DUTY), ARUNACHAL PRADESH, ASSAM RIFLES

403. SHRI HARI BAHADUR PRADHAN, DEPUTY COMMANDANT, SHILLONG, ASSAM RIFLES

404. SHRI RAKESH CHAUHAN, COMMANDANT, 46 BN, BHUJ (GUJARAT), BORDER SECURITY FORCE

405. SHRI AVTAR SINGH SHAHI, COMMANDANT, 142 BN, GANDHINAGAR (GUJARAT), BORDER SECURITY FORCE

406. SHRI SHIV ADHAR SHRIVASTAVA, COMMANDANT, HQ DG, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

407. SHRI AMIT KUMAR TYAGI, COMMANDANT, 155 BN, KOHIMA, (NAGALAND), BORDER SECURITY FORCE

408. SHRI AMRENDRA KUMAR VIDYARTHI, COMMANDANT, 10 BN, MAHARANICHERA (TRIPURA), BORDER SECURITY FORCE

409. SHRI ASHWANI KUMAR SHARMA, COMMANDANT, 2 BN, BUDGAM (J&K), BORDER SECURITY FORCE

410. SHRI SHAILENDRA KUMAR SINHA, COMMANDANT, 99 BN, LUNGLEI (MIZORAM), BORDER SECURITY FORCE

411. SHRI VED PRAKASH BADOLA, COMMANDANT, 42 BN, COOCHBEHAR (WB), BORDER SECURITY FORCE

412. SHRI DEVENDRA SINGH BISHT, COMMANDANT, 108 BN, UMPLING, SHILLONG, BORDER SECURITY FORCE

413. SHRI ARUN KUMAR SINGH, COMMANDANT, HQ DG, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

414. SHRI ASHOK KUMAR, COMMANDANT, 97 BN, SAMBA, JAMMU (J&K), BORDER SECURITY FORCE

415. SHRI MADAN LAL, COMMANDANT, 80 BN, SUNDARBANI (J&K), BORDER SECURITY FORCE

416. SHRI GENTINLAL, COMMANDANT, STC, CC PUR, MANIPUR, BORDER SECURITY FORCE

417. SHRI CHYAWAN PRAKASH MEENA, COMMANDANT, 70 BN, AMRITSAR (PUNJAB), BORDER SECURITY FORCE

418. SHRI VIJAY SINGH DOGRA, COMMANDANT (D&L)/ LO GDE- I, FHQ, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

419. DR. ASIT BARAN DAS, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG), FTR HQ, TRIPURA, BORDER SECURITY FORCE

420. SHRI S. MOHANAN, DEPUTY COMMANDANT, SHQ, TRIVENDRUM, KERALA, BORDER SECURITY FORCE

421. SHRI JAGDISH PRASHAD SHRIVASH, DEPUTY COMMANDANT, STS, TIGRI, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

422. SHRI PRABHAT KUMAR BHATNAGAR, DEPUTY COMMANDANT, HQ DG, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

423. SHRI VINOD KUMAR LANGOO, DEPUTY COMMANDANT, 18 BN, MOHURA (J&K), BORDER SECURITY FORCE

424. SHRI NATHU BINHA, DEPUTY COMMANDANT, TC & S, HAZARIBAG (JHARKHAND), BORDER SECURITY FORCE

425. SHRI K SUBRAMANIAN, DEPUTY COMMANDANT, 35 BN, RANINAGAR (WB), BORDER SECURITY FORCE

426. SHRI KAILASH CHANDRA DEOLI, DEPUTY COMMANDANT, 34 BN, GOPALPUR (WB), BORDER SECURITY FORCE

427. SHRI KAMALA PATI, DEPUTY COMMANDANT, 194 BN, JAISALMER (RAJASTHAN), BORDER SECURITY FORCE

428. SHRI RAM PAL DAGAR, DEPUTY COMMANDANT, 172 BN, KHAJUWALA (RAJASTHAN), BORDER SECURITY FORCE

429. SHRI RANDHIR SINGH, DEPUTY COMMANDANT, 28 BN, RAIGANJ, WEST BENGAL, BORDER SECURITY FORCE

430. SHRI KULDEEP SINGH VIRK, DEPUTY COMMANDANT, 191 BN, KHEMKARAN (PUNJAB), BORDER SECURITY FORCE

431. SHRI PRAMOD KUMAR BHANDARI, ASSISTANT COMMANDANT, 70 BN, AJNALA (PUNJAB), BORDER SECURITY FORCE

432. SMT. SUSHILA KHANNA, ADMINISTRATIVE OFFICER, HQ DG, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

433. SHRI B D BHAGAT, ASSISTANT COMMANDANT (MINISTERIAL, FTR HQ, BANGALORE, BORDER SECURITY FORCE

434. SHRI VISWANATHAN PILLAI R, ASSISTANT COMMANDANT (MINISTERIAL), HQ M & C FTR, MASIMPUR (ASSAM), BORDER SECURITY FORCE

435. SHRI DILJINDER SINGH PATHANIA, ASSISTANT COMMANDANT (MIN), FHQ, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

436. SHRI LAKSHMAN YADAV, INSPECTOR (GD), HQ DG, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

437. SHRI NIRMAL SINGH, INSPECTOR (GD), DANTIWADA (GUJARAT), BORDER SECURITY FORCE

438. SHRI AJAI VIR SINGH, INSPECTOR (GD), 1022 ARTY REGT, FARIDKOT (PUNJAB), BORDER SECURITY FORCE

439. SHRI MOTI RAM, INSPECTOR (GD), 192 BN, JAMMU, (J&K), BORDER SECURITY FORCE

440. SHRI JEEB NATH JHA, INSPECTOR (GD), SHQ, SILCHAR, (ASSAM), BORDER SECURITY FORCE

441. SHRI RAJENDRA YADAV, INSPECTOR (GD), 31 BN, MALDA (WB), BORDER SECURITY FORCE

442. SHRI BALBIR SINGH, INSPECTOR (GD), 33 BN, AKHNOOR (J&K), BORDER SECURITY FORCE

443. SHRI RAJENDRA PRASAD CHATURVEDI, INSPECTOR (GD), 82 BN, NARAYANPUR MALDA (WB), BORDER SECURITY FORCE

444. SHRI SURAJ SINGH YADAV, INSPECTOR (GD), 16 BN, HANDWARA (J&K), BORDER SECURITY FORCE

445. SHRI SUNIL KUMAR RAWAT, INSPECTOR (MIN), HQ DG, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

446. SHRI ANUP SINGH, INSPECTOR (TECH), SRO, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

447. SHRI NARENDRA SINGH SENGAR, SUB INSPECTOR (GD), CENTRAL PRINTING PRESS,TEKANPUR (MP), BORDER SECURITY FORCE

448. SHRI JAI PRAKASH PANDEY, SUB INSPECTOR (GD), 100 BN, KUPWARA (J&K), BORDER SECURITY FORCE

449. SHRI CHANDRAN PARAMESHWARAN PILLAI, SUB INSPECTOR (CIPHER), 21 BN, GOPAL PUR, COOCHBIHAR (WB), BORDER SECURITY FORCE

450. SHRI MANISH KUMAR SINHA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BS&FC, BANGALORE, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

451. MS. LATA MANOJ KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SC I, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

452. SHRI UMESH CHANDER DATTA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SC III, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

453. SHRI V CHANDRASEKHAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, ACB, HYDERABAD, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

454. SHRI SHAH NAWAZ KHAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, EO III, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

455. SHRI N R THAKUR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, SHIMLA, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

456. SHRI M T MANG, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, GUWAHATI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

457. SHRI ALOK KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, POLICY DIVISION, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

458. SHRI RAM PRAKASH SHARMA, INSPECTOR, SC III, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

459. SHRI D J BAJPEI, INSPECTOR , BS&FC, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

460. SHRI ARUN KUMAR SHUKLA, SUB INSPECTOR, ACB, LUCKNOW, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

461. SHRI WASAN SINGH, ASSTT SUB INSPECTOR, ACB, CHANDIGARH, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

462. SHRI RAJESHWAR SINGH RANA, ASSTT SUB INSPECTOR, IPCC, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

463. SHRI PERUMAL RAMAKRISHNAN, ASSTT SUB INSPECTOR, EOW, CHENNAI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

464. SHRI NARPAT SINGH, HEAD CONSTABLE, CBI HQ, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

465. SHRI SUBHASH CHANDRA, HEAD CONSTABE, MDMA, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

466. SMT. CHAMPA DEVI, CONSTABLE, ACB, DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

467. SHRI RAJINDER SINGH, OFFICE SUPERINTENDENT, SU, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

468. SHRI ARJUN PRASAD, CRIME ASSISTANT, ACB, PATNA, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

469. SHRI RAJ KUMAR, CONSTABLE, CBI HQ, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

470. SHRI SOUGATA ROY, DY INSPECTOR GENERAL, UNIT ISP, BURNPUR, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

471. SHRI MATETI NANDAN, DY INSPECTOR GENERAL, CCL HQRS, RANCHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

472. SHRI YOGESH MEHTA, SENIOR COMMANDANT, UNIT OTHPP OBRA, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

473. SMT. HARPREET KAUR, SENIOR COMMANDANT, HQRS, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

474. DR. ANIL PANDEY, SENIOR COMMANDANT, UNIT BIOM BACHELI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

475. SHRI SHIV KUMAR MOHANKA, SENIOR COMMANDANT, UNIT CSIA MUMBAI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

476. SHRI MANDISH SINGH SAHI, DEPUTY COMMANDANT, UNIT PHCS, CHANDIGARH, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

477. SHRI ASHOK KUMAR PATRO, ASST COMMANDANT, UNIT CSIA, MUMBAI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

478. SHRI GIRISH CHANDRA UNIYAL, ASST COMDT (JAO), HQRS, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

479. SHRI RAJ KUMAR SINGH, ASST COMDT (JAO), UNIT CGBS, DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

480. SHRI RAM PHAL, INSPECTOR (MINISTERIAL), UNIT DMRC, DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

481. SHRI M C JANARDHAN, INSPECTOR (MINISTERIAL), RTC, ARAKKONAM, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

482. SHRI M ANGU, SUB INSPECTOR (MINISTERIAL), SZ HQRS, CHENNAI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

483. SHRI BHASKAR NAND, ASST SUB INSPECTOR, UNIT BHEL, HARIDWAR, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

484. SHRI LAKSHAMAN GOGOI, ASST SUB INSPECTOR, UNIT DSP, DURGAPUR, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

485. SHRI UTTAM KUMAR GUPTA, ASST SUB INSPECTOR, UNIT DSP, DURGAPUR, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

486. SHRI M VENKATARAMA PILLAI, ASST SUB INSPECTOR, SZ HQRS, CHENNAI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

487. SHRI K K PRABHAKARAN, ASST SUB INSPECTOR, UNIT VSSC, THUMBA, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

488. SHRI J CHANDRA KALADHAR RAO, ASST SUB INSPECTOR, UNIT SDSC, SHAR, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

489. SHRI PRABHAT KUMAR JANA, ASST SUB INSPECTOR, UNIT ISP, BURNPUR, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

490. SHRI SHYAM SUNDER SOM, ASST SUB INSPECTOR, UNIT ONGC, NAZIRA, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

491. SHRI TAPAN KUMAR MAJI, ASST SUB INSPECTOR, UNIT BRBNML, SALBONI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

492. SHRI MOHAN SINGH, HEAD CONSTABLE, HQRS, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

493. SHRI SATYA PAL, CONSTABLE (SWEEPER), HQRS, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

494. SHRI PREMVIR SINGH RAJORA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, DTE GENL, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

495. SHRI SANJAY YADAV, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, DTE GENL, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

496. SHRI RAJESH KUMAR YADAV, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, DTE GENL, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

497. SHRI KOMAL SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, PDG, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

498. DR. (MRS.) RANJEETA KAR, CMO (SG), 232 BN, GC-II, AJMER, RAJASTHAN, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

499. SHRI SANJEEV KUMAR, COMMANDANT, GC, BENGALURU, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

500. SHRI RAKESH SETHI, COMMANDANT, 120 BN,TURA, MEGHALAYA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

501. SHRI JAGDISH NARAYAN MEENA, COMMANDANT, BARAMULLA, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

502. SHRI MADAN KUMAR, COMMANDANT, 128 BN, NOONMATI, KAMROOP ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

503. SHRI ANIL KUMAR CHATURVEDI, COMMANDANT, CIAT, SILCHAR ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

504. SHRI AJAY KUMAR SINGH, COMMANDANT, 65 BN, BARADERA CAMPUS, RAIPUR, CHHATISGARH, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

505. SHRI ARVIND RAI, COMMANDANT, HUMHAMA, BUDGAM, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

506. SHRI GULAB SINGH, SECOND IN COMMAND, SHOPIAN, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

507. SHRI LALIT KUMAR VERMA, SECOND IN COMMAND, BUDGAM, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

508. SHRI DEV SHANKAR MISHRA, SECOND IN COMMAND, BAWANA, DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

509. SHRI HARINDER KUMAR, SECOND IN COMMAND, BAWANA, DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

510. SHRI OM PRAKASH TOKAS, SECOND IN COMMAND, NALBARI, ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

511. SHRI BAJRANG LAL, SECOND IN COMMAND, PULWAMA, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

512. SHRI JITENDER SINGH RATHORE, SECOND IN COMMAND, AJMER, RAJASTHAN, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

513. SHRI VIDYADHAR, SECOND IN COMMAND, KHAMMAM, TELANGANA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

514. SHRI RAMA KANTA PANDA, SECOND IN COMMAND, IMPHAL, MANIPUR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

515. SHRI LAXMAN RAM SHARMA, DY COMMANDANT, AJMER, RAJASTHAN, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

516. SHRI KAILASH CHAND, DY COMMANDANT, SRINAGAR, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

517. SHRI BRIJPAL SINGH CHAUHAN, DY COMMANDANT, BARPETA, ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

518. SHRI MAHENDER SINGH YADAV, ASSTT COMMANDANT, HYDERABAD, TELANGANA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

519. SHRI DAYARAM, INSP/GD, GADCHIROLI, MAHARASHTRA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

520. SHRI MOHAN SINGH SAMBYAL, INSP/GD, JAMUI, BIHAR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

521. SHRI KRISHNA CHANDER SHARMA, INSP/GD, SRINAGAR, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

522. SHRI RAMESH CHAND, INSP/GD, ANANTNAG, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

523. SHRI GUNWANT RAMCHANDER KAPSE, INSP/GD, AGARTALA, TRIPURA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

524. SHRI AKSHAYA KUMAR MALIK, INSP/GD, BHUBNESHWAR, ODISHA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

525. SHRI VIRENDER SINGH, INSP/GD, PULWAMA, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

526. SHRI MAQSOOD HUSSAIN SHAH, INSP/GD, GADCHIROLI, MAHARASHTRA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

527. SHRI DIGVIJAY SINGH, INSP/GD, KONDAGAON, CHHATISGARH, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

528. SHRI SAUKAR SINGH RAWAT, INSP/GD, ISA MOUNT ABU, RAJASTHAN, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

529. SHRI SATBIR SINGH, INSP/GD, NAGAON, ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

530. SHRI VIRENDER SINGH, INSP/GD, JIRANIA, TRIPURA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

531. SHRI ANWAR AHMED, INSP/GD, BIJAPUR, CHHATISGARH, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

532. SHRI LEELA RAM, INSP/GD, PAHALGAM, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

533. SHRI TARA CHAND, SUB INSPECTOR/GD, AGARTALA, TRIPURA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

534. SHRI JAI SINGH, ASSTT SUB INSPECTOR/GD, MATHURA, UP, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

535. SHRI SHIVAJI PASWAN, ASSTT SUB INSPECTOR/GD, PALAMU, JHARKHAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

536. SHRI NIRMAL SINGH, ASSTT SUB INSPECTOR/GD, LATEHAR, JHARKHAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

537. SHRI MAHESH KUMAR, HEAD CONSTABLE/GD, LATEHAR, JHARKHAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

538. SHRI GOVIND SINGH RAWAT, CONSTABLE/GD, SONEPAT, HARYANA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

539. SHRI GULAM MOHAMMAD KHAN, CONSTABLE/GD, BARAMULLA, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

540. SHRI RAM NARESH, INSP/ARMR, KHATKHATI, ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

541. SHRI SATYABIR, INSP/RO, KOLKATA, WB, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

542. SHRI KRISHAN KUMAR AHUJA, INSP (TECH), CHANDIGARH, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

543. SHRI KASHMIR CHAND, INSP (BAND), JAMMU, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

544. SHRI S. SAMADDER, HEAD CONSTABLE (CARPENTER), BARPETA, ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

545. SHRI MOHD NAZIR AHMED, SUB INSPECTOR (MT), PDG, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

546. SHRI KULDEEP SINGH, HEAD CONSTABLE (DVR), JALLANDHAR, PUNJAB, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

547. SHRI RAM BYAS RAI, ASSTT COMDT (MIN), DTE GENL, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

548. SHRI CHARANJIT SINGH, ASSTT COMDT (MIN), GC, JALANDHAR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

549. SHRI MOHAN LAL SHARMA, ASSTT COMDT (MIN), DTE GENL, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

550. SHRI SANTOSH KUMAR MARAR, ASSTT COMDT (PS), DTE GENL, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

551. SMT I B RANI, DEPUTY DIRECTOR, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

552. SHRI GANESH KUMAR, DEPUTY DIRECTOR, FRRO, BANGALORE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

553. SHRI SWAYAM PRAKASH PANI, DEPUTY DIRECTOR, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

554. SHRI TARUN KUMAR, DEPUTY DIRECTOR, DEHRADUN, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

555. SMT ASWATI G DORJIE, DEPUTY DIRECTOR, FRRO, MUMBAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

556. SHRI RAJEEV KUMAR JHA, JOINT DEPUTY DIRECTOR, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

557. SHRI BIRENDRA KUMAR MAITHIL, ASSISTANT DIRECTOR, DRTC, SHIVPURI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

558. SHRI P.K. ISSAR, ASSISTANT DIRECTOR, AHMEDABAD, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

559. SHRI MAHIPAL SINGH RANAWAT, DCIO, JAIPUR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

560. SHRI MANOJ KUMAR JHA, DCIO, PATNA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

561. SHRI KENIDOLHOULIE, DCIO, KOHIMA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

562. SHRI SHRIDHAR POKHARIYAL, DCIO, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

563. SHRI RISHI RAJ TYAGI, DCIO, MEERUT, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

564. SHRI RAVINDRA SINGH RANA, SECTION OFFICER, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

565. SHRI KAUSIK CHAKRABORTY, SECTION OFFICER, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

566. SHRI KAMAL KANT, PS, RANCHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

567. SHRI AJAY KUMAR KHARE, ACIO-I/WT, BHOPAL, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

568. SHRI RAGHUBANSH MANI, ACIO-II/G, DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

569. SHRI ASHOK KUMAR LIDHU, ACIO-II/G, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

570. SHRI RAJAN RAMAKANT MURANJAN, ACIO-II/G, MUMBAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

571. SHRI SOUMITRA SARKAR, JIO-I/G, KOLKATA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

572. SHRI RAKESH KUMAR SINGH, JIO-I/G, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

573. SHRI PARAYATH SANKARAN RAJAN, JIO-I/G, TRIVANDRUM, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

574. SHRI CHINTAKUNTA SAMPATH, JIO-I/G, HYDERABAD, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

575. SHRI RANBIR SINGH, COMMANDANT (GD), 14 BN, JAJARDEWAL, DISTT PITHORAGARH, UTTRAKHAND, INDO TIBETAN BORDER POLICE

576. SHRI RAJENDER SINGH CHANDEL, COMMANDANT (GD), 12 BN, MATLI, DISTT UTTARKASI, UTTRAKHAND, INDO TIBETAN BORDER POLICE

577. SHRI PRABHU NATH PRASAD, COMMANDANT (GD), 31 BN YUPIA, DISTT PAPUMPARE, ARUNACHAL PRADESH, INDO TIBETAN BORDER POLICE

578. SHRI RAJESH SAWHNEY, SECOND IN COMMAND (GD), 10 BN ITBP KIMIN, ARUNACHAL PRADESH, INDO TIBETAN BORDER POLICE

579. SHRI BIKRAM SINGH RANA, DY COMMANDANT (GD), FIRST BN, PO SUNIL JOSHIMATH, DISTT CHAMOLI, UTTRAKHAND, INDO TIBETAN BORDER POLICE

580. SHRI NIHAL SINGH BHANDARI, DY COMMANDANT (GD), NORTHERN FTR DEHRADUN, DISTT DEHRADUN, UTTRAKHAND, INDO TIBETAN BORDER POLICE

581. SHRI HARDEEP SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, SHQ ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH, INDO TIBETAN BORDER POLICE

582. SHRI RAJENDRAN NARAYANAN THANICKAPPILLIL, ASSISTANT COMMANDANT (STAFF OFFICER), DTE GENL, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, INDO TIBETAN BORDER POLICE

583. SHRI RAM PRASAD, INSPECTOR (GD), 52 BN, PO PRATAP NAGAR, GT ROAD, NEW AMRITSAR, DISTT AMRITSAR, PUNJAB, INDO TIBETAN BORDER POLICE

584. SHRI SUNDER LAL, INSPECTOR (GD), 32 BN, MAHARAJPUR CAMP, PO SARSAUL, KANPUR NAGAR, UP, INDO TIBETAN BORDER POLICE

585. SHRI OM PRAKASH, SUB INSPECTOR (GD), 36 BN, BARAKOT ROAD, PO LOHAGHAT, DISTT CHAMPAWAT, UTTRAKHAND, INDO TIBETAN BORDER POLICE

586. SHRI SABBAL SINGH, CONSTABLE (WC), SHQ, ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH, INDO TIBETAN BORDER POLICE

587. SHRI UMMATHIRYAN CHANDRAN, TEAM COMDR, FHQ NSG MANESAR, NATIONAL SECURITY GUARD

588. SHRI RAJESH KUMAR SHARMA, TEAM COMDR (SO/ TRG), HQ NSG TRG, NATIONAL SECURITY GUARD

589. DR. SANJAY KUMAR TIWARI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (VETY), FORCE HQRS, NEW DELHI, SASHASTRA SEEMA BAL

590. SHRI MANVENDRA, COMMANDANT, 55 BN, PITHORAGARH, SASHASTRA SEEMA BAL

591. SHRI SUNIL KUMAR DHYANI, COMMANDANT, FORCE HQRS SSB, NEW DELHI, SASHASTRA SEEMA BAL

592. SHRI CHIRANJIB BHATTACHARJEE, DEPUTY COMMANDANT, FIFTY FOUR BN BIJNI, SASHASTRA SEEMA BAL

593. SHRI NAWANG TASHI, ASSISTANT COMMANDANT, THIRTY EIGHT BN SSB, TAWANG, SASHASTRA SEEMA BAL

594. SHRI HARI OM, ASSISTANT COMMANDANT, ATC SSB, SARAHAN, SASHASTRA SEEMA BAL

595. SHRI KARAM SURJA KUMAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, TWENTY FOUR BN CHHATTISGARH, SASHASTRA SEEMA BAL

596. SHRI AMIYA KUMAR NATH, AREA ORGANISER, AO SSB, BONGAIGAON, SASHASTRA SEEMA BAL

597. SMT. SONAM YUDRON, AREA ORGANISER, SHQ SSB, GANGTOK, SASHASTRA SEEMA BAL

598. SHRI SARVESH SINGH, INSPECTOR (GD), FIFTY FOUR BN SSB, BIJNI, ASSAM, SASHASTRA SEEMA BAL

599. SHRI MUNIAPPAN MURUGAN, SUB INSPECTOR (MT), FORCE HQRS SSB, NEW DELHI, SASHASTRA SEEMA BAL

600. SMT. SHANTI KUKRETI, AFO (WI), SSB ACADEMY, SRINAGAR, SASHASTRA SEEMA BAL

601. SHRI NARESH NAUTIYAL, SO-I, SPG HQR, NEW DELHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

602. SHRI P SURULIAPPAN, SSA (MT), SPG HQR, NEW DLEHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

603. SHRI SANTHOSH CHANDROTH, SSA (MT), SPG HQR NEW DELHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

604. SHRI KUMUD DEKA, HEAD CONSTABLE(GD), NORTH EASTERN POLICE ACADEMY, UMSAW, UMIAM, MEGHALAYA, NORTH EASTERN POLICE ACADEMY

605. SHRI PURNA BAHADUR CHHETRY, ASSISTANT DIRECTOR, NEW DELHI, BUREAU OF POLICE RESEARCH AND DEVELOPMENT

606. SHRI RAM BIHARI SINGH, STATISTICAL OFFICER, NCRB, R.K.PURAM, NEW DELHI, NATIONAL CRIME RECORDS BUREAU

607. SHRI UNNI PILLAI, AC, 2NDBN, NADIA, WB, NDRF

608. SHRI PRADEEP KUMAR P K, INSPECTOR (MINISTERIAL), SVP NPA, HYDERABAD

609. SHRI PAWAN KUMAR, HEAD CONSTABLE (GD), SVP NPA, HYDERABAD

610. SHRI JASWANT SINGH, HEAD CONSTABLE (GD), SVP NPA, HYDERABAD

611. SHRI SHAIK YOUSUF, CONSTABLE (GD), SVP NPA, HYDERABAD

612. SHRI G C YADAV, DEPUTY SECRETARY (POLICE), NORTH BLOCK, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

613. MS. RENU PUSHKAR CHHIBBER, DEPUTY INSPECTOR GENERAL CUM ADDL CSC, JAIPUR, M/O RAILWAYS

614. SHRI SHER SINGH DAHIYA, DIVL SECURITY COMMISSIONER, SAMBALPUR ECOR, BHUBANESWAR, M/O RAILWAYS

615. SHRI GOLLAMUDI MADHUSUDANA RAO, ASC, RAIL WHEEL FACTORY, YELEHANKA, BANGALORE, M/O RAILWAYS

616. SHRI ANUPAM CHAKRABORTY, ASC CUM PRINCIPAL TC, DOMOHANI, M/O RAILWAYS

617. SHRI KAILASH CHAND SUYAL, INSPECTOR, JHANSI WORKSHOP, M/O RAILWAYS

618. SHRI PRAMOD KUMAR SONI, HEAD CONSTABLE, KANPUR CENTRAL, M/O RAILWAYS

619. SHRI PRADEEP KUMAR, ASST SUB INSPECTOR, ANDHERI, M/O RAILWAYS

620. SHRI AMIT KUMAR SHARMA, INSPECTOR, CIB JALANDHAR RAILWAY STATION, M/O RAILWAYS

621. SHRI NARINDER KUMAR, ASSTT SUB INSPECTOR, MUKTASAR, M/O RAILWAYS

622. SHRI ARVIND KUMAR TIWARI, ASSTT SUB INSPECTOR, LUCKNOW, M/O RAILWAYS

623. SHRI SUMAN CHOWDHURY, INSPECTOR, RPF POST HOWRAH, CENTRAL POST, M/O RAILWAYS

624. SHRI SUDESH KUMAR, SUB INSPECTOR, 06 BN RPSF DBSI, DELHI, M/O RAILWAYS

625. SHRI KRUSHNA PARNYA HURMADE, SUB INSPECTOR, 02 BN RPSF GKP, M/O RAILWAYS

626. SHRI DHARAMBIR SINGH, ASSTT SUB INSPECTOR, 10 BN RPSF STATION ROAD DHANBAD, M/O RAILWAYS

627. SHRI MOTI BAHADUR RANA, ASSTT SUB INSPECTOR (DVR GR-I), 03 BN RPSF LUCKNOW, M/O RAILWAYS

628. SHRI SATISH CHAND, TAILOR GRADE-II, RPF CENTRAL STORE DBSI DLI-35, M/O RAILWAYS

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of Police Medal for Meritorious Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

The 5th May 2016

No. 34-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Assam Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Nitul Gogoi, Superintendent of Police	(2nd Bar to PMG)
2.	Smt. Rosie Kalita, Addl. Superintendent of Police	(PMG)
3.	Jyoti Prasad Handique, Sub Inspector	(PMG)
4.	Bipul Kr. Thapa, Constable	(PMG)
5.	Rajib Kr. Rabha, Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14.11.2013, at about 3.30PM, one Sri Dilip Dutta Medhi, Sericultural Development Officer, Resubelpara, North Garo Hills District of Meghalaya state was kidnapped by suspected armed Rabha National Liberation Front cadres from Choto Matia village under Krishnai PS Goalpara District of Assam. This refers to Krishnai PS case No. 245/2013 U/S 365/34 IPC R/W Section 25 (1-B) A/27 Arms act.

At about 6 PM in the evening of 24.11.2013, an information was received by Sri Nitul Gogoi, IPS, Superintendent of Police, Goalpara regarding shifting of the kidnapped victim Sri Dilip Dutta Medhi, Sericultural Development Officer, Resulbelpara, North Garo Hills District of Meghalaya state, by the kidnappers from their present location somewhere near Bogulamari (a bordering village with Meghalaya) under Dudhnoi PS to an undisclosed new location. On receipt of the input Sri Nitul Gogoi, IPS, Superintendent of Police, Goalpara, chalked out an operational plan as there was no time to call for the CRPF and Army. The only police officers and men present with him were Smt. Rosie Kalita, APS, Additional Superintendent of Police, ABC Bipul Kumar Thapa, ABC Hiyamoy Rabha, ABC Rajib Kumar Rabha, UBC Nirod Talukdar. The operational team was divided into two groups for the outer cordon and inner cordon as the intelligence input was very much specific about the movement of the ultras with the kidnapped victim in an auto rickshaw. The outer cordon party was sent to cover up the routes going out of the Bogulamari village towards a village of Meghalaya state. The inner cordon party comprised of Sri Nitul Gogoi, IPS, Superintendent of Police, Goalpara, Smt. Rosie Kalita APS, Additional Superintendent of Police (HQ) Goalpara, SI (UB) Jyoti Prasad Handique, ABC Bipul Kumar Thapa, ABC Rajib Kumar Rabha, and they waited for the movement of vehicles through the village route. Since it was a solitary place near Bogulamari L.P.School, there was no

movement of vehicles till 7 PM. After a few minutes past 7PM, an auto ricksaw was noticed coming out of the village road towards Bogulamari L.P.School. The inner cordon party intercepted the auto ricksaw with 7 (seven) persons inside it. When Sri Nitul Gogoi, IPS, SP, Goalpara asked for the identity of the persons inside the auto ricksaw, one of them introduced himself as Dilip, who looked frail and older than the other occupants of the vehicle. Immediately Rosie Kalita, APS, Additional Superintendent of Police (HQ) Goalpara, realizing that the frail and old looking man as the kidnapped victim, pulled out the kidnapped victim Dilip Dutta Medhi, out of the auto ricksaw without caring for the safety of her own life. At this the RNLF cadres lobbed a grenade and started indiscriminate firing upon the police party by getting down from the vehicle. Two of the RNLF Cadres who were sitting on both sides of the auto ricksaw doors fled taking advantage of the darkness and terrain. Immediately, Shri Nitul Gogoi, IPS, Superintendent of Police, Goalpara, without caring for the safety of his own life and taking all the risks of saving the lives of the kidnapped victim and his own subordinate officers and men, started firing back and ordered retaliation by the officers present there. The officers remained undeterred, displayed grit and raw courage with utter disregard to personal safety fired upon the cadres as there was no time to take position and fire in a restrained manner.

When the lobbying of grenades and firing stopped, the police party searched the PO. During search, 4 (four) persons were found lying with bullet injuries and immediately ambulance was called to evacuate them to the nearest hospital. The PO as well as the auto ricksaw was thoroughly searched and following was recovered :—

1. (one) carbine
2. (one) .38 revolver
3. (three) live ammunitions of .38 caliber
4. (four) live ammunitions of 9 MM caliber
5. (two) live hand grenades
6. (one) magazine
7. Blankets
8. Mobile Phones
9. SIM cards

The attending doctors declared the injured persons brought dead in the hospital. Later on, the deceased persons were identified by their relatives as Jagadish Rabha, Sibcharan Rabha, Ranjan Rabha, Joydhana Rabha. They were identified as hardcore RNLF cadres who were already listed in the list of RNLF Cadres in the officer of the District Special branch, Goalpara.

It is noteworthy that the whole operation was a rare display of courage, at the risk of their own lives, showing extraordinary gallant action in recovering the kidnapped victim unharmed and annihilating the kidnappers in a tactical manner by not allowing any harm to him as well as to his subordinate officers and men. This rare display of gallant action by the Police party saved the lives of the victim Sri Dilip Dutta Medhi and all the police personnel.

In this encounter S/Shri Nitul Gogoi, Superintendent of Police, Smt. Rosie Kalita, Addl. Superintendent of Police, Jyoti Prasad Handique, Sub Inspector, Bipul Kr. Thapa, Constable and Rajib Kr. Rabha, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal/2nd Bar to Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/11/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 35-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Bihar Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01.	Manu Maharaaj, Senior Superintendent of Police	(PMG)
02.	Jayant Kant, Superintendent of Police	(PMG)
03.	Anupam Kumar, Additional Superintendent of Police	(PMG)

04.	Surendra Kumar Singh, Sub Inspector	(1st Bar to PMG)
05.	Sanjay Kumar Singh, Sub Inspector	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30.03.2014, a secret information was received by Manu Maharaaj, Sr. SP Patna that a full armed gang of criminals had unleashed a reign of terror in remote Diara area Lodipur Vyapur under Maner P.S.(Patna distt.). The gang was involved in number of heinous and sensational crimes, like forcible collection of Rangdari from sand trader and farmers, murders, kidnapping, dacoity etc. They had nefarious plan of booth capturing in Diara areas in coming Lok Sabha Election 2014 in favour of a particular party.

A Police team consisting of Jayant Kant, City S.P. Patna, Anupam Kumar Addl., SP(Operation) Patna, Sub Inspector of Police Surendra Kumar Singh, Sanjay Kumar Singh and constables of Patna DPF under the leadership of Manu Maharaaj, Sr. SP Patna in utter disregard, of involving risk covered a long and difficult terrain on foot and crossed the deep Ganga river in dark night and approached the den of criminals at about 03:30 AM. After assessing topography of Diara Manu Maharaaj, SSP Patna divided Police team into three parties one led by himself 2nd led by Jayant Kant, City SP Patna, and 3rd led by Anupam Kumar, Addl. SP(Operation) Patna respectively & ordered them to move in different directions. The den of criminals was cordoned: its execution perfect. The criminals were asked repeatedly to lay down their arms and surrender. Defying warnings the defiant criminals started firing indiscriminately, the bullets grazing past the police parties all around. The criminals were in advantageous position under clear line of fire having entrenched themselves in sand morcha whereas the police parties were forced to save themselves from line of fire taking, position on plain sand. Finding the situation daunting, Manu Maharaaj Sr. SP Patna asked police parties to crawl forward and open fire. This battle of bullets continued for two and half hours. The criminals fired hundreds of rounds whereas the police parties fired 48 rounds not aiming to kill the criminals but to make pressure them to surrender before the police so as to interrogate them further to root out their gangs completely. This retaliatory action against extremely violent, reckless and deadly attacks of desperate ultras plunged them into a tight corner and forced them to withdraw and escape, irrespective of substantial risk to their lives, the members of police parties chased the escapees hotly and arrested 9 of them with their arms and ammunitions and cash money. One criminal was arrested while he was trying to escape swimming across the Ganga throwing his AK-47 in water.

From further investigation and confessional statements of arrested persons it was established that the gang was supported by notorious criminals Reetlal Yadav presently in jail for 20 cases. The gang leader Shanker Dayal Sharma alias Fouji was fugitive soldier of 10 Para Commando Battalion for 10 cases, he was a strategist and architect of many daredevil operations against Police Force in the past. He had formed a formidable gang of notorious criminals and nourished no respect for the police or the administration.

Under the able leadership of Manu Maharaaj Sr. SP Patna the police team taking threat to their lives invaded inaccessible den of criminals armed with sophisticated weapons and arrested 9 hard bitten criminals and recovered a big volume of arms and ammunition including looted police rifle. Their nefarious design of booth capturing in coming Lok Sabha Election 2014 was nipped in the bud. Sr. SP proved himself not only as an order making officer but he actively participated in encounter. In this tremendous exciting battle of bullets against unyielding and committed hard core criminals his active presence and qualitative leadership on the front enthused courage and exalted the morale of the police parties. His alacrity, prudent man management and indomitable self confidence steered the team to prized achievement.

This encounter has brought a semblance of peace in terror and violence ridden area of Diara. This brave act of the Police was performed without any loss of life or injury on either side or loss or damage to Govt. property. The Print and the electric media wrote much about the dare devilry of the police team and the recoveries made. It was indeed performance of highest order by any standard.

Recovery :

1.	.303 Police rifle	-	01 No.
2.	Semi-automatic Rifle USA	-	02 Nos.
3.	DBBL Gun	-	02 Nos.
4.	SBBL Gun	-	01 No.
5.	.315 Regular rifle	-	02 Nos.
6.	Live round of 7.62 mm(AK-47)	-	18 Nos.
7.	Live round of 30.08 mm	-	94 Nos.
8.	Live round of .303 mm	-	50 Nos.

9.	Live round of .315 mm	-	22 Nos.
10.	Live round of 12 bore	-	18 Nos.
11.	Empty case of 7.62 mm	-	04 Nos.
12.	Empty case of 12 bore	-	03 Nos.
13.	Empty case of .303mm	-	01 No.
14.	Empty case of .315 mm	-	05 Nos.
15.	Empty case of 30.06 mm	-	02 Nos.
16.	Charge clip of 30.06 mm	-	02 Nos.
17.	Cash	-	Rs. 4,71,654/-

In this encounter S/Shri Manu Maharaaj, Senior Superintendent of Police, Jayant Kant, Superintendent of Police, Anupam Kumar, Additional Superintendent of Police, Surendra Kumar Singh, Sub Inspector and Sanjay Kumar Singh Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal/1st Bar to Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/03/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 36-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Bihar Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Jitender Rana,
Superintendent of Police

02. Angesh Kumar Ray,
Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

An information was received by SP Jamui Sh Jitender Rana about the movement of naxals and their hide-outs in the hilly and forest area of Gidheshwar Pahar, Panchbhur Nala, Dhamni, Murli Pahar, Pathakchak Dam, Sandela Pahar & its adjoining areas of Distt- Jamui. Bihar, under P.S Khaira & Sikandra. Accordingly B-level special Ops "MLIRLI" was planned and conducted - w.e.f 03/01/2014 to 06/01/2014. As part of the operation, 02 Platoon of 'E' coy of 215 Bn under command of Shri Umesh Kumar, AC, two teams of Cobra 207 with PSI Angesh Kumar Ray of Jamui Police left base camp surreptitiously and in disguise at 0400 hrs on 04/01/2014 and reached their operational area at 1730 hrs. The teams took LUP at GR-24 50 53.3-N, 86 09 07.6-E and on 05/01/2014 search started in the target area of ops towards Pathak Chak Darn through hilly terrain and dense jungle. Teams were moving tactically following bound to bound movement. On 05/01/2014 at about 1315 hours when all teams were tactically moving maintaining surprise and secrecy, the team commander of team No-12 D/207 Cobra, Insp GD S. S. Solanki heard women/men talking in some tribal language and noticed suspicious movement of green uniform clad unidentified persons armed with firearms. The commanders of all three teams alerted their teams through hand signal. Hearing the noise, the team commanders Sh. Umesh Kumar, AC Sh. Ajit Kumar Ram, AC and Insp/GD S.S. Solanki immediately came into action and started deploying their troops to cordon off the area in the Jungle strategically where visibility was very little due to dense forest. Sensing the proximity of the security forces close to them the armed naxal cadres opened indiscriminate heavy fire from all around. All the teams took position and fired back in the direction of fire to save their lives and Government property. The commander immediately informed the SP Jamui Sh. Jitender Rana who was supervising the retreat of the other parties near Pathakchak Dam area and requested him to send reinforcement immediately. As heavy firing continued from both sides, SP Jamui Sh Jitender Rana along with additional troops led by DC Suryakant approached the site from Pathakchak dam side and tried to surround the naxals. After assessing the situation the teams Commanders planed to cover the area from different directions and advanced with tactics of fire and move towards the firing direction of Maoists in reply to the fire of Maoists. Sh Ajeet Ram along with SI Angesh Kumar Ray, Insp GD S.S Solanki, CT GD M. Mani and CT/GD Samar Nayak of the COBRA team from eastern direction. Sh Umesh Kumar A.C. CT/GD Anuraj T and CT/GD Om Parkash Tiwari of E-215 from southern direction and SP Jamui Sh Jitender Rana with DC Suryakant Singh from the north direction advanced under the cover fire of the security forces. Firing from their personal weapons to get very close to the naxal hideout and fired tactically on a bushy hideout of naxals from where some naxal cadres were firing heavily and indiscriminately on the security forces. In this tactical move and firing showing exemplary

Courage and valour by the above mentioned security personnel severe moaning cries of naxals were heard and many naxal cadres were seen firing indiscriminately and running helter skelter towards western deep jungles carrying many injured or dead comrades with them. Maoist taking advantage of dense forest and hilly terrain retreated and Managed to escape.

After the encounter superior officers ordered a joint search of the encounter area. During the search one dead body of a maoist with .303 Rifle with 81 live rounds 03 round in the magazine and two empty cases, dark green colour uniform 01 pair, pithoo, ammunition pouch were recovered.

In this encounter S/Shri Jitender Rana, Superintendent of Police, and Angesh Kumar Ray, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/01/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 37-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Bihar Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Sudhanshu Kumar,
Superintendent of Police

02. Sindhu Shekhar Singh,
Sub Inspector

03. Raj Kumar Tiwary,
Sub Inspector

04. Arbind Kumar,
Sub Inspector

05. Gautam Kumar,
Sub Inspector

06. Vivek Kumar,
Constable

07. Ajay Kumar,
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15/08/2005, Mudit Nahar, an eleven year old child of a prominent business of Purnea was abducted. The Purnia Police under the leadership of Shri Sudhanshu Kumar immediately swung into action. Due to his comprehensive knowledge of local geography of possible escape routes, ability to think clearly and mobilize and marshal his resources prudently in a crisis situation and leading his men from front, the police succeeded in intercepting, engaging and mowing down 04 dreaded gangsters after having given them sufficient warning to surrender and in the face of incessant firing by the gangsters. The encounter was close, fierce and quite a challenge. But it was just the beginning of a long, sometimes frustrating but throughout a very determined trail that would ultimately lead the police to the hideout of kidnappers, that is where the gallant action took place in the process of safe recovery of the abductees.

Through continuous electronic and human surveillance, including threadbare analysis of mobile printouts, mobile tower location and range, he got one Sushila Devi alias Gudiya arrested, who during the interrogation, revealed the whereabouts of the abductors. At that juncture, he showed not only the natural sense of anticipation, rather charted out full proof planning. In the night of 23/24.08.2005, encircling the kidnapers hideouts at Katihar from all directions, Mr. Sudhanshu Kumar and SI Sindhu Shekhar Singh did not even hesitate to have a direct date with almost certain death. The Police team sought to engage the abductors from the front doors and the rear windows of the two rooms to divert their attention and firing power. Displaying supreme gallantry SI Sindhu Shekhar Singh pounced upon one of the abductors to physically overpower him. However, the criminal fired at him again, but fortunately the bullet missed SI Sindhu Shekhar Singh . Before the criminal could fire again, Sudhanshu Kumar who was right behind of Mr. Singh, fired at the criminal who fell down. The still surviving criminal, however tried again to target Sudhanshu Kumar, but before that SI Sindhu Shekhar Singh fired at the

criminal and took the abducted boy in his custody. SI Raj Kumar Tiwary, SI Gautam Kumar and SI Arvind Kumar, who were positioned outside the other room, neutralized the other criminal, who tried his best to break off the cordon by indiscriminate firing. Constables Vivek and Ajay were solidly behind the above team of officers to meet any kind of eventuality. "Police uncle, mujeh bacha lijiye" was very, very desperate call from an innocent kid, who was kidnapped by the death-traders and Mr Sudhanshu & his team, without caring for their personal safety-stood up to the challenge and proved to be equal to the task. Following Arms Ammunition were recovered from killed criminals-

(a)	9 mm pistol	-	01
(b)	Country made pistol	-	03
(c)	Rounds	-	20
(d)	Mobile hand set	-	03

In this encounter S/Shri Sudhanshu Kumar, Superintendent of Police, Sindhu Shekhar Singh, Sub Inspector, Raj Kumar Tiwary, Sub Inspector, Arbind Kumar, Sub Inspector, Gautam Kumar, Sub Inspector, Vivek Kumar, Constable and Ajay Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/08/2005.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 38-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Chhattisgarh Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Abdul Sameer,
Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On input of presence of Maoist's Gangloor Area Committee Member Gopi along with 20-25 uniformed armed cadres near Gorna-Mankeli area, one police party consisting of 29 State police personnel under command of SI Abdul Sameer and 16 CRPF special team members (SAT DIGP(OPS) BJR) under command of AC G Madhu left for search operation in Gorna-Mankeli area on 14th July around 0430 hrs. On 1st day, the party searched Pangud area but could not get anything and halted in Jungle. Next day, the party was near Gorna where they could see some suspicious movement at a distance. On 3rd day i.e. 16th of July morning, troops expected ambush in that area as the party was only 45. SI Abdul Sameer and AC G. Madhu divided the party into two groups. SI Abdul Sameer and AC G. Madhu himself moved ahead of the main party consisting of 4 more state police and 2 more CRPF personnel. The civil police scouts were able to see some suspicious movement at a distance in the right side of the track. They moved stealthily towards the target. As soon as this party approached the target, Naxals hiding in the left side of the track in the bushes opened heavy fire on the advancing troops. The main party was almost trapped in the ambush. Now from the right side also naxals started firing on them. The rear police party was 300 meters behind which started rushing towards the site to support. SI Abdul Sameer and AC Madhu asked them to give flank support and simultaneously started firing from their weapons. SI Abdul Sameer boldly fired from his weapon in standing position as he could fire from the lying position. After UBGL firing, naxals tried to retreat from their position i.e. left side of the track. Now from the right side of the track firing was coming which was comparatively low. SI Abdul Sameer asked ASI Ambika Prasad Dhruv and ASI Bhaskar and other two constables to fire and advance towards left side of the track. He himself along with two CRPF constables started engaging the right side fire. They could see two SLR, one INSAS and one .303 weapons at a distance. They fired and moved/chasing the fleeing naxals, in this process one with .303 was hit by the fire and other one with INSAS also got hit and fell down but managed to escape with his weapon. The exchange of fire continued for half an hour and stopped. SI Abdul Sameer called his party and briefed his party with CRPF personnel for searching of the area. On searching the area one dead body of half uniformed naxal namely Madavi Hidma S/O Hando Vill-Gorna along with .303 rifle, .303 rounds-12, one HE grenade, 04 detonators, one black pitthu, naxal literature, pouch 02 nos, 01 radio and arrow-05 nos etc were recovered. Party safely returned to PS Bijapur at 1530 hrs. The State police party with CRPF personnel under command of SI Abdul Sameer and AC G. Madhu, CRPF stayed in the heavy rain for 3 days and nights to engage the naxals and got the good result. When the party was attacked by naxals he exhibited a great presence of mind and great leadership, superb operational sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant while launching the offensive from front. His reaction to naxal offensive not only saved the life of his men, but also foiled the naxal attack and he played a key role in killing of naxals and recovering body of one naxal cadre.

In this encounter Shri Abdul Sameer, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/07/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 39-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Kishor Kerketta,
Inspector

02. Yakub Memon,
Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On specific intelligence input of presence of CPI Maoist cadres in Cherli, Bechapal and Hurrepal area under Mirtur PS limits of Bijapur district, an operation was launched in the early morning of 17th November 2014, comprising of two parties of DEF Bijapur/Dantewada and STF of total strength 175 with Inspector Kishore Kerketta and Inspector Yakub Memon as Commander and SI Hriday Yadu & SI Sushil Patel as Deputy Commander.

Party was given a detailed briefing by Ops Commander, Inspector Kishore Kerketta and Inspector Yakub Memon and left PS Mirtur at early morning 05:30 hrs. in two groups towards Village Cherli, Bechapal and Hurrepal. The first group under command of Inspector Kishore Kerketta and the second group under command of Inspector, Yakub Memon were moving parallel by adopting field & craft tactics and destroyed naxal camp etc. and took LUP in the jungle area of Hurrepal.

After LUP first group under command of Inspector Kishore Kerketta from left side and the second group under command of Inspector, Yakub Memon from right side reached area near Hurrepal by maintaining surprise, then suddenly the first group got huge volume of automatic fire by naxals from the right direction. Immediately, party took position and challenged them to stop firing and surrender. Without giving a positive response, they continued indiscriminate fire on the troops. Without wasting a moment, Police party took position and started retaliating. Party commander Kishore Kerketta cautioned his men and ordered them to use fire and move tactics to advance. Shri Kerketta himself took the lead and alongwith his men advanced towards enemy taking cover and firing. Second Party Commander Shri Yakub Memon and his men moved and try to encircle Maoists from the other side. Maoists kept on firing upon the police party as soon as they were able to see any movement. Both Party Commander Inspector Kishore Kerketta and Inspector Yakub Memon courageously moved forward and encouraged their men to follow them. Seeing police party undeterred and closing towards them firing, Maoists felt that they might be encircled. Because of strong retaliation by police party, Maoists started losing ground and ran away taking advantage of jungles and hilly terrain.

Once firing stopped completely, area was searched by the police party. On searching, police party found two Maoist dead bodies, 01 no. Insas rifle, one 12 Bore Gun, alongside that bodies, 02 nos. Insas magazine, 18 nos. Insas live round, 03 nos. 12 Bore live round, 01 no. Bharmar Gun, 04 nos. Detonetor, literature and other items in use by Maoists. There were bloodstains suggesting more Maoists were killed or injured. After that Police Party took LUP in the jungle area of Bechapal. On 18-11-2014 at early morning 05:00 hrs. Party commander bravely led his men and moved tactically and reached PS Mirtur safely. Later, the dead body was identified as Laloo Hody and Sukki Inchami alias Sujata who were active Maoist in area since last 8 years.

In this encounter S/Shri Kishor Kerketta, Inspector and Yakub Memon, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/11/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 40-Pres/2016—The President is pleased to award the 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Chhattisgarh Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Ajeet Kumar Ogrey,
Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18 July 2012 on specific source inputs a party Sihawa police, Chhattisgarh armed force & STF under command of Shri Ajeet Kumar Ogrey moved to village Chamenda, 40 km from sihawa on Orissa-Chhattisgarh state borders to trap the group of naxalites trying to cross over state borders. The temporary camp which was setup by naxalites was effectively cordoned by meticulous plan of Shri Ajeet Kumar Ogrey which resulted in retaliation fire by naxalites on cordon party at 0400 hrs. to break away through incurring fatal casualties to security forces. Due to the indiscriminate firing by naxalites, the accurate positioning of the naxalites was difficult. Shri Ajeet Kumar Ogrey asked his party to stop fire then applying his tactical knowledge & lay of the ground, asked his party to aim at the muggal flashes of naxalites. In extreme weather conditions, after heavy rain fall & pitch dark night, Shri Ajeet Kumar Ogrey showing utter disregard to his personal safety moved forward tactically to lead by example & motivated his party to engage the naxalites effectively. As a result, the naxalites pounced & started breaking off. The search after the encounter gave the recovery of one armed dead body of women in uniform, one armed dead body of a man in uniform, 7.62 mm. SLR Rifles-03, 5.56 mm. INSAS Rifles-, 01, magazine-06, live ammunitions-60 Nos., & utilities items used by naxalites. The police party achieved the high success without any casualties. For the First time in an encounter, police could recover the weapons of naxalites which they acquired by ambushing various police parties.

In complete sequence of events, Shri Ajeet Kumar Ogrey has shown exceptional leadership qualities in planning, leading & execution of the impended tasks without any casualties.

In this encounter Shri Ajeet Kumar Ogrey, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of 2nd Bar to Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/07/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 41-Pres/2016—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01.	Sheikh Zulfkar Azad, Superintendent of Police	(1st Bar to PMG)
02.	Arshad Husain, Inspector	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31.08.2012, acting over a specific information, a joint operation consisting of Police and Army-24 RR under the command of SP (Ops) Srinagar, Sh. Sheikh Zulfkar Azad was launched in the upper reaches of Mira Nar forests of village Pathpora Chattergul Kangan. All the operational nafri was divided into three parties.. All the parties marched towards the target area at about 2200 hours and positioned themselves according to plan. At 0530 hours on 01.09.2012, SP Operation Sheikh Zulfkar Azad Incharge of the inner cordon party, formed a small team of SOG personnel which include Inspr. Arshad Husain and others. In the first instance, the holed up terrorists were asked to surrender, which they totally declined and instead opened fire on the operational party. At around 0700 hours, intervention of the hideout was planned.

As soon as the intervention party reached near the hide, it came under heavy fire from the terrorists. In a tactical move, the intervention party withdrew only to advance from the rear side of the hide. At this stage SP Sheikh Zulfkar Azad, Incharge of the intervention party constituted two small parties and decided to enter the hide from both front and rear side. As soon as the second party tried to enter the hide, the holed up terrorists lobbed grenades, which caused no damage. However, the first party comprised of Sh. Sheikh Zulfkar Azad SP Operation Srinagar, Inspr. Arshad Husain and others crawled nearer to entrance of hideout from where the terrorists had lobbed the grenades. At this stage, the terrorists started firing indiscriminately in an attempt to break cordon and run away. However, both the officers alongwith others retaliated the fire effectively without caring for their lives, which resulted in elimination of top Commander of HM outfit namely Talha Bhai R/o Pakistan and his associate Mushtaq Ahmad @ Zubair R/o Doda Kishtwar.

Recovery :—

1. AK rifle 02 Nos,
2. Magazine AK 06 Nos (three damaged)
3. AK Rounds 157 Nos (five damaged)

4. Pouches 02 Nos,

5. Chinese grenade 01 No

6. UBGL 01 No

7. Pakistan Currency Rs. 1030/-

In this encounter S/Shri Sheikh Zulfkar Azad, Superintendent of Police and Arshad Husain, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of 1st Bar to Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/09/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 42-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Mohd. Aslam,
Superintendent of Police

02. Ashiq Hussain Tak,
Dy. Superintendent of Police

03. Sageer Ahmad Pathan,
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02.12.2013 over a specific information regarding presence of terrorists at village Rajpora, a joint operation was planned and executed by Police Handwara , 21 RR & 30 RR. The Police party was headed by SP Mohd Aslam and Army Component was commanded by Major Sanjaya Kumar. During the operation, the area was cordoned and presence of terrorists got established. During this exercise the search parties suddenly came under heavy volume of fire from a house which was under the scanner of cordon and search party. The militants tried to create a hostage crisis. The indiscriminate fire opened by the terrorists was making the task of rescuing the civilians from the target house and adjoining houses more herculean. A small team of JKP headed by SP Mohd Aslam augmented by Ashiq Hussain Dy.SP Operations and HC Sageer Ahmad volunteered for the said job. The rescue team moved very close to the target area and kept the terrorists engaged with speculative fire. The officers/official displayed exemplary courage in severe life threatening situation not caring for their lives to safeguard the life of the civilians trapped in cross fire. One by one total thirteen civilians including some women and children were evacuated to safe places.

Once the evacuation was completed the party now got busy in elimination of the terrorists from the target house and blocked all the exit routes using concertina wire and illuminated the house by putting lights. The firefight went on for the whole night. The police party defeated the designs of the terrorists. It was only with great valor and missionary zeal of SP Mohd Aslam, Dy.SP Ashiq Hussain and HC Sageer Ahmad that they neutralized three hardcore terrorists who were all residents of Pakistan.In the entire operation SP Mohd Aslam, Dy.SP Ashiq Hussain and HC Sageer Ahmad displayed conspicuous gallantry, unparalleled courage and devotion to duty of the highest order and ensured safe evacuation of the civilians.

Recovery:

1. AK 47 Rifle - 03 Nos

2. AK Magazine - 10Nos

In this encounter S/Shri Mohd. Aslam, Superintendent of Police, Ashiq Hussain Tak, Dy. Superintendent of Police and Sangeer Ahmad Pathan, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/12/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 43-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Irshad Hussain Rather,
Dy. Superintendent of Police

02. Ankit Koul,
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31.5.2013, over a specific information a joint operation by Police and 55 RR was launched in village Wandina District Shopian where presence of two HM terrorists in the house of one Mudasir Ahmad Dar, r/o Windina was confirmed. Sensing the situation, the terrorists exhorted firing on the troops which they retaliated in self-defence. After analyzing the situation SP Shopian alerted the troops to keep confidence and hold up the cordon strongly. In order to make the operation successful, two assault groups were formed under the Command of Shri Mumtaz Ahmed SP Shopian and Shri Irshad Hussain Rather, Dy SP (Ops) Imamsahib. The first group led by SP Shopian has taken Morcha on the front side of the house whereas Dy. SP (Ops) Immamsahib alongwith his group has taken position from the densely plantation side. The terrorists were asked to surrender but instead one of the terrorists throw rifle grenades followed by indiscriminate firing upon the assault groups and tried to escape from the spot in which SP Shopian, Dy SP, Ops, Immamsahib and Const. Ankit Koul, 14th Bn had a narrow escape. However, at this moment, Dy SP, (Ops), Immamsahib and his men without caring for their lives fought bravely and during retaliatory action, the said terrorist was killed later identified as Sajad Ahmad Mir R/o Litter Pulwama ,Div. Comdr. HM South Kashmir. However, other terrorist hiding in the said house continued firing on the troops at regular intervals.

In the early morning hours of 01-06-2013, the operation was again started under the supervision of SP Shopian and the terrorist inside the house was asked to surrender but he hurled rifle grenades and continued firing upon the troops at regular intervals. At about 1600 hours, the firing from the house was stopped. As soon as the parties approached the main entrance of the house, the besieged terrorist hurled grenades followed by indiscriminate fire with the intention to kill them. However, the Police party showed exemplary courage and retaliated bravely, which resulted in the elimination of remaining terrorist identified as Mohammad Ashraf Rather S/o Mohammad Akbar Rather R/o Nowpora Payeen Pulwama, District Commander HM Pulwama-Shopian.

Recovery:

AK 56 Rifle	02 Nos.
Rds AK	13 Nos.
Mag AK 56	03 Nos.
UBGL	01 No.
Amn UBGL	04 Nos.
Pistol 7.6mm	01 No.
Pistol 9mm	01 No.
Mag Pistol	03 Nos.
Rds Pistol	02 Nos.
Mobile Charger	01 No.
IED Wire	01 Roll Small
LED Battery Small Size	05 Nos.
IED Detonator	03 Nos.
Indian Currency	Rs. 9616/-

In this encounter S/Shri Irshad Hussain Rather, Dy. Superintendent of Police and Ankit Koul, Constable displayed

conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 31/05/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 44-Pres/2016—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01.	Imtiyaz Hussain Mir, Superintendent of Police	(1st Bar to PMG)
02.	Rayaz Iqbal Tantray, Dy. Superintendent of Police	(1st Bar to PMG)
03.	Manzoor Ahmad, Sub Inspector	(PMG)
04.	Nissar Ahmad, Sub Inspector	(PMG)
05.	Ashraf Nabi, SGCT	(PMG)
06.	Showkat Ahmad, SGCT	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.12.2012, based on specific information, a joint operation was launched by Police Sopore, Army 22 RR and CRPF 179 Battalion in Village Saidpora Sopore. The nafri was divided into three groups, each headed by Shri Reyaz Iqbal Tantray, Dy SP (Ops) Sopore, SI Manzoor Ahmad and SI Nisar Ahmad under the overall command/ supervision of Shri Imtiyaz Hussain, SP Sopore. Initially, the team headed by Shri Reyaz Iqbal Tantray, Dy,SP(Ops) and SGCT. Showket Ahmad on noticing suspected movement in a nearby apple orchard, acted swiftly and headed towards the hiding suspect. The suspect who was a terrorist, fired upon the Police party which was effectively retaliated and in the resultant gun battle the hiding terrorist got killed.

On receiving information about encounter, DIG North Kashmir Range also reached the spot and supervised the operation. After taking a review of the whole situation, the operation party decided to evacuate the civilians trapped in the cordon area. While the party led by Shri Imtiyaz Hussain, SP approached close to one of the house under cordon, some terrorists hiding inside the target house started indiscriminate firing on the police party. Without caring for their own lives, Shri Imtiyaz Hussain, SP and SGCT Ashraf Nabi advanced to the target house and succeeded in evacuating the trapped civilians amid continuous firing from the hiding terrorists. Thereafter, the Police party led by Shri Imtiyaz Hussain, SP launched offensive against the holed up terrorists in which SGCT Ashraf Nabi got injured. However, the Police party succeeded in eliminating the terrorists just outside the house. Although one of the terrorists tried to escape from the other side, but for the swift action by the police party he was eliminated then and there. On the other side, police parties led by SI Manzoor Ahmad and SI Nisar Ahmad kept onslaught against the left over two hiding terrorists who too were eliminated in the wee hours on 19-12-2012. In all, 06 terrorist were killed during the operation which continued throughout the day/night. During the encounter, 02 Army personnel also received bullet wounds. The elimination of these terrorists was a big achievement for the Police and a severe jolt to the network of militant outfits in the area.

Recovery :

1.	AK Series Rifle	:	07 Nos.
2.	AK Series Mag	:	13 Nos.
3.	Amn AK Series	:	76 Rds.
4.	Pistol	:	01 No.
5.	Pistol Mag	:	01 No.
6.	Pistol Amn	:	04 Nos.

7.	Pouch	:	03 Nos.
8.	Radio Set	:	03 Nos.
9.	GPS	:	01 No.
10.	Matrix Sheet	:	02 Sheets
11.	Map	:	02 Sheets
12.	Mobile phone	:	01 No.

In this encounter S/Shri Imtiyaz Hussain Mir, Superintendent of Police, Rayaz Iqbal Tantray, Dy. Superintendent of Police, Manzoor Ahmad, Sub Inspector, Nissar Ahmad, Sub Inspector, Ashraf Nabi, SGCT and Showkat Ahmad, SGCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of 1st Bar to Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/12/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 45-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Syed Javeed Ahmad,
Dy. Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25-12-2013, over a specific information regarding the presence of a top Lashker terrorist in the house of one Nazir Ahmad Dar S/O Gh. Hassan R/O Hushroo, Chadoora, District Budgam, a joint operation by Police, 53-RR and 178-Bn. CRPF was launched. The operation parties were divided into three groups.The first party headed by Shri Harmeet Singh Mehta, Addl. SP, Budgam, assisted by Shri Syed Javeed Ahmad, Dy. SP, Ops. Budgam was tasked to lay close cordon of the house to ensure that the hiding terrorist could not escape. The second party headed by Shri Ajaz Ahmad, Dy. SP, Hqrs. Budgam was tasked to evacuate the people from adjoining houses to a safe location. The third party under the command of Dy. SP, Shri Shahid Naheem was tasked to lay an outer cordon of the locality. As the first party reached the target house, the terrorist present inside got alert and threw five grenades one after another on the approaching parties followed by indiscriminate firing in order to escape. Shri Harmeet Singh Mehta, Addl. SP, Budgam and his assistant Shri Syed Javeed Ahmad, Dy. SP, Ops. Budgam without caring for personal security managed to establish the cordon around the house.

In the mean time, the other two parties reached to the assigned task. The first party successfully managed to keep the terrorist inside and foiled his attempt to run away. In the mean time it was dark and the operation was suspended for night. The operation was resumed at first light and it was decided to make an entry into the house to finish the operation. Shri Harmeet Singh, Addl. SP, Budgam with two Constable volunteered to enter the house. The entry was made from back side of the house breaking the wall and making a narrow entry. As soon as the parties entered into the house, the holed up terrorist came out firing indiscriminately but party took position and retaliated. In the meantime, Dy. SP, Ops. Budgam, Shri Syed Javeed Ahmad assisted by two Constables sensing the gravity entered into the house from other side and caught hold of the terrorist, who was firing indiscriminately. In the ensuing hand to hand fight, the terrorist was gunned down who was identified as 'A' category terrorist of LeT resident of PoK.

Recovery:

1. AK 47 Rifle - 01 No.

2. AK Magazine - 02 Nos.

3. AK rounds - 35 Nos.

In this encounter Shri Syed Javeed Ahmad, Dy. Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/12/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 46-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Vijay Bhan,
Head Constable

02. Ajaz Hussain,
Follower

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.4.2013, over a specific information in apple orchards, adjacent to village Krankshivan, a joint operation was launched by Police and Army 22 RR under the command of Dy. SP Reyaz Iqbal Tantray. In the first instance, the party started to evacuate the civilians who were working in the orchard, within the cordoned area. While the evacuation operation was in progress, the terrorist started indiscriminate fire on the operation parties and tried to create hostage crisis and also hurled hand grenades towards the Police party. At this movement, a Police party including HC Vijay Bhan, Follower Ajaz Hussain remained firm and moved ahead crawling inch by inch, to evacuate the civilians with the help of getting covering fire from backup parties of Police /Army and shielded around a dozen civilians one by one to safer place. The officers/ officials displayed exemplary courage in life threatening situations, not caring for their lives, to safeguard the life of civilians trapped in the crossfire. Exhibiting extreme sense of responsibility towards their duty of safeguarding human lives, the duo managed to eliminate terrorist Shabir Ahmad Sheikh @ Shaka S/O Abdul Rehman Sheikh R/O Rajpora Palhallan without allowing him to hurt any of the civilians.

It is pertinent to mention here that the Police party faced life threatening situations with courage and resilience and continued to engage the terrorist from a close range. The terrorist lobbed three hand grenades towards the Police party who had a miraculous escape. The Police party defeated the designs of the terrorist who wanted to create a hostage crisis and in turn defame the security forces and the nation to serve the purpose of enemies of the country. The said killed terrorist has been operating in North Kashmir using three different codes viz. Shaka, Sufiyan and Tameem while in different areas. He was involved in the killing of Sarpanches and some other civilians. The role of HC Vijay Bhan and Follower Ajaz Hussain during the encounter remained courageous, exemplary and pivotal.

Recovery :—

1. AK Series Rifle : 01 No.
2. AK Series Mag : 01 No.
3. AK Amn Rds : 01 No.

In this encounter S/Shri Vijay Bhan, Head Constable and Ajaz Hussain, Follower displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/04/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 47-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Abdul Waheed Shah,
Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.01.2014, a specific information was received by Police Awantipora regarding movement of terrorists in Dadsara area in Awantipora. Accordingly a police party headed by Shri Abdul Waheed Shah, SP Awantipor alongwith 03 RR rushed to the area and established special Nakas at some strategic points. At about 1830 hours, the party noticed suspicious movement of a person who was on way towards Awantipora for the purpose of committing some subversive activity on NHW. On noticing presence of Security Forces, the terrorist fired indiscriminately upon the operational party and tried to escape towards the residential area. Shri Abdul Waheed Shah, SP heading the operational party chased the terrorist without caring for his life and encircled him in a professional manner so as to deter him from entering in the nearby residential area. The terrorist was initially asked to surrender, however, he refused to do so and again fired indiscriminately upon the operational party. The terrorist took shield behind a big walnut tree from one side and a high rise structure from the other side. After some deliberations, it was decided to approach the terrorist from two opposite directions by two separate parties; one headed by Shri Abdul Waheed Shah, SP and other by Shri Perveiz Ahmad SDPO Awantipora. The parties tightened the circle carefully and retaliated in self defense. The exchange of fire took place for half an hour and then fire from other side stopped. Due to poor visibility, it was difficult to ascertain whether the terrorist had died or not. Shri Abdul Waheed Shah- SP alongwith a small police party volunteered to go ahead to ascertain death of the terrorist putting their lives to great risk. While moving ahead, the terrorist who had sustained bullet injuries and was pretending to be dead, abruptly tried to lob grenade towards the approaching officials. However, SP Awantipora acted swiftly and fired upon the terrorist in a daredevil manner and killed him on spot. The slain terrorist was later on identified as Qarildress @ Adil R/O PAK, self styled divisional commander of JeM outfit in the area and was responsible for a number of subversive activities.

Recovery :—

1.	Rifle AK	-	01 No.
2.	AK Magazine	-	05 Nos.
3.	Antenna Wireless	-	01 No.
4.	Chinese grenade	-	02 Nos.
5.	AK rounds (live)	-	202 Nos.]
6.	Matrix sheets	-	03 Nos.
7.	Pak currency	-	one hundred rupee note.
8.	India currency	-	Rs. 17210/-

In this encounter Shri Abdul Waheed Shah, Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/01/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 48-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Abdul Jabbar,
Addl. Superintendent of Police

02. Zulafqar Ahmed Shaheen,
Dy. Superintendent of Police

03. Mushtaq Ahmad,
SGCT

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24.12.2012, over a specific information a joint operation by Police (SOG Kulgam), 9 RR and 18th Bn CRPF was launched in village Dadipora, Kulgam under two parties one headed by Abdul Jabbar IPS ASP Kulgam and other headed by Zulfqar Ahmad Shaheen DySP (Ops) Kulgam. On sensing the arrival of operation parties, the terrorists started heavy volume of fire and Grenade throwing from inside the target house. The fire was retaliated, however, the terrorists jumped out of the house through a window, continuing heavy volume of fire and rushed towards the open areas. The operational parties chased

the fleeing terrorists, who were continuously trying to escape and entered a nearby apple orchards while continuing the indiscriminately firing and running.

In the mean time Abdul Jabbar IPS, Adll. SP Kulgam effectively encircled the fleeing terrorists from western sides along the boundary line of village Kanipora. During the pursuit, one Sepoy of 9 RR and Zulfqar Ahmad Shaheen Dy.SP had received one gunshot each. However the pursuit continued relentlessly, besides the injured soldier was evacuated. Reinforcement party of Kulgam Police and Army under the command of, Dy. SP HQ Kulgam reached village Kanipora & joined the pursuit. After a grueling chase for over two kilometers, the pursuit as well as the reinforcement parties were able to encircle the terrorists in a groove of poplar trees. Sensing this, the terrorists took cover behind a stack of wooden logs amongst a group of trees in the-groove and continued firing/grenade lobbing on the operational parties. Under effective cover fire, HC Niyaz Ahmad successfully managed to inflict injuries on the hiding terrorists and eliminated one of them. However, sensing the danger of elimination at the hands of this brave policeman, the other terrorist, instantly fired upon the said Police person and injured him critically, whereas Zulfqar Ahmad Shaheen, Dy. SP (Operations), Kulgam and Sgct Mushtaq Ahmad also got injured. At this juncture, Dy. SP HQ Kulgam alongwith his party displayed conspicuous bravery, crawled through and evacuated the injured officials but unfortunately HC Niyaz Ahmad succumbed to injuries. Under the effective fire of advancing parties another terrorist was also killed.

Recovery :

1.	AK 47 Rifle	02 Nos.
2.	Magazine AK	06 Nos.
3.	Ammu.'AK Live	07 Rounds
4.	Ammunition Pouches	02 Nos.
5.	Diary	01 No
6.	Matrix Sheets	01 No
7.	Chinese Hand grenade live	02 Nos. (Destroyed)
8.	Chinese Hand grenades Used	03 No.

In this encunter S/Shri Abdul Jabbar, Addl. Superintendent of Police, Zulafqar Ahmed Shaheen, Dy. Superintendent of Police and Mushtaq Ahmad, SGCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/12/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 49-Pres/2016—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01.	Abdul Qayoom, Superintendent of Police	(1st Bar to PMG)
02.	Bashir Ahmad, Head Constable	(PMG)
03.	Mukhtar Ahmad, Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13.01.2014, based on a specific tip off, a joint operation was launched by Police Sopore alongwith troops of 22 RR in village Dooru Sopore (Baramulla). Shri Abdul Qayoom- KPS SP Sopore, led the operational party and made it clear to all the participating officers that there should be no civilian casualty while engaging the hiding terrorists in the encounter, displaying leadership qualities and commitment towards professional ethics, the officer himself volunteered to lead the advance party and initiate the first gun battle with the hiding terrorists. While advancing towards the target house, the advance party was fired upon by the hiding terrorists indiscriminately so as to deter them from advancing towards the target site. Hearing the gun shots, the civilians trapped in the adjacent houses including a mosque raised hue and cry, which forced

the advance party to hold the fire till civilians were evacuated safely from the nearby houses/Mosque. Meanwhile, a backup party comprising of men from Police Sopore and 22 RR was also placed at substantial distance in the nearby by-lanes to provide backup/reinforcement to the advance party. The cordon was focused towards the target house and the officer, sensing the gravity of the situation, made out a strategy by keeping terrorists engaged on one side and on the other side the party led by officer himself approached the adjacent houses in a RAKSHAK vehicle for evacuation of the trapped civilians. After evacuation of civilians, strategy was formed for the final assault. The fire was started by the police party towards the target house and one side was kept vacant. The two hold-up terrorists tried to escape from the vacant side while one of the terrorists kept the troops engaged in the fire fight. On seeing this, Police party under the command of Shri Abdul Qayoom SP Sopore displayed extraordinary operational capabilities and neutralized both the terrorists in the compound of target house. On hearing fire shots from the vacant side, the hold-up terrorist hurled two grenades in a bid to escape from the encounter site but for the tactful planning by Shri Abdul Qayoom and his associate members of the advance party namely HC Bashir Ahmad, 16 ARP and CT Mukhtar Ahmad, the attempts of the left over terrorist were unsuccessful. Terrorist seeing no escape route came out from the main door of house amid hurling grenades and firing indiscriminately upon the advance party but true to the tradition of sacrificing everything for the call of the duty, the officer assisted by HC Bashir Ahmad and CT Mukhtar Ahmad launched an aggressive assault on the terrorist and eliminated him there after a fierce encounter between the two parties. The slain terrorists were later on identified as Abdu- Hassan- Divisional Commander (JeM), Farooq and Rizwan all residents of Pakistan. These terrorists were involved in a number of terrorist actions including killing of police personnel/civilians.

In the entire operation, role of Shri Abdul Qayoom- SP Sopore, HC Bashir Ahmad and Ct Mukhtar Ahmad remained courageous, exemplary and pivotal which resulted in elimination of three dreaded terrorists.

Recovery :

1.	AK 47	-	03 Nos.
2.	AK 47 Mag	-	04Nos.
3.	AK 47 Rds	-	123 Nos.
4.	Hand grenade	-	04 Nos.

In this encounter S/Shri Abdul Qayoom, Superintendent of Police, Bashir Ahmad, Head Constable and Mukhtar Ahmad, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of 1st Bar to Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/01/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 50-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Shoket Hussain,
Superintendent of Police

02. Imtiaz Ismail Parray,
Superintendent of Police

03. Mumtaz Ali,
Dy. Superintendent of Police

04. Ramees Ahmad Bhat,
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13th February, 2014, on a specific information regarding presence of terrorists in Village- Gagloora Pinjura Shopian, Police Shopian/Kulgam/Srinagar and 44 RR carried out joint operation to nab/eliminate terrorists hiding in the said Village. After taking stock of the situation in the back drop of the notoriety of the terrorists hiding in the said Village, the operational group was split and four assault teams were formed under the command of SP Shopian, SP Kulgam, SP South City Srinagar and Dy. SP Ops Imamsahab. The hiding terrorists were encircled by the teams from all the sides and no chance was left for the terrorists to escape from the spot. On seeing that some civilians were trapped around the target site, Shri

Shoket Hussain- SP Shopian, Imtiaz Ismail Parray-IPS, SP South City, Srinagar, Mumtaz Ali Dy SP (Ops) Imamsahab and Const. Ramees Ahmad Bhat without caring for their lives, came forward and tactfully evacuated all the civilians safely. Meanwhile the hiding terrorists were asked to surrender which they ignored and fired indiscriminately upon the operational parties. The police party led by Shoket Hussain- SP Shopian, Imtiaz Ismail Parray-IPS, SP South City Srinagar, Mumtaz Ali Dy SP (Ops) Imamsahab and Const. Ramees Ahmad Bhat engaged the hiding terrorists in a fierce gun battle from the front and succeeded in eliminating both the hiding terrorists. The operation was conducted so professionally that neither any civilian causality nor any collateral damage was cuased. The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Shoket Hussain, SP Shopian, Imtiaz Ismail Parray-IPS, SP South City Srinagar, Mumtaz Ali Dy SP (Ops) Imamsahab and Const. Ramees Ahmad Bhat, who led the operational party from the front without caring for their lives was remarkable as the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly gallant. The officers/officials showed courage in evding the civilian casualties and any collateral damage by presence of mind and professionalism. The killed terrorists were later on identified as Arshid Ahmad Sheikh @ Umar, (Self styled District Commander of HM outfit) S/O Bashi Ahmad Sheikh R/O Haripora Shopian, active since 2011 and Aabid Hussain Rather S/O Late Gull Mohd Rather R/O Vahil Shopian, active since 2013.

Recovery :

1.	SLR	-	01 No.
2.	INSAS	-	01 No.
3.	SLR Mag.	-	03 Nos.
4.	INSAS Mag	-	01 No.
5.	SLR Rds.	-	80 Nos.
6.	Grenade	-	06 No.

In this encounter S/Shri Shoket Hussain, Superintendent of Police, Imtiaz Ismail Parray, Superintendent of Police, Mumtaz Ali, Dy. Superintendent of Police and Ramees Ahmad Bhat, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/02/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 51-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Maqsood-Ul-Zaman Baba,
Superintendent of Police

02. Zakir Hussain Mir,
SGCT

03. Parvez Ahmad Khan,
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10/03/2014, acting on a specific information regarding presence of terrorists in Village Malikpora, Vilgam in PD Handwara, a joint operation was carried out by Police Handwara alongwith 06 RR. Immediately after cordon, presence of terrorists was got established in a particular house and the search party suddently came under heavy fire from the target house. The indiscriminate firing by the terrorists was making the task of rescuing the civilians from the target house and adjoining houses more difficult. Upon this, a core team of Police headed by Sh. Maqsood-ul- Zaman Baba, SP Handwara supported by SgCt Zakir Hussain Mir and Ct. Parvez Ahmad Khan volunteered for the said job. This rescue team under the meticulous planning and leadership qualities of SP Handwara put their lives to great risk and evacuated all the civilians alongwith cattle trapped inside the target house. During the evacuation, the dreaded terrorists kept on firing indiscriminately upon the rescue team. However, with the great caution, all the civilians were evacuated safely. While laying the inner cordon, the terrorists holed up inside the house lobbed grenades and indiscriminately fired upon the party. However, SP Handwara exhibiting the great courage and professional acumen retaliated and blocked all the exit routes with the assistance of his team.

SP Handwara positioned his men in such a manner so as to ensure tight cordon around the terrorists. Frustrated over advancement of the police party headed by Sh Maqsood-ul-Zaman Baba SP Handwara supported by SgCt Zakir Hussain Mir and Ct Parvez Ahmad Khan, the terrorists started deceptive firing in order to get a space for fleeing and to confuse the operation team. However for the meticulous planning of Shri Maqsood-ul- Zaman Baba SP Handwara and lead support from SgCt. Zakir Hussain Mir and Ct Parvez Ahmad Khan, the fire was effectively retaliated resulting in elimination of two hard core terrorists. The terrorists had even tried to target the advance team headed by SP Handwara by lobbing grenades and heavy firing on them but they managed to reach in the close proximity of the terrorists by their presence of mind and tactical acumen. The identity of the killed terrorists was later on established as Abu Huraira R/O PAK and Abu Talha R/O PAK,who were most wanted terrorists of Lashkir-e-Toiba outfit, actively operating in various areas of North Kashmir. Worthwhile to mention here that terrorist Abu Huraira R/O PAK was a coordinator cum facilitator of LeT outfit for new comers for the last six years and was also mastermind behind several attacks on Police and Security forces. In the entire operation SP Maqsood-ul-Zaman Baba, SgCt Zakir Hussain Mir and Ct Parvez Ahmad Khan displayed conspicuous gallant, unparalleled courage and devotion to duty of highest order and ensured safe evacuation of the civilians.

Recovery :—

1.	AK 47 rifle	:	02 Nos. (01 damaged/burnt)
2.	AK Magazine	:	04 Nos. (02 damaged/burnt)
3.	AK Ammnu	:	15 Rds
4.	Hand Grenade (Chinese)	:	02 Nos. (Destroyed)
5.	Radio Set ICOM	:	01 No. (Damaged)
6.	Scissors	:	01 No.

In this encounter S/Shri Maqsood-Ul-Zaman Baba, Superintendent of Police, Zakir Hussain Mir, SGCT and Parvez Ahmad Khan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/03/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 52-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Tanweer Ahmed Jeelani
Dy. Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07/01/2014 Police Awantipora generated information regarding presence of a terrorist in village Baigpora, Awantipora. Accordingly, a police party headed by Sh. Tanveer Ahmed Jeelani Prob. Dy SP (SHO P/S Awantipora) alongwith 55 RR conducted patrolling in the area. At about 1800 hours, the party noticed suspicious movement of some person trying to damage Railway line. The person on noticing police vehicle fired indiscriminately towards them and tried to escape and enter into nearby Railway Station. Shri Tanveer Ahmed Jeelani, Dy SP (P) took the lead role and volunteered for the onslaught against the terrorist. They encircled the terrorist near Railway Station strategically and forced him to enter the station. In view of darkness, it was difficult to locate his exact location in the given area, however, firing from the terrorist was keeping them aware about his direction. Meanwhile SP Awantipora also joined the operation alongwith his QRT and gun battle took place. After some time, fire from terrorist side stopped. It was difficult to ascertain whether the terrorist had died or not. However, Shri Tanweer Ahmed Jeelani, Dy SP (P) went ahead without caring for his life and moved towards the terrorist in a professional manner. The terrorist, who had sustained bullet injuries and was pretending to be dead, abruptly tried to lob grenade towards the approaching party led by Shri Tanveer Ahmad Jeelani, but the officer reacted swiftly and fired upon the terrorist killing him on the spot. The slain terrorist was later on identified as Waseem Ahmad Dar S/o Mohd Yousif Dar R/O Dagripora Awantipora of HM outfit. The said terrorist was involved in a series of terrorist activities in the area and had spread a reign of terror among the people.

Recovery :

1.	AK 56 rifle	-	01 No.
2.	AK Magazine	-	04 Nos. (01 damaged)
3.	AK rounds	-	60 Nos.

4.	Chinese grenade	-	01 No.
5.	Pouch	-	01 No.
6.	Army belt	-	01 No.

In this encounter Shri Tanweer Ahmed Jeelani, Dy. Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07/01/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 53-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Fayaz Hussain,
   Addl. Superintendent of Police
2. Mohd Aftab Awan,
   Dy. Superintendent of Police
3. Dilber Singh,
   Head Constable
4. Zafar Iqbal Naik,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on a specific information regarding presence of terrorists in the forest area of Dardpora Lolab (Kupwara), a joint operation was launched by Police Kupwara alongwith 18/31 RR on 24/02/2014. The responsibility of commanding the operation was taken by SP Kupwara besides Shri Fayaz Hussain-ASP Kupwara and Shri Mohd Aftab Awan- Dy. SP. The operation was planned and target area was sealed. All escape routes were plugged and the search was started from all the directions. During the search operation, movement of terrorists was noticed inside the forests. Since the terrorists were at higher reaches of the forest and enjoyed advantageous position as compared to operational teams who were in down-side of the forest, it was arduous task for the operational teams to eliminate the hiding terrorists. Sensing the situation, Shri Fayaz Hussain –ASP Kupwara and Shri Mohd Aftab Awan- Dy SP alongwith HC Dilber Singh and Const. Zafar Iqbal Naik volunteered themselves to advance towards the target site, least caring for their lives. Noticing advancements from the operational teams, the hiding terrorists opened indiscriminate firing on the said party but for the operational capabilities and commitment towards duties, the police party led by Shri Fayaz Hussain- ASP Kupwara and Shri Mohd Aftab Awan, Dy SP reacted quickly and denied opportunity to the terrorists to escape from the site by taking the forest path to reach the inhabited Village (Syedpora). Sensing police deployment all around, terrorists took cover of forest trees and resorted to indiscriminate firing again upon the police party. The assault teams continued chasing the hiding terrorists and successfully engaged them. As the number of terrorists was high, it was a herculean task to push them to a solitary location but the operational team comprising Shri Fayaz Hussain- ASP Kupwara and Shri Mohd Aftab Awan, Dy. SP alongwith HC Dilber Singh and Const. Zafar Iqbal Naik fought bravely and in the first instance, 02 terrorists were gunned down. Other hiding terrorists seeing their 02 colleagues having been gunned-down were seen frustrated and came into open and fired upon the police party in all directions. The police party did not lose calm and retaliated effectively with the result 03 more terrorists were gunned-down. The remaining 02 terrorists tried to escape from spot while firing indiscriminately in all directions but vigilant operational team foiled their attempt and successfully eliminated all of them. The operation continued till late night of 24/02/2014 and thorough search of the forests was conducted till 25/02/2014. In total 07 terrorists were eliminated besides recovery of huge catch of arms/ammunition. All the eliminated terrorists were foreigners and affiliated with LeT outfit and 06 of them have been identified (“A” category terrorists).

It was due to self-determination, high spirit of work and the operational capabilities of the police party that a close gun battle ensured and all the hiding militants were killed after a long operation.

Recovery :—

24/02/2014

1.	AK 47	:	07 Nos.
2.	magazine AK 47	:	07 Nos.
3.	AK 47 Rounds	:	137 Nos.
4.	H/Grenade	:	03 Nos.
5.	Compass	:	01 No.

26/02/2014

1.	Magazine AK 47	:	10 Nos.
2.	AK 47 Rounds	:	211 Nos.
3.	UBGL	:	03 Nos.
4.	GPS	:	03 Nos.
5.	H/Grenade	:	02 Nos.
6.	Chinese H/Grenade	:	03 Nos.
7.	UBGL Grenade	:	01 Nos.
8.	Compass	:	01 No.
9.	ICOM Set	:	01 No.
10.	Amn pouch	:	01 No.
11.	Matrix sheet	:	02 Nos.
12.	Map (sheets)	:	02 Nos.
13.	Mobile (broken)	:	02 Nos.

In this encounter S/Shri Fayaz Hussain, Addl. Superintendent of Police, Mohd Aftab Awan, Dy. Superintendent of Police, Dilber Singh, Head Constable and Zafar Iqbal Naik, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/02/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 54-Pres/2016—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jharkhand Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Pawan Kumar Singh Addl. Superintendent of Police	(1st Bar to PMG)
2.	Deepak Kumar Pandey, Sub Divisional Police Officer	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on an intelligence input regarding presence of top CPI(Maoist) leaders, led by Nakul Yadav member of BRC, Regional Commander Sarabjeet Yadav @ Navin, Zonal Commander Sushil Ganjhu, Muneshwar, Dinesh, Ravinder Ganjhu and Lalman Singh Kherawar with Sub-Zonal Commander Madan Yadav and active dasta members, 40-50 in numbers, in the forest area near Icha and Chamru village U/PS- Ghaghra, Distt- Gumla, Jharkhand and they were equipped with lethal weapons and planning to launch spectacular attack on security forces. On the receipt of information an special Ops

"BAJRANG" was planned on 24/02/14 at 1615 hrs. with an objective to foil the nefarious design of naxal outfit. A joint OPS party under the leadership of Sh. Pawan Kumar Singh Addl SP (Ops) Gumla and Sh. Deepak Kumar Pandey SDPO Gumla involving troops of 218 BN CRPF comprising of 40 jawans U/C Shri A.K. Singh, Deputy Commandant was formed.

The OPS party without losing any time moved tactically towards Icha village to neutralize the evil design of the naxals. The OPS party moved partly in vehicle up to vill- Gamharia, Ghaghra and then on foot passing through forest and rough terrain, in the night, avoiding villages to maintain optimum secrecy of the OPS. After covering almost 4 hours on foot at around 0130 hrs while operation party reached near Panchayat Bhawan on the outskirt of village Icha. On reaching there when operation party trying to find out the location of naxalies, the naxalites got inkling about arrival of police and started indiscriminate firing on operation party. In this firing Sh. Pawan Kumar Singh Addl SP (Ops) Gumla and Sh. Deepak Kumar Pandey SDPO Gumla who were leading the party from front escaped narrowly from the bullet injury. The naxal were asking the troops to surrender as they were in advantageous position to repeal any kind of attack and assault. They also throw some grenades simultaneously to inflict heavy casualties on the police party and to deter their morale and determination. Maoist regional commander Sarabjeet Yadav @ Naveen was guiding Zonal commander Ravinder Ganjhu, Zonal commander Sushil Ganjhu, Zonal commander Lalman Singh Kherwar, Sub-zonal Commander Madan Yadav and other naxal commanders to encircle the police party from east and south directions and also directed them for snatching the police weapons. Soon after, there were heavy spray from LMG position targeting the entrapped police party. Sh Pawan Kumar Singh Addl SP ops Gumla and Sh. Deepak Kumar Pandey, SDPO Gumla sensing the situation directed his team to take cover and dispersed his team tactically to avoid casualties and retaliate with flat trajectory as well as area weapons. Sh. Pawan Kumar Singh Addl. SP Gumla asked Sh. A.K Singh Dy. Commandant to use 51 mm mortar targeting the LMG position of Maoists. He also directed ASI GS Tomar of 218 CRPF simultaneously to fire one para bomb over the naxal position and also conveyed message telephonically to SP Gumla regarding encounter with naxals dasta. Meanwhile CT Punai Oraon, CT Rajiv Kumar CT Subodh Kumar and CT Ranjeet Kumar who were accompanying Addl SP ops and SDPO continued firing on the naxals. Shri Pawan Kumar Singh, Addl SP Ops Gumla and Sh. Deepak Kumar Pandey without losing any time took stock of the situation and made proper strategy to fight the naxalites. They both without caring their own life showed conspicuous valour and kept on crawling to meet each and every jawans of operation party and boosted their morale to counter the naxalites effectively. While the firing was going on some of the naxalites, taking advantage of darkness and fog, were trying to come close to the party of Sh. Pawan Kumar Singh, Addl SP ops and Sh. Deepak Kumar Pandey SDPO Gumla with some evil design but their position was noticed by these two commanders and they immediately took position and opened heavy fire on them. After nearly 10 minutes of heavy gun battles, Addl.SP (Ops) Gumla and SDPO Gumla proved heavy on them. After that the naxals lost their ground and started retreating from the site. The intermittent firing continued for almost two hours but taking advantage of darkness and fog the naxals managed to escape from the site. The ops party cordoned the whole area and remained there till first light. By the time the re-enforcement party with the SP, Gumla Commandant, 218 Bn, CRPF rushed to the spot tactically and reached the spot at around 0500 hrs and cordoned off the area in co-ordination with troops present there. A thorough search of the encounter place was carried out in the first light. During the search a dead body of an unknown Maoist was recovered alongwith a regular SLR rifle. Apart from the deceased naxalite and one regular loaded SLR lying nearby him, blood marks and dragging signs were also found at three different places which were indicating that some more naxalites were injured in this encounter but they managed to runaway taking advantage of darkness and fog. Shawls, chaddars and shoes were also found lying at different places which might have been left behind by the naxalites in course of running away. On arrival of magistrate at the incident site a thorough search of the deceased naxalite was carried out and recovered various items from his possession which are as follows- 01 No. regular SLR Rifle with one magazine containing 10 rounds , 85 nos live SLR rounds from pouch, 2 nos empty cases, 05 nos mobile sets, 8 nos Sim cards, memory cards and 49 thousands rupees cash from his bag (pithu). After searching the whole party returned back tactically to Gumla at around 1340 hrs on 25.02.2014. Later on the deceased naxalite was identified as Lalman Singh Kherwar, who was the Zonal Commander of lohardaga Sub-Zone falling under Koel Sankh zone.

The entire operation was executed in an exemplary manner which is an epitome in the annals of successful operations without any loss or injury of operation troops. This successful operation has elevated the morale of security personnel and will continue to inspire the generation to come. The operation inflicted an unprecedented calamity on the morale and preparation of naxals just before parliamentary election in Jharkhand

In this encounter S/Shri Pawan Kumar Singh, Addl. Superintendent of Police and Deepak Kumar Pandey, Sub Divisional Police Officer displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of 1st Bar to Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/02/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 55-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Jharkhand Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Sanjay Kumar Yadav,
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17/09/2012 based on an intelligence input regarding presence of a Maoist squad of Arvind Mukhia, Sub Zonal commander of CPI (Maoist) with his 15 armed squad members in the house of Janki Bhuiyan of village Rabda (Juri), PS Pratappur, Dist Chatra (Jharkhand), a combined party of District police Chatra and COBRA-203 was made under command of SDPO Chatra Shri Sadique Anwar Rizvi and Dy. Comdt. COBRA-203 Shri P. R. Mishra. This combined party consist 32 members including officers and men. The combined party was briefed and an operation was planned to hit the squad of Maoist in night. It was a challenging and extremely difficult task to engage the maoist squad in their bastion. The tough nature of task was compounded by the fact that it was a complete dark night with heavy rainfall. It was a far away village in dense forest area. The team moved from Chatra in a camouflage vehicle and debussed at Satbahini about 08 Kms from the target area Rabda. Thereafter, the team moved in darkness very tactically against all odds of nature. After covering a distance of about 08 kms on foot through watery paddy fields and dense forest area the troops reached village Rabda at around 0300 hrs. Since the exact location of the house around which the naxal presence was reported not known to the team so an advance team was made, in which there were SDPO Chatra Sadique Anwar Rizvi, Dy. Comdt COBRA-203 P.R. MISHRA, Constable Sanjay Kumar Yadav and three constables of Cobra 203. Two cut offs teams had already been deployed at probable escape routes of naxals from the house. There was strong possibility of presence of civilians, ladies and children in the house. So this advance party with SDPO Chatra Sadique Anwar Rizvi and Constable Sanjay Kumar Yadav decided to move closure and segregate the naxals instead of using indiscriminate fire to avoid causality of any innocent civilian. Very high risk and threat of life was involved in this decision but the troops under command SDPO S.A. Rizvi took this risk of their life. This advance party took the risk and crawled their way towards the house. After reaching very close to the armed Maoists, SDPO Chatra S.A. Rizvi challenged the Maoist cadre to surrender which was instantly responded with heavy firing by maoists from the house as well as from the maize field. This was the real test of their courage and they rose to the occasion and started retaliating gallantly against the armed maoists. With great courage and without caring for their personal lives SDPO Chatra S.A. Rizvi and Constable Sanjay Kumar Yadav engaged the naxals by firing towards them with their AK 47. SDPO S.A. Rizvi fired 20 rounds and Constable Sanjay Kumar Yadav fired 45 rounds with their AK-47 rifle. Armed maoists were firing heavily towards them from inside the house as well as from maize field. In the heavy firing from naxals COBRA Dy. Comdt. P.R. Mishra got injured with bullets in his back. Constable Sanjay Kumar Yadav got injured by bullets in his leg and thigh. He was hit by three bullets. One constable of COBRA Mukesh Kumar Bunker was seriously injured by a bullet hitting his forehead. SDPO Chatra S.A. Rizvi with constable of Chatra police Sanjay Kumar Yadav and Constable of COBRA 203 Mukesh Kumar Bunker both of whom already seriously injured did not loose nerve and continued to fire heavily inside the house and killed naxals. Even after the serious injury to two constables and one officer of Dy. Comdt. rank SDPO Chatra S.A. Rizvi showed great bravery, courage and leadership quality in this fight. Dy. SP S.A. Rizvi and constable Sanjay Kumar Yadav were exposed to life threat but they did not loose the grit and determination. They continued heavy firing for around half an hour. As a result naxals had to free with many of them injured in this encounter including their leader Sub Zonal commander Raghuvansh @ Banarsi. Maoist fled away taking the advantage of darkness and dense forest. In this encounter one maoist Jitendra Bhuiyan @ Jeetu was killed and many more got injured. Heavy amount of arms and ammunition was recovered including three police weapon in which there was an AK-47 rifle. A lot of naxal literature was recovered with Rs. 40000/- amount of levy money. Injured Dy. Comdt. of COBRA P.R. Mishra, Constable of Chatra police Sanjay Kumar Yadav and constable of COBRA Mukesh Kumar Bunker were immediately taken first to PHC Pratappur. Further they were lifted by Chopper to Appolo Hospital Ranchi. Constable Mukesh Kumar Bunker could not survive and martyred during treatment in AIIMS Delhi. In this operation against maoists a full LGS (Local Gorilla Squad) of CPI (MAOIST) was damaged with all of its arms and ammunition.

In this operation the great determination, extraordinary courage and conspicuous bravery par excellence exhibited by the ops troops.

Recoveries of Arms/Ammunition & others :—

1.	AK-47 Rifle	-	01
2.	.38 bore Revolver	-	01
3.	.315 bore Rifle	-	01
4.	.303 Police Rifle	-	02
5.	Semi Automatic Rifle	-	01
6.	AK-47 live rounds	-	90
7.	Semi auto live rds	-	87
8.	.303 rifle live rounds	-	118

9.	.315 bore Rifle live rds	-	40
10.	.38 live rds	-	10
11.	12 bore live rds	-	04 rds
12.	Empty cases	-	(AK-47 bullet- 23, Semi auto- 01, .303- 50)
13.	Cash	-	Rs.40000/-
14.	Walkie-Talkie Set	-	01
15.	Compass	-	02 nos.
16.	Mobile Set	-	03 nos.
17.	SIM Card	-	03 nos.

In this encounter Shri Sanjay Kumar Yadav, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/09/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 56-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Manohar Hiralal Koreti, Asstt. Police Inspector	(PMG)
2.	Chandrayya Madanayya Godari, Head Constable	(1st Bar to PMG)
3.	Gangaram Madanayya Sidam Naik	(1st Bar to PMG)
4.	Nageshwar Narayan Kumaran, Naik	(PMG)
5.	Bapu Kishtayya Suramwar, Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05.02.2014, on receipt of intelligence-based input about location of large number of naxal formations, an inter-state operation in coordination with Bijapur Dist. Police of Chhattisgarh state was planned. Immediately for this operation, API Manohar Koreti and party Commander Gangaram Sidam along with 23 men of SAG party and party Commander Chandrayya Godari along with 24 men of C-60 pary, Aheri were set out for SPS Damrancha and reached there by night. While, on same day, a component of 04 men from Farsegad PS of Bijapur Dist. under the leadership of Sub Inspector Chanakya Nag was also came at SPS Damrancha and halted there at night.

Then, on 06.02.2014, all of them along with PSI Nagesh Yamgar and PSI Swapnil Koli along with 34 men of SPS Darmanch set out in a body for launching interstate anti-naxal operation in the jurisdiction of Farsegad Police Station, on the bordering area of Chhattisgarh and Maharashtra State. After continuous search operation for two days as per the plan provided to them, when these parties were traversing through the hilly, thickly forested terrain of Bade Kakler jungle area on foot, which is the strong hold of naxalites, on 08.02.2014 at about 1600 hrs, the police teams were suddenly attacked by 35-40 armed naxalites laying preplanned ambush.

Undaunted by this sudden attack, API Koreti instructed his men to immediately take positions behind trees and boulders to protect themselves from the volley of bullets and simuiltaneously retaliate the fire of naxalites. API Koreti himself advanced further and encouraged his team to retaliate the naxal fire. However, the naxalites kept on firing heavily towards police and were desperately trying to run over the police party, as they were in advantageous positions. So that, for encouraging their party men, party Commanders namely Gangaram Sidam and Chandrayya Godari alongwith their men,

outflaked the naxalites in the midst of heavy exchange of gun fire and continued advancing and engaging the naxalites in a fierce gun. During this retaliation, PC Bapu Suramvar and NPC Nageshwar Kumaran were the two brave-hearts who were at the leading positions, valiantly ran on the naxals, firing heavily and without caring for their own lives. This exchange of fire continued for about 30 minutes after which naxals realized the futility of their attempt and fled away from the spot taking the advantage of hills and dense forest.

After the stoppage of fire from naxal side, API Koreti, HC Godari and NPC Sidam stretched out the cordon along the place of incident and proceeded towards the attacking side through proper searching of the area. During search of the place of incident and its vicinity, police recovered two male naxal dead bodies and one female naxal dead body along with a Bharmar rifle, a pittu and other naxal material. Further, pools of blood were noticed at various places in the vicinity of the place of incident, by which it can concluded that, many naxalites might had been either killed or injured during this encounter.

Thus, these five brave police personnel successfully led the police party through fierce exchange of fire and while leading this operation none of them cared for their lives and courageously repelled the naxal attack with cool temperament and effective coordination amongst themselves. By this, they not only saved the life of the police party but also were successful in eliminating three hard-core naxal cadres.

In this encounter S/Shri Manohar Hiralal Koreti, Asstt. Police Inspector, Chandrayya Madanayya Godari, Head Constable, Gangaram Madanayya Sidam, Naik,Nageshwar Narayan Kumaran, Naik and Bapu Kishtayya Suramwar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal/1st Bar to Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/02/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 57-Pres/2016—The President is pleased to award the 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Meghalaya Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Goera T. Sangma, Sub Inspector	(2nd Bar to PMG)
2.	Jerry Ryntathiang, Constable	(PMG)
3.	Rapsalang Wahlang Constable	(1st Bar to PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the year 2009, Shri. Sohan D Shira, Shri. Champion R Sangma, Shri. Rupanto R Marak, Shri. Rakman Marak, Shri Baichung Ch Momin, Shri. Savio R Marak, Shri. Jimmie Ch Momin and others entered into a criminal conspiracy to wage war against the State by armed rebellion and to engage in terrorist activities. In pursuance of the said criminal conspiracy the above named persons formed an armed outfit by the name Garo National Liberation Army (GNLA). They recruited Garo Youths, established training camps in the jungle of Garo Hills, purchased arms by illegal channels and imparted arms training to the local youths and gathered money through extortion, kidnapping for ransom, murder of innocent etc.

In pursuance of the said criminal conspiracy, Jimmie Ch Momin, Area Commander, Williamnagar and other cadres of GNLA had extorted money from the local businessmen, Govt. Officials, Kidnap for ransom and murder of innocent. They had also planned for exploding IEDs/Ambush against the police personnel who are on duty.

In continuation of the above, on 23-06-2014 at about 4:45 a.m. when the Police SWAT Commandos and CoBRA team raided the GNLA hideout in the jungle near Norek Bollonggre village, East Garo Hills, Jimmie Ch Momin @ Ajan along with other GNLA cadres opened indiscriminate fire at the police party with their sophisticated weapons. CoBRA and SWAT party also retaliated in self-defense and the firing lasted about 12-15 minutes. When the firing subsided the surrounding areas were searched thoroughly and one male dead body of GNLA cadre who was later identified as Cheman Ch Momin along with one AK rifle with six magazines are recovered from the spot. One GNLA cadre namely, Bishno M Sangma was arrested from the PO and one Lady namely, Fatima M Marak who is the girl friend of Shri. Jimmie Ch Momin, Area Commander of GNLA and sympathizer of GNLA was also apprehended from the spot. Recoveries made:

1. One Pistol along with one magazine and six nos. of 7.65 live ammunitions.
2. One Pistol along with two magazines and thirteen nos. of 7.65 live ammunitions.
3. One SBBL gun with eight live cartridges.
4. One HE Grenade.
5. Three nos. of wireless set.
6. Two nos. of wireless set charger.
7. Gelatin Wax approximately 400 grams along with ball bearing.
8. 18 rounds of live ammunitions of unknown caliber.
9. One Plastic packed suspected to be Explosive Substance.
10. 160 rounds of AK live ammunitions.
11. 7 rounds of .22 live ammunition.
12. 24 nos. empty case of AK ammunition.
13. 14 Nos. Mobile phone
14. 17 SIM cards

During the operation SI Roberth Aldrin M. Sangma, SI Goera T. Sangma, BNC Jerry Ryntathiang, and BNC Rapsalang Wahlang, showed remarkable courage and bravery in the face of extreme danger to push forward and approach the hideout which ultimately led to the death of one hardcore GNLA militant.

The extraordinary courage, grit, determination and leadership displayed by Sub Inspector Goera T. Sangma, during the gravest of life threatening situation during the operation not only led to the killing of one GNLA cadre but also saved precious lives of the entire Police team which came under attack by heavily armed militants without sustaining any injury or casualty to any of the Police men. This operation had a major blow on the GNLA outfit and the success of the operation witnesses to the quality of leadership and outstanding courage displayed by the officer leading the team.

In this encounter S/Shri Goera T. Sangma, Sub Inspector, Jerry Ryntathiang, Constable and Rapsalang Wahlang, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of 2nd Bar to Police Medal/1st Bar to Police Medal/ Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/06/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 58-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Odisha Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Mitrabhanu Mahapatra, Superintendent of Police	(PMG)
2.	Puturaj Kurumi, Havildar	(PMG)
3.	Santosh Juang, Havildar	(2nd Bar to PMG)
4.	Surjeet Mandal, Lance Naik	(PMG)
5.	Prabhat Kumar Barada, Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the early hours of 17-09-2014, an intelligence input was received by Shri Mitrabhanu Mahapatra, IPS, Superintendent of Police, regarding the location of a training camp of a group of heavily armed insurgents of the banned CPI(Maoist) organization in the forest area near Daudaput village under Mathili PS of Malkangiri District, at a distance of about 75 KM from the district headquarters at Malkangiri. It was also confirmed from reliable sources that, the armed insurgents of the banned CPI(Maoist) outfit were planning to launch a major offensive against the security forces deployed in Malkangiri district. They were also planning to commit murder of innocent tribals in the name of police informers, in the wake of celebration of "Formation Week" of the banned CPI(Maoist) outfit. Accordingly, an Anti-Naxal operation was launched by the district police of Malkangiri in the above mentioned forest area in the early evening of 17-09-2014, observing all formalities and S.O.P. of operations. Shri Mitrabhanu Mahapatra, IPS, Superintendent of Police, Malkangiri, led the police team comprising of total 18 members (including the leader) of District police of Malkangiri. Shri Mitrabhanu Mahapatra, SP briefed the operational team thoroughly with special emphasis on the tactical aspects of the ensuing operation in a highly treacherous terrain, which was a known stronghold of Maoist insurgents. The police party took all tactical measures during the conduct of operation and left their vehicle at a distance of around 15 km from the suspected location of the Maoist camp. After debussing, the police party proceeded towards the target area tactically traversing through hilly terrain and heavy vegetation. When the police team was conducting a combing operation in and around the target area, that is the Daudaput forest area, they observed the presence of a group of 15-20 armed cadres including some female cadres near a water source. They were carrying automatic weapons and some were in olive green Naxal uniform. They had raised the CPI (Maoist) flag and were conducting a weapons-training program. When the police team moved closer to the group to observe the subversive activities perpetrated by the cadres of CPI (Maoist), the sentries spotted the police team and commenced unprovoked firing from automatic weapons. The police team immediately took cover and disclosed their identity and urged the Maoist insurgents to lay down their arms and surrender, in a loud and clear voice, in both Odia and Hindi language. However, the Maoist cadres continued firing by taking cover behind big boulders. They also lobbed grenades with the intention to kill the members of the police party. Three members of the operations party were injured in the grenade attack. The sentries of the Maoist group continued their aimed firing and provided cover fire to other members. Hence, in order to save their lives and in exercise of their right of private defence, the police party returned the fire in a controlled manner. As the Maoist insurgents were in an advantageous position, and as there was high possibility of flanking attack from the Maoist side, Shri Mitrabhanu Mahapatra, SP divided the operational team into smaller teams and flanked the insurgents from both sides. Accordingly, the right flank team under the leadership of Hav Puturaj Kurumi and the left flank team under the leadership of Hav Santosh Juang proceeded to return the fire of the Maoists from the right side and left side respectively. Shri Mitrabhanu Mahapatra, SP led the main assault team in a frontal challenge. Though frontal attack was very risky, he took the brave decision to do so, as it was otherwise difficult to counter the heavy firing from the Maoists hiding behind the cover of big boulders. The exchange of fire continued for about 45 minutes, in which the Maoist insurgents heavily fired upon all the three teams (i.e. the right flank, left flank and the main assault team) of the police party, as well as lobbed grenades on the main assault team. After about one hour, the firing from the Maoist side stopped. As it was already dark and there was every possibility of a second attack from the Maoist side, Shri Mitrabhanu Mahapatra, SP ordered the teams to regroup on a nearby hillock. After the regrouping of all the three teams, the team sanitized the hillock and took night LUP on it after deploying four sentries with properly defined sentry rotation drill on the hillock. On the first light of the next day i.e. on 18-09-2014, the team conducted a thorough search of the area in which, they recovered the dead body of a Maoist cadre, who was later identified as Erra Madkami@ Lalu@ Prakash@ Sondi Dalei S/o Late Mangala Dalei of village Mangipalli near Potteru Basti under MV 79 PS. The dead Maoist cadre was an Area Committee Member leading the AOBSZC Tech team of CPI (Maoist) and the Government of Odisha had declared a cash reward of Rs 4,00,000/- (Four Lakh only) against him. The dead Maoist leader was involved in several cases of murder and arson registered in various police stations of Malkangiri district. Besides, upon thorough search of the area, the police party recovered a sten gun, three magazines of the sten gun with live rounds, one .303 rifle with magazine and live rounds, one .315 rifle with magazine and rounds, seven kitbags, Maoist literature and medicines.

This gallant and courageous exchange of fire is one of the most successful exchanges of fire with the Maoist insurgent groups in the AOBSZC area of CPI (Maoist). In this encounter, a dreaded ACM rank Maoist leader was killed and a huge cache of arms and ammunition was seized, giving a significant set back to the influence of CPI (Maoist) in the Malkangiri-Koraput border area. During the operation, the police team displayed exemplary bravery, courage and determination to move beyond the call of duty to overcome extreme adversities and serious terrain limitations against a better-positioned and numerically superior group of Maoist cadres without any collateral damage.

Gallant act of Shri Mitrabhanu Mahapatra, IPS, SP

He put forth a classic instance of command and control and personal leadership during the entire course of the operation. Within a short duration of taking over the charge of Superintendent of Police of the district, he had developed an excellent network of human intelligence in a very difficult region such as the Malkangiri-Koraput border area. After receiving specific input about the movement of cadres of banned CPI (Maoist) in the area, he planned an A.N.O. in a very short time duration. Though the terrain was very difficult and the area was a known stronghold of Maoist insurgents, he chose to operate in a small team of eighteen highly motivated police personnel, in order to avoid exposure and unnecessary delay in launching the operation. During the combing operation, where threat to life was imminent at every step, he did not care for

his personal safety and himself, led the team from the front, while all the way motivating the team members. When the police team came under heavy firing from the Maoist side, he not only displayed a strong nerve and held the team together by marshaling his resources in an optimal manner for the safety of the team. He further planned a counter-offensive strategy immediately to face the numerically superior adversary. His plan to divide the police team into three small sub-teams i.e. right flank team, left side team and the main assault team, encircled the Maoist insurgents and severely restricted their chance of mounting a flanking attack on the police party. He, himself led the main assault team for a frontal challenge to a better-positioned and numerically superior enemy, despite severe terrain limitations and the risk of life involved in it. In the process he had exposed himself to enemy fire many times, which could have been fatal; however, but he held his nerve and led the assault group successfully. Following the exchange of fire, he regrouped the team and took a brave decision to take the night LUP in the core area itself, as there was high probability of the Maoist insurgents laying up a hasty ambush on the return path of the police team. He personally ensured the LUP area was sanitized and sentries are strategically positioned.

He played a vital role throughout the operations, be it acquiring such a pinpointed intelligence or the successful execution part of it. He had endangered his life several times during the course of the operation for a successful execution as well as ensuring safety of his team members.

Gallant act of Shri Puturaj Kurami, Havildar,

He provided qualitative support to the operational commander during planning and execution of the operation and displayed exemplary bravery when the situation warranted. On his own volition, he volunteered to be the commander of right flank and took his small team through very dangerous terrain to his designated position, braving severe firing from the Maoist side. When he came face to face with the attacking Maoist insurgents, he successfully countered them. In the process, he sustained grievous injuries on his person due to grenade attack from the Maoist side, yet he successfully engaged the Maoist insurgents ignoring his extreme physical pain. Due to his gallant effort and determination, the Maoist insurgents could not mount a flanking attack on the police team. He led his right flank team in a highly motivated manner and forced the Maoist insurgents to retrace deep inside the jungle.

Gallant act of Shri Santosh Junag, Hav

Throughout the operation, he had shown his great tactical ability and presence of mind in his role of scout of the operational party. It is his constant vigil during a very difficult and strenuous cross-country march, that the police party could be able to reach very close to the Maoist camp without being exposed. As a member of the assault team he had shown his excellent operational prowess in countering the frontal attack by the enemy. On the face of heavy firing, he did not lost his nerve but challenged the Maoist group in a decisive manner. Besides displaying raw courage and bravery during the operation, he acted as a perfect buddy pair to the operational commander Shri Mitrabhanu Mahapatra, SP during the frontal attack. In the process he had exposed himself to danger many times; however, this did not deter him from shadowing his team commander, which speaks a lot about his loyalty and devotion along with exemplary valor and fearlessness.

Gallant act of Shri Surjeet Mandal, L/NK

He was an active member of the operational team and led the left flank team that encircled and engaged the Maoists in an effective counter fire, as a result the adversaries could not cause any damage to the police team despite their numerical superiority. In the process, he met with injury due to grenade attack from Maoist side that exposed him to life threatening danger. However, this did not deter him from performing his duty valiantly. He displayed great operational capability and presence of mind and also motivated his team members to face the adversaries without losing their nerve.

Gallant act of Gallantry Shri Prabhat Kumar Barada, CT

He was an active member of the left flank team, which effectively countered a flanking attack by the numerically superior and better-positioned enemy. He showed his great operational acumen as well as fighting ability during the attack by the Maoist insurgents. It is his aggressive maneuver during the course of exchange of fire that compelled the Maoist insurgents to retrace. During the course of operation he exposed himself many times to enemy fire and got severely injured from the grenade attack from the Maoist side; yet he never back tracked but valiantly fought to ensure success of the operation. He shown unparalleled dedication to his duty despite the life threat involved in the process.

In this encounter S/Shri Mitrabhanu Mahapatra, Superintendent of Police, Puturaj Kurumi, Havildar, Santosh Juang, Havildar, Surjeet Mandal, Lance Naik and Prabhat Kumar Barada, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal/2nd Bar to Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/09/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 59-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Odisha Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Ganesh Behera,
   Constable

2. Santanu Kumar Majhi,
   Constable

3. Mohan Parja,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the early hours of 13/04/2014, an intelligence input was received by Inspector In-Charge of Narayanpatna Police Station that a group of heavily armed cadres of outlawed CPI (Maoist) is moving in the forest area of Palaput and Gadraguda villages under Narayanpatna P.S. Further intelligence received that above heavily armed Maoists are planning to attack some government establishments in highly Maoist-infested Narayanpatna town as well as to kill some innocent villagers branding them as Police Informers. Maoists were very furious with the villagers.

Because villagers casted their votes in large number in Parliamentary & Assembly Election-2014. It is pertinent to mention that outlawed CPI (Maoist) called for the total boycott of the election and had threatened local public for any type of participation in election process. On 13.4.2014, there was weekly market in Narayanpatna town being Sunday besides annual URS (annual function) of local Mazar where lot of Muslim devotees from other states were visiting to pay their respect. So after assessing the situation and in order to protect/prevent government properties and innocent lives, Superintendent of Police, Koraput directed Shri Santosh Kumar Mall, Additional Superintendent of Police (operations), Koraput to plan an Anti-Naxal Operation along with District Police Personnel and I.I.C. Narayanpatna P.S. to nab the heavily armed cadres of outlawed CPI (Maoist). Operational Party of police reached at Narayanpatna (80 kms from District Headquarters, Koraput) travelling in tactical manner without getting exposed. After reaching there, Shri Santosh Kumar Mall, Addl. S.P. (operations), Koraput briefed operational party thoroughly with the special emphasis on Zero Co-lateral damage and minimum fire besides various tactical aspects of the ensuing operation and the dangers involved in it. After operational briefing, police party moved on foot to dense forest area of Palaput and Gadraguda villages (approximately 5-6 kms from Narayanpatna town) by tactically traversing through hills and dense bushy vegetation. ln the jungle, Police party occupied a strategic position to observe any suspected movement. At around 11 P.M., Police Party noticed some suspect movement in jungle. After very careful observation and by using Night Vision Device, Police Party found that a group of armed cadres of outlawed CPI (Maoist) is moving toward Narayanpatna town. With all security precautions, Police Personnel revealed their identities in loud voice as personnel of District Police, Koraput and asked them to surrender. Instead surrender; suspected Maoists started incriminate heavy firing at Police Personnel with the intention to kill them. Police Personnel took cover and again appealed in even louder voice to heavily armed Maoists to surrender. But Maoists kept on heavy firing at Police Personnel. In order to save their own lives, Police Personnel retaliated in very controlled manner. To kill the Police Personnel, heavily armed Maoists started encircling Police Party. On seeing this and to negate any possible flanking attack from Maoist side, Shri Santosh Kumar Mall, Addl. S.P. (operations), Koraput divided Police Party in three smaller groups and splintered to counter flanking attack of heavily armed Maoists who were raising slogans like "MAOWADI ZINDABAD, “LAAL SALAAM" and anti-government slogans to boost morale of their cadres. This Exchange of fire lasted for almost 30 minutes. After that firing from Maoist's side stopped. After waiting for some time, Police Party started search of the area in tactical manner. During search of the jungle area, Police Party found one male dead body, aging 35 years approximately. One Pistol, one bag and some fired cartridges were found near the dead body. During further search of the nearby area, Police Party found some incriminating articles like two country made SBML guns and Maoist literatures.

Other armed Maoists managed to escape under the cover fire and taking advantage of treacherous terrain and dark and dense forest. However blood stains in nearby area were suggesting that some more Maoists might have sustained injuries. Later on, dead Maoist was identified as Purno Hulukalsion Khatru s/o Late Jamri Huluk r/o Basanaput (Narayanpatna P.S.) of Koraput District. He was an armed cadre of Srikakulam-Koraput Joint Divisional Committee of outlawed CPI (Maoist) and was involved in several violent activities in the area including murders. Government of Odisha had declared cash reward of Rs. One Lakh on killed Maoist Cadre.

This classic and fine exchange of fire with armed insurgents is one of the most successful encounters in the AOB Special Zonal Committee in which one dreaded Maoist cadre killed who was expert in recruiting militia, back-bone of outlawed CPI (Maoist), besides recovery of cache of arms. The neutralization of above dreaded Maoist has definitely given a crucial blow to outlawed CPI (Maoist) organization in Odisha in general and in Narayanpatna area of Koraput district in particular and restored public confidence just after the General Election-2014 in which villagers casted their votes amid strong boycott call from outlawed CPI (Maoist). During the operation, Police personnel have shown bravery, courage,

determination, a sense of purpose and devotion towards duty to overcome extreme adversities and severe terrain limitations, in order to ensure success of the operation without causing any collateral damage.

Gallant act of CT Ganesh Behera

He had acted as buddy pair of Shri Santosh Kumar Mall, Addl.S.P. (Operations), Koraput and put his life in grave danger in order to shadow his officer and to provide him accurate cover-fire whenever required. His refusal to cow down when he came face to face with some armed Maoists and forcing them to retreat, displays his raw bravery. Further, he again acted like a perfect buddy and shadowed his officer i.e. Shri *Santosh* Kumar Mall, Addl. S.P. (operations), Koraput while Police Party divided in three smaller groups to counter flanking attack of heavily armed Maoists who were firing heavily at Police personnel. CT Ganesh Behera never legged behind and abandoned his Superior i.e. Shri Santosh Kumar Mall, Addl. S.P. (operations), Koraput, even under heavy fire from Maoists' side. His extreme gallant act and exemplary loyalty toward his superior officers during the operation even when it could have cost his life.

Gallant act of Ct. Santanu Kumar Majhi,

He was handpicked by Shri Santosh Kumar Mall, Addl. S.P. (operations), Koraput for this highly risky operation. Being fully aware of high risk involved in such a highly precise Anti Naxal' Operation, he did not hesitate to participate. He provided able and qualitative support to operational commander in planning and execution of the operation. He, in the process of nabbing alined Maoists, went very closer to them by crawling for almost 100 meter. Later on, he assisted Shri Santosh Kumar Mall, Addl. S.P. (operations), Koraput in countering flanking attack of Maoists by splitting in three small groups by putting his life in grave danger. He even played a great gamble with his life as he led his small group by keeping himself in advance. It was a great display of selflessness though this single act could have put his life in utter jeopardy. However, his gamble paid-off and the possibility of flanking attack by the heavily armed Maoists could be negated. He had overcome several tactical challenges in order to ensure operational success.

Gallant act of CT Mohan Parja

CT Mohan Parja of District Police, Koraput was a member of this small operational party and from very beginning of the operation, he was aware of the grave risk of life involved in this highly precise operation in dense forest that too in a very remote area. But he did not hesitate and willfully became the part of the operational team. While combing in the dense forest, he moved very tactically and maneuvered the hostile terrain. He came to the rescue of CT Tarunisen Bisoi when he sustained splinter injuries and pulled him back to safe cover without thinking for his own life. It was great example of team-spirit. Lateron, while Shri Santosh Kumar Mall, Addl. S.P. (operations), Koraput decided for highly risky step of dividing Police party in three smaller groups to counter flanking attack of heavily armed Maoists who were firing at Police Personnel, CT Mohan Parja requested to allow him to lead one of the such small group. Such a display of raw courage is an example to the present generation and an assurance for the bright future of the Police Organization.

In this encounter S/Shri Ganesh Behera, Constable, Santanu Kumar Majhi, Constable and Mohan Parja, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/04/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 60-Pres/2016—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Odisha Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Mitrabhanu Mahapatra, Superintendent of Police	(1st Bar to PMG)
2.	Santosh Kumar Mall, Addl. Superintendent of Police	(1st Bar to PMG)
3.	Jitendra Kumar Dash, Havildar	(PMG)
4.	Aditya Ranjan Dash, Constable	(1st Bar to PMG)
5.	Sarbeswar Behera, Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04/03/2014, it was learnt from reliable sources that, a group of heavily armed cadres of CPI (Maoist) were conducting a training camp in the Munguluwalsa forest area under Pottangi police station limits and were planning to sabotage the process of General election-2014 in the region. Accordingly, a small team anti-Naxal operation was planned under the leadership of Shri Mitrabhanu Mahapatra, IPS, Additional Superintendent of Police, Koraput and Shri Santosh Kumar Mall, Additional Superintendent of Police (Operations) Koraput along with eight commandos of district police. When the police team reached the forest area, the insurgents resorted to sudden unprovoked firing from automatic weapons. The police team divided into two flanks each under the commandership of one Additional S.P. and retaliated valiantly despite numerical disadvantage and severe terrain limitation. Shri Mitrabhanu Mahapatra, IPS led his team of five commandos and mounted an aggressive counter-offensive to thwart a flanking attack on the police. During the offensive, Shri Mahapatra, and CT Aditya Ranjan Dash had fought valiantly with utter disregard to their personal safety. Shri Santosh Mall led his team braving heavy fire and during the process, one of his commandos Hav Jitendra Kumar Dash received splinter injuries on his person. Despite this, Shri Mall marshaled his resources and led his team from the front and was able to contain the Maoists.

Because of gallant retaliation from police, the Maoist group escaped under the cover of thick foliage and was in turn chased by the police. Two Maoist cadres took shelter in a thatched house nearby and started indiscriminate firing to facilitate their escape. As the holed up insurgents were impeding police maneuvers, the team leaders decided to conduct a risky room intervention operation to neutralize them. Shri Mitrabhanu Mahapatra led the room intervention operation, followed by Shri Santosh Mall and CT Aditya Ranjan Dash. The successful yet risky room intervention operation resulted in the neutralization of two Division Commanders of CPI (Maoist) namely, Eppe Swami@ Narendra and Malla Sanjeeva @ Dumbri, on whom the Government of Odisha had declared five-lakh rupees reward each.

During the operation, Police personnel had displayed bravery, courage, determination and devotion to duty to overcome extreme adversities and severe terrain limitations against a tactically better placed adversary and ensured success without any collateral damage.

Recovery :

i) one carbine loaded with magazine and one empty magazine, ii) One stun gun loaded with magazine and one empty magazine & iii) one grenade.

In this encounter S/Shri Mitrabhanu Mahapatra, Superintendent of Police, Santosh Kumar Mall, Addl. Superintendent of Police, Jitendra Kumar Dash, Havildar, Aditya Ranjan Dash, Constable and Sarbeswar Behera, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of 1st Bar to Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/03/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 61-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Odisha Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Niranjan Patta,
   Inspector

2. Himanshu Sekhar Rath,
   Sub Inspector

3. Ashutap Mohanty,
   Constable

4. Sukhiram Rana,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Acting on an intelligence input, an anti-Naxal Operation was launched in the highly naxal infested area of Sunabeda forest. The Operational party consisted of SI (Armed) Himanshu Sekhar Rath & 14 SOG commandos led by Inspector Niranjan Patta. On 14.04.2014 at about 0100 hrs the operational team left the camp marching cross-country.

Since the area is a stronghold of naxals, they came to know about the movement and laid ambush for the approaching police party about which the police party was completely unaware. At about 0745 hrs on 14.04.2014, when the team was passing through a passage between hills, a probable ambush site, Insp. Niranjan Patta from his experience of such risky passages, ordered the team to move tactically taking all precautions. At that time, suddenly naxals started firing on the police party, and fortunately all of team member survived this initial jolt and instantly the whole team came into action & took tactical positions behind natural cover.

The naxals were in a dominating position. Insp. Niranjan Patta and others observed a group of about 40 naxals in naxal uniform carrying arms like AK 47, SLR, and .303. From the strength and types of arms being carried by the naxals, Insp. Patta assessed that the military platoon of naxals along with members of Mainpur –Nuapada divisional committee have ambushed them. Since Naxals were in an advantageous position at the hill tops, they were firing effectively on the police party which was at the downhill. Suddenly Insp. Niranjan Patta noticed that a group of 8-10 naxals were advancing from the right flank, firing indiscriminately. They also lobbed two grenades towards police party which caused splinter injuries to Insp. Niranjan Patta and SI (Armed) Himanshu Sekhar Rath but still they continued to hold their position & fired fearlessly. There was every chance of the small police party to be overrun and butchered by the aggressively fighting naxals with sophisticated weapons. Insp. Niranjan Patta realized that firing from the positions behind the available natural covers would not deter the advancing naxals. After a quick evaluation of the situation he commanded his party to advance while firing towards naxals. He led the team from the front. Without caring for his life and showing unmatched bravery, he came in the open to fire effectively and moved while firing towards the advancing naxals. The naxals were not prepared for the aggressively advancing police party and became defensive by taking covers and started retreating. Motivated by Insp. Niranjan Patta; SI(A) Himanshu Sekhar Rath , CT A. Mohanty and CT S.R. Rana also came out in the open to fire effectively. All the four chased and fired at the escaping naxals to a distance of about 500 meters while others gave them covering fire. However the naxals managed to escape taking cover of hilly terrain.

During the search one dead body of a uniformed lady naxal, later identified as Moti Madkami, was found. She was a senior hardcore cadre and informers had informed that she was working in the area since last 4-5 years. Apart from that one .303, one pistol ,ammunitions, tiffin bombs, kitbags, literature etc. were recovered. The bullet marks on kit bags and information gathered from the locals later on indicated that more naxals had sustained fatal bullet injuries in the operation.

In the exchange of fire; Insp. Niranjan Patta & SI(A) Himanshu Sekhar Rath sustained splinter injuries and they were taken to Komna hospital after the encounter. Doctor termed their injuries as minor and discharged them after giving first aid treatment.

It is obvious from the above that Insp Niranjan Patta had displayed a rare act of gallantry in the operation. He was the person who first came in the open to fire effectively irrespective of the fact that any bullet from the naxal side may have hit him but he still took the risk to save his police team from being overrun by naxals.

The acts of gallantry in the face of imminent and grave threat to their lives, by these four personnel saved the lives of their team mates. This also resulted in a huge set back to the naxals as their dreaded military platoon suffered huge losses in terms of a cadre, weapons and loss of morale.

Recovery :

1. One .303 rifle
2. Five .303 Live Ammunitions
3. Six .303 Tracer Ammunitions
4. One Country Made Pistol
5. Codex – 10 Mtrs
6. Electronic Detonator - 06 Nos
7. Electric Wire – 20 Mtrs
8. Three Nos of Tiffin Bombs

In this encounter S/Shri Niranjan Patta, Inspector, Himanshu Sekhar Rath, Sub Inspector, Ashutap Mohanty, Constable and Sukhiram Rana, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/04/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 62-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Punjab Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Ram Lal

Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27/07/2015, three foreign trained terrorists, clad in Army uniforms, armed with highly sophisticated weapons/equipment, forcibly entered into the complex of Police Station Dinanagar (Gurdaspur district) at about 5 AM and started indiscriminate firing on the security personnel present in the complex.

In the first flush of fire outside the gate of the Police Station building and the lobbing of a hand grenade through the sentry post, PHG Rajinder Kumar, who was on sentry duty at the Police Station gate, got seriously injured. Responding with great alertness to the situation, HC Ram Lal, the night Moharar Head Constable (Night MHC), closed and bolted the entrance gate of the Police Station building. While doing so, he managed to pull the injured PHG Rajinder Kumar inside the Police Station building, and later carried him (PHG Rajinder Kumar) to the roof of the Police Station.

When the terrorists were barred from entering the Police Station building, they (terrorists) entered the nearby building towards the rear of the Police Station and started firing indiscriminately. Despite the injuries suffered by him while closing the Police Station gate to stop the terrorists from entering the Police Station, MHC Ram Lal returned the fire thereby almost single-handedly engaging the terrorists who continued heavy firing.

HC Ram Lal showed exemplary alertness, courage and bravery in responding to the situation even at grave risk to his life. Thus, he not only managed to stop the terrorists from entering the Police Station building but he also saved the precious lives of a large number of police personnel, their families and children staying in the Police Station complex. Had the terrorists entered the Police Station building, they would have got access to the huge stock of the arms & ammunition available in the Police Station Armoury. HC Ram Lal sustained large number of bullet injuries and had to be evacuated to Hospital. He had to undergo multiple surgeries (5-7) over a period of over three months in an Amritsar hospital.

Subsequently, Police reinforcements reached Dinanagar Police Station, including SP and other officers. Meanwhile, SSP Gurdaspur also reached the spot and assumed command of the operation. As directed by him, all GOs and SHOs of the district Gurdaspur reached PS Dinanagar. He strengthened the cordon outside the Police Station complex, and evacuated the families living in the quarters in the Police Station complex. Acting under his Command, the police force engaged the terrorists through heavy retaliatory fire from all sides during exchange of fire, 2 bullets hit the left arm and left side of abdomen of Inspector Balbir Singh, State Special Operation cell, Amritsar.

On account of sustained retaliating fire by police force from tactical positions, the terrorists were forced to stay holed up inside the building they had occupied initially, and could not manage to escape into the thick-populated urban area of Dinanagar town. When it was decided that the final assault should be mounted at the building in which the terrorists were holed-in, and the operation be completed before sunset, to prevent the terrorists from escape under the cover of darkness, SSP Gurdaspur led the policemen in advancing towards the hide-out of the terrorists. Without caring for the heavy and continuous volley of fire from the heavily armed terrorists even at grave risk to his life on many occasions during this operation, SSP Gurdaspur in a rare display of conspicuous gallantry and dedication to duty kept the morale of the force up during the long operation.

It was the presence of mind and courage of gallant police officers, that terrorists were forced to remain holed up within the building, else it could have resulted in the casualties of many police personnel, their family as well as residents of Dinanagar town.

On coming to know of the terrorist attack at Dinanagar Police Station, Head Constable Ram Lal who was the first official to respond to the terrorist attack showed immense courage, alertness and devotion to duty, even at grave risk to his life by closing the police station gate, pulling the injured sentry inside and despite of bullet injuries received during this action took position and returned fire thereby preventing the terrorist from entering the police station building and pinning them down in the adjacent building.

Recoveries made :—

(1)	AK-56 Rifles	-	03
(2)	AK-56 Magazine	-	21
(3)	AK-56 live rounds	-	89
(4)	AK-56 Empty cartridges	-	305
(5)	AK-56 Magazine carrying belts (pouch)	-	03

(6)	Disposable rocket launcher (foreign mark)	-	01
(7)	Blind hand grenades	-	05
(8)	Live hand Grenade	-	01
(9)	Plastic watches (broken)	-	02
(10)	Grenade pins	-	05
(11)	Leather belts	-	03

In this encounter Shri Ram Lal, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/07/2015.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 63-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Telangana Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Kotagiri Sridhar,
   Sub Inspector

2. Naluvala Ravinder,
   Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31.10.2013, Shri Naluvala Ravinder, SI received information about the movement of CPI Maoists in Baidichelma forest area to commit offences. Sheri Kotagiri Sridhar, SI and Shri Naluvala Ravinder, SI alongwith police team left for action immediately. The entire area is affected with the activities of extremists and routes are mined and dangerous. The units had to trek through inhospitable terrain for 10 kms in the night amidst thick jungle ridden with land mines and infested with armed militia. At the place both the officers noticed the movement of extremists along with weapons.

The Police officers approached the extremists but the sentry opened rapid fire on them. The extremists in a dominant location immediately opened indiscriminate fire in all directions. Both the police officers unmindful of grave risk to their life, replied the fire and advanced close to extremists. The firing resembled warlike situation. They though under fire from extremists bravely chased the extremists without caring for their personnel safety. With their gallant action and high degree of leadership they converted the dis-advantageous position into advantageous position.

If these police officers would not have shown such high level of gallant action the situation would have been won by the extremists. The firing from both sides continued for 15 minutes. Later the police party searched the scene and found dead bodies of two male cadres who were identified as follows :—

1. Muppu Mogili @ Naresh, ACS of Savbari Area Committee and DCM of Khammam

2. Tellam Ramulu @ Ramu, ACM of Sabari Dalam.

They are responsible for commission of 30 heinous crimes including murders etc. After this encounter the morale of the Maoists group fell to its lowest ebb.

Shri K. Sridhar, SI participated in 3 E.O.Fs where in 02 extremists died and arrested man recovered huge cache of arms and ammunition.

Shri N. Ravinder SI participated in the 5 E.O.Fs where in 02 extremists died and arrested many extremists and recovered huge cache of arms and ammunition.

Recovery :

1. Two SLR Weapons

2. Five loaded magazines

3. Four kit bags
4. Rs. 50,000 cash
5. One cell phone with 2 SIMS

In this encounter S/Shri Kotagiri Sridhar, Sub Inspector and Naluvala Ravinder, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 31/10/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 64-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Uttar Pradesh Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Ram Nayan Singh,
Dy. Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

A two year old child Muzammil was kidnapped for ransom on 26.12.2006 evening in front of his house. To workout the kidnapping from the heart of the city in State Capital was a great challenge for the police.

PS Thakurganj police was collecting intelligence under the leadership of DSP/CO Chowk Shri Ram Nayan Singh to rescue the kidnappee. On the basis of intelligence received, DSP Ram Nayan Singh along with accompaning police force of PS Thakurganj, Qaisarbagh and Crime Branch reached Mohalla Rastoginagar, PS Thakurganj, Lucknow. Search on 28/12/2006, based on input revealed that kidnappers had shifted the kidnappee to the house of Pintoo, mohalla Wazirbagh, PS Saadatganj. Dy. SP Ram Nayan Singh along with accompanying force reached there immediately. He constituted two teams from the available force. The first team led by him consisted of SI Shri Vishwanath Prasad Yadav and others while the second team led by SO Thakurganj Shri V.N. Singh consisting of SIs Ranjit Kumar and others. As per strategy, team led by Shri Ram Nayan Singh cordoned the house from front and second team from the rear. At about 2100 hrs, when the door was knocked, one person along with the kidnapped child Muzammil, came on roof top of the house. Seeing the police he gave the child to a lady and asked her to go inside the house. The criminal challenged the police party and fired on police party with an intention to kill them. Dy. SP Ram Nayan Singh alerted and boosted the morale of the team and challenged the criminal to surrender without caring for his own lives. Criminal did not take notice of the warning and fired on police again. He jumped into a vacant land through roof top of the house, from where he again fired on police party by reloading his weapon. Finding no other option police party also fired in self-defence to arrest the criminal without caring for their own lives and displaying extra ordinary courage and valour. During exchange of fire one criminal died, who was identified as Noorul @ Noor Alam @ Chhotey. The kidnapped boy Muzammil was safely rescued. One country made pistol and 03 empty shells of .32 bore were recovered from the deceased criminal.

In this encounter Shri Ram Nayan Singh, Dy. Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/12/2006.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 65-Pres/2016—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Border Security Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Subhendu Roy, Constable	(PPMG)(Posthumously)
2.	Daljit Singh, Constable/Dvr	(PMG)
3.	Godhraj Meena, Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 5th Aug 2015, at about 0420 hrs, BSF convoy of Kashmir Frontier consisting of 21 vehicles (Light Vehicles-02, Medium Vehicles-3, Heavy Vehicles-9 and Buses-07), carrying 522 BSF personnel (466 passengers and 56 guards) left transit camp Jammu for Srinagar under command of Shri N K Sharma, AC.

The road has a number of bends and curves hence the visibility was restricted. At about 0730 hrs, when the convoy was negotiating a sharp road turn at Narsoo Nala, near village Simrauli, 17 Km from Udhampur, a lone militant armed with automatic weapon suddenly appeared before BSF bus bearing No. JK-01K-3851, driven by Constable (Driver) Daljit Singh of 2nd Battalion BSF. The bus was at 15th position in the convoy. Fourteen vehicles were moving ahead of and six vehicles were moving behind the bus maintaining 100-500 mtr distance depending upon movement of civil vehicles and traffic conditions. Forty-four Jawans coming from leave were sitting in the said bus. Constable Rocky of 59 Battalion BSF was escorting the bus as guard.

The militant initially targeted the front side of the bus, as a result of which left tyre of bus was deflated and Constable (Driver) Daljit Singh received grievous bullet injures. In spite of this, he did not lose his control over the bus and brought it to a safe halt avoiding collision in hilly terrain thereby demonstrated excellent presence of mind. The militant then opened a heavy volley of fire on the occupants of bus and in the process moved around the stationary bus firing relentlessly from all around. In the meantime, another militant taking position in high ground on left side also opened indiscriminate fire on the bus, causing grievous injures to the occupants of the bus.

Constable Rocky of 59 Battalion BSF received grievous bullet injures and started bleeding profusely. However, Constable Rocky, without caring for his injures, effectively engaged the militants by firing bullets from his personal weapon. He was also constantly shouting and asking the occupants of the bus to duck down and remain low to avoid causalities.

Constable Subhendu Roy of 2nd Battalion BSF, who was also travelling as a passenger, kept informing the position of the militant to Constable Rocky. When the militant was trying to enter in the bus forcefully, Constable Subhendu Roy swiftly rushed towards front gate of bus and tightly held the door to prevent entry of militant resultantly the militant opened fire on Constable Subhendu Roy and injured him grievously.

In spite of grievous bullet injuries, Constable Subhendu Roy denied entry of militant in the bus. Then the militant tried to enter the bus through rear gate. But Constable Godhraj Meena, 18 Bn BSF, who was sitting in rear portion of the bus, amid heavy volley of fire, immediately rushed towards rear gate and stood firmly to prevent entry of the militant. The militant fired at him but he did not allow the militant to enter into the bus, in spite of bullet injuries. In the meantime, Constable Rocky was continuously engaging the militant. When the militant was in the process of lobbing a grenade in the bus, Constable Rocky rushed to the door and killed the militant with effective fire.

Meanwhile, the militant who was taking position in high ground on left side hills, managed to flee from the site. He held some civilians captive but was later overpowered and accosted by civilians. He is in police custody.

Constable (Driver) Daljit Singh exhibited presence of mind and brought the vehicle to a safe halt avoiding collision of vehicle in hilly terrain thereby saved precious lives of Jawans. Constable Godhraj Meena displayed high degree of courage and denied the entry of said militant in the bus through rear gate. Constable Rocky and Constable Subhendu Roy despite of grievous bullet injuries stood their ground and fought till they breathed their last, exhibiting highest degree of chivalry and courage under heavy odds and thereby saved precious lives of 44 unarmed BSF personnel.

Recovery: Dead body of militant alongwith one AK 47 rifle and amn.

In this encounter S/Shri (Late) Subhendu Roy, Constable, Daljit Singh, Constable/Dvr and Godhraj Meena, Cosntable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of President's Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/08/2015.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 66-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Border Security Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Balbir Singh,
Second-In-Command

2. Charan Singh,
Constable

3. Anil Kumar,
Constable

4. Lala Oraon,
Constable

5. Durjadhan Pal,
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

41 Battalion BSF was deployed in a hyper sensitive Naxals infested area of District-Kanker (Chhattisgarh).

On 21 Jan 2014, at about 0800 hrs, on specific information about movement of armed Maoist, a party under leadership of Shri Balbir Singh, Second-in-Command alongwith 3 Officers, 3 Subordinate Officers and 36 Other Ranks (including one SI and one CT from Chhattisgarh Police) left for conducting special joint operation in general area of Village-Mirchibeda. Topographically the area is hilly and densely covered with forest. The whole area is interspersed with hillocks and dense forest having number of dominating features, making it an ideal place for ambushes.

Shri Balbir Singh, 2-IC assessed the threats and took all safety measures. The party was divided in groups. Shri Balbir Singh, 2-IC was leading 'Head Hunters Team". Constable Charan Singh was deputed in buddy pair with Constable Durjadhan Pal and Constable Anil Kumar as buddy pair with Constable Lala Oraon to provide support to 'Head Hunters Team". At about 1030 hrs, when the party was approximately 300-350 mtrs short of spring area, suddenly the lead section came under heavy volume of intense and indiscriminate fire of small arms from Naxals hiding on high ground under cover of thick vegetation. Shri Balbir Singh, 2IC and his team immediately took position behind the trees and boulders and retaliated the Naxals fire. Shri Balbir Singh, 2-IC directed Constable Charan Singh, Constable Durjadhan Pal, Constable Anil Kumar and Constable Lala Oraon to change their position to give befitting reply to Naxals, who were dominating the situation. They crawled for about 15 meters, took safe position and fired burst of small arms. On this, the Naxals opened heavy volley of fire in the direction of Shri Balbir Singh, 2-IC. Seeing the situation, Shri Balbir Singh 2-1C directed buddy pair of Constable Charan Singh and Constable Durjadhan Pal to crawl upwards from left direction and buddy pair of CT Anil Kumar and CT Lala Oraon to crawl upward from right direction to give covering fire. In utter disregard to their lives and personal safety, both buddy pairs moved ahead to take the designated position facing the barrage of bullets. Simultaneously, Shri Balbir Singh, 2-IC started moving forward. The Sections adopted assaulting formation and charged the Naxals, firing heavily to break their will and evict them from their positions. One of the Naxals was hit by bullet as he immediately took position behind a log. This created havoc amongst the well-entrenched Naxals and made them run for their lives. Shri Balbir Singh, 2-IC ordered flanking sections led by Shri Arun Kumar, DC and Sh N C Pargaien, DC to advance upwards from both sides of hillocks to cover the flanks. The Naxals stopped firing and after getting no reaction from Naxals for 15-20 minutes, a thorough search of site was carried out and observed that Naxals had managed to escape towards thick jungle.

During searching two dead bodies of unidentified Naxals, 3 muzzle loaded SBML guns, Axe-3 Nos., Knives- 04 Nos., Empty fired case of AK 47 series- 10 Nos., Electric Detonator-2 Nos., Empty fired cases of 5.56 mm, INSAS- 21 Nos. Explosive box- 3 Nos. and other miscellaneous items were recovered from the site. Later on Chhattisgarh Police identified them as hard core Naxals Namely Somaru Ram Komara (25 years) and Tul Singh (40 years), who were operative in the areas of Koyalibeda for the last 7/8 years and were involved in various heinous crimes. It was also learnt that 4 Naxals were grievously injured in said operation.

The gallant action and raw courage displayed by Shri Balbir Singh, 2-IC, Constable Charan Singh, Constable Durjadhan Pal, Constable Anil Kumar and Constable Lala Oraon was pivotal in dislodging Naxals from their position. And eliminated two hard core naxalites.

In this encounter S/Shri Balbir Singh, Second-In-Command, Charan Singh, Constable, Anil Kumar, Constable, Lala Oraon, Constable and Durjadhan Pal, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/01/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 67-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Arvind Kumar Chaudhary,
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on an input about the presence of Maoists in Dumari Nala and Pachrukhiya forest area of PS Imamganj, Banke Bazaar, Distt :— Gaya and PS Madanpur, Distt :— Aurangabad, Bihar, an operation was planned and launched on 23/1/2014 by joint troops of CRPF and State Police. CRPF troops consisted one team i.e. D/153 under command Shri Abhijeet Nath, Asst. Comdt, 04 teams of 205 CoBRA and 02 Coys of 159 Bn while State Police component had 02 teams of STF and State Police. The troops were divided into parties and each party was given a specific area to comb.

Accordingly, one party i.e. D/153 under command Shri Abhijeet Nath, Asst. Comdt. was combing the area from Chilmitola to Langorahi village in Chakrabandha Jungle area. As the troops were negotiating a hillock near village Langorahi, Maoists hidden on the hilltop and behind boulders opened indiscriminate fire at them. CT/GD Arvind Kumar Chaudhary was the scout and team leading him retaliated immediately without caring for the flying bullets and moved towards it in a bold and courageous manner. The maoists had strategically placed the ambush and were occupying dominating position behind secured covers. CT/GD Arvind Kumar Chaudhary displaying utter disregard to his personal safety started moving uphill so as to reach nearer to maoists and launch a counter-attack. In the pursuit to reach nearer to the maoists amid intense firing one of the bullet hit CT/GD Arvind Kumar Chaudhary. Blood began to ooze from the wound and the constable withered in pain. On seeing the valour of this daredevil, the other team members too followed him and launched an attack on the Maoists. It seemed that the maoists were waiting for this moment as another group of maoists hiding in the adjacent hill also opened fire at the troops. CT/GD Arvind Kumar Chaudhary was caught in the fire from two directions and an imminent threat of life loomed over him. The commander immediately divided his troops and launched an attack on the second group of Maoists. At this point, a call either to fight for win or retreat to save his own life was needed to be taken by CT/GD Arvind Kumar Chaudhary. Putting his life in danger for a purpose, CT/GD Arvind Kumar Chaudhary declined his evacuation from the battlefield and instead advanced at the Maoists. His advance infused fresh vigour on the troops and to match the bravery of the injured trooper, the team members made a concerted effort and advanced using tactics of fire and move. The concerted effort and tactical use of ground resulted in injuries to some of the Maoists and their morale began to shatter. Finding that despite sustaining injuries the troops are advancing and the gap between them is getting closer, the Maoists found it safe to flee from the area and save their lives. The troops chased the fleeing maoists but the maoists fled taking advantage of terrain and from their pre-decided escape routes.

During the operation and counter-ambush drill, CT/GD Arvind Kumar Chaudhary despite being grievously hurt overcame the excruciating pain and rained havoc at the well-entrenched Maoists. His dare-devilry attitude not only saved the lives of whole group falling prey to the ambush but also forced the maoists to withdraw with defeat.

In this encounter Shri Arvind Kumar Chaudhary, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/01/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 68-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Ajay Pal,
   Assistant Commandant
2. Vikash Pradhan,
   Constable
3. Puran Kumar,
   Constable
4. Pramod Kumar Saroj,
   Constable
5. Dalbir Singh,
   Constable
6. Ashwani Kumar,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12/01/2015, based on an int input about presence of large number of Maoists in Chiraiyatand jungle under PS Chouparan, Distt. Hazaribag, a two days and one night special, operation code named "VIJAY" was launched at 0300 hours by joint troops' of CRPF and State Police. They were formed into three teams. The teams were given three specific areas to search. The teams after surreptitiously entering the area in the dark began the search at the break of dawn. Accordingly, Team No. 3 commanded by Sh. Ajay Pal, Asstt. Comdt. was combing the jungle patch near village Bukar. At around 1010 hrs, the team while negotiating a hillock came under intense fire of Maoists perched at the top of it. The sudden indiscriminate and heavy fire aimed at the troops forced them to look for covers. It was a miraculous escape especially for the scouts namely Ct/GD Dalbir Singh, Ct/GD Ashwani Kumar and Shri. Ajay Pal, Asst. Comdt. and other troops. None got injured from the barrage of bullets. The enemy was not visible due to dense foliage and his advantageous position at the hilltop. But from the volume of fire it could be well gauged that they were in good number. Sh. Ajay Pal, AC finding his team in disadvantageous position and under grave threat to life ordered it to open fire in the general direction from where the fire was coming. Further he divided his team into two and ordered the second small team to attack the Maoists from left flank. The second team consisting of Ct/GD Vikash Pradhan, Ct/GD Puran Kumar and Ct/GD Pramod Kumar Saroj as scouts despite of heavy volume of fire moved out of the secure positions and advanced to the left flank and engaged the Maoists. As the Maoists got engaged with the second team, Sh. Ajay Pal, Asst. Comdt. Along with Ct/GD Dalbir and Ct/GD Ashwani Kumar moved ahead and came closer to the Maoists position. As they reached near, they noticed that some Maoists were fleeing away from the area while others were constantly firing at the troops from behind the trees and other secured covers. The three daredevils without caring for their own lives moved out of covers and opened heavy fire at the fleeing Maoists. The intense fire yielded result and one maoist was seen falling due to bullet injuries. On noticing that the three of the troopers had reached near and soon others would follow, the Maoists concentrated their fire at them coupled with lobbing of grenades. The three daredevils on receiving the barrage of bullets and grenades swing into action and moved behind covers while retaliating to the fire. As the Maoists again concentrated their fire towards the main team, the second small team members mainly Ct/GD Vikash Pradhan, Ct/GD Puran Kumar and Ct/GD Pramod Kumar Saroj moved further ahead and opened fire at the Maoists hiding behind covers. The concentrated fire of the two teams resulted in killing of a maoist who was firing from behind a tree with his automatic weapon. The accurate fire and courageous act from two directions dented the morale of the Maoists and they also began to flee one after other while firing at the troops. Seeing the fleeing Maoists, all six brave troopers who were at lead, without caring for the bullets aimed at them, came out of their covers and charged at the Maoists. Their concentrated daredevil effort again yielded result and one more Maoist was killed. Some Maoists got injured in the close gun fight but they managed to flee taking advantage of dense foliage and terrain.

After the firing subsided the area was searched and dead bodies of three maoists namely Arjun Yadav @ Piyaju, S/O Late Bhola Yadav, Age-44 years (approx), Village -Bataspuri Police station - Atti, Distt.Gaya (Bihar), Suresh Yadav @ Chandan, Age- 44 years (approx), S/O Late Ramratan Yadav, Village Mirganj Police Station Paraya, Distt.Gaya, (Bihar) and Manorajan Prajapati, Age-30 years (approx), S/O Late Keshar Prajapati, Village Simwa, Police Station Raffiganj, Distt. Aurangabad (Bihar) were recovered along with recovery of huge number of Arms and Ammunition and other incriminating items. The main recoveries included :—

SL No.	ITEMS	QUANTITY
1	7.62 SLR	01 No.
2	5.56mm. Insas Rifle	01 No.
3	303 Bolt Action Rifle	01 No.
4	Assorted Ammunitions	218 Nos
5	Can Bomb	01 No. (5 Kgs)
6.	Detonator	01 No. with wire
7	Magazines	06 Nos
8	Camera Flash Light	01 No.
9.	Electronic Multi-meter	01 No.
10	Indian Currency	Rs. 6,39,500/-
11	Compass	01 No.

Shri Ajay Pal, Asstt. Commandant and his team consisting of personnel of 22 Bn CRPF have set an example of devotion to duty, unparalleled courage and bravery during an operation which resulted in neutralization of three Maoists and huge recovery of arms and ammunition. During this operation, though the death always remained just a whisker away from them, they do not at any moment cared for their lives and put the

In this encounter S/Shri Ajay Pal, Assistant Commandant, Vikash Pradhan, Constable, Puran Kumar, Constable, Pramod Kumar Saroj, Constable, Dalbir Singh, Constable and Ashwani Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/01/2015.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 69-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Rajesh Kumar Vishwakarma,
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

A small team operation was conducted on 18/01/2015 by the unit QAT of 193 Bn alongwith Jharkhand police in village Bikrampur, PS Musabani, East Singhbhum on an input that 3-4 naxals are likely to come to attend *Tussu* fair. Meticulous operational planning with an eye on small details combined with brilliant and mindful execution did marvels as security forces neutralized one active naxal after a gap of almost four years in the area.

At about 1700 hrs, own party moved towards the target area in civil vehicle and left it almost 500 meters before the venue and moved tactically towards the fair hiding their weapon and identity. Two informers of state police signalled towards the two group of 4/5 naxals. Number of naxals there was almost double than the information. Despite presence of more number of naxals, CT/GD Rajesh Kumar Vishwakarma and HC/GD Fayaz Hussain pounced upon them and caught hold of one naxal each. Immediately naxals started incessant firing and as a result one bullet hit CT Dakhija, Murmu of Jharkhand police. CT/GD Rajesh Kumar Vishwakarma saw one naxal firing and running. Due to large number of civilians in the fair, he chose to chase the fleeing naxal over firing and despite being alone CT/GD Rajesh Kumar Vishwakarma without caring for his own life chased the fleeing naxal. When he approached near him, the naxal fired upon him. Giving a toss to him, CT/GD Rajesh Kumar Vishwakarma retaliated to fire with fire and pounced upon him to disarm and overpower. Meanwhile he saw another naxal firing in close vicinity. CT/GD Rajesh Kumar Vishwakarma immediately took position, moved towards the said naxal and retaliated the fire keeping in view the huge public gathering in the fair, but the said naxal however managed to escape under the cover of large gathering and darkness. CT/GD Rajesh Kumar Vishwakarma crawled and reached where he had shot one naxal and found him bleeding profusely. Later during search, one country made pistol and 05 Nos of .315 rounds recovered from the spot. Injured naxal was immediately brought to Musabani Primary Health Centre where doctors declared him brought dead. Dead naxal later on identified as Kunwar Murmu@ Jhoru of village Dalmakocha, PS Musabani, East Singhbhum. He was an active member of Gurabanda Dasta and wanted by police in case No.51/14 dated 18/10/2014 and case no. 4/15 dated 18/01/2015 of Musabani PS under section 147, 148, 149, 302, 304, 323, 333 and 353 of IPC, 25/1-b, A26 and 27 Arms Act and 17 (1)(11) CLA Act.

CT/GD Rajesh Kumar Vishwakarma exhibited great courage, selflessness, high regard for life of civilians and killed one naxal single handedly which has dented the morale of naxal dasta in the area to a great extent.

In this encounter Shri Rajesh Kumar Vishwakarma, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/01/2015.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 70-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Devraj Gurjar,
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Series of special operation i.e. Samna-I, II, Ill were carried out with effect from 05/12/2012 to 05/01/2013 in the core areas of maoist in Palamu district of Jharkhand.

As a result of Samna I, II and III, the maoist cadres along with their top leaders shifted to the core area in Latehar. On 07/01/13, after getting information about presence of large number of naxals led by Deo Kumar Singh @ Arvind @ Nishant (member CC & CMC) along with other senior leaders, an operation Samna-IV was planned. Accordingly, Strike-II comprising of two Coys of 112 Bn, CRPF, one Coy of 134 Bn CRPF and one assault team of Jharkhand Jaguar was formed. The task assigned to the Strike-II was to carry out cordon and search operation in the dense forest area of Village Jobe-Amwatikar, North of village Katia under PS Barwadih, district Latehar.

After briefing, the joint troops were to reassemble at pillar No. 239 near Hehegara Railway station. The troops of 112 Bn CRPF reached at pillar No. 239 early in the morning and had to wait for the troops of 134 Bn, CRPF and Jharkhand Jaguar which were coming from Daltonganj by train as the train to be boarded by troops of 134 Bn, CRPF and Jharkhand Jaguar, was running late. However, the troops of 134 Bn and Jharkhand Jaguar reached at pillar No. 239 and the combined troops under overall command of Shri Ram Palat, 2-I/C, 112 Bn, CRPF reorganized at Hehegara and as per strategy moved towards the target area.

The combined troops U/C Shri Ram Palat, 2-I/C, 112 Bn further moved cross-country towards area of operation. The strike party while advancing towards Village Amwatikar, a group of CPI (Maoist) ambushed the party. This deadly ambush was well planned in which a large numbers of Maoists took positions in surrounding hilltops and trees. The Maoists suddenly opened heavy fire by automatic weapons, lobed grenades and exploded IEDs from multiple directions. The troops of 112 Bn who were in lead came under heavy fire and few personnel got bullet injuries in burst fire. Troops immediately took positions and retaliated the fire. Fierce gun battle continued from both sides. The troops of A/134 under command of Shri Pawan Kumar Badgujar, AC which took positions in rear, after assessing the situation started to encircle the firing Maoists and to support the front party from left flank. But taking advantage of height and dominating ground, Maoists targeted our troops which were advancing from left flank. The fierce encounter continued for more than three hours. Party used area weapons like CGRL, 51mm mortar, GF and UBGL. CT/GD Dev Raj Gurjar of 134 Bn was carrying CGRL and was ordered by his Coy Comdr to fire H.E. Bombs from the CGRL to break the ambush. Amidst heavy fire from naxal side, he crawled to a strategic point without caring for his life and fired 2 H.E. Bombs accurately. This fire had deterred, the Maoist from advancing. He did not stop here only and he used weapons of injured and martyred force personnel. His incredible valiant action had not only saved lives of injured personnel but also prevented maoist from snatching and looting weapons of injured and martyred. He also succeeded to convey the ground situation to the Base Camp Commander through Mobile phone. On seeing strong retaliation of our troops, the Maoists could not hold their positions further and started fleeing taking advantage of thick jungle and rugged terrain. In this deadly encounter, our troops fought gallantly and bravely with tactical acumen and forced the Maoists to flee. During the course of this gun battle with the dreaded Maoists, 10 brave jawans of CRPF sacrificed their lives. Besides, 12 jawans also got severe bullet/splinter injuries during this gun battle. Re-inforcement from 11 Bn and 203 CoBRA reached to incident site. Injured personnel and dead bodies were retrieved from place of incident and evacuated by train to Daltonganj and further by chopper to Apollo Ranchi for treatment.

CT/GD Dev Raj Gurjar of 134 Bn had shown exemplary courage, extraordinary grit and determination. Despite clear threat to his life, he fought gallantly and prevented snatching away of weapons of all martyred and injured personnel.

In this encounter Shri Devraj Gurjar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07/01/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 71-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Badal Roy, Constable (Posthumously)
2. Sushil Kumar, Sub Inspector
3. Ajay Manohar Devrekar, Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

An information of kidnapping of 04 Panchayat Rojgar Sewak of Pirtand Block, Distt.-Giridih was received by 22 Bn CRPF on 26/01/2014. The input further suggested that the kidnapping was executed by Ajay Mahto, a dreaded maoist commander and member of Jharkhand Regional Committee of Maoists. An urgent action for release of abductees was required as their lives were in extreme danger. To hunt the maoists in Parasnath Hills, the suspected area of hideout, with dense forest cover and rugged terrain, an operation codenamed "TALASH-I" was planned jointly by DIG (Ops) Hazaribag, Commandant-7th Bn CRPF, Commandant 154 Bn CRPF and S.P. Giridih. As the area to be search was huge, four teams were formed and each team was given two targets to hit which were suspected hideouts of Maoists. Without wasting any time, the teams were launched on the night of 26/01/2014 only. Strike Team No. 3 was commanded by Sh. K S V Balakrishan, Asst. Comdt. and SI/GD Sushil Kumar, Ct/GD Ajay Manohar Devrekar and Ct/GD Badal Roy were the scouts leading the team. After navigating whole night in the dense jungle and rugged terrain this strike team reached near its first target before dawn. As the visibility improved, the team launched the search but contact with maoists could not be established. After it, the team moved ahead to attack the second hideout. The second suspected hideout was on a hill top with dense vegetation. The team reached at the base of the hill at around 1345 hrs and moved uphill cautiously. Hardly had the team moved few paces ahead, the maoists perched at the hilltop opened heavy fire at it. The team retaliated to the fire and took position. The commander ordered his team to advance adopting tactics of fire and move. As the scouts namely SI/GD Sushil Kumar, Ct/GD Ajay Manohar Devrekar and Ct/GD Badal Roy crawled ahead and they noticed that the area ahead had been mined with series of IEDs.

To further move ahead under heavy fire and launch an assault at the maoists, it was imperative to make a passage through the series of IEDs. The scouts under command SI/GD Sushil Kumar took the responsibility on themselves and taking risk of their lives snapped the connectivity of IEDs. As the team moved ahead using the passage created, the maoists noticed the breach of their defense and initiated the IEDs. The IEDs till which the initiating charge reached got blasted but it could not do any major harm to the troops. Enthused by the success of breaking the defense and to prevent the escape, the scouts daringly advanced and charged at the maoists. In the bold and daring assault of the scouts some of the Maoists got injured. As the scouts moved further ahead in the charged environment, a series of blasts took place which rocked the whole area and dust and fumes engulfed it. The maoists had cleverly planted IEDs in layers ahead of their hideout so that even if one layer is breached another could be detonated. The blasts took a heavy toll as the scouts got seriously injured while other 11 received splinter injuries. But the scouts had the heart of steel and were not the ones to allow the injuries take over their determination. Though the blasts had blown off one foot each of SI/GD Sushil Kumar and CT/GD Ajay Manohar Devrekar and severely maimed the back of CT/GD Badal Roy, the three held to their weapons and overcoming the excruciating pain fired at the maoists. The maoists on noticing that most of the troopers were injured moved ahead for final kill and snatching of weapons. Noticing the advance of maoists, CT/GD Badal Roy crawled to a pit nearby and took position in it while SI/GD Sushil Kumar and CT/GD Ajay Manohar Devrekar crawled behind the boulders and took position. The three then rained heavy fire at the advancing maoists which forced them to halt their advance. The daredevilry attitude and counter-attack held the maoists at bay till the other troopers at back overcame the shock and realized the intention of maoists. The rear troopers soon supported the brave and trapped scouts at front forcing the maoists to alter their plan and opt to retreat. The troops advanced and reached till the hideout and found the four abductees tied there. Though, the maoists managed to flee but not before sustaining injuries and losing to the grit, valour and determination of the injured troopers. The injured were evacuated from the battlefield but CT/GD Badal Roy breathed his last during evacuation and attained martyrdom. SI/GD Sushil Kumar and CT/GD Ajay Manohar Devrekar were admitted at Appolo Hospital, Ranchi where their one foot each was amputated.

During the operation, despite sustaining serious injuries in the IED blast and his body totally maimed, CT/GD Badal Roy overcame the excruciating pain and counter attacked the maoists. He held to his weapon and held the maoists at bay who were advancing for final kill and looting of weapons. For the lives of his troops and for the lives of the abducted civilian, the braveheart sacrificed his own life. Such acts of selfless sacrifice are rarely heard of. Similarly SI/GD Sushil Kumar and CT/GD Ajay Manohar Devrekar displayed exemplary courage during the operrlion wherein they first neutralized the IEDs planted by the maoists and then launched an attack at them. Though their legs were blown off in the subsequent IED blast they held their weapons and ground and stopped the advance of maoists who were moving ahead for final kill and looting of weapons. Their act of bravery not only saved the lives of their colleagues and civilians but also thwarted the ill-design of maoists of snatching the weapons.

In this encounter S/Shri (Late) Badal Roy, Constable, Sushil Kumar, Sub Inspector and Ajay Manohar Devrekar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/01/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 72-Pres/2016—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Satish Kumar Constable	(PPMG)(Posthumously)
2.	Suraj Sarjerao Mohite Constable	(PPMG)(Posthumously)
3.	Pawan Kumar, Deputy Commandant	(PMG)
4.	Rakesh Kumar, Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

One platoon of E/121 Bn is accommodated in two barracks located at the first floor of the building of PS Rajbagh, Distrist Kathua, Jammu and Kashmir, for Counter-Terrorist operations. On 20th March 2015, 02 heavily armed foreign terrorists (suspected JeM cadres) clad in Army uniform came to the main gate of the Police station along with three abducted civilians and requested the Sentry of State Police to open the gate. On enquiry they introduced themselves to be from Army and said that they had come to hand over three suspects. The Sentry opened the gate and allowed them in. No sooner did the militants enter the premises of the Police Station, that they opened indiscriminate fire and gunned down the sentry and one of the hostages. The other hostages managed to ran outside and survive. After gunning down the sentry, the militants aimed their fire towards the main building and simultaneously lobbed grenades. A sentry of CRPF namely CT/GD Pritam Paul positioned at the corridor of the 1st floor, overlooking the activities outside, immediately opened fire at the terrorists. On receiving the fire, the militants rushed towards the main entrance of the building firing indiscriminately. As the militants became out of the sight, CT/GD Pritam Paul rushed to the barracks and alerted all. Thereafter, he took his position near the stairs. After being alerted, CT/GD Rakesh Kumar, CT/GD Raj Kanwar, CT/GD Satish Kumar and CT/GD Mohite Suraj Sarjerao rushed out of the barrack to take on the terrorists and took positions near the stairs. To further strengthen their attack and to keep an eye on the activities outside, CT Satish Kumar asked CT Pritam Paul to move to the roof of the building. The terrorists finding no one at the ground floor moved towards the first floor using indiscriminate fire. CT/GD Rakesh Kumar, CT/GD Raj Kanwar, CT/GD Satish Kumar and CT/GD Mohite Suraj Sarjerao immediately retaliated the fire and stopped their advance. A fierce gun fight at a distance of less than 10 meters took place. The terrorists to gain entry at the first floor lobbed 3 grenades simultaneously, the blasts of which formed a smoke cover and inflicted injuries on CT/GD Raj Kanwar, CT/GD Satish Kumar and CT/GD Mohite Suraj Sarjerao. Of the three, CT Satish Kumar who was at front suffered severe splinter injuries. Despite being injured, the four daredevils continued their fight very bravely without caring for their lives. Terrorists taking advantage of the smoke cover moved ahead firing indiscriminately which resulted in fatal bullet injuries to CT/GD Mohite Suraj Sarjerao who was supporting CT Satish Kumar at front. Despite sustaining serious injuries, CT/GD Mohite Suraj Sarjerao and CT/GD Satish Kumar held to their positions and after coming face to face with the terrorists fired and gunned down one of the terrorists. The second terrorist seeing the fate of his accomplish fled back to ground floor and took position inside a room. As the fire stopped for a while CT/GD Rakesh Kumar pulled his three injured troopers inside the barrack and asked others to give them first-aid. After evacuating the injured he again went back to his position to stop the entry of terrorist on first floor. After waiting for some time, the terrorist again made a bid to gain entry on the first floor but the brave retaliation by CT/GD Rakesh Kumar forced him to fall back to his position. CT/GD Mohite Suraj Sarjerao and CT/GD Satish Kumar later succumbed to their injuries.

Immediately, on receipt of information, Shri Pawan Kumar Dy. Comdt. 121 Bn who was present at Battalion Headquarter reached at the place of incident along with his QAT. After assessing the situation and gaining the information about the terrorists, he planned the evacuation of his injured and trapped troopers while simultaneously launching an attack at the holed up terrorist. He himself took position in a morcha near the main gate to engage the terrorist while ordering his QAT personnel to evacuate the trapped troopers from the back side of the building through window. CT/GD Rakesh Kumar, who was inside the building ensured that all the troopers are evacuated from the building and was the last one to move out. After evacuation, Sh. Pawan Kumar, Dy. Comdt. along with his intrepid troopers embarked on a Bullet Proof bunker and ordered the driver to take it close to the Police Station building to launch the final assault. The terrorist fired heavily at the approaching bunker and lobbed grenades but his intense fire could not dent the spirit and valour of Sh. Pawan Kumar, Dy. Comdt. On reaching close to the window of the room in which terrorist was hiding, he fired grenades and tear smoke munitions which compelled the terrorist to move out of his cover. As the terrorist rushed out of his cover firing indiscriminately, Sh. Pawan Kumar, Dy. Comdt. immediately gunned him down with his sharp and aimed fire.

During the operation, the valiant troopers namely Sh. Pawan Kumar, Dy. Comdt., CT/GD Rakesh Kumar, CT/GD Satish Kumar and CT/GD Mohite Suraj Sarjerao fought from the front and neutralized two heavily armed foreign terrorists. But for the efforts of CT/GD Rakesh Kumar, CT/GD Satish Kumar and CT/GD Mohite Suraj Sirje Rao, the terrorists would

have succeeded in entering the first floor of the building and rained havoc on the troops present there. There were a number of unarmed administrative troopers which would have fallen prey to the indiscriminate fire of the terrorists. Due to the efforts of especially the martyrs, the terrorists were neutralized and their plan of heavy casualties or taking of hostages was foiled.

Recovery made :

1.	AK 47	:	02 Nos.
2.	Magazine	:	21 Nos.
3.	China Made pistol	:	02 Nos.
4.	Pistol Magazine	:	06 Nos.
5.	9 mm Amn	:	61 Nos.
6.	AK 47 Amn	:	356 Nos.
7.	Grenade	:	11 Nos.
8.	Wireless Set	:	01 No.
9.	Knife	:	01 No.
10.	Water proof jacket	:	06 Nos.
11.	Pouch	:	03 Nos.
12.	Wire cutter	:	02 Nos.

In this encounter S/Shri (Late) Satish Kumar, Constable, (Late) Suraj Sarjerao Mohite, Constable, Pawan Kumar, Deputy Commandant and Rakesh Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of President's Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/03/2015.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 73-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Ajeet Kumar Ram,
   Assistant Commandant
2. Umesh Kumar,
   Assistant Commandant
3. M. Mani,
   Constable
4. Anuraj T,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03/01/2014 a reliable input about the movement of maoists in the hilly and forested area of Gidheshwar Pahar in Distt: Jamui, Bihar was received by 215 Bn CRPF. On the input an operation codenamed "Murli" was planned and launched by the battalion along with the troops of 207 CoBRA. Four joint teams were formed of which two each were put under the command of Shri Umesh Kumar, Asst. Comdt. and Shri Ajeet Kumar Ram, Asst. Comdt. The teams surreptitiously left the base camp in the wee hours of the morning of 04/01/2014 and entered the dense jungle before the crack of dawn. A thorough search of the jungle was conducted but the contact with maoists was not established. The teams then took LUP in the jungle during the night. On 05/01/2014, the teams again launched the search and moved towards Pathak Chak Dam through hilly terrain and dense jungle. The teams moved in parallel formation coordinating their move through wireless communication. At

about 1315 hrs, as the team to the extreme right under command Shri Ajeet Kumar Ram, Asst. Comdt. was negotiating a hillock came under sudden and intense fire of the maoists present at the top. The team immediately took position and retaliated. A fierce encounter at close distance took place. Shri Ajeet Kumar Ram, Asst. Comdt. immediately conveyed the location of the maoists to other teams and ordered them to cover the area from behind and prevent the escape. Shri Ajeet Kumar Ram, Asst. Comdt. then advanced towards the maoists positions along with his small group of intrepid soldiers while ordering the remaining troopers to give support fire. As this group crawled ahead, the maoists opened heavy fire aimed at them and blasted IEDs planted for their defense. The group got engulfed in the barrage of bullets and dust and smoke filled the area around rendering any further move impossible. At this life threatening situation also the commander did not lose his cool and composure and ordered Shri Umesh Kumar, Asst. Comdt. to launch an attack from behind the maoists. Shri Umesh Kumar, Asst. Comdt., on receiving the orders, advanced close to maoists positions from behind along with his brave soldiers and launched the attack. To counter the attack, the maoists opened heavy fire at them coupled with lobbing of grenades. But the blasting of grenades and heavy fire could not deter the bravehearts and without caring for their own lives they kept firing at the maoists. As the maoists opened second fighting front, Shri. Ajeet Kumar, Asst. Comdt. advanced ahead along with his buddy namely Ct/GD M Mani towards the maoists positions. The daredevils crawled ahead amid intense fire throwing all precautions in air and launched a scathing attack at the maoists present behind secured covers. Likewise, Shri Umesh Kumar, Asst. Comdt. also moved ahead along with his buddy namely Ct/GD Anuraj T. and launched a fierce attack. The fierce attack from two directions yielded result and some of the maoists suffered severe bullet injuries. Though the maoists were firing heavily to stop the advance of the troops but the determination, dedication and morale of these brave troopers were also flying high. Their only aim at that time was to hit their target, come what may. Unmindful of their personal safety they continued the advance in a bid to reach closer to the maoists positions. The multi-directional attack from the brave troopers cornered the maoists. The maoists soon realized that they could not longer sustain the fury of the brave troopers and started fleeing from the area under cover of indiscriminate fire. The operation party, on seeing the fleeing Maoists, moved out of their covers, without caring for the bullets, chased the Maoists and fired at them. With their accurate fire they gunned down a maoist and inflicted injuries on others. The troops chased the maoists for some distance but the maoists managed to flee taking advantage of dense jungle and hilly terrain. During the search, a dead body of maoist with huge quantity of arms and ammunitions and other items i.e. one 303 rifle with 81 rounds, one magazine, one maoist uniform, one bag pack, one ammunition pouch, maoist literature and other daily used items were recovered. Lots of blood stains were also noticed in the area suggesting severe injuries sustained by the maoists. From the area of encounter three suspected cadres were also apprehended. It was later confirmed through interceptions that during the encounter five maoists were neutralized.

During the operation Shri Ajeet Kumar Ram, Asst. Comdt. and Shri Umesh Kumar, Asst. Comdt. exhibited great courage and led the troops from the front. Despite grave threat to their lives they advanced towards the maoists positions, without caring for the bullets, and counter attacked the maoists thereby inflicting heavy losses on them. Similarly, Ct/GD Anuraj T and Ct/GD M Mani matched the bravery of their commanders and fought shoulder to shoulder with them. Unmindful of their own safety and security they exhibited nerve of steel under the life threatening situation and displayed highest degree of courage and gallant.

In this encounter S/Shri Ajeet Kumar Ram, Assistant Commandant, Umesh Kumar, Assistant Commandant, M. Mani, Constable and Anuraj T, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/01/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 74-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Nikhilesh,
   Assistant Commandant
2. Birpal Singh Tomar,
   Constable
3. Mohar Singh Jadon,
   Constable
4. Veerendra Singh,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On specific intelligence received from own source about presence of a maoist dalam under LOS Commander Dinesh in the general area between villages Lendra and Bodla Pusnar, under PS Gangaloor , Distt. Bijapur (Chhatishgarh), an operation was planned. It was decided that two teams of 204 CoBRA one each under command Shri Anjani Kumar, AC and Shri. Nikhilesh, AC would comb the general area and launch an assault against the maoist dalam.

Accordingly, teams left the base Camp on 10/3/2014 and moved under thick vegetation avoiding habitation to reach nearer to the target area. The troops reached near village Bodla Pushnar by the evening and took LUP in the jungle during night. In the early morning of 11/03/14, the teams got divided and moved parallel to each other combing the area towards village Bodla Pushnar. After searching the general area the troops moved towards village Isulnar. The team under command Shri Anjani Kumar, AC was moving in left flank when it received a heavy volume of fire from a hilltop near village Isulnar. Immediately the team retaliated to the general direction of fire and took positions. The fire was coming from 3-4 directions in the midst of dense foliage therefore the location and number of Maoists could not be ascertained. To counter-attack the maoists, Shri. Anjani Kumar, AC, then ordered Shri. Nikhilesh AC, to attack the Maoists from their rear while he would engage them from front. Shri. Nikhilesh AC on receiving the probable location of the Maoists moved at the rear of the hill and started moving upward with complete stealth. The front team engaged the Maoists by frequently changing their position and firing at them. The Maoists noticing that they had succeeded in stopping the movement of troops towards them started fleeing. Shri. Nikhilesh AC who was still halfway to the hilltop noticed the decreased volume of gun fire and could make out that the Maoists are fleeing from the area.

For an immediate action he took along CT/GD Birpal Singh, CT/GD Mohar Singh Jadon and CT/GD Veerendra Singh and rushed towards the hilltop ordering the other teammates to follow them. As they neared the hilltop a group of Maoist hiding behind trees and boulders opened indiscriminate fire at them. The above personnel had a miraculous escape as bullets just whizzed pass them. But undeterred by this sudden attack, they swung into action and fired at the entrenched Maoists. A fierce gunfight at the close quarter ensued. The above four brave personnel who were at lead fought ferociously with the Maoists while other team members were still at a distance. The Maoists noticing that the number of troops is only four tried to encircle them but the strong retaliation by the brave troopers forced them to stop their advance. Soon the other teammates also neared the encounter site and opened fire at the Maoists. Seeing the number of troops increasing, the Maoists lobbed grenades in succession and taking the advantage of consecutive blasts tried to flee from the area. The consecutive blasts of grenades forced the troops to lie low for a while. As the blasts finished, the above four personnel ran after the Maoists and fired at them. The Maoists also kept firing at the troops while running from the area. Without caring for the bullets being fired at them and despite being in open, the brave hearts did not give the chase and fired and gunned down one maoist.

During search of the area, dead body of a maoist, alongwith following items were recovered

1.	Country made weapon with sling	- 01 No.
2.	Black shirt	- 01 No.
3.	Pitthu	- 02 Nos.
4.	Striped shirt	- 02 Nos.
5.	Shawl	- 02 Nos.
6.	Green shirt	- 01 No.
7.	Torch Lights	- 02 Nos
8.	Polythin green	- 02 Nos
9.	Black color pouch	- 01 No.
10.	Knots cordex wire yellow color	- 05 Nos
11.	Cordex wire red	- 05 mtr
12.	Detonator	- 02 Nos.
13.	Amn. of country made weapon.	- 20 Nos.

In this encounter S/Shri Nikhilesh, Assistant Commandant, Birpal Singh Tomar, Constable, Mohar Singh Jadon, Constable and Veerendra Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/03/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 75-Pres/2016—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Indo-Tibetan Border Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Deepak Singh,
Assistant Commandant

02. Kanwar Singh,
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Sh Deepak Singh, AC/GD commanding Chumar post and HC/Tele Kanwar Singh were deployed at Chumar Post. This is one of the toughest and highly sensitive post of Ladakh region and situated at 15500 feet above sea level. Indian Army constructed PUF Hut at Tible (general area Chumar) on 09/09/2014. As per Chinese perception this hut was constructed by Indian Army in Chinese Territory. On dated 10.09.2014. Chumar OP observed movement of PLA at 30r area. Subsequently Sh Deepak Singh, AC and HC/Tele Kanwar Singh with ITBP troops Moved forward towards 30r area and observed that PLA dozer was cutting road at 30r and they had made road 35 to 40 meters inside Indian Territory. Sh Deepak Singh, AC went forward with his troops and stopped the PLA road construction work immediately. At this time HC/Tele Kanwar Singh was deployed as radio operator with his Coy Commander to pass real time information to higher headquarters. On the night of 10.09.2014, 250 PLA troops assembled in general area 30r with dozers, JCBs and other Plant equipments. ITBP strength was also augmented immediately to 100 personnel. Indian JCB, Dozer reached at 30r and started to deface the road constructed inside Indian Territory. PLA troops became very aggressive and tried to stop the dismantling of road by shouting and pushing back Indian troops.

PLA started to push back the Indian troops to stop defacing of road. PLA commander threatened Deepak Singh and tried to put pressure by having presence of large number (300) of Chinese soldiers at site and warned him about possible reactions of Chinese troops but Deepak Singh was not subdued by all this rhetoric. Without fearing for his life, Deepak Singh stood in front of Chinese dozer with ITBP troops as a true commander and in devotion of duty to the nation. PLA troops have also threatened ITBP soldiers time and again & tried to put pressure citing the history of Indo-China war, but HC/Tele Kanwar Singh stood firm in front of PLA dozer without fearing for his life. During this whole operation, HC/Tele Kanwar Singh bravely performed the task of a general duty soldier which exhibited his extraordinary capabilities and dedication towards his job and love for mother land in addition to passing real time accurate information. On dated 11.09.2014 by 0430 hrs, road constructed by PLA inside Indian Territory was completely broken/defaced under the leadership of Deepak Singh.

On 13.09.2014, situation became extremely critical when 200 to 250 PLA along with dozer, JCBs and other plant equipments assembled at 30r area with the intention to reconstruct the road and to dismantle the Army hut at Tible.

Deepak Singh AC/GD and HC/Tele Kanwar Singh along with ITBP troops formed a human chain ahead of PLA road cutting vehicles and prevented them from moving.

On 13-09-2014 evening, PLA Commander became adamant and shouted that as per order of his higher Cdr, PLA is going to construct the road up to Tible and dismantle the Army hut at any cost for which they have clear orders to ram through and to open fire if need be. The situation became very volatile and could have led to skirmishes. When AC Deepak Singh was engaged in discussion with PLA, HC/Tele Kanwar Singh passed the real time information to headquarters to make further plans at headquarters level. Deepak Singh spread his troops in small- small parties to stop PLA. Without caring for their life, AC Deepak Singh HC/Tele Kanwar Singh stood in front of PLA dozer along with troops at 30r area in extreme cold, hostile weather and high attitude terrain with the firm intention of stopping PLA and did not allow them to advance a single inch inside Indian Territory. His action speaks highly of his devotion and highest sense of dedication towards motherland. Deepak Singh AC/GD and HC/Tele Kanwar Singh ITBP displayed immense foresight, maturity, calmness, high level enthusiasm and leadership in abnormal situations.

The Chinese intention was to connect the road at 30r and go up to Tible ard dismantle Army hut by using various tactics. By his foresight, Sh Deepak Singh, AC anticipated the PLA actions and stopped PLA advance from any direction. Sh Deepak Singh, AC calmly handled the Chinese aggressive stance and also consistently calculated their future moves. ITBP troops remained at hand shaking distance with PLA round the clock during entire period of stand-off without caring for

relief and respite in extreme cold climate. Sh Deepak Singh, AC and HC/Tele Kanwar Singh have exhibited true professionalism, hard work, toughness, deep sense of responsibility and devotion to motherland in the cold desert of Ladakh.

This commendable act of Deepak Singh and HC/Tele Kanwar Singh has been highly appreciated by Army officers as well. Their immense contribution and leadership has created a feeling of self pride in ITBP troops and has given them tremendous confidence of tackling such situations in the future.

In this action S/Shri Deepak Singh, Assistant Commandant and Kanwar Singh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/09/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

New Delhi, the 2016

RESOLUTION

No. 11014/1/2014-Hindi-1—In supersession of the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions Resolution No. 11014/1/2009-Hindi-I dated January 30, 2013, the Government of India, hereby, reconstitutes the Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions with immediate effect. The Composition, Functions, Tenure etc. of the Samiti will be as under :—

1. Composition

1.	Minister of State for Personnel, Public Grievances and Pensions	Chairperson
	Non-Official Members	
	(Representative of Ministry of Parliamentary Affairs)	
2.	Mr Kunwar Harivansa Singh, Member of Parliament (Lok Sabha)	Member
3.	Srimti Supriya Sadanand Sule, Member of Parliament (Lok Sabha)	Member
4.	Mr. Ramnarayan Dudi, Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member
5.	Mr Ghulam Rasool Bliavi, Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member
		Member
	(Representatives of Committee of Parliament on Official Language)	
6.	Dr Sunil Gaikwad Baliram, Member of Parliament (Lok Sabha)	Member
	Local Add.- Jai Shri Building, light city, Latur -413 512, Maharashtra	
	Permanent Add.- New Maharashtra Sadan, New Delhi-110 001	
7.	Mr Vasishta Narayan Singh, Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member
	Local Add.- AB -93, Shahjahan Road, New Delhi	
	Permanent Add.- Lalganj, Kvin, PS Dumrav Textile,	
	Thana Dumrav, district-box, and, Bihar	
	Members nominated by Hon'ble Minister of State for Personnel	
8.	Mr R. P. Singh	Member
9.	Mr. Rishi Raj Meena	Member
10.	Mr. Naveen Kumar	Member
	Local Add. – F-226, Mangal Bajar Road, Laxmi Nagar, Delhi-92	

11.	Mr. Dashrath Singh Rathore Local Add.- Quarter No. 5, Karni Nagar, Queens Road, Khatipura, Jaipur (Rajasthan)	Member
	Members nominated by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs	
12.	Swami Yajyanand Sarswati Local Add.- 208, Prem Puri, Muzzfarpur, Uttar Pradesh	Member
13.	Mr. Raghvenddhira Local Add.- 333, Third Block, The Embassy, Ali Asgar Road, Bangalore	Member
14.	Mr. Abhisek Gupta Local Add.- Flat No. 42, Rajabajar Apartment, Rajabajar, Beli Road, Patna-800014	Member
	Representative of All India Hindi Organization Hindi Sahitya Sammelan – Pryag	
15.	Shri Nandal Hitaishi, 67/45 Cotabgadha, Prayag, Allahabad -211 002 (UP.) Mo. No. 9415286634	Member
	Members nominated by Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad	
16.	Mr. Suresh Tiwari, H -1 202, Amrapali Village Drive State Clause M-2 (Near black stone), Indirapuram, Ghaziabad -201 014 (UP)	Member
	Official Members	
17.	Secretary (Personnel)	Member
18.	Secretary (Administrative Reforms and Public Grievances and Secretary, Deptt. of Pension and Pensioners' Welfare)	
19.	Secretary, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs	Member
20.	Additional Secretary (Services and Vigilance)	Member
21.	Establishment Officer and Additional Secretary	Member
22.	Joint Secretary (Training)	Member
23.	Joint Secretary (Establishment)	Member
24.	Joint Secretary and chief welfare officer	Member
25.	Joint Secretary, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs	Member
26.	Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie	Member
27.	Director, Central Bureau of Investigation, New Delhi	Member
28.	Chairman, Staff Selection Commission, New Delhi	Member
29.	Director, Institute of Secretariat Training & Management, New Delhi	Member
30.	Joint Secretary (Administrative Tribunal & Administration)	Member-Secretary

2. FUNCTIONS

The Samiti will advise on the matters relating to progressive use of Hindi in official work of the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions in accordance with the policies laid down by the Kendriya Hindi Samiti and the guidelines issued by the Department of Official Language in this regard from time to time.

3. Tenure

The tenure of the Samiti will ordinarily be three years from the date of its constitution provided that :-—

a) the Members of the Parliament who are members of the Samiti shall cease to be the members of the Samiti as soon as they cease to be the Members of the Parliament ;
b) the Members of the Parliament who are the members of the Samiti by virtue of their being members of the Committee of Parliament on Official Language shall cease to be the members of the Samiti as soon as they cease to be the Members of the Committee of Parliament on Official Language ;
c) Ex-officio members of the Samiti shall continue to be the members of the Samiti as long as they hold the office by virtue of which they are the members of the Samiti ; and
d) if any vacancy arises in the Samiti owing to death of a member or owing to tendering of resignation by a member, the member so appointed against that vacancy shall hold office for the residual term of the Samiti.

4. General

The Headquarter of the Samiti will be at New Delhi.

5. Travelling and other allowances

For attending the meetings of the Samiti, Travelling Allowance and Daily Allowance will be admissible to the Non-Official Members as per the guidelines contained in the Department of Official Language Office Memorandum No. II/20034/4/86-O.L.(A-2) dated 22nd January, 1987 and the rates and rules revised by Govt. of India from time to time.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to the following :—

President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Committee of Parliament on Official Language, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, All members of the Samiti and All Ministries and Departments of the Govt. of India.

Ordered also that this Resolution be published in the Gazette of the India for general information.

ARCHANA VARMA)
Joint Secretary

MINISTRY OF PANCHAYATI RAJ

New Delhi-110001, the 7th March 2016

RESOLUTION

No. E-11015/1/2015-Hindi— In pursuance of the Ministry of Home Affairs, the Department of Official Language O.M. No. II/20015/45/87-OL (A-2) dated 15.03.1988, 4.5.1989 and O. M. No. II/20015/64/89-OL (A-2) dated 11.1.1990, OM No. II/20015/6/92-OL (A-2) dated 10.6.1992 and O.M. No. II/20015/4/2000-OL (Policy-2) dated 31.5.2000 and in supersession of the Ministry of Panchayati Raj's resolution no. E-11015/1/2010-Hindi dated 28/11/2016 as amended from time to time, Government of India has decided hereby to reconstitute the Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Panchayati Raj.The composition, functions and tenure etc of the Samiti shall be as follows under :—

COMPOSITION

Minister, (Panchayati Raj)	Chairman
Minister of State (Panchayati Raj)	Dy Chairman

Non-official Members

Members nominated by the Ministry of Parliamentary Affairs

Two Members of Parliament from Lok Sabha

1.	Shri Ravindra Kushwaha	Member
2.	Shri Mohammad Salim	Member

Two Members of Parliament from Rajya Sabha

3.	Shri Amar Shankar Sable	Member
4.	Shri Pravez Hashmi	Member

Two Members of Parliament nominated by the Committee of Parliament on Official Langauge

5.	Shri A.Anwar Raajhaa, MP (Lok Sabha)	Member
6.	Prof. Ram Gopal Yadav, MP (Rajya Sabha)	Member

Representatives from Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad, XY-68, Sarojini Nagar, New Delhi

7.	Shri Ram Naresh Tiwari 797/1 C, Pindiwasa Bhawan, Baghambari Marg, Allahbad-211006	Member

Representative from Akhil Bhartiya Hindi Sanstha Sangh, Samudayika Kendra (D.M.C.) 10788-89 Jhandewalan Road, Nabi Karim, New Delhi – 110055

8.	Shri Tejas S.Thakar, Principal, Panchayati Raj Training Centre, Shadra Gujarat, Vidyapeeth, Post Shadra, Distt. GandhiNagar (Gujrat)-382320	Member

Hindi Scholars nominated by the Ministry of Panchayati Raj

9.	Smt. Geeta Reader, Bhagat Phool Singh University Sonepat (Haryana)	Member
10.	Prof. Ch. Sanjeeva Professor (Retd.), Department of Hindi, Dean Faculty of Arts, Kakatiya University, Warangal (Telangana)	Member
11.	Dr. Ramsajan Pandey, Professor, Department of Hindi Maharishi Dayanand University, Rohtak (Haryana)	Member
12.	Dr. Bhagaban Tripathy, Principal, Aska Science College,Aska, PO- Nuagaon, Ganjam, Odisha – 761111	Member

Members nominated by the Ministry of Home Affairs(Department of Official Langauge)

13.	Shri Taaresh H.No. 52, Kirari Village, Delhi -110086	Member
14.	Shri Abhaya Kumar Road No. 6, Rajeev Nagar, Patna, (Bihar)-800024	Member
15.	Shri Amit Mohan, 2, New Market Timarpur, New Delhi-110054	Member

Official Members

Ministry of Home Home Affairs (Department of Official Language)

16.	Secretary	Member
17.	Joint Secretary	Member

Ministry of Panchayati Raj

18.	Secretary	Member
19.	Additional Secretary (AKG)	Member
20.	Additional Secretary (RSS)	Member
21.	Additional Secretary & Financial Adviser	Member

22.	Joint Secretary (ISC)	Member
23.	Joint Secretary (DKS)	Member
24.	Joint Secretary (SM)	Member
25.	Director (CC)	Member
26.	Director (DK)	Member
27.	Deputy Secretary (KSP)	Member
28.	Deputy Secretary (DP)	Member
29.	Senior Adviser	Member Secretary

FUNCTIONS

2. The functions of the Samiti will be to advise for the effective implementation of the policies laid down by Kendriya Hindi Samiti and Department of Official Language regarding the use of Hindi for official purpose in the Ministry of Panchayati Raj.

TENURE

3. The tenure of the members of the Samiti will normally be three years from the date of its reconstitution subject to the following :—

(a) A member, who is a Member of Parliament, will cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament;

(b) The ex-officio members of the Samiti shall continue as members so long as they hold the office by virtue of which they are members of the Samiti;

(c) A member nominated against a vacancy arising in the Samiti due to the death or resignation of any member shall hold office only for the residual term out of the original period of three years.

HEADQUARTERS

4. The Headquarters of the Samiti shall be at New Delhi, but Samiti can hold its meeting in any other place other than Delhi, if necessary.

T.A./D.A. AND OTHER ALLOWANCES

5. The Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, vide their Office Memorandum No. II/20034/04/2005-OL (Policy-2) dated 03rd February, 2006 has stated that as the 15 non-official members include six (06) Members of Parliament, nominated in the Hindi Salahkar Samitis constituted by Central Ministries / Departments, so the provision regarding travelling / daily allowance is made more elaborate in the following manner :—

(a) The Members of Parliament nominated in the Samiti will be paid Travelling Allowance and Daily Allowance as per the provisions in the "Members of Parliament (Salary, Allowance & Pensions) Act, 1954", amendment issued from time to time and rules made thereunder.

(b) Travelling Allowance and Daily Allowance to other non-official members of the Samiti will be paid as per the guidelines contained in the Department of Official Language O.M. No. II/22034/04/86-OL (A-2) dated 22nd January, 1987 and in accordance with the prescribed rates and rules as amended from time to time by the Government of India.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the members, all State Governments, Administrations of Union Territories, President's Secretariat, Vice-President's Secretariat, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Committee of Parliament on Official Language, NITI Aayog, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues, Election Commission, Union Public Service Commission and all Ministeries and Departments of the Government of India, pay and Account officer, Ministry of Panchayati Raj

It is also ordered that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India for general Information.

RUGMINI PARMAR
Senior Adviser

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

New Delhi, the 15th January 2016

No. F.9-5/2001-U3(A)—Whereas the Central Government is empowered under Section 3 of the University Grants Commission (UGC) Act, 1956 to declare, on the advice of the UGC, an institution of higher learning as a deemed-to-be-university;

2. And whereas, a proposal was received for grant of status of deemed-to-be-university (under *de novo* category) to Central Institute of Buddhist Studies (CIBS), Choglamsar, Leh (Ladakh), Jammu & Kashmir, under Section 3 of the UGC Act, 1956;

3. And whereas, the University Grants Commission examined the said proposal with the help of an Expert Committee and vide their communications F.No. 24-1/2012 (CPP-I) dated the 4th August, 2015 and subsequent clarifications of even number dated 7th October, 2015 and 23rd December, 2015 recommended conferment of status of 'deemed-to-be-university' under *de novo* category to Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh (Ladakh), Jammu & Kashmir, under Section 3 of the UGC Act, 1956, for a provisional period of five years;

4. Therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the UGC Act, 1956, the Central Government, on the advice of the UGC, hereby declare that 'Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh (Ladakh), Jammu & Kashmir, shall be a deemed-to-be-university for the purpose of the aforesaid Act, provisionally, for a period of five years under the de novo category, from the date CIBS disaffiliates itself for its courses/programmes from Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi and Tibetan Medicines and Astrology Department, Dharamsala. The declaration of CIBS as deemed-to-be-university shall be confirmed after five years on the basis of five successive annual performance reports of UGC Expert Committee(s).

5. The declaration made in para 4 shall be subject to following conditions :

I. UGC Regulations (Institutions Deemed to be University) 2010 amended in the year 2014 and 2015 and any further amendments, and guidelines of UGC issued from time to time w.r.t. Deemed to be University shall be binding on the CIBS.

II. Notwithstanding anything in 5(1) above, the declaration is further subject to the following conditions :

a) The CIBS shall amend/update its Memorandum of Association (MoA)/Rules, as and when necessary, in consultation & concurrence with the UGC/Government of India. The Central Institute of Buddhist Studies (CIBS) shall also carry out amendments/improvements, if any, suggested by the Government of India or the UGC, in its MoA/Rules.

b) The CIBS shall not offer any distance education programmes.

c) The CIBS shall not open or operate any off campus(es)/off shore campus(es)/new Department(s) without prior approval of the UGC and the Government of India.

d) CIBS is also not permitted to affiliate any college(s)/institution(s).

e) CIBS shall not undertake franchising of higher education which is not permissible under any circumstances.

f) The academic programmes offered or to be offered by CIBS will conform to the norms and standards prescribed by the relevant Statutory Councils.

g) The CIBS shall not offer/award, as the case may be, any degrees that are not specified by the UGC. It shall also ensure that the nomenclatures of the degrees, etc. to be awarded by it are specified by the UGC under Section 22 of the UGC Act, 1956.

h) All the prescribed norms and procedures of the relevant Statutory Councils and other authorities concerned in the matter of admission of students, intake capacity of students, starting of new courses/programmes, renewal of approval to the courses, etc. will continue to be in force, and shall be adhered to by the CIBS.

i) The CIBS shall take all necessary steps to comply with the observations and suggestion, if any, of the Expert Committee of the UGC as made out in its relevant Inspection Report;

PRAVEEN KUMAR
Joint Secretary

MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

New Delhi, the 11th May 2016

RESOLUTION

No. F. 4(2)/2014-Hindi Shri Amar Shankar Sable, Member of Parliament (Rajya Sabha) is hereby nominated as Member of the Hindi Salakar Samiti of the Ministry of Parliamentary Affairs against the vacancy caused by the retirement of Smt. Bimla Kashyap Sood, Member of Parliament from Rajya Sabha.

ORDER

A copy of this Resolution may be forwarded to all State Governments and Union Territories Administrations, All Ministries and Department of the Government of India, President Sectt., Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Lok/Rajya Sabha Sectt., Niti Aayog, Parliamentary Committee on Official Language, Comptroller and Auditor General of India and Pay and Accounts Office, Cabinet Affairs, New Delhi.

This Resolution may be published in the Gazette of India for information of the public.

DR. SATYA PRAKASH
Joint Secretary

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय, एन.आई.टी. फरीदाबाद में अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा ई-प्रकाशित, 2016

UPLOADED BY DIRECTORATE OF PRINTING AT GOVERNMENT OF INDIA PRESS, N.I.T. FARIDABAD AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2016

www.dop.nic.in